REGISTERED NO. D-(D)—78

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 4, 1978 (कार्तिक 13, 1900)
No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 4, 1978 (KARTIKA 13, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 4
PART III—SECTION 4

विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई, दिनांक 5 अक्तूबर, 1978

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ मे की गयी निम्नलिखित नियुक्तियो की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री आर० एन० भार्गव को केन्द्रीय कार्यालय के स्टाफ मे दिनांक 4 अक्तूबर 1978 से उप शाखा निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है।

श्री एच० सी० श्रीवास्तव को केन्द्रीय कार्यालय के स्टाफ में दिनाक 3 अक्तूबर 1978 से उप शाखा निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है।

वी० एस० नटराजन
प्रबन्ध निदेशक

बम्बई, दिनाक 7 अक्तूबर 1978

सूचना

सं० एस० बी० डी०/नं० 14/1978—भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम 1959 (1959 का 38वां) की धारा 26/2 के अनुसार लेफ्टिनेण्ट जनरल सगत सिंह मेघना फार्म, खाटीपुरा जयपुर, जो अधिनियम (तत्रैव) की धारा 25, उप धारा (1) के अनुच्छेद (ग) के अनुसार स्टेट बैंक ऑफ बिकानेर एण्ड जयपुर के बोर्ड पर निदेशक नामित किए गए थे, उनकी नियुक्ति अवधि 12 अक्तूबर 1978 को समाप्त होती है।

2. इस के द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधिनियम (तत्रैव) की धारा 25, उप धारा (1) के अनुच्छेद (ग) के अनुसार तथा भारतीय रिजर्व बैंक से विचार विमर्श करने के बाद भारतीच स्टेट बैंक ने लेफ्टीनेण्ट जनरल सगत सिंह को स्टेट बैंक ऑफ बिकानेर एण्ड जयपुर के बोर्ड के निदेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि के लिए 13 अक्तूबर 1978 से 12 अक्तूबर 1981 (दोनों दिन सम्मिलित) तक फिर से नामित किया है।

पी० सी० डी० नाम्बियार
अध्यक्ष

भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान

कलकत्ता-700071, दिनाक 12 सितम्बर 1978

सं० 4 ई० सी० ए० (1)/6/78-79—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतत द्वारा

यह सूचित किया जाता है कि चार्टर प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा (1)(ग) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से निम्नलिखित सदस्यों का नाम निर्धारित शुल्क न जामा कराने के कारण 1 अगस्त 1977 से हटा दिया है।

क्र० सं०	सदस्य सं०	नाम व पता
1.	1837	श्री अरबिन्दा घोष 71-बी हकदालिया रोड, कलकत्ता-700019।
2.	5671	श्री हरी जयारामन, 22, मान्ड विले गार्डन्स, फ्लैट नं० ई०/4, कलकत्ता-700019।

नई दिल्ली 110001, दिनांक 25 सितम्बर 1978

सं० 4 सी० ए० (1)/10/78-79—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1(क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण श्री विल आइसैक जैकब्स 'रोज मिनार' चौथी मंजिल, फ्लैट नं० 9 पैपल रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 का नाम 28-6-78 से हटा दिया है। उसकी सदस्य संख्या 800 है।

दिनांक 30 सितम्बर 1978

सं० 8 सी० ए० (1)/7/78-79—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 10(1) खण्ड (तीन) अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संस्थाओं को जारी किये प्रेक्टिस प्रमाण-पत्र उनके नाम के आगे दी गई तिथियों से रद्द कर दिये गये हैं क्योंकि वे अपने प्रेक्टिस प्रमाण-पत्रों को रखने के इच्छुक न हों :—

क्रम सं०	स० सं०	नाम एवं पता	तिथि
1	2	3	4
1.	2182	श्री एस० ओ० चौधरी ए० सी० ए०, तारा सदन, ऊपरी मंजिल, शिवा पार्क रोड नं० 4, दादर बम्बई-400028।	1-8-78
2.	5117	श्री पी० वासुदेवा मेनन, एफ० सी० ए०, जनरल मैनेजर, (फाईनान्स) प्रीमीयर कन्स्ट्रक्शन कं० लि०, कनस्ट्रक्शन हाऊस, बालचन्द्र हीराचन्द मार्ग, बेलार्ड ऐस्टेट, फोर्ट, बम्बई-400038।	1-8-78
3.	6989	श्री के० एम० मैहता, एफ० सी० ए०, 9ए०, आशाकुंज सोसाईटी, म्यूसियम रोड के सामने अहमदाबाद-380007।	1-8-78
4.	7626	श्री डी० वी० पंडित, एफ० सी० ए० 3, अभुयदया 12, सुदर्शन कालोनी थाना-3।	1-8-78
5.	8600	श्री एस० एस० भूनिया, एफ० सी० ए०, मैनेजिंग डायरेक्टर, दी इण्डियन अल्यूमिनियम केबल लि० कमलजंगा (7वी मंजिल,) 18 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001।	1-8-78
6.	9013	श्री एन० सी० जैन, एफ० सी० ए०, सौराष्ट्रा केमीकल, पोरबन्दर-360576।	1-8-78
7.	9099	श्री ए० एम० शाह, ए० सी० ए०, जी०/3, दत्ता विहार, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा-390007।	1-8-78
8.	9446	श्री हर्ष नारायण, एफ० सी० ए०, एण्ड पोस्ट:—पालघर-401404 डा० थाना।	1-8-78
9.	9601	श्री के० पी० गांधी, ए० सी०ए०, द्वारा बादर अल मुल्ला एण्ड ब्रादर्स, पो० बाक्स 177, साफात कुऐत।	1-8-78
10.	9722	श्री के० एस० जगननाथन, ए० सी० ए०, डि० फाईनैन्शल कन्ट्रोलर हिन्दुस्तान इनसैक्टी-साईड लि०, हंस भवन, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002।	1-8-78
11.	9890	श्री एस० के० कपूर, ए० सी० ए०, 1/1220, महल सराय, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110006।	1-8-78
12.	9957	श्री एम० वी० धोपते, एफ० सी० ए०, जोनल एकाऊंटैंट तगांनिका काफी बोर्ड, पो० बाक्स-732, मोशी तनजानिया।	1-8-78
13.	10516	श्री आर० के० साहनी, एफ० सी० ए०, 228, डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009।	1-9-77

1	2	3	4
14.	10708	श्री एन० के० जैन, ए० सी० ए०, असिस्टैन्ट एकाऊंटैंट, परमानैन्ट मैंगनैट लि०, साईवैस्टर बिल्डिंग 20, शहीद भगत सिंह रोड़, बम्बई-400023।	1-8-78
15.	10837	श्री डी० एन० उपाध्याय, ए० सी० ए०, 2/21, सकीना मैंनशन न० 2, स्वामी नित्यानंद मार्ग, अंधेरी (ईस्ट) बम्बई-400069।	1-8-78
16.	11319	श्री रिशी कुमार, ए० सी० ए०, द्वारा जगतजीत शुगर मि० क० लि०; फगवाड़ा-144401।	16-6-78
17.	11469	श्री एम० बी० पारेख ए० सी० ए०, 542, जय लाल मुंशी का रास्ता चांदपोल-जयपुर।	1-8-78
18.	11715	श्री जी० जी० पटेल, ए० सी० ए० पो० ओ० बाक्स 110, लुसाका जाम्बिया।	1-8-78
19.	12144	श्री जे० जे० अवाजानिया, एफ० सी० ए०, पी०-17, नवरोज बाग, लाल बाग बम्बई-12।	1-8-78
20.	12505	श्री के० के० खरबन्दा, एफ० सी० ए०, इफको कालोनी, सी०-37, कसतूरी नगर, डी० गांधी नगर, पिन:— 382423।	1-8-78
21.	12619	श्री ए० सी० नायक, एफ० सी० ए०, ए० ई० (एन० ई०) लि०, पो० ओ० बाक्स 49, मानामा, बैहरीन।	1-8-78
22.	13448	श्री एफ० ए० दुभाष, ए० सी० ए०, जी० पी० ओ० 836, बम्बई-400001 (बी० आर०)	1-8-78
23.	13642	श्री डी० बी० चड्ढा (ए० सी० ए०, ई-178, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली-110060।	1-8-78
24.	13643	श्री जग मोहन ए० सी० ए०, 793, सूई वालान, दरया गंज, नई दिल्ली-110002।	1-8-78
25.	13802	श्री बी० के० चौधरी, ए० सी० सी० ए०, पो० बाक्स नं० 875, दोस-कतार (अरेबियन गल्फ)।	31-7-78
26.	14062	श्री पी० के० गड़ोदिया ए० सी० ए०, द्वारा बी० एम० बी० फाईनान्स एण्ड एकाऊंटस डिविजन पो० ओ० बाक्स-177, सफात-कुअैत।	1-8-78
27.	14200	श्री सी० एस० जैन, ए० सी० ए०, 4662, गली मोहर सिंह जाट, पहाड़ी धीरज, दिल्ली-110006।	1-8-78
28.	14332	श्री ए० के० भार्गव, ए० सी० ए०, 1135, गली समोसा, फराश खाना, दिल्ली-110006।	1-8-78
29.	14844	श्री एच० एस० शाह ए० सी० ए०, द्वारा श्री नरेन जे० शाह, 4607, बारबरा ड्राईव, बैल्टस विलि, मैरी लैन्ड-20705 यू० एस० ए०।	31-7-78
30.	14916	श्री वी० एन० मित्तल, ए० सी० ए०, 117, सत्या निकेतन मोती बाग-II के पास नई दिल्ली-110021।	1-8-78
31.	15743	श्री पी० सी० मुचाला, ए० सी० ए०, पंकज, दूसरी मंजिल, लिंकीग रोड़, सान्ताक्रुज, (वैस्ट) बम्बई-400054।	1-8-78
32.	16701	श्री मधूप जैन, ए० सी० ए०, बी० आर०/डी०/11/4 पंडारा पार्क, नई दिल्ली-110003।	1-8-78
33.	15800	श्री आर० मुकर्जी ए० सी० ए०, द्वारा ग्रीनडेलेज बैंक, आफिस आफ दी रिजनल डायरेक्टर-साऊथ एशिया, 90, महात्मा गांधी रोड़, पोस्ट बाक्स-725 बम्बई-400023।	31-7-78
34.	16709	श्री वी० के० सेठी, ए० सी० ए०, फाईनान्स आफिसर, भारत कार्मस एण्ड इन्डसट्रीज लि०, इन्डस्ट्रीएल एरिया, राजपुरा-140401।	1-8-78
35.	16804	श्री आर० के० गुरतू ए० सी० ए०, द्वारा ए० एफ० फरगुसन एण्ड कं०, अलाहबाद बैंक बिल्डिंग, अपोलो स्ट्रीट, बम्बई।	1-8-77

1	2	3	4
36.	16907	श्री पी० आर० असरानी ए० सी० ए०, सीता निवास, 14वां रास्ता, खार-बम्बई-400052।	1-8-78
37.	17056	श्री पी० एस० बिरधी, ए० सी० ए०, 25, शक्ती नगर, ग्रीन फील्डस के सामने लुधियाना।	1-8-78
38.	17058	श्री आर० एम० आसर, ए० सी० ए०, 12 कान्ती भवन राजा-बादी धाटकोपर, बम्बई-400077।	1-8-78
39.	17071	श्री एस० के० बुजारी, ए० सी० ए०, 281, राम नगर गाजीयाबाद।	1-8-78
40.	17530	श्री एस० के० मिसल, ए० सी० ए०, 20/50, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-1110060।	1-8-78
41.	17624	श्री प्रबोध सागर, ए० सी० ए०, डा० खुशी राम स्ट्रीट, पन्सारियां बाजार लुधियाना।	1-8-78
42.	17634	श्री एम० पी० लुथरा, ए० सी० ए०, पो० बाक्स 1246, किटवी जाम्बीया।	1-8-78
43.	17727	श्री एस० कन्नन ए० सी० ए०, फ्लैट नं० 10, ललिता को० आ० हाउसिंग सोसाईटी गोखले रोड, विले पारले ईस्ट, बम्बई-400057।	1-8-78
44.	17738	श्री आर० आर० बन्सल, ए० सी० ए०, द्वारा श्री पी० के० गुप्ता, 31 लवडाले, कोलाबा बम्बई-400005।	1-8-78
45.	17814	श्री अरुण सी० खन्ना, ए० सी० ए०, 706, कम्बाला क्रैस्ट, 42, पडर रोड़ा, बम्बई-400026।	1-8-78
46.	30120	श्री पी० सी० पटेल, ए० सी० ए०, माथुरबाई चवाल, अम्बा माता के सामने आनन्द (गुजरात)	31-7-78
47.	30166	श्री वी० एस० नामजोशी, ए० सी० ए०, 3 यमुना चाल, शशी हाल, तारदेव रोड़, बम्बई-400064।	1-8-78
48.	30268	श्री बी० सी० मैहता, ए० सी० ए०, 9-बी सर्वोदय सोसाईटी, पहली मंजिल अमर डायरी के पास, आनन्द (गुजरात)-388001	1-8-78
49.	30515	श्री ए० एम० आप्टे, ए० सी० ए०, खरे बिल्डिंग जनकारिया रोड़, मलाद-बम्बई-400064।	1-8-78
50.	30605	श्री वाई० पी० नागर ए० सी० ए०, द्वारा नागर ग्लासवेयर मार्ट, बोड़ा बाजार, भावनगर (गुजरात)।	1-8-78
51.	30619	मिस एस० बी० रहेजा, ए० सी० ए०, 63, भारत महल 86, मैरीन ड्राईव एफ० रोड़, बम्बई-400002।	1-8-78
52.	50015	श्री ए० के० राऊत, ए० सी० ए०, एकाऊंटस आफिसर, इण्डियन आईल कारपोरेशन लि०, रेफनरीज डिविसन, पो० आ० बरौनी आईल रेफनरीज, डि० बेगुसराय (बिहार) 851114	1-8-78
53.	70082	श्री जी० पी० सोडानी ए० सी० ए० 41, गंगवाल पार्क, मोतीडूंगरी रोड़, जयपुर-302004।	1-4-78
54.	80478	श्री आदर्श कुमार, ए० सी० ए०, सी०-4/119, सफदर जंग डिवलपमैन्ट एरिया, नई दिल्ली-110016।	1-9-78
55.	18635	श्री प्रहलाद राय जोशी ए० सी० ए०, यूनियन बैंक आफ इण्डिया, पोस्ट बाक्स नं० 131, गनटूर-522003।	31-7-78

सं० 8-सी० ए० (1)/8/78-79—रेगुलेशन 10(1) के धारा (4) जिसे चार्टर्ड एकाउटेन्स के रेगुलेशन्स 1964 के अधिनियम 10(2) (बी) के साथ पढ़ा जाए, के अनुसार एतद्द्वारा अधिसूचना दी जाती है कि निम्नलिखित सदस्यों को कार्य करने के प्रमाण-पत्र 1 अगस्त, 1978 से रद्द समझे जाएंगे क्योंकि उन्होंने वर्ष 1978-79 के लिये कार्य

प्रमाण-पत्र हेतु वार्षिक शुल्क का भुगतान 31 जुलाई, 1978 तक नहीं किया है :—

क्रम सं	सदस्य संख्या	नाम एवं पता
1	2	3 4
1.	199	श्री पी० आर० पावरी, एफ० सी० ए०, इस्माइल बिल्डिंग, फर्स्ट फलोर, डा० दादाभाई नारोजी रोड़, फोर्ट, बम्बई।
2.	782	श्री ए० बी० ढक्कट, ए० सी० ए०, 227, सैमुअल स्ट्रीट, बम्बई-400043।
3.	1722	श्री एल० आर० सुनेजा, एफ० सी० ए०, 26, साऊथ पटेल नगर, नई दिल्ली-110008।
4.	1964	श्री आर० एन० मलिक, एफ० सी० ए०, 68/2, जनपथ नई दिल्ली-110001।
5.	2131	श्री ए०आर० मोटाफार्म, एफ० सी० ए० 2ए, बटाईल्न-1, आफ नीपन सी रोड संगता लेन बम्बई-400006।
6.	2218	श्री टी० बी० नारायन, ए० सी० ए०, 42 ए, कालिज स्ट्रीट, अपोजिट पोर्तोगीज चर्च, दादर-बम्बई-400028।
7.	2352	श्री जी० सी० जैन, एफ० सी० ए०, शिवाजी नगर कालोनी जालोर (राज०)
8.	2412	श्री एम० जी० मोहनी, एफ० सी० ए०, 256/5, मरुदुल्ला मैनशन, वाडाला, बम्बई-400031।
9.	2628	श्री के० जी० देसाई, एफ० सी० ए०, 11-बी, यूसफ बिल्डिंग, फर्स्ट फ्लोर, अपोजीट फ्लोरा फाऊनटेन, महात्मा गांधी रोड़, फोर्ट, बम्बई-400001।
10.	2678	श्री एस० के० जैन, एफ० सी० ए०, 331, कालबा देवी रोड़, फस्ट फलोर, अपोजिट स्वदेशी मार्कीट, बम्बई-400002।
11.	2943	श्री एस० एच० उत्तम सिंह, ए० सी० ए०, द्वारा इंटर नेशनल कम्प्यूटरज (इंण्डिया) प्राईवेट लि०, पो० आफिस बाक्स नं०-516, बम्बई-400001।
12.	2951	श्री एन० एन० शाहा, एफ० सी० ए०, 53, बम्बई म्यूचल चैम्बर्स, 19-21, अम्बालाल डोशी मार्ग, (हमाम स्ट्रीट) फोर्ट, बम्बई-400023।
13.	3006	श्री सी० ओ० कानाबार, एफ० सी० ए०, अपोजिट बाबूलाल का हस्पताल, एवम पोस्ट आफिस, डानडिया बजार, बरौदा-390001।
14.	3036	श्री के० जी० गांधी, एफ० सी० ए० द्वारा मशीन टूल्ज (इण्डिया) लि०, डी०-24, साऊथ एक्सटैनशन पार्ट-2, नई दिल्ली-110049।
15.	3045	श्री एस० के० देश पाण्डे, ए० सी० ए०, स्मरीती बिल्डिंग, डा० बोरकार रोड, पंताजी-गोआ।
16.	3069	श्री जी० एस० पुंजावत, एफ० सी० ए०, पुंजावत भवन, उदयपुर (राज०)।
17.	3218	श्री एम० एम० कोठावाला, ए० सी० ए०, 2227, सूईगाराज स्ट्रीट, कालूपुर, नजदीक पंचकुआ, अहमदाबाद-1।
18.	3257	श्री एम० एम० शाहा, एफ० सी० ए०, स्टाक एक्सचेंज, सैंट्रल बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, कमरा नं० 23, बम्बई समाचार मार्ग, बम्बई-400023
19.	3283	श्री सी० एम० पटेल, एफ० सी० ए०, यूसफ बिल्डिंग, फोर्थ फ्लोर, रूम नं० 44, 43, महात्मा गांधी रोड, बम्बई-400001।
20.	3329	श्री एम० एस० सिंधटवाडिया एफ० सी० ए०, एक्सीक्यूटिव आफिसर (एकाउन्टस) दि० जयपुर उद्योग लि०, स्वाय माधोपुर।
21.	3672	श्री आर० एस० कान्तन, एफ० सी० ए०, टैथ फ्लोर, एम्बैसी सैंटर, नारीमन पवाइन्ट, बम्बई-400021।
22.	3689	श्री बी० आर० शाह, ए० सी० ए०, दीपक प्लाट नं० 71, सैकन्ड फ्लोर, ब्लाक नं० 5, 60फीट रोड, टी० पी० एस०-11, घटकोपर (ईस्ट), बम्बई-400077।
23.	3885	श्री ब्रीजेन्दर भूषन, एफ० सी० ए०, द्वारा मैसर्स डी० एल० एफ०, युनाइटड लि०, 40-एफ०, कनाट पलेस, नई दिल्ली-110001।
24.	3969	श्री एम० एन० शाह, एफ० सी० ए०, ई-ब्लाक, थर्ड फ्लोर, कैपीटल कमर्शियल सैंटर, नीयर सन्यास आश्रम, आसरम रोड, अहमदाबाद-380009।

1	2	3 4
25.	4011	श्री एस० जे० दिवातिया, एफ० सी० ए०, 10-11, नई फ्लोर, 'शाहायोगा', कर्माशियल सैन्टर, अपोजिट दीनाबार्ड टावर, लाल दरवाजा, अहमदाबाद 380001।
26.	4163	श्री एस० के० हूजा, एफ० सी० ए०, द्वारा मैसर्स गदगैटस एण्ड एप्लायन्स, 17/सी, इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, जयपुर-302006।
27.	4213	श्री आर० एन० शाह, ए० सी० ए०, द्वारा अमुल डेरी, आनन्द, डिस्टिक कैरा, गुजरात-388001।
28.	4390	श्री सेमिओ एओ, ए० सी० ए०, फ्लैट नं० 8, पार्क रीच, अलमेदा पार्क, बन्दरा, बम्बई-400050।
29.	4481	श्री एस० के० नागपाल, एफ० सी० ए०, एम-138, अग्रवाल बिल्डिगज, कन्नाट सर्कस, नई दिल्ली-110001।
30.	4498	श्री बी० आर० शाह, एफ० सी० ए०, 4, इन्दरा भुवन, 514-22, सन्धूरस्ट रोड, बम्बई-4।
31.	4582	श्री सी० के० साठे ए० सी० ए०, 251, नई रामदास पथ, नागपुर-10।
32.	4650	श्री के० जे० पटेल, एफ० सी० ए०, द्वारा आदर्श कैमिकलज एण्ड फर्टिलाइजरस लि०, अधना-394210, डिस्ट्रिक सूरत।
33.	4657	श्री वी० के० थापर, एफ० सी० ए०, 3 ए/3, आसफ अली रोड, सरस्वती बिल्डिग, फोर्थ फ्लोर, नई दिल्ली-110002।
34.	4868	श्री डी० शाहनी, एफ० सी० ए०, 63 दरया गंज, नई दिल्ली-110002।
35.	4885	श्री एस० आर० अग्रवाला, एफ० सी० ए० लाल बाजार, पोस्ट आफिस भाटिया, डिस्ट्रिक धनबाद।
36.	5084	श्री एच० एच० मालधाम, एफ० सी० ए०, 309, कुम्बाला करैस्ट, 42, पीदर रोड, बम्बई-400026।
37.	5123	श्री डी० सी० जैन, एफ० सी० ए०, ए-14/3, जामना भवन, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002।
38.	5128	श्री एन० के० जैन, एफ० सी० ए०, 5625, कुतब रोड, नई दिल्ली-110055।
39.	5140	श्री बी० कूरियान, ए० सी० ए०, मैसर्स पानवैल प्राईवेट लि०, यू० आई० सी० बिल्डिग 29 फ्लोर, नं० 5 सैन्टानवे, सिंगापोर-1।
40.	5143	श्री सी० वी० डान्डेकर, एफ० सी० ए०, द्वारा मैसर्स असबैटस सीमेंट लि०, अशोक भवन, 6-7 फ्लोर, 93, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110024।
41.	5293	श्री पी० पी० संघानी, एफ० सी० ए०, जीवन उद्योग, डा० दादाभाई नारोजी रोड, बम्बई-400001।
42.	5375	श्री एच० जे० शाह, एफ० सी० ए०, 12, नोबल हाऊस, प्लाट नं० 557, क्रासिंग आफ खार डान्डा रोड एण्ड 18 रोड, खार, बम्बई-400052।
43.	5420	श्री एच० एस० छीया, एफ० सी० ए०, कमरा नं० 1, फस्ट फ्लोर, मोहाटा मार्कीट बिल्डिग, पालटन रोड, बम्बई-400001।
44.	5451	श्री एन० डी० संघवी, एफ० सी० ए०, 665, कपासिया बाजार, नजदीक अलंकार थियेटर, अहमदाबाद-380002
45.	5565	श्री पी० एस० राओ, एफ० सी० ए०, 1 थ इस्माईल बिल्डिग, (2 फ्लोर) 341, डा० डी० एन० रोड, फ्लोरा फाउन्टेन, बम्बई-400023।
46.	5566	श्री के० एल० अग्रवाल, एफ० सी० ए०, चौराहा जुमेराती, भोपाल (एम० पी०)
47.	5578	श्री एस० ए० अग्रवाल, ए० सी० ए०, द्वारा कास्मे मटिवास मैनेजेस (प्राईवेट) लि०, रुआ दे दुरम, पाँजिम, गोआ।
48.	5859	श्री एस० बी० कृष्णाभूति, एफ० सी० ए०, 15, श्री वाली रिफल रेंज, घटकोपर (वेस्ट) बम्बई-400056।
49.	5902	श्री के० डी० मिस्तरी, ए० सी० ए०, कुवर मैनशन, हार्वे रोड, न्यु गामदेवी, बम्बई-400007।
50.	5958	श्री एच० डी० प्रासेर, एफ० सी० ए०, 47, मालवर्न गार्डेन्स, कैन्टन, हैरो, मिडलैक्स, इंगलैण्ड।

1	2	3	4
51.	6069	श्री एन० ओ० बोम्सी, एफ० सी० ए०,	241, हिल रोड, बम्बई-400050।
52.	6110	श्री बी० एन० शुक्ला, एफ० सी० ए०,	9 एच० इस्मैल बिल्डिंग (सैकन्ड फ्लोर) 381, डा० डी० एन० रोड, फ्लोरा फाउन्टेन बम्बई-400023।
53.	6148	श्री एच० एस० शरोफ, एफ० सी० ए०,	टाटा मिल्ज कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, ब्लाक 1-ए०, फ्लैट नं० 20, पेटल टी० टी बम्बई-12
54.	6266	श्री अमर नाथ चड्ढा, ए० सी० ए०,	सी०-2/14, सफदरजंग डवेलपमैंट एरिया, होज खास, नई दिल्ली-110001

सं० 8-सी० ए० (1)/9/78-79—रेगुलेशन 10(1) के धारा (4) जिसे चार्टर्ड एकाउटेन्टस के रेगुलेशनस 1964 अधिनियम 10(2)(बी) के साथ पढ़ा जाए के अनुसार एतद् द्वारा अधिसूचना दी जाती है कि निम्नलिखित सदस्यों को कार्य करने के प्रमाण-पत्र 1 अगस्त, 1978 से रद्द समझे जाएंगे क्योंकि उन्होंने वर्ष 1978-79 के लिये कार्य प्रमाण-पत्र हेतु वार्षिक शुल्क का भुगतान 31 जुलाई, 1978 तक नहीं किया है:

क्र० सं०	सदस्य सं०	नाम एंव पता
1.	6300	श्री के० सी० शर्मा, ए० सी० ए०, बी/48, अमर ज्योत सोसाईटी, प्रताप नगर, बड़ौदा।
2.	6311	श्री पी० ओ० पारिख, ए० सी० ए०, कल्याण बिल्डिंग नं० 5, फस्ट फ्लोर, खादिलकर रोड़, बम्बई 400004।
3.	6335	श्री पी० जे० एम० पानिकर, ए० सी० ए०, खजान्ची, हिन्दुस्तान लीवर लि०, हिन्दुस्तान लीवर हाऊस, बैकबे, रिक्लेमेशन, बम्बई-400020।
4.	6410	श्री जे० एल० चोपड़ा, ए० सी० ए०, 42 बी, जालीमेकर अपार्टमैन्टस नं० 1, काफी परेड, बम्बई-400005।
5.	6546	श्री बी० एस० दस्तूर, एफ० सी० ए० 9 एच, इस्मैल बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, 381, डा० डी० एन० रोड़, फलोरा फाउन्टेन, बम्बई-400023।
6.	6554	श्री जे० एस० चढा, एफ० सी० ए० 5242, श्रद्धा नन्द मार्ग, नजदीक अजमेरी गेट, दिल्ली-110006।
7.	6576	श्री आर० एम० जे० बी० सिंह, ए० सी० ए०, एरिया फाइनान्स मैनेजर एरिया नं० 2, बी० सी० सी० लि०, पोस्ट आफिस सिजुआ, तहसील-धनबाद।
8.	6584	श्री ए० टी० होशदार, एफ० सी० ए०, 826, दस्तूर मेहर रोड, पूना-411001
9.	6586	श्री ए० बी० वासा, एफ० सी० ए०, 502, ओल्ड आर्चड रोड़, चेरी हिल, एन० जे० 08003, यू० एस० ए०।
10.	6603	श्री बी० एन० चिरमानी, एफ० सी० ए०, वाई-16, हौज खास, नई दिल्ली।
11.	6612	श्री एल० जे० कपादिया, एफ० सी० ए०, गली नं० 8, मंगलदास मार्केट, 390, शेख मेमान स्ट्रीट, एवम बैंक आफ बड़ौदा, दूसरी मंजिल, बम्बई-400002।
12.	6636	श्री एम० एस० दवे, एफ० सी० ए०, "एलोरा पार्क", एम० आई० जी० ब्लाक, हाऊस नं० 28, फ्लैट नं० 166 रेस, कोर्स, बड़ौदा।
13.	6781	श्री एस० सी० शाहा, ए० सी० ए०, 304, कृष्णा कुंज, अपोजिट मातुंगा (पश्चिमी रेलवे) स्टेशन, 143, तुल्सी पाईप रोड, बम्बई-400016।
14.	6807	श्री एम० के० कालड़ा, एफ० सी० ए०, द्वारा मैसर्स मोदी कार्पेटस लि०, सिविल लाइन्स, मोदी नगर-201204

1	2	3	4
15.	6845	श्री नरीन्द्रा गुप्ता, एफ० सी० ए०, डी-103, कमला नगर, दिल्ली-110007।	
16.	6859	श्री विष्णु नारायण, एफ० सी० ए०, 1893/एफ, चांदनी चौक, दिल्ली-110006।	
17.	6934	श्री के० एस० सैक्सेना, एफ० सी० ए०, 5ई//9 एम, बंगला प्लाट एन० आई० टी० फरीदाबाद, हरयाणा।	
18.	7051	श्री एस० ए० मोदी, ए० सी० ए०, फ्लैट नं० 191, मेकर अपार्टमैंटस नं० 3, काफी परेड, बम्बई-400005।	
19.	7216	श्री एस० एस० सचेती, एफ० सी० ए०, 63, सनेहलतागंज, स्ट्रीट नं० 1, इन्दौर-3।	
20.	7351	श्री एस० बी० कामदार, ए० सी० ए०, 7-सी, सुरेश कालोनी, एस० वी० रोड, बम्बई-400056।	
21.	7426	श्री वी० वसन्त कुमार ए० सी० ए० द्वारा श्री वी० वी० भाटिया 'महावीर' ए-7, 165, डेरासर रोड, घटकोपर, बम्बई-400077।	
22.	7472	श्री एन० एन० पारिख, एफ० सी० ए०, खतरी पोले, बाजवादा, बड़ौदा-390001।	
23.	7536	श्री एल० के० कोहली, एफ० सी० ए०, ई-197, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।	
24.	7656	श्री बी० पी० बादेला, एफ० सी० ए०, दीपक लाज, स्टेशन रोड, दुर्ग (मध्य प्रदेश)।	
25.	7823	श्री जे० एच० सालस्कर, ए० सी० ए०, 163 डी, हरिहर निवास, डा० अम्बेदकर रोड, दादर, बम्बई-14 डी० डी०।	
26.	7798	श्री टी० सी० महता, एफ० सी० ए०, दूसरी मंजिल, 24-26 कामा बिल्डिंग, दलाल स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-400023।	
27.	7906	श्री एस० एन० बगरिया, ए० सी० ए०, द्वारा मैसर्स शंकर रैफरैक्टरीज (प्राईवेट) लि०, डाकखाना, भरेचनगर, रांची रोड़, पूर्वी रेलवे। तहसील हजारी बाग, भरेचनगर।	
28.	8066	श्री एम० एम० टैम्बो, ए० सी० ए०, 1355, लक्ष्मी पुरी कोल्हापुर-416002।	
29.	8236	श्री आर० पी० शर्मा, एफ० सी० ए०, मधु मैनशन, छटी मंजिल, 325, कालबा देवी रोड़, बम्बई-400002।	
30.	8328	श्री आर० एम० पुरी, एफ० सी० ए०, चीफ एकाऊंटैंट, नेशनल प्रोवीडेंट फण्ड पोस्ट आफिस बाक्स-1322, दारे-एस-लाम, तंजानिया।	
31.	8566	श्री ओ० आर० राघवन, एफ० सी० ए०, 4, जैन मन्दिर रोड, नई दिल्ली-110001।	
32.	8743	श्री डी० रशिकलाल, एफ० सी० ए०, 9, करनावती सोसाईटी, उस्मानपुरा, अहमदाबाद-13।	
33.	8756	श्री डी० के० महता, एफ० सी० ए०, 8/4, डी० बी० गुप्ता रोड, पहाड़ गंज, नई दिल्ली-110055।	
34.	8838	श्री एम० सी० गुप्ता, एफ० सी० ए०, 59, हुमरोई किला, हरि किशन, सोमानी मार्ग, अजमेर रोड, जयपुर-302001।	
35.	8881	श्री जे० पी० जैन, एफ० सी० ए०, फ्लैट नं० 187, डी० डी० ए० साईकिल मार्कीट नं० 1, झण्डेवालान, नई दिल्ली-110055।	
36.	8997	श्री शरद जारीवाला, ए० सी० ए०, 23, फुल गली, भूलेश्वर, बम्बई-400002।	
37.	9036	श्री हरबंस सिंह, एफ० सी० ए०, 1868/9-10, लाल दरवाजा, लाल कुंआ, दिल्ली-110006।	
38.	9163	श्री एन० एन० गुप्ता, एफ० सी० ए०, 303, सी करैस्ट नं० 1, सैवन बंगलाज, अंधेरी (वैस्ट) बम्बई-400061।	

1	2	3	4
39.	9214	श्री दिनेश खन्ना, एफ० सी० ए०, सी-109, डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली-110024।	
40.	9331	श्री वी० के० बाहरी, एफ० सी० ए०, कमरा नं० 45, छटी मंजिल, तारदेव एयर कन्डीशन मार्किट, तारदेव, बम्बई-400034।	
41.	9342	श्री कांति लाल बाल्दीया, ए० सी० ए०, 46, ओल्ड हनुमान लेन, चन्दरा भवन, तीसरी मंजिल, बम्बई-400002।	
42.	9434	श्री वी० के० जैन, एफ० सी० ए०, 3618/14, सुदर्शन मार्किट, चावरी बाजार, दिल्ली-110006।	
43.	9444	श्री पी० एल० गुप्ता, एफ० सी० ए०, 26/52, बीरहाना रोड, कानपुर।	
44.	9480	श्री वी० एन० सोढा, एफ० सी० ए०, 9, शिव छाया रामचन्द्रा लेन, मालद (पश्चिमी), बम्बई-400064।	
45.	9516	श्री आर० एन० भट्टाचार्यजी, ए० सी० ए०, फ्लैट नं० 7, वरूना, लिंकिंग रोड एकस्टैंशन शान्ताक्रुज (वैस्ट) बम्बई-400054।	
46.	9529	श्री सुरेन्द्र कुमार, एफ० सी० ए०, एफ-24, गफ़ार मार्किट, करौल बाग, नई दिल्ली-110005।	
47.	9532	श्री एस० के० आहूजा, एफ० सी० ए०, 502, अशोका स्टेट, 24, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001।	
48.	9357	श्री एम० पी० सन्घवी, ए० सी० ए०, 7, अरिहन्त अपार्टमैंट्स 189/बी० एस० बी० रोड़, इरला, विले पार्ले (पश्चिमी), बम्बई-400056।	
49.	9588	श्री एन० जे० दमानिया, एफ० सी० ए०, 12-11, रुस्तम बाग, संत सावला मार्ग, बम्बई-400027।	
50	9600	श्री आर० पी० चौधरी, एफ० सी० ए०, ए/32, डिफैंस कालौनी, नई दिल्ली।	
51.	9679	श्री एन० के० जैन, एफ० सी० ए०, पन्सारी बाजार अलवर, (राज०)।	
52.	9698	श्री एम० मित्रा, ए० सी० ए०, द्वारा मैसर्स हरबन्स लाल मल्होत्रा एण्ड सन्स लि०, इण्डिया हाउस, अपोज़िट जी० पी० ओ, बम्बई।	
53.	9721	श्री विरेन्द्र गुप्ता, ए० सी० ए०, रो हाऊस, टाईप सैक्टर/डी-1, सैक्टर 6, पी० ओ० वाशी, तहसील थाना, नई बम्बई-400703।	
54.	9757	श्री ए० डी० दवे, एफ० सी० ए०, चौथी मंजिल, विकास 11, बैंक स्ट्रीट, बम्बई-400001।	
55.	9779	श्री के० एस० टंकसाली, एफ० सी० ए०, 4, माधवी, मकरन्द को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, कैंडल रोड, माहिम, बम्बई-400016।	
56.	9793	श्री आर० के० चोपड़ा, ए० सी० ए०, 22/96, पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली-110008।	
57.	9875	श्री डी० टी० देसाई, एफ० सी० ए०, पहली मंजिल, सेकसारिया चैम्बरस 139, मीडोस स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-400001।	
58.	9878	श्री एल० एस० खन्देलवाल, एफ० सी० ए० डी-19, एम० एस० यू० मिल्स प्रमिसस, पाली, मारवार (राज०)।	
59.	9883	श्री डी० सी० महेश्वरी, एफ० सी० ए०, डी-25, सी० सी० कालोनी, दिल्ली-110007।	
60.	9892	श्री डी० के० मालिक, एफ० सी० ए०, 5581, लाहोरी गेट, दिल्ली-110006।	
61.	9895	श्री आर० जे० कोयलोह, ए० सी० ए०, 51, चिम्बई रोड, निकट सेंट एन्डरयूज चर्च, बन्दरा, बम्बई-400050।	
62.	9924	श्री एस० के० भण्डारी, एफ० सी० ए०, वि० इण्डियन सर्मेल्टिंग एण्ड रीफाइनिंग कम्पनी, लि०, यानधूप, बम्बई-400078।	
63.	9967	श्री पी० सी० धवन, एफ० सी० ए०, 4ए/27, राजिन्दर नगर, नई दिल्ली-110060।	

1	2	3	4
64.	10010	श्री बी० एल० डोशी, एफ० सी० ए०, 182, पहली मंजिल, बापू बाजार, उदयपुर (राज०)।	
65.	10024	श्री ई० एस० बिरादर, एफ० सी० ए०, गली नं० 8, मगलदास मार्किट, 390, शेख मिमोन स्ट्रीट, अबव बैंक आफ बरौदा, दूसरी मंजिल, बम्बई-400002।	
66.	10058	श्री बी० ए० चोक्सी, एफ० सी० ए०, 107/111, भुलेश्वर कबूतर खाना, चौथी मंजिल, बम्बई-400002।	
67.	10169	श्री के० के० अग्रवाल, एफ० सी० ए०, बेगम ब्रिज, लखपत सिह बिल्डिग, मेरठ-शहर।	
68.	10236	श्री वी० एम० सोमन, ए० सी० ए०, सी०-11, शकर निवास, प्रोफेसर आगाशे पथ, दादर, बम्बई-400028।	
69.	10306	श्री के० एल० मूर्ती, एफ० सी० ए०, 7/14 ए, बिल्डिग नं० 3, नवजीवन कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, लेमिन्गटन रोड, बम्बई-400008।	
70.	10414	श्री एम० सी० अग्रवाल, एफ० सी० ए०, 83, नवलखा, आगरा-282001।	
71.	10423	श्री एल० एन० मलिक, एफ० सी० ए०, द्वारा मैसर्स एन० कुमार एण्ड कम्पनी, 5625, कुतब रोड़, नई दिल्ली-110055।	
72.	10450	श्री टी० सी० गुप्ता, एफ० सी० ए०, ए०-105, इन्दरपुरी, नई दिल्ली-110012।	
73.	10465	श्री एम० एम० कपूर, एफ० सी० ए०, 26-एम० , कन्नाट सरकस, नई दिल्ली-110001।	
74.	10517	श्री डी० आर० बैद , एफ० सी० ए०, 819, सैक्टर 15-ए, फरीदाबाद-121002।	
75.	10598	श्री एम० टी० भार्गवा, एफ० सी० ए०, रविन्द्रा हाऊस, 541, काल्बा देवी रोड, बम्बई-400002।	
76.	10623	श्री सी० सी० दयाल, एफ० सी० ए०, 245-बी, श्याम निवास, भूलाभाई देसाई रोड़, बम्बई-400026।	
77.	10678	श्री एस० के० गुप्ता, एफ० सी० ए०, 250-पक्की डक्की जम्मू तवी (जे० के०)।	
78.	10683	श्री एच० सी० अग्रवाल, एफ० सी० ए०, गांधी मैनसन, फर्स्ट फ्लोर, अपोजिट काल्बा देवी पोस्ट आफिस, बम्बई-400002।	
79.	10756	श्री पी० सी० शाहा, ए० सी० ए०, साई अराधना अपार्टमैंटस, सैकंड फ्लौर, फ्लैट नं० 10, फिरोज शाह रोड़, शान्ताक्रुज (पश्चिमी) बम्बई-400054।	
80.	10850	श्री बी० के० सेठ, ए० सी० ए०, 35, हेम कुंठ, कालोनी, नजदीक ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।	
81.	10863	श्री भारत भूषन, एफ० सी० ए०, 1/550, जी० टी० रोड़, शाहदरा, दिल्ली-110032।	
82.	10890	श्री बी० एस० सेठ, ए० सी० ए०, 80, डा० एम० बी० वेल्कट स्ट्रीट, कोलभात लेन, फर्स्ट फ्लोर, धीरा बाजार, बम्बई-400002।	
83.	10993	श्री टी० सी० चौधरी, एफ० सी० ए०, भोपाल गंज, भीलवाड़ा, भीलवाड़ा (राजस्थान)।	
84.	11114	श्री एच० शंकर , एफ० सी० ए०, द्वारा एल० ई० एन० सी० ओ०, पोस्ट आफिस बाक्स न० 3455, लुसाका, जाम्बिया।	
85.	11192	श्री सी० एन० पटेल, एफ० सी० ए०, 5, नार्थ अम्बाजारी रोड़, शिवाजी नगर, नागपुर-440010।	
86.	11231	श्री के० बी० सब्बदेव, एफ० सी० ए०, सी०-445, डिफैंस कालोनी, नई दिल्ली-110024।	

1	2	3	4
87.	11287	श्री एफ० के० जैन, एफ० सी० ए०, 20 ए०, नोबल चैम्बर्स, थर्ड फ्लोर, एस० ए० बरेलवी रोड़, बम्बई-400001।	
88.	11297	श्री ए० एम० कुलकर्नी, ए० सी० ए०, द्वारा बलो प्लास्टर लि०, एलफिन हाऊस अनैक्सी, 88-सी, ओल्ड प्रभादेवी रोड़, बम्बई-400025।	
89.	11343	श्री जी० के० अहूजा, एफ० सी० ए०, 1072, कशमीरी गेट, दिल्ली-110006।	
90.	11357	श्री के० ए० अग्रवाल, एफ० सी० ए०, द्वारा दी गनेश फ्लोर मिल्ज कम्पनी लि०, सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007।	
91.	11358	श्री कुलदीप सिंह, एफ० सी० ए०, रेलवे रोड़, सहारनपुर।	
92.	11359	श्री बी० के० गुप्ता, एफ० सी० ए०, 1594, दरीबा कलां, दिल्ली-110006।	
93.	11528	श्री एन० एच० दुतिया, ए० सी० ए०, 567/2, जानकी कुटीर, बंगला नं० 13, जुहु, बम्बई-400054।	
94.	11710	श्री रामेश चन्दर, एफ० सी० ए०, 2021, किनारी बाजार, चांदनी चौक, दिल्ली-110006।	
95.	11789	श्री जी० टाटीवाला, एफ० सी० ए०, टाटीवाला हाऊस, गोपाल जी का रास्ता, जयपुर।	
96.	11949	श्री ए० जयाराम एस० राय, एफ० सी० ए०, एन० सी० जैड, लि०, पोस्ट आफिस बाक्स नं० 2483, लुसाका।	
97.	11954	श्री ए० एम० शाहा, ए० सी० ए०, 1711/6, गांधी रोड़, नजदीक बाला हनुमान, अहमदाबाद-380001।	
98.	11992	श्री सुदर्शन कुमार, ए० सी० ए०, 49-डी, कमला नगर, दिल्ली-110007।	
99.	11996	श्री पी० महीन्द्र, एफ० सी० ए०, 43, गली नं० 2, विजय नगर, बटाला रोड़, अमृतसर।	
100.	12082	श्री बी० के० शाहा, ए० सी० ए०, विजय निवास जिवाबया लेन, आगरा रोड़, घटकोपर, बम्बई-400086।	
101.	12086	श्री एन० एस० सुआले, एफ० सी० ए०, जेसिया हाऊस, 137 मोदी स्ट्रीट, दूसरी मंजिल, बम्बई-400001।	
102.	12226	श्री एम० सी० अग्रवाल, ए० सी० ए०, 18/27, शक्ति नगर, दिल्ली।	
103.	14310	श्री सी० डी० पुरोहित, ए० सी० ए०, "सैलार" बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, (अबव पीयरकरस टैस्टोरेंट), 373, डी० एन० रोड़, फोर्ट, बम्बई-4 400001।	
104.	10456	श्री बी० के० लाल, एफ० सी० ए०, 1/613, देव नगर, नई दिल्ली 110005।	

सं० 4ई० सी० ए० (1)/8/78-79—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1(क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण श्री पी० वी० सुबा राव, भुवनेश्वर मार्ग भुवनेश्वर-2 का नाम 19 मार्च, 1978 से हटा दिया है। उसकी सदस्य संख्या नं० 4392 है।

सं० 5 सी० ए० (1)/8/78-79—इस संस्थान की अधिसूचना सं० 4 सी० ए० (1)/17/6-65 दिनांक 11-3-65 (2) 4 सी० ए० (1)/20/77-78 दिनांक 18-2-78 (3) 4 सी० (1)/21/76-77 दिनांक 5-3-77 (4) 4 सी० (1)/17/74-75 दिनांक 6-1-75 (5) 4 सी० ए० (1) /18/75-76 दिनांक 26-2-76 के सन्दर्भ में चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्द्वारा यह

सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः स्थापित कर दिया है।

क्र० सं०	म० सं०	नाम एवं पता	तिथि
1.	3342	श्री हीराभाई नरन भाई पटेल, ए० सी० ए०, 1116, यू० एस० बिजनैस रुट किलस्टन, ओक्ला-होमा-73601 यू० एस० ए०	1-8-78
2.	8245	श्री भरत कुमार गुलाबचन्द दोषी, एफ० सी० ए०, 207, प्रसाद चम्बर्स, नजदीक रोक्सी सिनेमा बम्बई-400004।	6-9-78
3.	8490	श्री सुरेन्द्र कुमार सबुजा, ए० सी० ए० एड-मिनिस्ट्रेटीव आफिसर लाईफ इन्स्योरेन्स कार्पोरेशन आफ इण्डिया, डिविजनल आफिस, साकेत मेरठ।	11-8-78
4.	8655	श्री कृष्ना कान्त हीरालाल मेहता, ए० सी० ए०, 2614, साईन बाईड एवेन्यू बूमाल, पैन्सील्वानीया-19008 यू० एस० ए०।	7-9-78
5.	13810	श्री ए० स्वामीनाथन, ए० सी०ए० चीफ एकाउन्टैन्ट, कैपरोन्डा लि० पो० बा० 92, मुफुलिरा जाम्बिया।	12-8-78

पी० एस० गोपालाकृष्णन,
सचिव

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 13 अक्तूबर 1978

सं० 4-1849/74-सी० एच० (ई०)—मुख्य जल विज्ञान एवम् सदस्य, केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, एन० एस० चार फरीदाबाद ने 22 सितम्बर, 1977 (अपराह्न) से श्री एम० ए० आई० खान, एस० टी० ए० (भूजल) केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड नर्मदा परियोजना, भोपाल, निवासी मकान नं० 6-4 पी० डब्ल्यू डी, सीनियर, क्वार्टर्स रीवां (मध्य प्रदेश) का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है तथा उनका नाम केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड की कर्मचारी सूची से उस दिन से काट दिया गया है।

एस० सी० शर्मा
वरिष्ठ जल भू-विज्ञान,
कृते मुख्य जल भू-विज्ञान एवं
सदस्य।

भारतीय जीवन बीमा निगम केन्द्रीय कार्यालय, बम्बई

भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी-वर्ग) विनियम, 1960 में संशोधन

भारतीय जीवन बीमा निगम, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 49 की उप-धारा (2) के खण्डों (बी) और (बीबी) के अंतर्गत निहित अधिकारों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के साथ, भारतीय जीवन बीमा निगम (केन्द्रीय वर्ग) विनियम, 1960 में संशोधन करते हुए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :

(1) ये विनियम भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी-वर्ग) पंचम संशोधन विनियम, 1978 कहलाएंगे।

(2) भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी वर्ग) विनियम, 1960 में, विनियम 77 के उप-विनियम (2) और उसके नीचे टिप्पणी के पश्चात् निम्नलिखित उप-विनियम सम्मिलित कर लिया जाय, अर्थात:

"(2)ए) ऐसे क्लास 1 अधिकारी के मामले, में, जो कि 1 अप्रैल, 1973 या उसके पश्चात् क्लास III से पदोन्नत हुआ है और जो पदोन्नति के पश्चात् मर या सेवा-निवृत्त हो जाता है, उसको देय उपदान, उस उपदान की राशि से कम नहीं होगा जोकि उसे उस स्थिति में देय होता जबकि उसकी सेवा क्लास III वर्ग में समाप्त हो गयी होती।

10 अक्तूबर 1978

जे० माथन,
प्रबन्ध निदेशक

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम
तीसवीं वार्षिक रिपोर्ट

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 जून, 1978

सूचना

सूचना दी जाती है कि भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के अंशधारियों (शेयरहोल्डरों) की तीसवीं वार्षिक महासभा सोमवार, तारीख 25 सितम्बर, 1978 को सायंकाल 4.00 बजे (मानक समय) होटल इम्पीरियल जनपथ, नई दिल्ली में होगी, जिसमें निम्नलिखिग विषयों पर कार्यवाही की जायेगी

(1) 30 जून, 1978 को समाप्त हुए वर्ष को निगम का तुलन-पत्र तथा लाभ-हानि लेखों का पठन तथा उन पर विचार करना एवं निगम के कार्य के सम्बन्ध में उक्त तुलन-पत्र और लेखों के सम्बन्ध में लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार करना ।

(2) औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम की धारा 4 की उप-धारा (3) में उल्लिखित पार्टियों, अर्थात अनुसूचित बैंकों, बीमा कम्पनियों निवेशन्यासों और ऐसी ही अन्य वित्तीय संस्थाओं तथा सहकारी बैंकों द्वारा मैसर्स हरिभक्ति एण्ड कम्पनी सनदी लेखापाल बम्बई के स्थान पर कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का पहला) की धारा 226 के अन्तर्गत कम्पनियों के लेखा-परीक्षकों के रुप में कार्य करने के लिए विधिवत् अर्हता प्राप्त एक लेखा परीक्षक को औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 34 के अन्तर्गत चुनना । मैसर्स हरिभक्ति एण्ड कम्पनी इस वर्ष के अन्त में कार्यानिवृत्त हुए है पर वे फिर से चुने जा सकते हैं ।

एम० एस० नागरथ, महाप्रबन्धक

7 जुलाई, 1978

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम
संचालक बोर्ड

बलदेव पसरीचा
अध्यक्ष

पी० सी० नायक
एन० आर० रंगानाथन
केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित

सी० टी० दास
एम० आर० बी० पुंजा
बागाराम तुलपुले
डा० जे० सी० सन्देसारा
भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
द्वारा नामित

बी० के० बोरा
पी० सी० डी० नाम्बियार
अनुसूचिग बैंकों का प्रतिनिधित्व
करने के लिए निर्वाचित

वी० सी० रणदेरिया
जे० मत्थन
बीमा कम्पनियों, निवेश न्यासों और
ऐसे ही अन्य वित्तीय संस्थानों का
प्रतिनिधित्व करने के लिए निर्वाचित

शामराव कदम
जसभाई यू० पटेल
सहकारी बैंकों का प्रतिनिधित्व
करने के लिए निर्वाचित

बैंकर्स
भारतीय रिजर्व बैंक
लेखा परीक्षक
मै० ए० एफ० पर्गूसन एण्ड कम्पनी
सनदी लेखापाल
मै० हरिभक्ति एण्ड कम्पनी
सनदी लेखापाल
रसायन क्रिया और
समवर्गीय उद्योग
बलदेव पसरीचा, अध्यक्ष
जसभाई यू० पटेल
बी० के० बोरा
एस० पी० वर्मा
एस० एस० सचदेव
एस० एल० कपूर
पी० के० सन्याल
आर० बी० रमानी
जे० पी० कपूर
ए० सीता रमैया
डी० एम० त्रिवेदी
डी० जी० राव
इंजीनियरिंग
बलदेव पसरीचा, अध्यक्ष
सी० टी० दास
बागाराम तुलपुले
जे० सी० संदेसारा
हरिभूषण
एन० के० मित्रा
एस० आर० टाटा
के० वी० सरदेसाई
बी० डी० पंडा
डी० एस० मुल्ला
के० बी० राव
बी० रामाचन्द्रा
के० एन० रामास्वामी
चन्द्र मोहन

वस्त्र

बलदेव पसरीचा, अध्यक्ष
शामराव कदम
जे० मथन
बागाराम तुलपुले
वी० के० सिन्हा
आई० बी० दत्त
के० आई० नरसिंहम्न
प्रफुल्ल अनुभाई
एच० पी० भट्टाचार्य
ए० के० भंसाली
एम० एन० बतरा
आई० सी० शाह

सलाहकारी समितियां

चीनी

बलदेव पसरीचा, अध्यक्ष
शामराव कदम
जसभाई यू० पटेल
सी० एन० राघवन
बी० के० सिन्हा
ए० एल० एन० मूर्ति
जे० पी० मुखर्जी
डी० श्रीधरन
एम० लक्ष्मीकान्तम्
एन० ए० रमैय्या
किशन सिंह
बी० एन० खोसला
के० जे० एस० भाटिया
डी० के० पटेल

होटल

बलदेव पसरीचा, अध्यक्ष
बी० के० बोरा
सी० टी० दास
सी० बी० जैन
कु० थंगम ई० फिलिप
पेसी एम० शा
अजीत केरकर
पी० आनंदा राव
कु० अंजनी मेहता
श्रीमति विभा पंथी

पटसन

बलदेव पसरीचा, अध्यक्ष
सी० टी० दास
जे० सी० संदेसारा
एस० के० पालित
एस० आई० गुप्ते
एल० एम० राय
गौतम उकिल
पी० बी० सुब्बा राव
एन० एस० वैद्यनाथन
के० के० कनोवरिया

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के बारे में संक्षेप में निर्गमन और प्रयोजन

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम की स्थापना संसद के अधिनियम के अन्तर्गत 1948 में हुई। इसका उद्देश्य भारत में औद्योगिक संस्थाओं को मध्यम और दीर्घकालीन वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है।

पूंजी

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम की अधिकृत राशि 20 करोड़ रुपये है। 10 करोड़ रुपये की प्रदत्त पूंजी का 50 प्रतिशत भारतीय औद्योगिक विकास बैंक तथा शेष 50 प्रतिशत अनसूचित बैंकों, सहकारी बैंकों, बीमा संस्थाओं और निवेश न्यासों आदि के द्वारा लगाया है।

प्रबन्ध

संचालक बोर्ड में एक पूर्णकालिक (होल टाइप) अध्यक्ष और बारह संचालक है। अध्यक्ष की नियुक्ति भारतीय औद्योगिक विकास बक से परामर्श करके केन्द्रीय सरकार द्वारा की जाती है। दो संचालक केन्द्रीय सरकार तथा चार संचालक भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा नामित किये जाते है। छः संचालक भारतीय औद्योगिक विकास बैंक से भिन्न अंशधारियों द्वारा चुने जाते है।

कार्य और उधार नीतियां

भारत में पंजीकृत ऐसी कोई भी लिमिटेड कम्पनी या सहकारी समिति, जो माल के निर्माण, परिरक्षण या अभिसंस्कार (प्रोसेसिंग) में अथवा नौपरिवहन, खनन या होटल उद्योग में अथवा बिजली या अन्य किसी प्रकार की शक्ति के जनन या वितरण में लगी हुई हो या लगने का विचार करती हैं, निगम से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के पात्र हैं। तीनों क्षेत्र, अर्थात् सरकारी, निजी और संयुक्त की औद्योगिक परियोजनायें समान आधार पर निगम से सहायता प्राप्त करने की पात्र हैं।

यह सहायता विभिन्न रूपों में हो सकती है, जैसे रुपये और विदेशी मुद्रा का दीर्घकालीन ऋण, जारी किये गये साधारण (इक्विटी) और अधिमान शेयरों या डिबेंचरों की हामीदारी (अण्डर-राइटिंग) साधारण अधिमान और डिबेंचर पूंजी का अभिदान, विदेशों से आयात की गई या भारत में खरीदी गई मशीनरी के लिये आस्थगित अदायगी (डेफर्ड पेमेन्ट) गारन्टी और विदेशी वित्तीय संस्थानों से विदेशी मुद्रा के रूप में लिये गये ऋणों की गारन्टी।

निगम के द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता का उद्देश्य नई औद्योगिक परियोजनायें स्थापित करना और वर्तमान परि-

योजनाओं का नवीकरण, आधुनिकीकरण, विस्तार या विशाखन (डाइवर्सिफिकेशन) करना है।

केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित कम विकसित राज्यों/केन्द्र प्रशासित क्षेत्रों में औद्योगिक परियोजनायें लगाने के लिये वित्तीय सहायता रियायती दर पर उपलब्ध है।

निधियों के स्त्रोत

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम की निधियों के मुख्य स्त्रोत इसकी अपनी पूंजी, संचित अन्य, किये गये ऋणों की वापसी और निवेशों की बिक्री के अतिरिक्त बांड जारी करके बाजार से रुपयें उधार लेना और केन्द्रीय सरकार से ऋण लेना एवं विदेशी ऋण हैं।

कार्यों का संक्षिप्त विवरण

(रुपये, करोड़ों में)

	1977–78			1948–78		30 जून, 1978 को बकाया रकम
	मंजूरियां		संवितरित	मंजूर की गई	संवितरित	
	संख्या	रकम	रकम	रकम	रकम	
ऋण						
रुपया	153	105.53	53.28	581.38	457.67	304.79
विदेशी मुद्रा	22	5.92	3.64	70.18	58.48	25.38
जोड़	175	111.45	56.92	651.56	516.15	330.17
हामीदारियां						
साधारण शेयर	29	4.84	3.54	31.98	15.49	12.58
अधिमान शेयर	—	—	0.42	10.11	7.87	5.09
डिबेंचर	1	0.25	0.37	10.76	8.92	0.91
जोड़	30	5.09	4.33	52.85	32.28	18.58
प्रत्यक्ष अभिदान						
साधारण शेयर	6	0.28	0.77	4.81	3.33	5.45*
अधिमान शेयर	—	—	—	0.32	0.30	0.82*
डिबेंचर	—	—	—	1.82	1.82	—
जोड़	6	0.28	0.77	6.95	5.45	6.27
गारंटियां						
आस्थगित अदागियों के लिये	—	—	—	28.87	28.76	0.87
विदेशी ऋणों के लिये	1	0.28	—	23.61	23.33	1.21
जोड़	1	0.28	—	52.48	52.09	2.08
कुल जोड़	212%	117.10	62.02	763.84	605.97	357.10

*इसमें 6 संस्थाओं के 0.88 करोड़ रुपयें के बकाया ऋणों का भाग (अतिदेय ब्याज आदि) सम्मिलित है जिन्हें शेयरों में बदला गया, तथा दो संस्थाओं के 0.16 करोड़ रुपयें के संपरिवर्तनीय डिबेंचर सम्मिलित है जिन्हें साधारण शेयरों में बदल दिया गया और 20 संस्थाओं के 1.76 करोड़ रुपयें की बकाया ऋण राशि भी शामिल है, जिसमें ऋण मंजर करते समय संपरिवर्तन के अधिकार से संबंधित शर्तें लगाई गई थी।

%ये मंजूरियां 163 संस्थाओं को मंजूर की गई।

30 जून, 1978 को

सहायता का प्रसार

उद्योग

राज्य क्षेत्र

मंजूर राशि करोड़ रुपये	परियोजनाओं की संख्या		मंजूर राशि (करोड़ रुपये)	परियोजनाओं की संख्या
		चीनी:		
130.45	129	सहकारितायें		
30.00	47	अन्य		
160.45				
		रसायन:		
45.13	18	उर्वरक व कीटनाशक		
41.26	45	मूल रसायन		
28.04	30	कृत्रिम रेशे व रेंसिन्स		
10.57	33	अन्य रसायन		
125.00				
92.44	162	वस्त्र		
60.85	53	कागज		
45.19	46	सीमेंट		
45.18	69	लोहा व इस्पात		
38.73	80	मशीनरी		
31.80	13	अलौह धातुयें		
25.11	44	परिवहन उपस्कर		
24.22	20	रबड़ उत्पाद		
23.06	50	बिजली मशीनरी व उपस्कर		
16.78	27	पटसन उत्पाद		
15.72	40	धातु उत्पाद		
13.42	29	होटल		
45.89	94	अन्य		
		आन्ध्र प्रदेश . .	57.40	83
		असम . . .	11.04	11
		बिहार . . .	35.41	48
		गजरात . . .	62.46	79
		हरियाणा . . .	27.67	49
		हिमाचल प्रदेश . .	3.05	8
		जम्मू और कश्मीर . .	2.05	5
		कर्नाटक . . .	55.84	80
		केरल . . .	24.20	32
		मध्य प्रदेश . . .	18.11	23
		महाराष्ट्र . . .	139.35	194
		मेघालय . . .	2.84	2
		नागालैंड . . .	0.50	1
		उड़ीसा . . .	16.31	22
		पंजाब . . .	18.01	28
		राजस्थान . . .	35.42	30
		तमिलनाडु . . .	86.60	95
		त्रिपुरा . . .	0.80	1
		उत्तर प्रदेश . . .	87.88	109
		पश्चिमी बंगाल . .	66.00	112
		अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह	0.39	1
		दिल्ली . . .	6.16	7
		गोआ . . .	5.25	7
		पांडिचेरी . . .	1.10	2
763.84	1029	जोड़ . . .	763.84	1029

30 जून, 1978 को	वित्तीय सार	
	करोड़ रुपये	अमेरिकी डालर बराबर*
पूंजी तथा रिजर्व		
अधिकृत पूंजी	20.00	24.06
प्रदत्त पूंजी	10.00	12.03
रिजर्व	30.66	36.89
प्रदत्त पूंजी और रिजर्व	40.66	48.92
उधार		
बांड	244.14	293.79
विदेशी वित्तीय संस्थानों से	22.58	27.17
भारतीय औद्योगिक विकास बैंक से	9.50	11.43
सरकार से		
के० ए० डब्ल्यू० ऋणों के ब्याज से अन्तरजन्य निधियों के अधीन	1.72	2.07
अन्य ऋण	43.13	51.90
कुल उधार	321.07	386.36
आय 1977–78		
सकल आय	28.95	34.84
कराधान से पहले सकल लाभ	8.58	10.32
कराधान के लिये व्यवस्था	3.11	3.74
निवल लाभ	5.47	6.58
अधिलाभांश	0.65	0.78

*रुपयों का सम्परिवर्तन 8.31 रु० प्रति डालर की दर से किया गया।

वर्ष की समीक्षा

संचालक बोर्ड, 30 जून, 1978 को समाप्त हुए वर्ष के लिये परीक्षित लेखा विवरण के साथ निगम के कार्य संचालन के बारे में अपनी तीसवीं रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं।

2. पिछले वर्ष के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था ने समग्र रूप से सन्तोषजनक चित्र प्रस्तुत किया। कृषि उत्पादन उच्च स्तर पर रहा और कीमतें तुलनात्मक रूप से स्थिर रहीं। यद्यपि अर्थव्यवस्था को खाद्यान्न की कमी और विदेशी मुद्रा की कमी के रूप में किसी अवरोध का सामना नहीं करना पड़ा, लेकिन औद्योगिक उत्पादन की दर उत्साहवर्धक नहीं रही। औद्योगिक अशान्ति का दुष्प्रभाव पड़ा, कुछ उद्योगों को सम्भवतः ऊंचे मूल्यों के कारण, बाजार दबाव का सामन करना पड़ा, कुछ शिथिल निवेश गतिविधियों के कारण अनपूरक वस्तुओं और मशीनरी की मदों के निर्माताओं को उनकी वस्तुओं की कम मांग के कारण बाजार दबाव का सामना करना पड़ा। छठी योजना के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये यदि उच्च औद्योगिक उत्पादन की दर प्राप्त करनी है तो यह जरूरी है कि निवेश को बढ़ाया जाये और बिजली की उपलब्धता में सुधार लाया जाये।

कुछ उद्योगों में औद्योगिक रुग्णता के लक्षण विशेष चिन्ता का विषय रहे हैं। रुग्ण इकाइयों को पुर्नस्थापित करने की चुनौती का मुकाबला करने के लिये कठोर कदम उठाये जा रहे हैं। लेकिन यह अनुभव किया जाना चाहिये कि केवल सक्षम व्यावहार्य रुग्ण इकाइयां ही पुनरुज्जीवित की जा सकती हैं।

वर्ष की महत्वपूर्ण घटना संसद में सरकार की औद्योगिक नीति कथन का प्रस्तुत किया जाना है जिसमें लघु तथा कुटीर उद्योगों को महत्वपूर्ण दात्यीव निभाने की अपेक्षा की गई है। सरकार ने ऐसे उद्योग निर्धारित किये गये हैं जो केवल लघु पैमाने के क्षेत्र के लिये आरक्षित किये जायेंगे। छोटे दर्जे के उद्योग क्षेत्र में "अति लघु नामक एक नया वर्गीकरण किया गया है और इस क्षेत्र में वे इकाइयां सम्मिलित की जायेंगी जिनमें मशीनरी और साज-सामान पर निवेश 1.00 लाख रुपये तक होगा और छोटे कस्बों तथा गांवों में स्थित होंगी। छोटे क्षेत्र और कुटीर उद्योगों को सुविधाओं की श्रृंखला उपलब्ध करने के उद्देश्य से, औद्योगिक नीति वक्तव्य में विकास का मूल केन्द्र बड़े शहरों और राज्य की राजधानियों से जिला मुख्यालयों पर परिवर्तित कर दिया है, जहां कि जिला उद्योग केन्द्र उद्योग केन्द्र स्थापित करने का नया निर्णय समग्र रूप से देश में सन्तुलित औद्योगिक विकास के मार्ग में एक मील का पत्थर सिद्ध हो सकता है। इस संस्थागत व्यवस्था को प्रभावकारी और उपयोगी बनाने के लिये वर्तमान एजेंसियों को महत्व पूर्ण दायित्व निभाना है।

वर्ष के दौरान कार्यों की समीक्षा

3. वर्ष के दौरान, निगम के कार्यों की प्रगति बहुत ही संन्तोषजनक रही, क्योंकि वर्ष के दौरान निगम की स्थापना से ले कर किसी वर्ष भी इतनी सकल वित्तीय सहायता मंजूर और संवितरित नहीं की गइ जितनी इस वर्ष हुई। निगम की कार्य प्रगति क्षेत्रीय असन्तुलन को कम करने की सरकारी नीति के लक्ष्यों, नये उद्यमियों और तकनीकियों क प्रोत्साहन प्रदान करने, प्राथमिकत क्षेत्रों में अतिरिक्त क्षमता पैदा करने एंव रोजगार के अवसर प्रदान करने के लक्ष्यों से प्रेरित थी। वित्तीय सहायता का राज्य-वार और क्षेत्रवार विस्तार संन्तोषजनक रहा और वर्ष के दौरान उद्योगों के एक विस्तृत समूह को सहायता मंजूर की गई।

वर्ष के दौरान 197 परियोजनाओं को 117.86 करोड़ रुपये की सकल वित्तीय सहायता मंजूर की गई जोकि पिछले वर्ष 191 परियोजनाओं को 100.12 करोड़ रुपये मंजूर की गई थी। वर्ष के दौरान 0.76 करोड़ रुपये की मंजूरियां रद्द की गई। इस प्रकार 194 परियोजनाओं को कुल मंजूर सहायता 117.10 करोड़ रुपये हुई, जो पिछले वर्ष से 17.4 प्रतिशत अधिक थी।

117.10 करोड़ रुपये की मंजूर की गई निवल वित्तीय सहायता में से, 105.53 करोड़ रुपये की राशि रुपया ऋणों के रूप में और 5.37 करोड़ रुपये की राशि हामीदारी और प्रत्यक्ष अभिदान के रूप में प्रदान की गई। विदेशी मुद्राओं में 0.28 करोड़ रुपये की गारंटियां प्रदान की गई। विदेशी मुद्राओं में निवल मंजूरियां 5.92 करोड़ रुपये रही, जो कि 1976–77 में 5.01 करोड़ रुपये थी।

4. वर्ष के दौरान 62.02 करोड़ रुपये की कुल वित्तीय सहायता संवितरित की गई, जोकि पिछले वर्ष के 58.54 करोड़ रुपये के संवितरण से 6.0 प्रतिशत अधिक रहा। वर्ष के दौरान रुपया ऋणों के रूप में संवितरित राशि 53.28 करोड़ रुपये रही, विदेशी मुद्राओं में संवितरण 3.64 करोड़ रुपये रहा। हामीदारियों के रूप में निगम पर पड़े दायित्व की राशि 4.33 करोड़ रुपये रही और प्रत्यक्ष अभिदान 0.77 करोड़ रुपये रहा।

5. वर्ष के दौरान जिन परियोजनाओं को सहायता दी गई, उनके संक्षिप्त विवरण सहित मन्जूर वित्तीय सहायता का ब्यौरा परिशिष्ट "क" में दिया गया है। मंजूर की गई वित्तीय सहायता की प्रमुख बातें नीचे दी गई हैं:—

—राष्ट्रीय दृष्टि से उच्च प्राथमिक उद्योगों, जैसे चीनी सूती वस्त्र, सीमेंट, कागज, उर्वरक, और अन्य चुने हुए महत्वपूर्ण उद्योगों को कुल मंजूर वित्तीय सहायता का 84.8 प्रतिशत भाग प्राप्त हुआ।

—अधिसूचित कम विकसित जिलों/क्षेत्रों में स्थित परियोजनाओं को कुल मंजूर वित्तीय सहायता का लगभग 51 प्रतिशत भाग प्राप्त हुआ।

—वर्ष के दौरान जिन 194 परियोजनाओं को सहायता मंजूर की गई, उनमें से 59 नई परियोजनाओं को कुल मंजूरियों का 48 प्रतिशत भाग प्राप्त हुआ।

—नये उद्यमकर्त्ताओं और तकनीकियों द्वारा लगाई गई 8 नई परियोजनाओं को 4.57 करोड़ रुपये की सहायता मंजूर की गई।

—सरकारी क्षेत्र की 16 परियोजनाओं को 19.58 करोड़ रुपये की सहायता प्राप्त हुई।

—संयुक्त क्षेत्र में प्रवर्तित 13 परियोजनाओं के 17.96 करोड़ रुपये की सहायता प्राप्त हुई।

—सरकारी क्षेत्र की 16 परियोजनाओं–चीनी उद्योग–14, वस्त्र उद्योग, 2 को 12.36 करोड़ रुपये की सहायता मंजूर की गई।

—वर्ष के दौरान मंजूर की गई सहायता का प्रसार 16 राज्यों और 2 केन्द्र प्रशासित क्षेत्रों में था।

परियोजनाओं के प्रकार के अनुसार मन्जूरियां

6. सारणी 1 में पिछले दो वर्षों के दौरान परियोजना के प्रकार के अनुसार मंजूर सहायता का विवरण दिया गया है।

सारणी–1

1976–77 और 1977–78 के दौरान मंजूर की गई सहायता का परियोजनाओं के प्रकार के अनुसारव वर्गीकरण

(रुपये, करोड़ों में)

परियोजना का प्रकार	1976–77		1977–78	
	परियोजनाओं की सं०	मंजूर सहायता	परियोजनाओं की सं०	मंजूर सहायता
नई परियोजनायें	86	69.42	59	56.25
विस्तार/विशाखन	24	11.81	27	26.00
आधुनिकीकरण/नवीकरण, आदि	49	8.30	40	8.53
उप जोड़	159	89.53	126	90.78
उदार ऋण योजना	32	10.24	68	26.32
जोड़	191	99.77	194	117.10

यह देखा जायेगा कि वर्ष के दौरान वित्तपोषित 194 परियोजनाओं में से, 59 परियोजनाओं नई थी, और इन्हें कुल मंजूरियां का 48.0 प्रतिशत भाग प्राप्त हुआ। जबकि पिछले वर्ष 86 नई परियोजनाओं को मंजूर सहायता का 69.6 प्रतिशत भाग प्राप्त हुआ था। इन नई परियोजनाओं में 42 परियोजनायें कम वितसित जिलों/क्षेत्रों में लगाई जायेंगी और ये 33 जिलों में व्याप्त है।

7. वर्ष के दौरान नये उद्यमकर्ताओं तथा तकनीकियों द्वारा लगाई गई 8 नई परियोजनाओं को 4.57 करोड़ रुपये की सहायता मंजूर की गई। ये परियोजनायें धात उत्पाद, होटल, कागज, चमड़ा उत्पाद, सीमेंट, लोहा और इस्पात, मूल रसायन और विविध अधातु खनिज उत्पाद, उद्योगों से संबंधित हैं।

8, पिछले दो वर्षों के दौरान वित्तपोषित नई परियोजनाओं का पूंजीगत लागत की मात्रा के अनुसार वर्गीकरण सारणी 2 में दिया गया है।

विदित है कि 5 करोड़ रुपये की पूंजीगत लागत से कम लागत की 30 परियोजनाओं को वर्ष के दौरान सहायता दी गई। तुलनात्मक रूप से इस प्रकार की परियोजनाओं को अधिक सहायता मंजूर की गई, जो कि कुल सहायता का 22 प्रतिशत और कुल परियोजना लागत का 12.4 प्रतिशत प्राप्त हुआ।

सारणी–2

नई परियोजनाओं की पूंजीगत लागत की मात्रा के अनुसार वर्गीकरण–1976–77 और 1977–78

पूंजी की मात्रा (लाख रुपये)	नई परियोजनाओं की संख्या		परियोजना लागत में % भाग		मंजूर सहायता रु० (लाखों में		सहायता का परियोजना लागत में प्रतिशत	
	1976–77	1977–78	1976–77	1977–78	1976–77	1977–78	1976–77	1977–78
300 तक	27	20	10.1	5.7	1006.16	500.19	14.5	8.9
301 से 400	12	6	8.1	3.6	646.83	412.81	9.3	7.3
401 से 500	13	4	10..9	3.1	867.82	325.69	12.5	5.8
501 से 1000	26	24	31.7	24.4	2613.94	2164.36	37.7	38.5
1000 से ऊपर	8	5	39.2	63.2	1807.50	2221.79	26.0	39.5
जोड़	86	59	100.0	100.0	6942.25	5625.04	100.0	100.0

वित्तीय सहायता का क्षेत्रवार वर्गीकरण

9. सहकारी क्षेत्र की 16 परियोजनाओं को 12.36 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मंजूर की गई। यह समग्र राशि रुपया ऋणों के रूप में प्रदान की गई, और वर्ष के दौरान मंजर किये गये रुपया ऋणों का यह 11.7 प्रतिशत थी। यह सहायता 14 चीनी सहकारिताओं और 2 सूती वस्त्र सहकारिताओं को प्रदान की गई।

वित्तपोषित 14 चीनी सहकारिताओं में से 9 नई परियोजनायें थीं। इन नई परियोजनाओं में से 7 औद्योगिक रूप से कम विकसित जिलों/क्षेत्रों में स्थित हैं। तीन परियोजनाओं को उनकी विस्तार योजनाओं के लिये सहायता मंजूर की गई, दो को उदार ऋण योजना के अधीन आधुनिकीकरण के उद्देश्य के लिये सहायता प्रदान की गई। इस सहायता से चीनी सहकारितायें 2.25 लाख टन की अतिरिक्त क्षमता पैदा करने और 6085 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करने में समर्थ रहेगी।

वस्त्र उद्योग में एक सहकारिता को इसकी नई परियोजना के लिये वित्तीय सहायता मंजूर की गई। यह परियोजना औद्योगिक रूप से कम विकसित जिले म स्थापित की जा रही है। अन्य परियोजना को इसकी विस्तार योजना के लिये सहायता मंजूर की गई।

10. संयुक्त क्षेत्र में 14 परियोजनाओं को 17.96 करोड़ रुपये की सहायता मंजूर की गई। इनमें से 9 नई हैं और 6 परियोजनायें कम विकसित जिलों में स्थापित की जायेंगी। पहले से वित्तपोषित 4 परियोजनाओं को, इसकी परियोजना लागत, आदि में हुए अति व्यय को पूरा करने के लिये अतिरिक्त सहायता मंजूर की गई और एक परियोजना को इसकी आधुनिकीकरण/विस्तार योजना के लिये सहायता प्रदान की गई।

11. सरकारी क्षेत्र में 16 परियोजनाओं को 19.58 करोड़ रुपये की कुल सहायता मंजूर की गई। इनमें से 11 नई परियोजनायें थीं। इनमें से 10 परियोजनायें औद्योगिक रूप से कम विकसित जिलों/क्षेत्रों में स्थित हैं।

12. सारणी 3 में वर्ष के दौरान मंजूर की गई सहायता का क्षेत्र वार वर्गीकरण किया गया है। 1976-77 में, सहकारी, संयुक्त तथा सरकारी क्षेत्र की परियोजनाओं की संख्या 70 थी, जो 1977–78 में घट कर 46 रह गई, लेकिन दोनों वर्षों में मंजूर की गई सहायत 50 करोड़ रुपये के लगभग रही।

कम विकसित क्षेत्रों की परियोजनाओं को मंजूर सहायता

13. निगम ने अधिसूचित कम विकसित जिलों/क्षेत्रों में स्थापित 76 परियोजनाओं को 59.90 करोड़ रुपये की सहायता मंजूर की। इन परियोजनाओं में से 42 नई परियोजनायें थीं। इन परियोनाओं में से 14 परियोजनाओं की पूंजी लागत 3 करोड़ रुपये से कम थी, 9 परियोजनाओं की पूंजी लागत 3 करोड़ रुपये से 5 करोड़ रुपये के बीच और बाकी 19 परियोजनाओं की पूंजी लागत 5 करोड़ रुपये से अधिक थी।

सारणी–3

क्षेत्रवार मंजूर सहायता —1976–77 और 1977–78

(रुपये, करोड़ों में)

क्षेत्र	1976–77			1977–78		
	परियोजनाओं की संख्या	निवल मंजूर सहायता	कुल का प्रतिशत	परियोजनाओं की संख्या	निवल मंजूर सहायता	कुल का प्रतिशत
सहकारी क्षेत्र	21	17.14	17.2	16	12.36	10.6
संयुक्त क्षेत्र	29	17.86	17.9	14	17.96	15.3
सरकारी क्षेत्र	20	15.05	15.1	16	19.58	16.7
उप जोड़	70	50.05	50.2	46	49.90	42.6
निजी निगमित क्षेत्र . . .	121	49.72	49.8	148	67.20	57.4
जोड़	191	99.77	100.0	194	117.10	100.0

सारणी 4

उद्योगवार मंजूरियां तथा संवितरण—1977-78

(रुपए लाखों में)

उद्योग	मंजूरियां					संवितरण	
	परियोजनाओं की संख्या	ऋण	हामीदारियां/प्रत्यक्ष अभिदान	जोड़	कुल मंजूरियों का प्रतिशत	राशि	कुल संवितरणों का प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
चीनी							
सहकारी क्षेत्र	14	1107.50	—	1107.50	9.5	1225.14	19.7
निगमित क्षेत्र	12	696.50	—	696.50	5.9	408.48	6.7
	26	1804.00	—	1804.00	15.4	1633.62	26.3
रसायन तथा रसायन उत्पाद							
मूल औद्योगिक रसायन	10	548.00	103.50	651.50	5.5	184.17	3.0
उर्वरक	1	1000.00	100.00	1100.00	9.4	79.43	1.3
कृत्रिम रेशे तथा रेसिंज और प्लास्टिक का सामान	7	244.86	17.50	290.33*	2.5	97.74	1.6
अन्य रसायन और रसायन उत्पाद	5	92.50	3.00	95.50	0.8	187.30	3.0
	23	1885.36	224.00	2137.33*	18.2	548.64	8.9
सूती वस्त्र							
सहकारी क्षेत्र	2	128.00	—	128.00	1.1	148.50	2.4
सहकारी क्षेत्र	34	1715.00	—	1715.00	14.6	447.49	7.2
	36	1843.00	—	1843.00	15.7	595.99	9.6
कागज व कागज उत्पाद	12	959.88	68.33	1028.21	8.8	971.10	15.7
सीमेंट	9	1141.00	55.00	1196.00	10.2	596.00	9.6
ऊनी उत्पाद	3	73.75	—	73.75	0.6	139.88	2.2
लकड़ी उत्पाद	1	75.00	—	75.00	0.6	97.55	1.6
पटसन उत्पाद	12	578.52	2.50	581.02	5.0	212.79	3.4
चमड़ा उत्पाद	4	100.00	23.00	123.00	1.1	23.08	0.4
रबड़ उत्पाद	5	228.50	—	228.50	2.0	233.84	3.8
कांच व कांच उत्पाद	1	—	2.00	2.00	—	37.30	0.6
विविध अधातु खनिज उत्पाद	3	72.21	9.36	81.57	0.7	83.82	1.3
लोहा व इस्पात और फैरा अलायज	10	430.21	25.00	455.21	3.9	211.88	3.4
अलौह धातु	2	29.37	4.30	33.67	0.3	0.67	—

1	2	3	4	5	6	7	8
धातु उत्पाद	12	239.67	15.00	254.67	2.2	94.23	1.5
कृषि उपस्कर और पुर्जे	1	35.00	—	35.00	0.3	38.12	0.6
मशीनरी और पुर्जे	17	729.03	52.50	781.53	6.7	70.46	1.1
बिजली मशीनरी, उपकरण और पुर्जे	4	130.76	3.38	134.14	1.1	220.26	3.6
मोटर गाड़ियां और पुर्जे	1	79.83	15.00	94.83	0.8	46.43	0.8
मोटरसाईकिल, स्कूटर व पुर्जे	2	21.60	—	21.60	0.2	125.67	2.0
होटल	5	100.50	12.50	113.00	1.0	69.77	1.1
बिजली	2	455.00	—	455.00	3.9	5.00	0.1
विविध खाद्य उत्पाद	1	68.00	—	68.00	0.6	53.96	0.9
विविध निर्माण उत्पाद	2	64.55	25.50	90.05	0.7	47.17	0.8
खनन	—	—	—	—	—	41.15	0.7
जोड़	194	11144.74	537.37	11710.08*	100.0	6202.38	100.0

*गारंटियों के 27.97 लाख रुपए सम्मिलित हैं।

उदार ऋण योजना

14. गत वर्ष की रिपोर्ट में उल्लेख किया गया था कि निगम भारतीय औद्योगिक विकास बैंक और भारतीय औद्योगिक शाखा एवं निवेश निगम लि० के साथ मिलकर कुछ उद्योगों, जैसे, चीनी, पटसन, सूती-वस्त्र, सीमेंट और इंजीनियरिंग के आधुनिकीकरण और पुर्नस्थापन के लिए उदार ऋण योजना में योगदान दे रहा है। कार्य की विशालता को ध्यान में रखते हुए तीनों संस्थानों ने उद्योगवार बटवारा किया है। तदनुसार, चीनी और पटसन उद्योगों के लिए निगम को अग्रणी संस्थान के रूप में निश्चित किया गया है। उदार ऋण योजना के अधीन मामलों पर निर्विघ्न विचार करने की दृष्टि से निगम में एक आधुनिकीकरण मामले कक्ष की स्थापना की गई है। इस योजना के अधीन निगम ने वर्ष के दौरान 68 परियोजनाओं को 26.32 करोड़ रुपए की सहायता मंजूर की है, जिसका विवरण सारणी 5 में दिया गया है।

सारणी 5

उदार ऋण योजना के अधीन मंजूर वित्तीय सहायता

(रुपए करोड़ों में)

उद्योग	परियोजनाओं की	निगम द्वारा मंजूर की गई सहायता		
		राशि		
		उदार शर्तों पर	सामान्य शर्तों** पर	जोड़
चीनी	13	2.38	3.37	5.75
पटसन	11	3.49	2.01	5.50
सूती वस्त्र	26	3.39	6.24	9.63
सीमेंट	4	1.27	1.23	2.50
इंजीनियरिंग	14	1.09	1.85	2.94
जोड़	68	11.62	14.70	26.32

**अधिसूचित कम विकसित जिलों में स्थित 12 परियोजनाओं को रियायती दरों पर दी गई 3.18 करोड़ रुपए की सहायता शामिल है।

उद्योगवार मंजूरियां तथा संवितरण 1977-78

15. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान मंजूर तथा संवितरित की गई वित्तीय सहायता का उद्योगवार वर्गीकरण सारणी 4 में दिखाया गया है । रिपोर्ट में सांख्यिकी आंकड़े राष्ट्रीय औद्योगिक,वर्गीकरण 1970 के अनुसार दिखाए गए हैं।

16. वर्ष के दौरान निगम द्वारा मंजूर की गई कुल सहायता में से 71.4 प्रतिशत भाग उच्च राष्ट्रीय प्राथमिक उद्योगों को प्राप्त हुआ । यह सहायता और 2 फरवरी, 1973 के भारत सरकार के औद्योगिक नीति कथन के परिशिष्ट "झ" में उल्लिखित अन्य महत्वपूर्ण उद्योगों को दी गई सहायता दोनों मिलाकर समीक्षाधीन वर्ष के दौरान मजूर की गई कुल सहायता का 83.5 प्रतिशत भाग थी । वर्ष के दौरान जिन प्राथमिकता उद्योगों को सहायता मंजूर की गई, उनमें उर्वरक, सीमेंट, चीनी, कागज, सूती वस्त्र, विद्युत जनन, संचरण एवं वितरण, औद्योगिक मशीनरी, घड़ियां, रोलर बियरिंग उद्योग शामिल हैं ।

राज्य-वार मंजूरियां तथा संवितरण 1977-1978

17. वर्ष के दौरान राज्य-वार मंजूरियों और संवितरणों का विवरण सारणी 8 में दिया गया है ।

सारणी 6

1977-78 के दौरान वित्तपोषित नई, विस्तार तथा विशाखन परियोजनाओं का प्रत्यक्ष आर्थिक योगदान

(रुपए करोड़ों में)

उद्योग	परियोजनाओं की संख्या	कुल पूंजी लागत	पैदा किया जाने वाला प्रत्यक्ष रोजगार (संख्याएं)	उत्पादन का मूल्य	सकल मूल्य वृद्धि	प्रति वर्ष क्षमता
1	2	3	4	5	6	7
चीनी . .	22	88.76	7705	71.78	13.91	3.14 लाख अ टन चीनी ।
सूती वस्त्र .	9	39.15	7192	61.77	12.73	182796 तकुवे और 400 खड्डियों के लिए प्रारम्भिक और अवस्थापना सुविधाएं ।
उर्वरक . .	1	270.00	1000	115.33	14.72	356400 टन अमोनिया और 475200 टन यूरिया ।
कागज . .	9	135.02	4517	54.68	29.92	84895 टन कागज और 27000 टन न्यूज प्रिंट ।
शक्ति जनन .	1	55.52	644	8.64	4.44	120 मैगावाट शक्तिजनन ।
सीमेंट .	7	79.61	2468	44.45	23.44	15.85 लाख टन सीमेंट और 30,000 टन ऐस्बैस्टस सीमेंट चादरें और ढलाई सामान ।
रसायन और रसायन उत्पाद	13	52.79	1683	63.57	19.06	5210 टन ग्रोसीन, 10250 टन डाईकैल्शियम फास्फेट, 15 टन फिनायल इथिल अल्कोहल, 16000 टन कृत्रिम धुलाई डिटरजेंट्स, 4000 टन डिटरजेंट छड़ें/टिक्कियां 3000 टन सोडियम हाइड्रोसल्फेट, 384.8 टन ग्रोक्टिक एसिड, 35.5 टन अरोमा रसायन, 27000 टन कैलशियम कार्बाइड, 51000 टन एसैटलडेहाइड, 3000 टन एसेटिक एसिड,

1	2	3	4	5	6	7
						16,500 टन सल्फ्यूरिक एसिड, 17100 टन फिटकरी और 7200 टन ब्रोलियम, 10.90लाख क्यूबिक मीटर आक्सीजन गैस और साल और महुए की खलियों से 2600 टन अखाद्य तेलों की पिराई।
रबड़ और प्लास्टिक उत्पाद	2	8.70	270	15.86	3.14	125000 आटोमोबाइल टायर और ट्यूबों और बायक्सिली आधारित 800 टन पोलि-प्रोपलीन फिल्म का निर्माण।
मशीनरी और उपस्कर	6	38.84	2167	35.37	13.53	6 लाख की संख्या में प्रत्येक नोजल, ऐलिमेंट्स और डि-लीवरी वाल्व, नोजल होल्डर और सिलेंड सिंगल सिलैंडर पम्प प्रत्येक 1.2 लाख, बाल-बेयरिंग, टेपर्ड रोलर बियरिंग और सिलंड्रिकल रोलर बियरिंग 67.5 लाख, 800 टन द्विधातु पत्तियां, 2000 लाख नोडल रोलर, 8 लाख नोडल केज, 390 मिली मीटर की सर्विंग-ओवर हैड सूक्ष्म केन्द्र 1000 सेटें।
बिजली मशीनरी	3	8.77	478	17.54	4.91	25000 हाथ के बरमें और कोण ग्राइंडर्स, 150 भारी मोटरें और भारी मोटरों की 1700 हार्स पावर से 4000 हार्स पावर तक वर्तमान क्षमता का विस्तार और 1000 कि० मी० क्रास लिंक्ड पोलिथलीन तारें।
लोहा व इस्पात	4	56.54	1335	41.33	14.75	51000 टन अलाय इस्पात, 4500 टन क्लोज्ड डाई फोर्जिंग, 10000 टन नर्म इस्पात, मध्यम कार्बन, उच्च कार्बन और कम लोह गोल्ड रोल्ड इस्पात पत्तियां और 10000 टन फैरो-सिलीकोण।
अन्य उद्योग	20	73.34	5031	67.58	22.97	
जोड़	97	907.04	34490	598.90	117.52	

सारणी 7

निगम के कारोबार के पहले पच्चीस वर्षों और रजत जयन्ती वर्ष के बाद के पांच वर्षों के दौरान हुए उल्लेखनीय कार्य

(रुपये करोड़ों में)

	कारोबार के पहले 25 वर्ष (1948–73)		रजत जयन्ती वर्ष के बाद के पांच वर्ष (1973–78)					30-6-78 को समाप्त 5 वर्षों का जोड़		30 जून 1978 को संचयी आंकड़े 30वां वर्ष	
	राशि	कुल का प्रतिशत	1973–74	1974–75	1975–76	1976–77	1977–78	राशि	कुल का प्रतिशत	राशि	कुल का प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
मंजूरियां* . . .	430.98	100.0	35.91	33.17	50.13	96.55	117.01	332.86	100.0	763.84	100.0
क्षेत्रवार—											
सहकारी क्षे	103.87	24.1	6.82	4.90	12.33	17.14	12.36	53.55	16.1	157.42	20.6
सरकारी क्षेत्र . . .	9.25	2.2	0.85	2.15	11.72	14.30	19.58	48.60	14.6	57.85	7.6
संयुक्त क्षेत्र . . .	16.87	3.9	4.58	3.74	5.75	17.52	17.96	49.56	14.9	66.43	8.7
निजी निगमित क्षेत्र . .	300.99	69.8	23.66	22.38	20.32	47.59	67.20	181.15	54.4	482.14	63.1
कम विकसित क्षेत्रों/जिलों की परियोजनाओं को सहायता . .	123.01	28.5	14.22	18.08	24.17	60.71	59.90	177.08	53.2	300.09	39.3
नये उद्यमकर्ताओं/तकनीकियों द्वारा प्रवर्तित परियोजनाओं को सहायता .	42.40	9.8	8.15	4.41	6.38	7.81	6.49	33.24	10.0	75.64	9.9
संवितरित राशि . .	373.76	86.7	30.26	37.42	43.97	58.54	62.02	232.21	69.7	605.97	79.3
शेयर पूंजी . . .	10.00	—	—	—	—	—	—	10.00	—	100.00	—
कराधान से पूर्व लाभ . .	44.84	—	5.54	4.59	4.18	5*46	8.58	28.35	—	73.19	—
कराधान के बाद लाभ . .	22.80	—	3.25	2.60	2.70	3.24	5.47	17.26	—	40.06	—
बोंड जारी कर के उधार .	107.42	—	7.99	23.47	35.80	52.35	58.39	178.00	—	285.42	—
विदेशी ऋणी संस्थाओं से उधार और यू० के०/भारत पूंजी निवेश ऋण एवं इण्डो स्वीडिश सहयोग करार के अधीन आवंटन . . .	54.55	—	3.55	2.25	4.98	6.70	11.52	29.00	—	83.55	—

*मंजूर सहायता 30 जून, 1978 को निवल प्रभावी है। अतः पिछली वार्षिक रिपोर्टों में दिये गये आंकड़े मेल नहीं खाते।

सारणी 8

राज्य-वार मंजूरियां तथा संवितरण—1977-78

(रुपये लाखों में)

राज्य/क्षेत्र	मंजूरियां						संवितरण	
	ऋण		हामीदारियां तथा प्रत्यक्ष अभिदान	जोड़	कुल मंजूरियों का प्रतिशत	परियोजनाओं की संख्या	राशि	कुल संवितरणों का प्रतिशत
	सहकारी क्षेत्र	निगमित क्षेत्र						
आन्ध्र प्रदेश	281.00	477.98	59.30	818.28	6.9	15	1153.63	18.6
असम	—	—	—	—	—	—	17.35	0.3
बिहार	—	317.45	22.30	339.75	2.9	11	105.46	1.7
गुजरात	200.00	1429.78	120.00	1777.75*	15.3	17	348.61	5.6
हरियाणा	—	109.40	24.50	133.90	1.2	5	320.26	5.2
हिमाचल प्रदेश	—	85.98	10.50	96.48	0.8	2	57.40	0.9
जम्मू व कश्मीर	—	65.00	—	65.00	0.6	3	96.00	1.5
कर्नाटक	185.00	919.83	15.00	1119.83	9.5	10	464.38	7.5
केरल	—	380.50	17.50	398.00	3.4	8	274.02	4.4
मध्य प्रदेश	—	122.24	3.06	125.30	1.1	2	79.60	1.3
महाराष्ट्र	305.50	859.46	6.00	1170.96	9.9	28	698.73	11.3
मेघालय	—	—	—	—	—	—	40.00	0.6
उड़ीसा	78.00	91.00	7.50	176.50	1.5	5	76.99	1.2
पंजाब	—	419.86	27.33	447.19	3.8	8	126.71	2.0
राजस्थान	—	730.48	66.50	796.98	6.8	9	184.49	3.0
तमिलनाडु	86.00	925.72	36.00	1047.72	8.9	15	747.61	12.1
त्रिपुरा	—	—	—	—	—	—	64.00	1.0
उत्तर प्रदेश	100.00	1289.50	7.50	1397.00	12.1	21	899.77	14.5
पश्चिम बंगाल	—	1608.81	114.38	1723.19	14.7	33	301.38	4.9
अण्डेमान व निकोबार द्वीप समूह	—	—	—	—	—	—	18.42	0.3
दिल्ली	—	26.25	—	26.25	0.2	1	19.18	0.3
गोआ	—	50.00	—	50.00	0.4	1	65.15	1.1
पांडिचेरी	—	—	—	—	—	—	43.24	0.7
जोड़	1235.50	9909.24	537.37	11710.08*	100.0	194	6202.38	100.0

* गारंटियों के 27.97 लाख रुपए शामिल हैं।

वर्ष के दौरान वित्तपोषित परियोजनाओं का आर्थिक योगदान

18. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान वित्तपोषित नई, विस्तार तथा विशाखन परियोजनाओं का राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को संभावित योगदान सारणी 6 में दिया गया है । इसमें परियोजनाओं की प्रति लागत और आधुनिकीकरण योजनाओं आदि के मामले नहीं दिखाए गए हैं ।

सारणी 6 से देखा जाएगा कि 907.04 करोड़ रुपए की लागत से इन परियोजनाओं के कार्यान्वित हो जाने से ये सम्भवत: 598.90 करोड़ रुपए का उत्पादन बढ़ जाएगा । जब ये परियोजनाएं अपने उत्पादन के सर्वोत्तम स्तर पर होंगी, उस समय इनकी रोजगार क्षमता 34,490 व्यक्ति होने का अनुमान है। निगम की सहायता, राष्ट्रीय प्राथमिक उद्योगों, जैसे, चीनी, सूती वस्त्र, कागज, उर्वरक, सीमेंट, तथा विद्युत जनन में अतिरिक्त क्षमता पैदा करने में काफी सहायता करेगी ।

रजत जयन्ती (1972-73) से तीसवें वर्ष (1977-78) तक

19. निगम की स्थापना से लेकर सर्वप्रथम 1977-78 के दौरान वार्षिक मंजूर सहायता एक सौ करोड़ रुपए से भी ऊपर निकल गई जोकि 117.10 करोड़ रुपए रहीं, जबकि निगम के कार्यों के पहले पच्चीस वर्षों में वार्षिक मंजूरियो का उच्चतम स्तर 1972-73 में 46.15 करोड़ रुपए प्राप्त हुआ था । 1975-76 और 1976-77 के दौरान मंजूरियों मे उल्लेखनीय प्रगति हुई, जबकि वार्षिक मंजूरियां क्रमश. 48.1 प्रतिशत और 83.0 प्रतिशत बढ़ी, 1977-78 के दौरान भी विकास का क्रम बनाए रखा गया और वार्षिक मंजूरियों में 17.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।

निगम ने 30 जून, 1973 को अपने संचालन के पच्चीस वर्ष पूरे किए । उस तारीख तक निगम ने उद्योगों के विस्तृत समूह की 613 परियोजनाओं को 430.98 करोड़ रुपए की सकल वित्तीय सहायता मंजूर की थी । कुल मंजूर सहायता का 24.1 प्रतिशत भाग सहकारी क्षेत्र की परियोजनाओं को प्राप्त हुआ था जबकि सरकारी और संयुक्त क्षेत्र की परियोजनाओं को कुल मंजूरियों का केवल 6.1 प्रतिशत भाग प्राप्त हुआ । कुल मंजूरियों का 69.8 प्रतिशत भाग निजी निगमित क्षेत्र की परियोजनाओं को मंजूर किया गया ।

रजत जयन्ती वर्ष से लेकर पिछले पांच वर्षों के दौरान मंजूर की गई वित्तीय सहायता के क्षेत्रवार वर्गीकरण में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए, यहां तक कि सरकारी और संयुक्त क्षेत्र की परियोजनाओं का हिस्सा कुल मंजूर वित्तीय सहायता का 29.5 प्रतिशत हो गया जबकि सहकारी क्षेत्र की परियोजनाओं का हिस्सा गिरकर 16.1 प्रतिशत रह गया । तुलनात्मक रूप से निजी निगमित क्षेत्र को भी कम सहायता प्राप्त हुई, और इसका हिस्सा 54.4 प्रतिशत कम हो गया । 1973-74 से 1977-78 के पांच वर्षों के दौरान कुल 332.86 करोड़ रुपए की सहायता मंजूर की गई जोकि पिछले पच्चीस वर्षों के दौरान मंजूर की गई सहायता का 77.2 प्रतिशत थी । 30 जून, 1973 को वित्तपोषित परियोजनाओं की संख्या 613 थी, जो 30 जून, 1978 को 1029 हो गई ।

इसकी स्थापना से लेकर निगम के कार्य संचालन के पहले पच्चीस वर्षों के दौरान कम विकसित जिलों/क्षेत्रों में स्थित परियोजनाओं को 123.01 करोड़ रुपए की सहायता मंजूर की गई । कुल मंजूरियों का यह 28.5 प्रतिशत था । 1972-73 से लेकर पिछले पांच वर्षों के दौरान कम विकसित जिलों/क्षेत्रों में स्थित परियोजनाओं के हिस्से में 53.2 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई, और इसे 177.08 करोड़ रुपए की सहायता प्राप्त हुई जिसमें से 120.61 करोड़ रुपए की सहायता 1976–78 के दो वर्षों के दौरान मंजूर की गई । परिणामस्वरूप निगम के कार्य संचालन के पिछले तीस वर्ष के दौरान मंजूर की गई कुल वित्तीय सहायता में से इस प्रकार की परियोजनाओं को 39.3 प्रतिशत भाग प्राप्त हुआ ।

निगम के कार्य संचालन के पिछले पच्चीस वर्षों के दौरान नए उद्यमकर्ताओं द्वारा प्रवर्तित परियोजनाओं को 9.8 प्रतिशत भाग प्राप्त हुआ । यद्यपि संयुक्त क्षेत्र ने सीमित साधनों वाले कई नए उद्यमकर्ताओं को आकर्षित किया, इसके बावजूद भी इस प्रकार की परियोजनाएं 1972-73 से लेकर पिछले पांच वर्षों के दौरान 763.84 करोड़ रुपए की संचयी मंजूर सहायता में से नए उद्यमकर्ताओं द्वारा प्रवर्तित की गई परियोजनाओं को 9.9 प्रतिशत भाग प्राप्त हुआ ।

20. निगम की संवितरणों की प्रगति हमेशा ही उल्लेखनीय रही है । 1972-73 के अन्त में संवितरित राशि कुल मंजूरियों का 86.7 प्रतिशत थी । रजत जयन्ती वर्ष से लेकर पिछले पांच वर्षों के दौरान 232.21 करोड़ रुपए की राशि संवितरित की गई जोकि पिछले पच्चीस वर्षों के दौरान संवितरित की गई राशि का 62.1 प्रतिशत भाग थी । 1975–76 से मंजूरियों की प्रगति के साथ-साथ, 1976-77 में वार्षिक संवितरण में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई और 1977-78 में यह 6 करोड़ रुपए की उच्चतम चोटी पर पहुंच गई । 1977-78 की समाप्ति पर, संवितरण संचयी मंजूर सहायता का 79.3 प्रतिशत था । निगम द्वारा वित्तपोषित मध्यम तथा बड़े वर्ग की औद्योगिक इकाईयों के कार्यान्वयन में बढ़ाई गई अवधि को देखते हुए यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि थी ।

21. जबकि मूल्यांकन प्रक्रियाओं को सुचारू रूप प्रदान करने, सांझे ऋण आवेदन पत्र का उपयोग, अग्रणी संस्थान की धारणा, सभी ने मिलकर मंजूरियों को तीव्रता प्रदान की, दस्तावेजों का सरलीकरण, मानक ऋण करार का ग्रहण किया जाना, सेतु ऋणों और अन्तरिम ऋणों का मंजूर किया जाना, और विभिन्न केन्द्रों पर शाखाएं खुलने से निगम के लिए ये संभव हो सका है कि संवितरणों को जहां तक संभव हों मंजूरियों के समीप रखा जाए ।

22. मंजूरियों और संवितरणों के नए शिखरों पर प्राप्त की गई सफलता निगम की वित्तीय प्रगति का द्योतक है । निगम ने अपने संचालन के पहले पच्चीस वर्ष कराधान से पूर्व 44 84 करोड़ रुपये का लाभ और कराधान के बाद 22.80

करोड़ रुपये का लाभ और कराधान के बाद 22.80 करोड़ रुपये का निवल लाभ अर्जित किया। इन आंकड़ों की तुलना में, रजत जयन्ती के वर्ष के बाद के पांच वर्षों में निगम के लाभ में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई, जबकि कर से पूर्व लाभ 28.35 करोड़ रुपये और कर के बाद लाभ 17.26 करोड़ रुपये हो गया। 1977-78 के दौरान कर के बाद 5.47 करोड़ रुपये का निवल लाभ निगम की स्थापना से लेकर अधिकतम था। लगातार लाभकारी संचालन से आरक्षित निधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 1972-73 में जो निधियां 18.31 करोड़ रुपये थी, वह 1977-78 में 30.66 करोड़ रुपये हो गई। पिछले पच्चीस वर्षों और रजत जयन्ती के बाद के पांच वर्षों के दौरान निगम के कार्यों की उल्लेखनीय बातों का विवरण सारणी 7 में दिया गया है।

रजत जयन्ती वर्ष से लेकर ऋणों की बढ़ती हुई तीव्र मांग बढ़ती हुई आरक्षित निधियों के अतिरिक्त बाजार से बांडों द्वारा उधार लेकर पूरी की गई।

1972-73 से लेकर पांच वर्षों के दौरान 178 करोड़ रुपये का बांड निगर्मन किया गया जबकि, पहले पच्चीस वर्षों के दौरान 107.42 करोड़ रुपये के बांड निर्गमित किए थे। 1977-78 में विदेशी ऋणी संस्थानों और यू० के०/भारत पूंजी निवेश ऋणों और इन्डो-स्वेडिस सहयोग करार के अधीन आबंटित ऋणों की राशि 11.52 करोड़ रुपये थी, जिसको मिलाकर 1972-73 से यह राशि 29 करोड़ रुपये हो गई जबकि पहले पच्चीस वर्षों के दौरान यह 54.55 करोड़ रुपये थी।

23. विस्तृत विकास दायित्व के रूप में, पिछले पांच वर्षों के दौरान निगम के कार्यक्षेत्र में एक और नया आयाम जुड़ गया है। दिसम्बर, 1972 में, औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम में संशोधन हो जाने से विभिन्न प्रवर्तन कार्यों के संचालन के लिए दातव्य आरक्षित निधि की स्थापना का पाना संभव हो सका है। इस निधि में क्रेडितान्स्तल कर वाइड्फफ्यू द्वारा निगम को मंजूर किए गए जर्मन मार्क ऋणों के ब्याज से पैदा हुई अन्तर अन्य निधियों के अधीन सरकार द्वारा निगम को राशियां आवंटित की जाती हैं। ये साधन निगम के संचालन के पहले पच्चीस वर्षों के दौरान उपलब्ध नहीं थे, इनके उपलब्ध होने से निगम द्वारा कई प्रवर्तन कार्यों को हाथ में लेना संभव हो सका है। इनमें से कई पुरोगामी और नवीन प्रकृति के हैं। इन योजनाओं का रिपोर्ट में अन्य स्थान पर उल्लेख किया गया है।

सारणी 7 में निगम के कारोबार के पहले 25 वर्षों और रजत जयन्ती वर्ष के बाद के पांच वर्षों के दौरान हुई उल्लेखनीय बातों का विवरण दिया गया है।

संचालन गतिविधियां

सरकारी नीतियां

24. सरकार द्वारा घोषित महत्वपूर्ण नीति विषयक जिन कथनों का सम्बन्ध निगम के कारोबार से हो सकता है, वे हैं—औद्योगिक नीति, वस्त्र नीति, मूल्यों पर नियंत्रण हटाना, चीनी का लाना ले जाना, और वितरण, इंजीनियरिंग उद्योगों की सूची में प्रसार जोकि अब निगम के उदार ऋण योजना के अधीन सहायता प्राप्त करने के पात्र होंगे और पूंजीगत माल के आयात को पूरा करने के लिए रुपया वित्त प्रदान करने की योजना।

औद्योगिक नीति कथन की उल्लेखनीय बातें हैं—कुटीर और लघु उद्योगों को महत्व दिया जाना, जिला औद्योगिक केन्द्रों की स्थापना, सहायक उद्योगों का विकास, रोजगार के अवसर प्रदान करना, कम विकसित जिलों/क्षेत्रों में उद्योगों का प्रसार, आदि।

सरकार की औद्योगिक नीति के प्रमुख लक्ष्य हैं, विशेषकर, ग्रामीण क्षेत्रों और छोट कस्बों में कुटीर और छोटे स्तर के उद्योगों का प्रसार करके रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराना। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निगम तकनीकी मूल्यांकन के दौरान इस बात पर विशेष जोर देता है कि स्वचालित व्यवस्था का परिस्थापन करने के लिए एवं पूंजी प्रधान प्रक्रियाओं का श्रम प्रधान प्रक्रियाओं में बदलने और उचित तकनीकी का चयन करने की संभावनाओं का जायजा लिया जाए, सहायक उद्योगों का प्रवर्तन करने का क्षेत्र और निर्माण कल एवं पुर्जे में उचित परिवर्तन करके पूंजी लागत को कम से कम करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

वर्ष के दौरान सरकार ने उद्योग से रुग्णता रोकने की योजना शुरू की। औद्योगिक इकाईयों से रुग्णता रोकने के लिए सरकारी नीति में वित्तीय संस्थानों के उन इकाइयों के मामलों पर अधिक देखभाल और निरीक्षण की व्यवस्था की गई, जिनका प्रबन्ध अक्षम और कमजोर है। सरकार ने निर्णय किया है कि रुग्ण इकाई का या तो राज्य सरकारों और वित्तीय संस्थानों द्वारा पुर्नस्थापन किया जाए या इनका स्वस्थ इकाई में मिलान कर दिया जाए, यदि उक्त दोनों प्रयासों में से कोई की व्यवहार्य या उचित नहीं है तो इकाई के औद्योगिक (विकास और नियमन) अधिनियम के अधीन अधिग्रहण करने पर विचार किया जाएगा।

वस्त्र नीति के कथन का मुख्य लक्ष्य है काफी मात्रा में कपड़े का उत्पादन और जनता को सस्ती कीमतों पर अच्छे कपड़े की उपलब्धि, जनसंख्या के कमजोर वर्गों में इस वस्त्र के वितरण की सुधरी हुई व्यवस्था, हथकरघा खादी और रेशम उत्पादन सहित विकेन्द्रीकृत क्षेत्र का तीव्र विकास कर अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना, कपास और कृत्रिम धागों के उपयोग में समन्वित सन्तुलन, कपास उत्पादकों की आय और रोजगार को अधिकतम बढ़ाना, देश में उपलब्ध, उच्च अरोमैटिक गैस नफथा भण्डारों से कृत्रिम रेशे का उत्पादन करने के लिए क्षमता का सर्वाधिक प्रयोग करना, वस्त्र नीति में प्रस्ताव किया गया है कि नियन्त्रण कपड़े का अनिवार्य रूप से उत्पादन करने की व्यवस्था पहली अक्तूबर, 1978 से समाप्त कर दी जाए।

चीनी के रिकार्ड उत्पादन और देश में चीनी के भारी भण्डार को देखते हुए और घरेलू उत्पादन को अधिकतम करने

की दृष्टि से सरकार ने 16 अगस्त, 1978 से चीनी की कीमतों, लाने ले जाने तथा वितरण से नियन्त्रण हटाने का फैसला किया है । इसके अतिरिक्त 1978-79 के गन्ना पेरने के मौसम के लिए गन्ने का न्यूनतम मूल्य 8.5 प्रतिशत की उपलब्धि के लिए 10 रुपया कर दिया गया है जो कि अभी तक 8.5 प्रतिशत की उपलब्धि के लिए 8.50 रुपए था। निगम द्वारा वित्त-पोषित इकाइयों पर चीनी के नियन्त्रण मुक्त करने की नीति का क्या प्रभाव पड़ेगा, इसका अध्ययन किया जा रहा है।

सरकार ने पूंजीगत माल को पूरा करने के लिए रुपया वित्त की योजना प्रारम्भ की है। इस योजना का मुख्य लक्ष्य है कि रुपया वित्त की उपलब्धता प्राप्त न होने से उन उपयोगी परियोजनाओं की प्रगति न रुके जिनमें सरकार विदेशी मुद्रा देने को इच्छुक है इस उद्देश्य के लिए किसी भी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक अथवा अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों से रुपया ऋण उपलब्ध हो सकेगा ।

उदार ऋण योजना

25. पिछली वार्षिक रिपोर्ट में उल्लेख किया गया था कि अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान, अर्थात, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, भारतीय औद्योगिक वित्त निगम और भारतीय औद्योगिक शाखा एवं निवेश निगम कुछ चुने हुए उद्योगों, अर्थात सीमेंट, चीनी, इंजीनियरिंग, पटसन, और सूती वस्त्र के आधुनिकीकरण की योजना का संचालन कर रहे हैं। वर्ष के दौरान, राष्ट्रीय वस्त्र निगम के मिल और इस्पात ढलाई उद्योग भी इस योजना के अधीन सहायता पाने के पात्र बनाए गए हैं। चुने हुए उद्योगों के आधुनिकीकरण करने की उदार ऋण योजना के अन्तर्गत सरकार से सहायता प्राप्त करने की पात्र इंजीनियरिंग उद्योगों की सूची में विस्तार कर दिया है । इसके अतिरिक्त भारत सरकार ने उदार ऋण योजना के अधीन मंजूर किए गए ऋणों के संपरिवर्तनीय अनुदेशों के दायरे से बाहर रखा है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि ऋण इक्विटी की 1 : 1 की निर्धारित सीमा आधुनिकीकरण और पुनर्स्थापन की योजनाओं पर लागू नहीं होगी, यह उदार ऋण योजना की परिसीमा में होने वाली विस्तार परियोजनाओं पर भी लागू नहीं होगी।

वित्तीय संस्थानों ने इस योजना की कुछ शर्तों में ढील दी है । मंजूर सहायता का 80 प्रतिशत तक के सेतु ऋण प्रदान किए जाते हैं जो कि आमतौर पर 75 प्रतिशत तक दिए जाते हैं। निगम से सेतु ऋण प्राप्त करने के उद्देश्य से, जैसे ऋणी बैंक गारन्टी प्राप्त करने में समर्थ नहीं हैं तो कम्पनी पर नियंत्रण रखने वाले प्रवर्तकों/संचालकों की व्यक्तिगत गारंटी पर भी सेतु ऋण प्रदान किया जा सकता है । इसके अतिरिक्त, कम्पनी को अपनी परिसम्पत्तियों पर निगम के पक्ष में ऐसा बन्धक करने के लिए मुख्तयारनामा करना होगा कि इस प्रकार का प्रभार किया जाएगा, कम्पनी की स्थायी परिसम्पत्तियों पर प्रभार रखने वाले बैंक से इस आशय का पत्र प्रस्तुत करना होगा कि निगम के पक्ष में निबन्ध प्रभार अथवा सम प्रभार जैसा भी मामला हो किया जाएगा, मशीनरी तथा अन्य अस्थिर परिसम्पत्तियों को गिरवी रखा जाएगा और स्थायी परिसम्पत्तियों पर नकारात्मक धारणाधिकार स्थापित किया जाएगा ।

ब्याज की दर

26. वर्ष के दौरान निगम की ब्याज दर में कोई परिवर्तन नहीं हुआ, लेकिन यह निर्णय किया गया है कि 9.5 प्रतिशत वार्षिक की रियायती दर उन होटल परियोजनाओं पर भी लागू की जाए जो कि अधिसूचित कम विकसित जिलों/क्षेत्रों में स्थापित किए जाने हैं । जहां तक उन होटल परियोजनाओं का सम्बन्ध है जो कि कम विकसित क्षेत्रों से भिन्न इलाकों में लगाई जा रही हैं उन मामलों में 75 लाख रुपए के रुपया ऋणों तक ब्याज की दर 10 प्रतिशत वार्षिक रहेगी, बशर्ते कि 1 प्रतिशत ब्याज अन्तर प्रतिपूर्ति सरकार द्वारा की जाती है, सेतु ऋणों पर ब्याज की दर सामान्य ब्याज दर से 1 प्रतिशत वार्षिक अधिक है ।

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों पर संपरिवर्तनीय निर्देशों का लागू न होना

27. यह निर्णय किया गया है कि संपरिवर्तनीय निर्देश (क) सांविधिक निगमों (ख) कम्पनी अधिनियम, की धारा 4 के साथ पठित धारा 617 को सन्तुष्ट करने वाली कम्पनियों (ग) कम्पनी अधिनियम की धारा 619 (ख) की परिसीमा में आने वाली कम्पनियों पर लागू नहीं होंगे ।

सहायता के लिए आवेदन

28. वर्ष के प्रारंभ में निगम के पास 47 संस्थाओं से (उदार ऋण योजना के अधीन प्राप्त हुए आवेदनों को छोड़कर) 411.52 करोड़ रुपए की कुल वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र विचाराधीन थे। इनमें आवेदन पत्र भी शामिल थे जिनकी अन्य अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों के साथ मिलकर वित्त व्यवस्था की जानी थी । समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निगम को 161 संस्थाओं से 944.85 करोड़ रुपए की सहायता के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए, इसमें वे आवेदन पत्र शामिल थे जिनमें अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों के साथ वित्त व्यवस्था की जानी थी लेकिन उदार ऋण योजना के अधीन प्राप्त हुए आवेदन इसमें शामिल नहीं थे।

वर्ष के दौरान निगम ने उदार ऋण योजना के अधीन मंजूर की गई सहायता सहित 117 आवेदन पत्रों पर 88.46 करोड़ रुपये की सकल वित्तीय सहायता मंजूर की।

वर्ष के अन्त में 85 संस्थाओं के 646.6 करोड़ रुपए के आवेदन विचार की विभिन्न अवस्थाओं में थे, इस सहायता में अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता शामिल है।

वर्ष के दौरान निगम की सहायता के लिए प्राप्त, मंजूर किए गए तथा वापिस लिए गए, एवं वर्ष के अन्त में विचाराधीन आवेदनों का ब्यौरा दर्शाने वाली राज्यवार सारणी रिपोर्ट

के परिशिष्ट "घ" में दी गई है। इस परिशिष्ट में से आवेदन भी दिखाए गए हैं, जो विचार की विभिन्न अवस्थाओं में थे।

कार्यों की समीक्षा 1948-78

29. 30 जून, 1978 को देश के प्रथम विकास बैंक—निगम ने भारतीय उद्योग की सेवा में तीन दशक पूरे कर लिए हैं। वर्षों के दौरान, राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर अन्य विकास बैंकों के स्थापित हो जाने से, निगम अपने अन्य सहयोगी संस्थानों के साथ तकनीकी सहयोग और समन्वय के द्वारा राष्ट्र के औद्योगिक विकास में अपना दायित्व निभा रहा है। निगम जैसे पुराने विकास बैंक के कारोबार में, वर्षों के दौरान निगम की वित्तीय सहायता बढ़ती रही है, जहां एक ओर परियोजनाओं का उचित चयन और मूल्यांकन जरूरी है वहां दूसरी ओर वित्तपोषित परियोजनाओं पर प्रभावपूर्ण अनुवर्ती कार्यवाही भी महत्वपूर्ण है। इन दोनों ही दायरों में नैपुण्यता की आवश्यकता है और तदनुसार, निगम मूल्यांकन, अनुवर्ती नीतियों तथा कार्य विधियों में अधिक से अधिक ध्यान देता रहा है। इससे भी अधिक निगम की नीति रचनात्मक, आर्थिक दर्शन में होने वाले परिवर्तनों के अनुसार आधारित एवं परिवर्तनशील और सामाजिक लक्ष्यों के अनुसार रही है। इसके सामने आने वाली विविध समस्याओं का मुकाबला करने और विकास बैंक के नाते अपने दायित्वों को जिम्मेदारी से निभाने के लिए अपने व्यावसायिक स्टाफ को मजबूत किया है यह लगातार अपने तकनीकी मूल्यांकनों में सुधार ला रहे हैं क्योंकि निगम इस बात को स्वीकार करता है कि अन्तिम प्रतिभूतिवित्तपोषित परियोजना की व्यवस्था पर निर्भर है न कि इसकी भौतिक परिसम्पत्तियों में वर्षों के दौरान वित्तीय सहायता बढ़ने के साथ-साथ निगम द्वारा हाथ में लिए गए प्रवर्तन कार्यों ने भी इसके समग्र संचालन में एक नया आयाम जोड़ा है।

सूझबूझ कर बनाई गई नीतियों और कार्यविधियों के द्वारा निगम देश के आर्थिक विकास के राष्ट्रीय लक्ष्यों, जैसे, क्षेत्रीय असन्तुलन को कम करने के लिए उद्योगों का प्रसार, उद्यम आधार को विस्तृत करना और प्राथमिकता क्षेत्रों में अतिरिक्त क्षमता पैदा करने के अतिरिक्त, औद्योगिक सहकारिताओं को सहायता प्रदान करके ग्रामीण विकास को प्राप्त करने के लिए अपना भरसक योगदान दे रहा है।

कुल संचयी सहायता

30. निगम ने 30 जून, 1978 तक 893 औद्योगिक संस्थाओं की समग्र राष्ट्र में व्याप्त 1029 परियोजनाओं को 763.84 करोड़ रुपए कुल संचयी वित्तीय सहायता मंजूर की है। इन परियोजनाओं की कुल पूंजीगत लागत 5208.03 करोड़ रुपए है। इस संचयी सहायता में सहकारी क्षेत्र की 165 परियोजनाओं को मंजूर की गई 157.42 करोड़ रुपए की सहायता सम्मिलित है। शेष 606.42 करोड़ रुपए निगमित क्षेत्र की 864 परियोजनाओं को मंजूर किया गया। इसमें सरकारी क्षेत्र की 58 परियोजनाओं को मंजूर 57.85 करोड़ रुपए और संयुक्त क्षेत्र की 68 परियोजनाओं को मंजूर 66.43 करोड़ रुपए की सहायता सम्मिलित है।

31. संवितरण 605.97 करोड़ रुपए रहा जो कि मंजूरियों का 79.3 प्रतिशत है 30 जून, 1978 को कुल बकाया सहायता 357.10 करोड़ रुपए थी।

औद्योगिक सहकारितायें

32. निगम के सहकारी क्षेत्र की परियोजनाओं को 147.82 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की, जो कि सहकारी तथा निगमित क्षेत्र की सभी परियोजनाओं को मंजूर 581.38 करोड़ रुपए की सहायता का 27.1 प्रतिशत है। औद्योगिक सहकारिताओं को 147.82 करोड़ रुपए का संवितरण हुआ। सहकारी क्षेत्र में निगम की सहायता का अधिकतर लाभ चीनी सहकारिताओं को प्राप्त हुआ। 129 चीनी सहकारिताओं को 130.45 करोड़ रुपए की सहायता प्राप्त हुई, जो कि औद्योगिक सहकारिताओं को मंजूर कुल सहायता का 82.9 प्रतिशत है। इसके बाद सूत कताई उद्योग का दर्जा रहा, जिसकी 31 परियोजनाओं को 20.46 करोड़ रुपए की सहायता मंजूर की गई, जो औद्योगिक सहकारिताओं की कुल मंजूरियों का 13.01 प्रतिशत है। अन्य उद्योगों, जैसे उर्वरक, वनस्पति तेल पिराई, पटसन और कृत्रिम रेशे की 5 सहकारी परियोजनाओं की 6.51 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गई।

सहकारी क्षेत्र में वित्तपोषित 165 परियोजनाओं में से 75 परियोजनाएं अधिसूचित कम विकसित जिलों में स्थापित थी। इन परियोजनाओं को कुल 70.96 करोड़ रुपए की सहायता मंजूर की गई जो कि सहकारी क्षेत्र की परियोजनाओं को मंजूर सहायता का 45.1 प्रतिशत है।

33. 30 जून, 1978 तक सहकारी क्षेत्र को मंजूर की गई सहायता का राज्यवार और उद्योगवार विवरण सारणी 9 में दिया गया है।

निगमित क्षेत्र

34. निगमित क्षेत्र की 864 परियोजनाओं को कुल 606.42 करोड़ रुपए की सहायता मंजूर की गई। निगम ने केवल 1970 से सरकारी क्षेत्र की परियोजनाओं को सहायता देनी प्रारंभ की है। तब से लेकर निगम ने सरकारी क्षेत्र की 58 परियोजनाओं को 57.85 करोड़ रुपए की सहायता मंजूर की है। संयुक्त क्षेत्र की 68 परियोजनाओं को 66.43 करोड़ रुपए की सहायता मंजूर की गई। सारणी 10 में सरकारी और संयुक्त क्षेत्र की परियोजनाओं को मंजूर की गई सहायता का उद्योगवार विवरण दिखाया गया है।

सारणी 9

औद्योगिक सहकारिताओं को मंजूर सहायता-1948—78

(रुपए लाखों में)

राज्य/क्षेत्र	उद्योगवार मंजूर सहायता								
	चीनी		सूत कताई		अन्य		कुल मंजूरियां		कुल का प्रति-शत
	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि	
आन्ध्र प्रदेश	12	1121.00	3	160.00	—	—	15	1281.00	8.1
आसाम	1	60.00	—	—	1	78.50	2	138.50	0.9
बिहार	1	90.00	1	24.70	—	—	2	114.70	0.7
गुजरात	12	898.50	2	200.00	3	550.00	17	1648.50	10.5
हरियाणा	4	286.0		00.00	—	—	5	386.00	2.5
कर्नाटक	13	1095.25	3	179.00	1	22.50	17	1296.75	8.2
केरल	2	180.00	—	—	—	—	2	180.00	1.1
मध्य प्रदेश	1	80.00	1	40.00	—	—	2	120.00	0.8
महाराष्ट्र	51	6089.70	13	884.00	—	—	64	6973.70	44.3
उड़ीसा	2	205.00	2	109.00	—	—	4	314.00	2.0
पंजाब	4	315.00	—	—	—	—	4	315.00	2.0
राजस्थान	1	95.00	1	109.50	—	—	2	204.50	1.3
तमिलनाडु	9	924.00	2	85.00	—	—	11	1009.00	6.4
उत्तर प्रदेश	15	1455.00	2	155.00	—	—	17	1610.00	10.2
गोवा	1	150.00	—	—	—	—	1	150.00	1.0
जोड़	129	13044.45	31	2046.20	5	651.00	165	15441.65	100.0

*पटसन सहकारिता

**उर्वरक उद्योग की एक सहकारिता की दो इकाईयां

***वनस्पति तेल पिराई सहकारिता

सारणी 10

सरकारी तथा संयुक्त क्षेत्र की परियोजनाओं को उद्योगवार सहायता का विवरण

(रुपए लाखों में)

उद्योग	परियोजनाओं की संख्या	परियोजना लागत	मंजूर सहायता
उर्वरक	6	47178.03	2272.00
कागज	7	19038.98	1646.04
वस्त्र	19	7983.29	1462.50
चीनी	14	7252.88	1362.84
सीमेंट	5	13147.00	1070.00
मूल औद्योगिक रसायन और गैसें	10	6911.45	884.88
लोहा व इस्पात	11	7928.45	652.05
बिजली मशीनरी व उपस्कर	10	4498.87	574.01
स्कूटर और पुर्जे	7	4257.00	395.49
मशीनरी	5	1961.98	390.24
विविध रसायन	7	2077.13	350.31
पटसन उत्पाद	2	1290.00	225.00
कृत्रिम रेशे व रेसिन्ज	3	5228.00	212.99
खनन	3	4907.24	170.00
कांच व कांच उत्पाद	3	1486.25	165.52
चमड़ा उत्पाद	5	819.60	139.32
लकड़ी उत्पाद	2	688.00	102.72
रबड़ उत्पाद	1	655.00	96.50
धातु उत्पाद	1	195.00	80.43
विविध अधातु खनिज उत्पाद	2	472.00	65.00
विविध निर्माण उद्योग	1	204.00	42.50
प्राकृतिक गैस	1	400.00	37.50
विविध खाद्य उत्पाद	1	204.00	30.00
जोड़	126	138783.15	12427.84

35. निम्नलिखित अवतरणों में सरकारी क्षेत्र को मंजूर सहायता का विश्लेषण दिया गया है।

रुपया ऋण

रुपया ऋणों में 424.04 करोड़ रूपए की सहायता मंजूर की गई, यह निगमित क्षेत्र को कुल मंजूर सहायता का 69.9 प्रतिशत है। रुपया ऋणों के रूप में संवितरणों की राशि 30 जून, 1978 को 309.93 करोड़ रुपए थी।

विदेशी मुद्रा ऋण

निगमित क्षेत्र को विदेशी ऋण के रूप में 70.11 करोड़ रूपए की सहायता मंजूर की गई, जबकि संवितरण 58.40 करोड़ रुपए रहा।

विदेशी मुद्रा ऋणों से संबंधित 30 जून, 1978 तक की स्थिति सारणी 11 में दी गई है।

सारणी 11

निगमित क्षेत्र को विदेशी मुद्रा ऋण

मुद्रा	मंजूरियां (निवल)			जारी किए गए संख्या/वचनपत्र		संवितरित रकम	
	उप ऋणों की संख्या	विदेशी मुद्रा (दस लाख में)	रुपए (लाखों में)	विदेशी मुद्रा (दस लाख में)	रुपए (लाखों में)	विदेशी मुद्रा (दस लाख में)	रुपए (लाखों में)
पश्चिमी जर्मन मार्क	11	181.13	3669.06	159.67	3259.29	150.94	3080.28
अमरीकी डालर	57	26.75	1963.27	26.75	1963.27	26.75	1963.27
फ्रांसिसी फ्रांक	13	14.89	203.34	14.80	202.07	14.80	202.07
पौंड स्टर्लिंग	36	4.50	851.36	3.42	644.05	3.33	583.48
स्वेडिस क्रोनर्स	6	20.24	293.53	1.39	20.20	0.61	11.23
जोड़	323		7010.56		6088.88		5840.33

हामीदारियां

30 जून, 1978 तक हामीवारियों के 579 आवेदनों पर 52.85 करोड़ रुपए की, साधारण शेयरो, अधिमान शेयरों तथा डिबेंचरों के रूप में हामीदारी थी। 30 जून, 1978 तक जारी की गई हामीदारियों तथा जिन हामीदारियों को अन्तिम रूप दिया गया, उसका विवरण सारणी 12 में दिया गया है।

सारणी 12

हामीदारी कार्य

(रुपए लाखों में)

साधारण शेयर	2467.35	1608.47	65.2
अधिमान शेयर	986.84	804.08	81.5
डिबेंचर	1050.50	890.80	85.0
जोड़	4504.69	3305.35	73.4

प्रत्यक्ष अभिदान

30 जून, 1978 तक निगम ने प्रत्यक्ष अभिदान के 83 आवेदन-पत्रों पर 694.55 लाख रुपए मंजूर किए जिनमें 480.68 लाख रुपए के साधारण शेयर, 31.87 लाख रुपए के अधिमान शेयर तथा 182.00 लाख रुपए के डिबेंचर शामिल थे। इनमें से निगम द्वारा लिए गए शेयरों के संबंध में हामीदारी दायित्वों के अनुरूप 25 शेयर निर्गमों के लिए 69.93 लाख रुपए का प्रत्यक्ष अभिदान करना पड़ा।

संयंत्र तथा मशीनरी की अस्थगित अदायगियों के लिए गारंटियां

30 जून, 1978 को 45 आवेदनों पर आस्थगित अदायगियों के लिए 28.87 करोड़ रुपए की असल गारंटिया मंजूर की गई। 30 जून, 1978 तक जारी की गई कुल गारंटियों की राशि 28.76 करोड़ रुपये थी। गारंटियों के अधीन 30 जून 1978 को 0.87 करोड़ रुपए की राशि बकाया थी।

विदेशी वित्तीय संस्थानों से प्राप्त विदेशी मुद्रा ऋणों के लिए गारंटियां

निगम ने 30 जून, 1978 तक 6 आवेदन पत्रों पर 23.61 करोड़ रुपए की विदेशी मद्रा ऋण गारंटियां मंजूर कीं। 5 आवेदन पत्रों के संबंध में वास्तव में जारी की गई गारंटियों की राशि 23.33 करोड़ रुपए थी तथा 30 जून, 1978 को इन गारंटियों के संबंध में 1.21 करोड़ रुपए की राशि बकाया थी।

परियोजना के प्रकार के अनुसार मंजूरियां

36. 30 जून, 1978 तक निगम द्वारा मंजूर की गई सहायता का परियोजना के प्रकार के अनुसार वर्गीकरण सारणी 13 में दिया गया है। निगम द्वारा मंजूर की गई कुल निवल सहायता का 65.7 प्रतिशत भाग नई परियोजनाओं

को प्राप्त हुआ। इस प्रकार की परियोजनाओं के लिए 501.62 करोड़ रुपए की निवल वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

विशाखन/विस्तार परियोजनाओं को 193.09 करोड़ रुपए की सहायता प्राप्त हुई, जो कुल मंजूर सहायता का 25.3 प्रतिशत है। आधुनिकीकरण, नवीकरण, आदि के लिए 32.57 करोड़ की सहायता मंजूर की गई। 30 जून, 1978 तक जिन परियोजनाओं को निगम ने सहायता प्रदान की, उनकी पूंजी लागत 5208 करोड़ रुपए थी।

सारणी 13

कुल मंजूर सहायता का परियोजना के प्रकार के अनुसार वर्गीकरण

(रुपए, करोड़ों में)

परियोजना का प्रकार	परियोजना की कुल लागत	ऋण	निवल मंजूर सहायता		जोड़	कुल का प्रतिशत
			हामिदारिया तथा प्रत्यक्ष अभिदान	विदेशी मुद्रा ऋणों के लिए आस्थगित अदायगियो की गारंटियां		
नई परियोजनाएं	3500.15	410.87	48.13	42.62	501.62	65.7
विस्तार/विशाखन	1280.24	174.83	9.26	9.00	193.09	25.3
आधुनिकीकरण/नवीकरण, आदि	231.49	29.30	2.41	0.86	32.57	4.2
उप-जोड़	5011.88	615.00	59.80	52.48	727.28	95.2
उदार ऋण योजना के अन्तर्गत	196.15	36.56	—	—	36.56	4.8
जोड़	5208.03	651.56	59.80	52.48	763.84	100.0

कम विकसित क्षेत्रों को सहायता

37. 30 जून, 1978 तक अधिसूचित कम विकसित जिलों की 370 परियोजनाओं को 300.09 करोड़ रुपए की सहायता मंजूर की गई, जो कुल मंजूरियों का 39 प्रतिशत था।

सारणी 14 में निगम द्वारा कम विकसित जिलों/क्षेत्रों की परियोजनाओं को दी गई सहायता का ब्यौरा दिया है।

38. निगम ने जुलाई 1970 में अधिसूचित कम विकसित जिलों/क्षेत्रों में नई परियोजनाये लगाने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करने की दृष्टि से रियायती वित्त प्रदान करने की योजना की घोषणा की। जनवरी, 1972 में इस प्रकार की रियायतें विस्तार परियोजनाओं पर भी लागू कर दी गई। बाद में, इस योजना का क्षेत्र और भी विस्तृत कर दिया गया। इस योजना के दायरे में सभी परियोजनायें, जैसे, नई, विस्तार अथवा विशाखन आती है, चाहे उनकी पूंजी लागत कुछ भी हो। इस योजना की मुख्य बातों का उल्लेख परिशिष्ट "ज" में दिया गया है और अधिसूचित कम विकसित जिलों/क्षेत्रों की सूची के परिशिष्ट "झ" में दी गई है। रियायती वित्त की योजना के अधीन निगम ने 30 जून, 1978 तक 248 परियोजनाओं को 129.43 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की। इन परियोजनाओं पर कुल 1544.53 करोड़ रुपए की पूंजी लागत आएगी। सारणी 15 में मंजूर की गई सहायता का प्रकार दिखाया गया है।

सारणी 14

कम विकसित क्षेत्रों में परियोजनाओं को सहायता

(रुपए लाखों में)

वर्ष	*कुल सहायता	कम विकसित क्षेत्रो/जिलों में परियोजनाओ को सहायता	प्रतिशत
1970 . . .	32565	8466	26.0
1970-71 . . .	2666	527	19.8
1971-72 . . .	3694	1318	35.7
1972-73 . . .	4173	1990	47.7
1973-74 . . .	3591	1422	39.6
1974-75 . . .	3317	1808	54.5
1975-76 . . .	5013	2417	48.2
1976-77 . . .	9655	6071	62.9
1977-78 . . .	11710	5990	51.2

*30 जून, 1978 को निवल प्रभावी

सारणी 15

रियायती दरों पर मंजूर की गई सहायता

(रुपए, लाखों में)

रुपया ऋण सुविधा का प्रकार	रियायती शर्तों पर मंजूर सहायता
रुपया ऋण	11039.22
विदेशी मुद्रा ऋण	700.33
हामीदारियां/प्रत्यक्ष अभिदान	1203.47
जोड़	12943.02

सारणी–16 मे कम बिकसित जिलों/क्षत्रो को मंजूर की गई सहायता का उद्योगवार वितरण दिखाया गया है। जिन प्रमुख उद्योगों को निगम की सहायता का लाभ प्राप्त हुआ है और जो अधिसूचित कम विकसित जिलों/क्षत्रों मे स्थित है, वे चीनी, वस्त्र, कागज और कागज उत्पादन, सीमट, उर्वरक, आदि जैसे उच्च प्राथमिक उद्योग हैं।

सारणी 16

कम विकसित जिलो/क्षेत्रों को मंजूर सहायता का उद्योगवार वितरण 1948-78

(रुपए, करोड़ो में)

उद्योग	परियोजनाओं की संख्या	परियोजनाओ की लागत	मंजूर की गई सहायता
1	2	3	4
1. चीनी	81	298.52	75.11
2. वस्त्र	70	182.68	42.78
3. रसायन तथा रसायन उत्पाद और मूल औद्यो-	18	85.43	11.43
गिक रसायन, उर्वरक, कृत्रिम रेशें, अन्य	8	495.35	17.67
रसायन और रसायन उत्पाद . .	2	11.74	1.54
	17	27.55	5.09
4. कागज और कागज उत्पाद	26	222.32	33.02
5. सीमेंट .	18	237.90	25.19
6. लोहा व इस्पात . .	26	191.27	14.53
7. अलौह धातु . . .	5	70.56	14.42
8. रबर उत्पाद . . .	9	109.85	9.40
9. मशीनरी तथा पुज . . .	12	76.74	8.37
10. धातु उत्पाद . .	11	21.54	6.76

1	2	3	4
11. विविध अधात् खनिज उत्पाद .	9	33.30	6.47
12. बिजली मशीनरी तथा उपस्कर .	9	24.22	4.92
13. परिवहन यंत्र	9	50.31	4.24
14. पटसन	7	14.70	4.15
15. लकड़ी उत्पाद	5	14.79	3.78
16. काच	4	12.84	2.62
17. विविध खाद्य उत्पाद	6	16.42	2.04
18. खनन	4	48.09	1.90
19. होटल .	5	5.63	1.88
20. चमड़ा उत्पाद	5	9.07	1.42
21. विविध निर्माण उद्योग	2	4.11	0.93
22. बिजली .	2	0.66	0.46
जोड़	370	2268.59	300.09

कुल मंजूरियां संवितरण तथा बकाया

39. 30 जून, 1978 तक निवल मंजूर वित्तीय सहायता का राज्यवार तथा उद्योगवार वितरण इस रिपोर्ट के क्रमशः परिशिष्ट "ख" और "ग" में दिया गया है ।

परिशिष्ट "ङ" में 30 जून, 1978 तक प्रत्येक उद्योग को निवल मंजूर वित्तीय सहायता का राज्यवार वितरण दिखाया गया है । परिशिष्ट "छ" में निवल सहायता की मंजूर की गई राशियों के अनुसार वर्गीकृत किया गया है ।

40. 30 जून, 1978 को मंजूरियों की संख्या, संचित मे मंजूरियों, संवितरित राशि तथा बकाया राशि सारणी 17 में दी गई है ।

सारणी 17

कुल मंजूरियां, संवितरण तथा बकाया

(रुपये, करोड़ो में)

	मंजूरियां निवल		संवितरित सहायता	बकाया राशि
	मंजूरियों की संख्या	राशि		
1	2	3	4	5
1. ऋण :				
रुपया ऋण :	67	36.56		
उदार ऋण योजना	67	36.56	4.53	4.53
सामान्य ऋण	1257	544.82	453.14	300.26
जोड़	1324	581.38	457.67	304.79
2 विदेशी मुद्रा उप-ऋण	292	70.18	58.48	25.38
1 व 2 का जोड़	1616	651.56	516.15	330.17

1	2	3	4	5
3. हामीदारियां :				
साधारण शेयर	338	31.98	15.49	12.58
अधिमान शेयर	154	10.11	7.87	5.09
डिबेंचर	27	10.76	8.92	0.91
जोड़	519	52.85	32.28	18.58
4. प्रत्यक्ष अभिदान :				
साधारण शेयर	79	4.81	3.33	5.45
अधिमान शेयर	8	0.32	0.30	0.82
डिबेंचर	1	1.82	1.82	—
जोड़	88	6.95	5.45	6.27
1 से 4 तक का जोड़	2223	711.36	553.88	355.02
आस्थगित अदायगी गारंटियां"	45	28.87	28.76	0.87
विदेशी मुद्रा ऋण गारंटियां	6	23.61	23.33	1.21
जोड़	2274	763.84	605.97	357.10

41. पिछले 30 वर्षों के दौरान मंजूर की गई तथा संवितरित निवल वित्तीय सहायता का पंचवर्षीय योजनाओं के अनुसार वर्गीकरण सारणी 18 में दिया गया है ।

सारणी-18

पंचवर्षीय योजनाओं के दौरान मंजूर की गई तथा संवितरण सहायता

(रुपए करोड़ों में)

30 जून को	मंजूर की गई निवल वित्तीय सहायता				संवितरित वित्तीय सहायता			
	ऋण	हामी-दारिया	गारंटियां	जोड़	ऋण	हामी-दारियां	गारंटियां	जोड़
1	2	3	4	5	6	7	8	9
पहली योजना से पूर्व की अवधि 1949—51	8.13	—	—	8.13	5.79	—	—	5.79
पहली योजना 1952—56	27.02	—	—	27.02	10.94	—	—	10.94
दूसरी योजना 1957—61	49.05	3.56	16.30	68.91	40.62	1.31	15.11	57.04
तीसरी योजना :								
1962 .	17.84	0.73	0.48	19.05	10.92	0.24	0.41	11.57
1963 .	19.82	4.63	10.62	35.07	15.05	3.99	3.18	22.22
1964 .	23.61	4.34	13.16	41.11	16.94	1.96	6.39	25.29
1965 .	19.39	3.55	3.92	26.86	19.79	3.36	14.65	37.80
1966 .	21.47	3.96	1.35	26.78	23.99	4.48	2.27	30.64
जोड़ .	102.13	17.21	29.53	148.87	86.69	14.03	26.80	127.52

1	2	3	4	5	6	7	8	9
वार्षिक योजनाएं :								
1967 .	12.34	1.87	4.00	18.21	29.52	2.90	5.64	38.06
1968 .	14.62	1.48	0.85	16.95	23.35	1.06	2.61	27.02
1969 .	22.43	2.42	0.29	25.14	15.03	1.68	0.28	16.99
जोड़ .	49.39	5.77	5.14	60.30	67.90	5.64	8.53	82.07
चतुर्थ योजना :								
1970 .	11.10	1.19	0.13	12.42	16.86	0.85	0.34	18.05
1971 .	24.04	2.20	0.42	26.66	16.28	0.87	0.20	17.35
1972 .	32.37	4.57	—	36.94	20.99	1.00	0.11	22.10
1973 .	39.07	2.02	0.64	41.73	30.00	2.29	0.61	32.90
1974 .	33.39	2.48	0.04	35.91	28.75	1.46	0.05	30.26
जोड़ .	139.97	12.46	1.23	153.66	112.88	6.47	1.31	120.66
पांचवीं योजना :								
1975 .	29.28	3.89	—	33.17	36.02	1.06	0.34	37.42
1976 .	46.96	3.17	—	50.13	41.5	2.40	—	43.97
1977 .	88.18	8.37	—	96.55	56.82	1.72	—	48.54
1978 .	11.45	5.37	0.28	117.10	56.92	5.10	—	62.02
जोड़ .	275.87	20.80	0.28	296.95	191.33	10.28	0.34	201.95
कुल जोड़ .	651.56	59.80	52.48	763.84	516.15	37.73	52.09	605.97

प्रवर्तन कार्य

48. निगम ने अपने विकास दायित्व के रूप में कई प्रवर्तन कार्यों को हाथ में लिया है। इस प्रकार के कार्यों का वित्तपोषण औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम में 1972 में हुए संशोधन के फलस्वरुप स्थापित की गई दातव्य आरक्षित निधि और सरकार द्वारा आवंटित ब्याज जन्य अन्तर निधियों से किया जाता है। ब्याज जन्य अन्तर निधियाँ निगम को 50:50 के आधार पर ऋणों और अनुदानों के रूप में प्राप्त होती हैं जोकि निगम को समय समय पर क्रदिस्तांस्सल फ्र वायड्रफब्यू द्वारा उपलब्ध कराये गये ऋणों से संबंधित भारत सरकार और जर्मन जनतन्त्र गणराज्य की सरकार के मध्य हुए समझौते के अनुसार उपलब्ध कराये जाते हैं। निस्संदेह रूप से निगम द्वारा शुरू किये गये प्रवर्तन कार्यों का क्षेत्र अभी केवल प्रारम्भिक अवस्था में है, ये देश में उद्यमी आधार, विशेषकर कम विकसित क्षेत्रों में, मजबूत करने के लक्ष्यों को प्राप्त करने के अनुरुप है। निगम द्वारा शुरु किये गये प्रवर्तन कार्यों का संक्षिप्त उल्लेख निम्नलिखित अवतरणों में दिखाया गया है।

पिछली वार्षिक रिपोर्टों में उल्लेख किया गया था कि निगम भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा प्रवर्तित सर्वेक्षणों में भाग ले रहा है ताकि कम विकसित राज्यों की औद्योगिक क्षमता का मूल्यांकन किया जा सके और उन परियोजनाओं का पता लगाया जा सके जो अल्पावधि में पूरी की जा सकती है। औद्योगिक सर्वेक्षण रिपोर्टों में उल्लिखित प्रत्याशी परियोजनाओं पर व्यावहार्यता अध्ययनों के शुरु करने का उल्लेख किया गया था।

निगम की तकनीकी सहायता योजना के अधीन राज्य स्तर के वित्तीय संस्थानों और विकास एजेंसियों के मध्यम स्तर के अधिकारियों एवं संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की योजना इसकी उपयोगिता के कारण, अच्छा आकर्षण प्राप्त करती रही है। 1974 में, योजना के प्रारम्भ होने से लेकर राज्य स्तर के 33 संस्थानों से 78 मध्य स्तरीय अधिकारियों और 28 राज्य स्तर के संस्थानों से 43 वरिष्ठ अधिकारयो ने इस योजना का लाभ उठाया है। इस योजना का उद्देश्य उन अधिकारियों को निगम की नीतियों, कार्य प्रणालियों एवं पद्धतियों से अवगत कराना है।

निगम ने तेल बीज अभिसंस्कार उद्योग का अध्ययन पूरा कर लिया है, यह अध्ययन आगामी सात वर्षों में इस उद्योग की क्षमता का पता लगाने के लिये विश्व बैंक के संकेत पर शुरु किया गया था।

निगम ने दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय प्रबन्ध संस्थान, अहमदाबाद में चेयरों की स्थापना की है। दिल्ली विश्वविद्यालय

में भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के अतिथि प्राध्यापक ने मार्च, 1978 में वार्षिक व्याख्यान दिया। उनके व्याख्यान का विषय था—विकासशील पिछड़े क्षेत्रों के लिए अग्रणी बैंक नैपुण्यता। व्याख्यान की अध्यक्षता योजना आयोग के उपाध्यक्ष प्राफेसर डी० टी० लक्कड़वाला ने की। निगम ने कलकत्ता और बम्बई के विश्वविद्यालयों में भी एक-एक और चेयर स्थापना करने का निर्णय किया है। कलकत्ता विश्वविद्यालय की चेयर औद्योगिक वित्त और बम्बई विश्वविद्यालय की चेयर औद्योगिक और विकास बैंकिंग के क्षेत्र में होगी।

निगम ने चार भारतीय औद्योगिक वित्त निगम शोध छात्रवृत्तियां प्रारम्भ करने का फैसला किया है। चुने हुए फैसलों को अर्थशास्त्र में अपनी डाक्ट्रेट डिग्री के लिए कार्य करना होगा और उनके शोध ग्रंथों का विषय, औद्योगिक अर्थशास्त्र, क्षेत्रीय अर्थशास्त्र, औद्योगिक प्रबन्ध और वित्तीय प्रबन्ध सहित विकास बैंकिंग के क्षेत्र से होगा।

तकनीकी सलाहकारी संगठनों, जोखिम पूंजी प्रतिष्ठान और प्रबन्ध विकास संस्थान पर रिपोर्ट में अन्य स्थान पर विचार किया गया है।

नई प्रवर्तन योजनायें

43. वर्ष के दौरान निगम ने तीन नई प्रवर्तन योजनायें बनाई जिनका सम्बन्ध उद्योग लगाने के लिये नये उद्यमकर्ताओं को प्रोत्साहन करने, देशी तकनीक को प्रोत्साहन देने और छोटे उद्योगों को सहायता प्रदान करने से है। सहायक उद्योगो के विकास का प्रोत्साहन देने की चौथी योजना भी बाद में अनुमोदित कर दी गई है।

छोटे उद्योगों को सहायता

44. अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों में राज्य स्तर के वित्तीय संस्थानों एवं बैंकों के साथ मिलकर कई तकनीकी सलाहकारी संगठनों की स्थापना की है। ताकि छोटे उद्यमकर्ता इन तकनीकी सलाहकारी संगठनों द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का उपयोग कर सकें, निगम ने एक योजना शुरु की है जिसके अधीन इन तकनीकी सलाहकारी संगठनों द्वारा छोटे उद्यमकर्ताओं के लिये किये गये कार्य की लागत का भाग निगम द्वारा दिया जायेगा। यह योजना केवल उन्हीं नये और छोटे उद्यमकर्ताओं के लिए नही है जो औद्योगिक क्षेत्र में पहली बार प्रवेश करते हैं; अपितु उन उद्यमकर्ताओं पर भी लागू होती है जिन्होंने पहली बार परियोजनायें स्थापित की हैं और जो अपनी परियोजनाओं के वर्तमान संचालन कार्यों का विस्तार विशाखन/आधुनिकीकरण करना चाहते हैं, इसके अतिरिक्त, यह योजना उन उद्यमकर्ताओं पर भी लागू होगी जो, ग्रामीण, कुटीर और छोटे उद्योग लगाना चाहते है या वित्तीय संस्थानो अथवा बैंकों की सहायता से अपनी वर्तमान इकाइयों का विस्तार/विशाखन/आधुनिकीकरण करना चाहते हैं। तकनीकी सलाहकारी संगठनों द्वारा छोटे उद्यमकर्ताओं के लिये, विभिन्न कार्यों, जैसे, पूर्व-व्यावहारयर्ता अध्ययनों, व्यावहार्यता अध्ययनों, विस्तृत परियोजना रिपोर्टों बाजार अध्ययनों को तैयार करने अथवा वित्तीय संस्थानों से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिये दस्तावेजों को तैयार करने से सम्बन्धित किये गये कार्यों के लिये निगम सहायता प्रदान करेगा। सहायता कार्य की लागत का 80 प्रतिशत अथवा 5,000 रुपये जो भी कम हो, तक होगी और शेष भाग उद्यमकर्ताओं द्वारा उठाया जायेगा। निगम अखिल भातीय वित्तीय सस्थानों द्वारा प्रवर्तित तकनीकी सलाहकारी संगठनों को 1.00 लाख रुपए तक प्रति वर्ष प्रति तकनीकी सलाहकारी संगठन के हिसाब से सहायता प्रदान करेगा।

सहायक और लघु क्षेत्र उद्योगों के लिये तकनीकी सहायता योजना

45. निगम ने अपने प्रवर्तन कार्यों के तौर पर "भारतीय औद्योगिक वित्त निगम की सहायक और लघु क्षेत्र उद्योगों के लिये तकनीकी सहायता योजना" नामक योजना तैयार की है। योजना का प्रमुख लक्ष्य सहायक और लघु क्षेत्र उद्योगों को प्रोत्साहन प्रदान करना है। जिसमें (क) पूरक वस्तुओं और पुर्जों का निर्माण अथवा मध्य और बड़े दर्जों के क्षेत्र को उनके द्वारा निर्धारित डिजाइन, परिमाण और गुणवत्ता के अनुरूप बड़ी इकाइयों को सेवायें उपलब्ध कराना और उड़ान पूर्व समझौते के अनुसार (ख) उन मध्यम और बड़े उद्योगों, जो मध्य प्रवाही परियोजनाओं की प्रकृति में है और जिनसे वे पूर्ति समझौते के अनुसार अधिकतर कच्चा माल प्राप्त करते हैं ताकि सहायक और छोटे स्तर के उद्योगों की तकनीकी क्षमता बढ़ सके और वित्तीय व्यावहारता में सुधार हो सके।

इस योजना के अधीन सहायता, उल्लिखित एजेंसियों अर्थात कुछ राज्यों में अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों द्वारा प्रायोजित तकनीकी सलाहकारी संगठन और जिन राज्यों में किसी तकनीकी सलाहकारी संगठन का प्रायोजन नहीं किया गाया है, उनमें राज्य स्तर की कोई विकास एजेंसी, उपलब्ध कराई जायेगी। यह सहायता सहायक उद्योगों के लिये उचित उत्पाद के निरुपण और आगामी अभिसंस्करण के लिये उत्पाद का चयन करने, प्रस्तावित औद्योगिक इकाईयों की व्यावहारता को निश्चित करने, व्यावहारिता रिपोर्टें तैयार करने, व्यावहारता में सुधार लाने के लिये विस्तार या विशाखन से सबंधित तकनीकी मार्केटिंग और वित्तीय क्षेत्रों में सलाह और पथ प्रदर्शन प्रदान करने के लिए दी जायेगी। निगम प्रतिवर्ष के हिसाब से उपरिलिखित एजेंसियों को 1.00 लाख रु० तक के खर्च की प्रतिपूर्ति करेगा।

देशी तकनीकी को प्रोत्साहन

46. वैज्ञानिक और तकनीकी आत्म निर्भरता का प्रवर्तन करना देश के औद्योगिक विकास के लक्ष्यो मे से एक है और तदनुसार देशी तकनीक पर आधारित परियोजनाओं को प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। यद्यपि अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान इस प्रकार की परियोजनाओं को वित्तीय सहायता मंजूर करने समय प्राथमिकता प्रदान करते हैं लेकिन, फिलहाल इन परियोजनाओं को रियायती वित्त प्रदान करने की कोई योजना नही है जोकि देशी तकनीक का वाणिज्यिक शोषण करने मे महत्वपूर्ण दायित्व अदा कर सके। निगम ने एक योजना शुरू की है, जिसमें इस प्रकार की परियोजनाओं के लिये, रियायती वित्त देने की व्यवस्था की गई है। इस प्रकार के

रियायती वित्त प्राप्त करने का पात्र बनने के लिये परियोजना देशी तकनीक अर्थात, तकनीक (सभी प्रक्रियाओं सहित) अथवा विकसित अन्य जानकारी, अथवा सरकारी लेबोरेटरियों, सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों, विश्वविद्यालयों अथवा भारत सरकार से मान्यता प्राप्त किसी भी संस्थान द्वारा खोज की गई तकनीक पर आधारित होनी चाहिए । परियोजना द्वारा काम में लाई जाने वाली प्रस्तावित देशी तकनीक ऐसी होनी चाहिए जोकि पहले देश में वाणिज्यिक आधार पर उपयोग नहीं की गई और प्रस्तावित उत्पाद का उत्पादन करने के लिये मूल होनी चाहिए न कि आवृत्ति मात्र ।

इस योजना के अधीन पात्र बनने के लिये परियोजना को निगम द्वारा सहायता मंजूर की होनी चाहिए । रियायती वित्त परियोजना संचायन के पहले तीन वर्षों के दौरान निगम के देय ब्याज की अदायगियों के लिये सहायता के रूप में प्रदान किया जायेगा जोकि एक वर्ष में 5.00 लाख रुपए की सीमा तक हो सकता है। यह अवधि पात्र परियोजना को अधिकतम पांच वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है । लेकिन सहायता की मात्रा प्रत्येक मामले के गुणावगुणों के आधार पर निश्चित की जायेगी, जिसके निर्धारित तत्व, परियोजना की आय क्षमता और नकदी बहार होंगे ।

नये उद्यमकर्ताओं तथा तकनीकियों को सहायता

47. इस योजना के अधीन निगम के कहने पर पात्र उद्यमकर्ताओं द्वारा किये गये बाजार अध्ययन की लागत का कुछ भाग उठाया जायेगा । इस योजना के अधीन, उन सभी उद्यमकर्ताओं को, जिन्हें उन द्वारा लगाई गई परियोजनाओं की लागत में प्रवर्तक योगदान को पूरा करने के लिये विशेष व्यवहार प्राप्त होता है, सहायता प्राप्त हो सकेगी । निगम द्वारा बाजार अध्ययन की पूर्तिलागत का 50 प्रतिशत अथवा 15,000 रुपये जो भी कम हो, तक की जायेगी।

जोखिम पूंजी प्रतिष्ठान

48. अपने प्रवर्तन कार्यों के तौर पर निगम ने जोखिम पूंजी प्रतिष्ठान की स्थापना की है । इस प्रतिष्ठान ने जून, 1976 में अपना काम करना शुरू कर दिया, वर्ष के दौरान आगे और प्रगति की । पहली जुलाई, 1977 से 30 जून, 1978 के बीच प्रतिष्ठान ने चार परियोजनाओं के प्रवर्तकों को 31.70 लाख रुपये की सहायता मंजूर की । यह सहायता उन्हें परियोजना लगाने के लिये प्रवर्तक योगदान को पूरा करने में मदद करेगी । इस सहायता को मिलाकर प्रतिष्ठान ने 30 जून, 1978 तक 11 परियोजनाओं के प्रवर्तकों को 70.10 लाख रुपये की कुल सहायता मंजूर की है । जैसा पिछले वर्ष उल्लेख किया गया था कि प्रतिष्ठान के ऋण ब्याज-रहित हैं लेकिन उन पर बकाया राशि के अनुसार 1 प्रतिशत का सेवा प्रभार लिया जाता है। ये ऋण प्रवर्तकों द्वारा अपनी आय तथा अधिलाभांश से प्राप्त आय से अदा किये जाते हैं ।

वर्ष के दौरान जिन चार परियोजनाओं के प्रवर्तकों को सहायता दी गई, उनमें से दो संयुक्त क्षेत्र में परियोजनाओं के प्रवर्तक है । एक परियोजना के अधीन, गांव पट्टनचेरुवु, आंध्र प्रदेश में, प्रति वर्ष 50 लाख सेमी कन्डक्टर उपकरण अर्थात् इन्टेग्रेटेड सर्कट, पावर ट्रांजिस्टर, डयोड, पावर उपकरणों, आदि का निर्माण करने के लिए नई औद्योगिक इकाई स्थापित की जायेगी । एक अन्य परियोजना की स्थापना जिला होशियारपुर, पंजाब के गांव चक अल्लाबख्श में स्थापित की जायेगी, जो प्रतिवर्ष 9000 टन की विस्थापित क्षमता से कागज का उत्पादन करने के लिए संकलित गुद्दा और कागज संयत्र लगायेगी । यह पहले एक ऐसे उद्यमकर्त्ता की परियोजना है जोकि भारतीय वायु सेवा में चालक था और यह परियोजना पंजाब राज्य औद्योगिक विकास निगम लि० के सहयोग से स्थापित की जा रही हैं ।

प्रतिवर्ष क्रमशः 384.8 टन की विस्थापित क्षमता से आक्टिक एसिड और 35.5 टन अरोमा रसायनों का उत्पादन करने के लिए लगाई गई परियोजना के चार प्रवर्तकों को 6.75 लाख रुपये की सहायता मंजूर की गई । इस सहायता से प्रवर्तक परियोजना में साधारण शेयरों में प्रवर्तकों का योगदान देने में समर्थ रहेंगे ।

अन्य परियोजना के चार प्रवर्तकों को 7.50 लाख रुपये के अंकित मूल्य के साधारण शेयरों की पुनः खरीद करने के लिये विमोच्य परिपक्व अवधि से पूर्व दायित्व को पूरा करने एवं कम्पनी के प्रवर्तन के समय संस्थागत सह-प्रवर्तकों द्वारा 2.50 लाख रुपये के अभिदान के दायित्व को निभाने के लिए सहायता मंजूर की गई। सभी चारों प्रवर्तक टंगस्टन कार्बाइड उद्योग के योग्य एवं अनुभवी टेकनोलोजिस्ट हैं और इन्होंने भारत तथा बाहर की ख्याति प्राप्त संस्थाओं में कार्य किया है । अहमद नगर, महाराष्ट्र की इण्डस्ट्रियल इस्टेट में इनके द्वारा लगाई गई परियोजना प्रति वर्ष 24 टन टंगस्टन और टंगस्टन कार्बाइड उत्पाद 1,00,000 ड्रिलिंग, छड़ें और 5,000 ड्रिलिंग बरमों का उत्पादन करेगी।

वर्ष के दौरान प्रतिष्ठान ने 16.35 लाख रुपये की सहायता संवितरित की । इस सहायता को मिलाकर प्रारम्भ से लेकर 30 जून, 1978 तक कुल संवितरित सहायता 40.05 लाख रुपये हो गई है।

निगम ने प्रतिष्ठान को 97.3 लाख रुपये आवंटित किए हैं जिसमें से 30 लाख रुपये अनुदान के रूप में और 67.39 लाख रुपये ऋणों के रूप में दिए गए । 46.28 लाख रुपये का और अतिरिक्त आवंटन किया गया जिस को मिलाकर प्रतिष्ठान को कुल आवंटित राशि 143.67 रुपये हो गई है। निगम ने पहले ही 60.28 लाख रुपये की राशि प्रतिष्ठान को अन्तरित कर दी है।

अभी तक प्रतिष्ठान द्वारा किसी अकेले उद्यमी को प्रदत्त की जाने वाली सहायता की अधिकतम सीमा 7.50 लाख

रुपये थी । वर्ष के दौरान, केवल एक प्रवर्तक द्वारा लगाई गई अकेली परियोजना के लिये यह सीमा 10 लाख रुपये कर दी गई है । जब एक ही परियोजना के लिये दो अथवा इससे अधिक प्रवर्तक प्रतिष्ठान से सहायता के लिए आवेदन करते हैं तो यह सीमा 15 लाख रुपये निश्चित की गई है । प्रतिष्ठान से वित्तीय सहायता की पात्रता के लिये वर्ष के दौरान जो अन्य ढील दी गई है, उसका सम्बंध मान्यता प्राप्त स्टाक एक्सचेंजों में शेयरों का सूचीकरण कराने से है । पहले प्रतिष्ठान इस बात पर दबाव देता था कि पब्लिक लिमिटेड कम्पनी के जिन शेयरों को बंधक रखा जाना है, उनका मान्यता प्राप्त स्टाक एक्सचेंज में सूचीकरण कराना होगा । चूंकि अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान 25.00 लाख रुपये से कम के शेयरों की राशि के लिये शेयर पूंजी के पब्लिक निर्गमन पर इस बात का दबाव नही देते, वर्ष के दौरान, प्रतिष्ठान ने भी प्रवर्तन कम्पनी के शेयरों के सूचीकरण पर नियम के तौर पर जोर न देने का फैसला किया है, जब तक अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों और/अथवा प्रतिष्ठान द्वारा यह आवश्यक ना हो ।

प्रबन्ध विकास संस्थान

49. निगम द्वारा प्रायोजित प्रबन्ध विकास संस्थान लगातार प्रबन्ध प्रशिक्षण एवं शोध के क्षेत्र में अपनी गतिविधियों का प्रसार करता रहा है । वर्ष 1977 के दौरान, संस्थान ने आम हिस्सेदारी के लिये 30 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया । इसके अतिरिक्त संस्थान ने विशेष संस्थानों की आवश्यकताओं के अनुसार 8 इन-कम्पनी कार्यक्रमों का भी आयोजन किया । संस्थान द्वारा विशेष उद्योगों से सम्बन्धित आयोजित कार्यक्रम थे, चीनी उद्योग के लिये दो कार्यक्रम और प्रत्येक खनन, सूत कताई और होटल उद्योग के लिये एक कार्यक्रम । संस्थान ने वित्तीय संस्थानों के नामित संचालकों के दायित्व और जिम्मेदारियों से सम्बंधित एक उच्च प्रबन्ध गोष्ठी का आयोजन किया । जैसाकि पिछले वर्ष उल्लेख किया गया था कि 1976 मे आयोजित विकास बैंकिंग के सामान्य पाठ्यक्रम ने पहली बार बहार के पांच विकास बैंकों से भागीदारों को आकर्षित किया । 1977 में 20 देशो से 23 भागीदारों ने हिस्सा लिया जिसमें पूर्व से इन्डोनेशिया और पश्चिम से घाना और नाईजेरिया के प्रतिनिधियो ने भाग लिया । इन भागीदारों मे से 15 का प्रायोजन संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन ने किया था ।

संस्थान ने औद्योगिक परियोजनाओं के अभिज्ञान, प्रवर्तन और कार्यान्वयन से सम्बन्धित निगम द्वारा प्रायोजित "आई० पी० आई० आई० पी०" क्रम में दो कार्यक्रमों का आयोजन किया । एक का आयोजन केरल राज्य के लिए कोचीन में किया गया और दूसरे का आयोजन राजस्थान राज्य के लिए जयपुर में किया गया । अभी तक निगम द्वारा ऐसे 6 कार्यक्रम प्रायोजित किए गये है। इन कार्यक्रमों का मुख्य लक्ष्य औद्योगिक परियोजनाओं के अभिज्ञान, चयन, निरुपण, मूल्यांकन और कार्यान्वयन के विभिन्न पहलुओं से सम्बंधित देश में, औद्योगिक विकास का प्रवर्तन करने के लिए जिम्मेवार, राज्य सरकार, राज्य स्तर की वित्त और विकास एजेंसियों बैंकों और अन्य संस्थाओं के अधिकारियों को अवगत कराना है ।

सारणी 19 मे प्रबन्ध विकास संस्थान द्वारा पिछले चार वर्षों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों का विवरण दिया गया है ।

सारणी 19

कार्यक्षेत्रों के अनुसार संस्थान के कार्यक्रमों का वितरण

(1974—77)

कार्यक्रमों का वर्गीकरण	कार्यक्रमों की संख्या			
	1974	1975	1976	1977
विशेष उद्योग कार्यक्रम	2	5	7	5
आई० पी० आई० आई० पी० सहित विकास बैंकिंग	3	8	6	7
वित्तीय प्रबन्ध	2	4	6	9
सामान्य प्रबन्ध	3	3	3	4
मार्केटिंग प्रबन्ध	2	2	1	2
कार्मिक प्रबन्ध	2	1	2	2
तकनीकी प्रबन्ध	—	—	1	1
जोड़	14	23	26	30
भागीदारों की संख्या	424	813	974	984

आमतौर पर संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अच्छा प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है । इसके कार्यक्रमों में 30 जून, 1978 तक लगभग 3,700 भागीदारों ने हिस्सा लिया । वर्ष, 1978 के दौरान संस्थान ने विभिन्न क्षेत्रों में 44 कार्यक्रमों के आयोजत करने की योजना बनाई है । 1978 के पहले 6 मास के दौरान संस्थान पहले ही 19 कार्यक्रमों और पांच इन-कम्पनी कार्यक्रमों का आयोजन कर चुका है ।

50. संस्थान के प्रांगण का निर्माण कार्य प्रगति पर है और इसके 1979 के मध्य तक पूरा हो जाने की संभावना है ।

विकास बैंकिंग केन्द्र

51. निगम द्वारा वर्ष के दौरान प्रवर्तन के क्षेत्र में उठाया गया उल्लेखनीय कदम विकास बैंकिंग केन्द्र का स्थापित किया जाना है । यह केन्द्र प्रबन्ध विकास संस्थान का अर्ध विधिक भाग होगा । इस केन्द्र का वित्त पोषण निगम द्वारा किया जाना है । विकास बैंकिंग केन्द्र का उद्घाटन 23 नवम्बर, 1977 को भारत सरकार के वित्त मन्त्री, माननीय श्री एच० एम० पटेल ने किया । केन्द्र के प्रमुख लक्ष्य हैं :—

(1) व्यावसायिकों और बड़े, मध्यम और छोटे दर्जे के उद्योगों के औद्योगिक विकास के लिये सहायता प्रदान करने वाले विकास वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों और प्रवर्तन एजेंसियों एवं बैंकों के अधिकारियों को आधुनिक विकास बैंकिंग तकनीकों में प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराना; और,

(2) इन संस्थानों के संगठनात्मक और कारोबार से सम्बंधित तकनीकी गतिविधियों का अध्ययन और शोध करना ।

यह केन्द्र एक प्रभारी निदेशक के अधीन होगा और केन्द्र के कार्यों के प्रबन्ध और सामान्य पथ प्रदर्शन के लिये एक सलाहकारी परिषद् होगी जोकि संस्थान के बोर्ड आफ़ गवर्नर्स के अधीन कार्य करेगी । इस सलाहकारी परिषद् में अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों, अर्थात् भारतीय औद्योगिक वित्त निगम, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, और भारतीय औद्योगिक साख एवम् निवेश निगम लि० के तीन प्रतिनिधि होंगे और भारत सरकार एवम् सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों का प्रतिनिधित्व करने के लिये एक सदस्य की नियुक्ति वित्त मन्त्रालय द्वारा की जायेगी । एक सदस्य की नियुक्ति राज्य स्तर के वित्तीय और प्रवर्तन संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने के लिये भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा की जायेगी और बैंकिंग अथवा प्रबन्ध शिक्षा का प्रतिनिधित्व करने के लिये एक व्यक्ति की नियुक्ति संस्थान के बोर्ड आफ़ गवर्नर्स द्वारा की जायेगी । प्रभारी निदेशक भी सलाहकारी परिषद का अन्य सदस्य होगा और संस्थान का अध्यक्ष सलाहकारी परिषद् का पदेन अध्यक्ष होगा । केन्द्र में 31 जून, 1978 तक 6 कार्यक्रम आयोजित किए हैं और इसका 1978 के मध्य तक 8 और कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव है ।

नये उद्यमकर्ताओं के लिये तकनीकी सलाहकारी सेवायें

52. वर्ष के दौरान निगम ने जयपुर में राजस्थान सलाहकारी संगठन लि० नामक दूसरे तकनीकी सलाहकारी संगठन का प्रायोजन किया; एक संगठन की स्थापना हिमाचल प्रदेश में पहले ही की जा चुकी है। नई कम्पनी का पंजीकरण कम्पनियों के पंजीयक राजस्थान के साथ 16 मार्च, 1978 को कराया गया । निगम के अतिरिक्त राजस्थान सलाहकारी संगठन की स्थापना में जो अन्य संस्थान हिस्सा ले रहे हैं, वे हैं,—भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, भारतीय औद्योगिक साख एवं निवेश निगम लि०, राजस्थान वित्तीय निगम, राजस्थान राज्य औद्योगिक एवं खनिज विकास निगम लि०, राजस्थान राज्य लघु उद्योग निगम लि०, स्टेट बैंक आफ बिकानेर एण्ड जयपुर, युनाइटिड कमर्शियल बैंक, पंजाब नेशनल बैंक सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया, बैंक आफ़ बड़ौदा और बैंक आफ़ राजस्थान लि० । कम्पनी का पंजीकृत कार्यालय जयपुर में होगा ।

55. निगम द्वारा प्रायोजित पहले सलाहकारी संगठन, हिमाचल सलाहकारी संगठन लि० ने अच्छी शुरूआत की । 31 दिसम्बर, 1977 को शुरू हुए 9 मास के दौरान, हिमाचल सलाहकारी संगठन को 18 पूछताछ प्राप्त हुई, जिनमें से व्यवहार्यता रिपोर्टें तैयार करने के लिये आठ से काम प्राप्त हुआ । हिमाचल सलाहकारी संगठन ने परियोजनाओं पर चार व्यावहार्यता रिपोर्टें पूरी कीं, जिनमें 361.26 लाख रुपये का विनियोजन होगा । दो व्यावहार्यता रिपोर्टें हिमाचल प्रदेश खनिज और औद्योगिक विकास निगम लि० और दो अन्य प्राइवेट पार्टियों द्वारा शुरू की गई । ये व्यावहार्यता रिपोर्टें एक कृत्रिम डिटरजेंट परियोजना, एक सिंथेटिक कृत्रिम बुनाई अभिसंस्कार इकाई, और बैटरी सेपारेटर्स और वार्प स्टाप मेंशन डिवाइसिस परियोजनाओं से सम्बंधित है । वर्ष के समापन पर, छः और दस्तकार्य पूरे कर लिये हैं और इन सभी का सम्बन्ध व्यावहार्यता रिपोर्ट तैयार करने से है ।

31 दिसम्बर, 1977 तक समाप्त हुए वर्ष के दौरान हिमाचल सलाहकारी संगठन को सलाहकारिता से 29,795 रुपये की आय प्रोद्भूत हुई । सावधि जमा पर प्राप्त ब्याज को मिलाकर, वर्ष के दौरान, कुल प्रोद्भूत आय 40,083 रुपये हुई । इसके विपरीत खर्च 30,419 रु० हुआ । सकल लाभ 9,664 रुपये रहा । मूल्य ह्रास के लिये 1,213 रुपये और कराधान के लिये 3,993 रुपये की व्यवस्था करने के बाद कम्पनी को 4,458 रुपये का निवल लाभ हुआ ।

54. निगम द्वारा प्रायोजित तकनीकी सलाहकारी संगठनों का कार्य चलाने के लिये व्यवसायिक व्यक्तियों की नामिका

तैयार कर ली गई है । इस नामिका में से स्टाफ की आवश्यकताओं के अनुसार सम्बंधित सलाहकारी संगठनों में नियुक्तियां की जायेंगी । मध्य प्रदेश राज्य के लिये भोपाल में सलाहकारी संगठन की स्थापना के लिये कदम उठाये जा रहे हैं ।

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा प्रायोजित सलाहकारी संगठनों को भी निगम अपनी पूरी सहायता प्रदान कर रहा है ।

उद्योगों की सामान्य समीक्षा

55. 1977-78 के वर्ष के दौरान औद्योगिक उत्पादन की विकास दर पिछले वर्ष की उत्पादन की दर से कुछ कम थी । बिजली उत्पादन, कोयला, इस्पात, सीमेंट और वस्त्र उद्योग के उत्पादन में गिरावट आई । लेकिन, खाद्य उत्पादन, बिजली यन्त्रों सहित मशीनरी का उत्पादन रसायन और रबर उत्पादों का कार्य सन्तोषजनक रहा । औद्योगिक उत्पादन मे गिरावट के प्रमुख कारण थे, बिजली की कमी, तनावपूर्ण औद्योगिक सम्बन्ध, और कुछ उत्पादों की कम मांग होना ।

वर्ष के दौरान, सरकार द्वारा नये औद्योगिक नीति कथन की घोषणा महत्वपूर्ण घटना है । लघु पैमाने के क्षेत्र का प्रभावकारी विकास करने के लिए सरकार ने 500 ऐसे औद्योगिक उत्पाद निर्धारित किये हैं जो केवल इसी क्षेत्र में निर्मित किए जायेंगे । "अति लघु" क्षेत्र की इकाईयों अर्थात ऐसे उद्योगों जिनमें मशीनरी और साजसामान पर विनेश एक लाख रुपये तक होगा और 1971 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार 50,000 की आबादी से कम वाले कस्बों अथवा गांव मे स्थित होंगे, की ओर विशेष ध्यान दिया जायेगा । प्रत्येक जिले में छोटे क्षेत्र और कुटीर उद्योगों के विकास का केन्द्र बिन्दु जिला उद्योग केन्द्र होगा जो उद्यमियों को छोटे, लघु तथा कुटीर उद्योगों की स्थापना के लिए सभी सेवायें एवं सहायता उपलब्ध करायेगा ।

जैसा कि औद्योगिक नीति कथन में उल्लेख किया गया है कि छोटे स्तर और ग्रामीण उद्योगों का प्रसार कर एवं कृषि क्षेत्र को संगठित करके जनता की मूल न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के कार्यक्रम बनाने का दायित्व बड़े पैमाने के उद्योगों को सौंपा गया है । विभिन्न प्रकार के सहायक उद्योगों के विकास को प्रोत्साहित करने का दायित्व सरकारी क्षेत्र को सौंपा गया है, और आशा है कि यह लघु क्षेत्र और कुटीर उद्योग क्षेत्रों को तकनीकी और प्रबन्ध में नैपुण्यता उपलब्ध कराकर उत्पादन के विकेन्द्रीकृत विकास द्वारा अपना योगदान देगा ।

कथन में इस बात की आवश्यकता पर बल दिया गया है कि देश की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप उचित तकनीकी का विकास कर उपयोग किया जाये ।

समग्र राष्ट्र के संतुलित क्षेत्रीय विकास को अधिक महत्व प्रदान किया गया है और तदनुसार सरकार ने यह निर्णय किया है कि 1971 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार जिन बड़े महानगरों की आबादी 10 लाख और शहरी क्षेत्रों की आबादी 5 लाख से अधिक है, कुछ सीमाओं के भीतर वहां पर नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के लिये और लाइसेंस नहीं दिये जायेंगे । बड़ी वर्तमान औद्योगिक इकाईयों को भी जो भीड़ वाले महानगरीय शहरों से अनुमोदित पिछड़े क्षेत्रों में अपना उद्योग ले जाना चाहेंगे, को सरकार सहायता प्रदान करने पर भी विचार करेगी ।

सरकार द्वारा औद्योगिक नियमन और प्रक्रियाओं का अध्ययन करने के लिए गठित अध्ययन दल की सिफारिशों के परिणामस्वरूप, कुछ मामलों में औद्योगिक लाइसेंसिंग प्रक्रिया को स्वच्छंद कर दिया गया है । वर्ष के दौरान, सरकार ने औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति में कुछ परिवर्तन उन्मुक्तता प्रदान की । इनमें शामिल हैं, कुछ उद्योगों के उत्पाद-मिश्रण का विशाखन, ताकि इनके उत्पादन मे लोच आ सके और उनकी आर्थिक व्यावहार्यता सुधर सके, देशी उपलब्धता के दृष्टिकोण से निरीक्षण प्रक्रिया से छूट, कुछ शर्तों के अधीन निर्यात प्रधान इकाइयों को मशीनरी के आयात के लिये पूंजीगत माल समिति से निर्बाधिता की छूट, केन्द्रीय सरकार की पुर्वानुमति के बिना एक ही राज्य में औद्योगिक उपकरण के एक भाग को कम विकसित क्षेत्र में स्थानान्तरित करना, औद्योगिक लाइसेंस प्राप्त किए बिना ही आन्तरिक उपयोग के कलपुर्जों, हिस्सों, सहायक सामग्री का निर्माण करने वाले औद्योगिक उपक्रम इस प्रकार के सामान के लिये निर्यात आदेश स्वीकार कर सकते हैं ।

निगम ने जिन कुछ महत्वपूर्ण उद्योगों को सहायता प्रदान की है, उनकी प्रगति का विवरण निम्नलिखित अवतरणों में दिया गया है । इन उद्योगों की निगम द्वारा वित्तपोषित कुछ संस्थाओं की 1977 के दौरान की प्रगति समीक्षा भी निम्नलिखित अवतरणों में दी गई है जोकि इस संदर्भ में किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है ।

1977 के वर्ष के दौरान नाइट्रोजन उर्वरकों की विस्थापित क्षमता 30.3 लाख टन ही रही । फास्फेटीय उर्वरकों की विस्थापित क्षमता 1976 के 9.2 लाख टन से बढ़ कर 10.1 लाख टन हो गई, इसमें लगभग 10% की वृद्धि हुई ।

नाइट्रोजन के उत्पादन का अनुमान 20 लाख टन था, जोकि पिछले वर्ष से एक लाख टन अधिक रहा । फास्फेटीय उर्वरकों का उत्पादन लगभग 6.7 लाख टन होने का अनुमान था जोकि पिछले वर्ष 4.8 लाख टन रहा ।

सरकार ने नाइट्रोजन उर्वरक इकाइयों के लिये धारण मूल्य योजना भी शुरू की । इस योजना के अधीन उनके उत्पादन पर कर-पूर्व उचित लाभ आश्वस्त हो गया है बशर्ते ये इकाईयां अपनी 80% क्षमता से कार्य करें और उपभोग की निहित सीमाओं में रहें ।

निगम द्वारा वित्तपोषित सहकारी क्षेत्र की एक इकाई ने अपनी 82% क्षमता से कार्य किया लेकिन, इसे बिजली की कमी और कुछ परिचालन समस्याओं का भी सामना करना पड़ा । तमिलनाडु में स्थित एक संयुक्त क्षेत्र उर्वरक परियोजना ने ताप परिवर्तकों में कुछ परिवर्तन करके अपना क्षमता उपयोग बढ़ाया । अन्य वित्तपोषित इकाई, जिसने 1976 में वाणिज्यिक आधार पर उत्पादन शुरू किया, उसने 1977 में क्षमता उपयोग 47% प्राप्त कर लिया।

सीमेंट

1977 में सीमेंट उद्योग में 55 इकाइयां थी, और इनकी विस्थापित क्षमता 218.7 लाख टन थी । सीमेंट का उत्पादन 192.5 लाख टन हुआ जोकि पिछले वर्ष 187.6 लाख टन था। क्षमता का औसत उपयोग 87 के लगभग था । दक्षिणी राज्यों में सीमेंट की इकाईयों पर बिजली की कमी और दक्षिणी पूर्वी भाग में समुन्द्री तूफान आने से तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश की इकाईयों पर दुष्प्रभाव पड़ा ।

देश मे बढ़ती हुई सीमेंट की कमी को देखते हुए, सरकार ने कई कदम उठाये है। सरकार ने अतिरिक्त क्षमता पैदा करने के प्रस्तावों का अनुमोदन किया है । विशेषकर सुदूर और पिछड़े क्षेत्रों में लघु सीमेंट संयंत्र स्थापित करने और चूने के छोटे भण्डारों का पता लगाने की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है । सुधरी हुई तकनीक, सन्तुलन उपस्करों की स्थापना, उड़ी हुई राख, जैसे व्यर्थ उत्पादों के उपयोग, वर्तमान क्षमता के अधिकतम उपयोग द्वारा भी उत्पादन बढ़ाने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं। आशा है कि इन सभी उपायों से मांग और पूर्ति के अन्तराल को काफी मात्रा में कम करने में मदद मिलेगी।

वर्ष के दौरान, दक्षिणी क्षेत्र में स्थित तीन वित्तपोषित संस्थाओ का कार्य संतोषजनक रहा । उनका क्षमता उपयोग लगभग 90 रहा । उनका उत्पादन और भी अधिक हो सकता था, लेकिन बिजली की कमी और कुछ परिचालन कठिनाइयों से उसमें रुकावट आई । दक्षिण की एक अन्य इकाई ने परिचालन कठिनाइयों के कारण अपनी क्षमता का केवल 72% ही उपयोग किया । मेघालय में वित्तपोषित एक इकाई कच्चे माल और बिजली की कमी, परिचालन कठिनाइयों और धन के अभाव के कारण अपनी क्षमता का 62 प्रतिशत उपयोग कर सकी । बिहार की एक अन्य वित्तपोषित इकाई को बिजली की कमी और कार्यकारी पूंजी की अभाव का सामना करना पड़ा।

कागज

1977 के दौरान चालू कागज मिलों की संख्या 75 ही रही, परन्तु विस्थापित क्षमता वर्ष के शुरू में ही 11.37 लाख टन से बढ़ कर 12.49 लाख टन हो गई । कागज का उत्पादन 9 लाख टन होने का अनुमान है जोकि 1976 के उत्पादन से 25,000 टन अधिक होगा । यदि कुछ मिलों में बिजली की कमी और तनावपूर्ण औद्योगिक सम्बंध न होते तो संभवतः उत्पादन और भी अधिक हो सकता था ।

वर्ष के दौरान दो वित्तपोषित संस्थाओं ने अपनी क्षमाता का पूरा उपयोग किया । उद्योग में अन्य इकाईयों की भांति ही, निगम द्वारा वित्तपोषित इकाईयों को बिजली की कमी रही और इसके अतिरिक्त कुछ को श्रमिक समस्याओं का सामना करना पड़ा।

सोडा एश

वर्ष के दौरान, सोडा एश का उत्पादन करने वाली इकाईयों की विस्थापित क्षमता में कोई परिवर्तन नहीं हुआ, यह 6.33 लाख टन पर ही स्थित रहा । उत्पादन मे सीमान्त वृद्धि हुई, इस वर्ष उत्पादन 5.68 लाख टन रहा । निगम द्वारा वित्तपोषित दो संस्थाओं का कार्य सन्तोषजनक रहा।

कास्टिक सोडा

1977 में कास्टिक सोडा के उत्पादन में 33 इकाईयां लगी थीं । विस्थापित क्षमता 6.92 लाख टन से बढ़कर 7.00 लाख टन हो गई । उत्पादन का अनुमान लगभग 5.50 लाख टन होने का है, जो घरेलू मांग को पूरा करने के लिये काफी था।

बाजार सीमाओं के कारण, निगम द्वारा वित्तपोषित कुछ संस्था में अपनी क्षमता का पूरा उपयोग नहीं कर सकीं। उनमें से दो को कच्चे माल की कमी रही और अन्य को तनावपूर्ण औद्योगिक सम्बन्धों का सामना करना पड़ा।

आटोमोबाइल टायर और ट्यूब

1976 के दौरान टायर और ट्यूबों के उत्पादन में 14 इकाईयां लगी थी, इनकी संख्या 1977 में 16 हो गई जिनकी विस्थापित क्षमता 79.29 लाख टायर और 81.73 लाख ट्यूबें थीं । 1977 के दौरान, टायर और ट्यूबों का उत्पादन क्रमश 65.00 लाख और 55 लाख होने का है।

1977 में आटोमोबाइल टायर और ट्यूबों की मांग सन्तोषजनक नहीं थी । सरकार ने सितम्बर, 1977 में सुदृढ़ इकाईयों और अप्रैल, 1973 के बाद उत्पादन प्रारम्भ करने वाली नई इकाईयों पर अनिवार्य रूप से निर्यात करने की शर्त लगा दी।

वित्तपोषित एक संस्था ने क्षमता का पूर्ण उपयोग किया बाजार के दबाव के कारण दो वित्तपोषित संस्थायें क्षमता का पूरा उपयोग नहीं कर सकीं । इसके अतिरिक्त, एक को कच्चे माल की कमी, बिजली की कमी और औद्योगिक अशान्ति का सामना करना पड़ा । एक इकाई कार्यकारी पूंजी के अभाव के कारण भली प्रकार काम नहीं कर सकी। एक अन्य इकाई जिसने जनवरी 1977 में वाणिज्यिक आधार पर उत्पादन शुरू कर दिया, वह बिजली की कमी और कार्यकारी पूंजी

के अभाव के कारण अपनी क्षमता का पूरा उपयोग नहीं कर सकी ।

लघु इस्पात संयंत्र

1977 के प्रारम्भ में नरम इस्पात सिल्लियों/बिन्टों का उत्पादन करने के लिये 206 लाइसेंस प्राप्त/पंजीकृत बिजली भट्टी इकाइयां थीं । लेकिन 2.38 लाख टन की क्षमता वाली लगभग 120 इकाईयां ही चालू थीं और शेष या तो बन्द पड़ीं थीं अथवा कार्यान्वयन की विभिन्न अवस्थाओं में थीं ।

एक अध्ययन से पता चला है कि लघु इस्पात संयंत्रों के क्षमता उपयोग पर विपरीत प्रभाव डालने वाले तत्व थे, बिजली की कमी, कच्चे माल जैसे, इलेक्ट्रोड्स और चूरे की कमी, प्रबन्ध समस्यायें, उत्पादन की उच्च लागत, कार्यकारी पूंजी का अभाव, आदि ।

सरकार ने लघु इस्पात संयंत्रों को पुनस्थापित करने के लिये कई कदम उठाये । उनके उत्पाद को केन्द्रीय उत्पादन शुल्क से पूर्णतः मुक्त कर दिया गया । इसके अतिरिक्त, संकलित इस्पात संयंत्रों से प्राप्त किए गये ढलाई चूरे की कुछ किस्मों पर उत्पादन शुल्क समाप्त कर दिया गया । हाल ही में, सरकार बिजली भाप भट्टी इकाईयों को 2 लाख टन की सीमा तक ढलाई चूरे का सीधा आयात करने की स्वीकृति प्रदान करने का फैसला किया है । उद्योग को रोलिंग और तारें खीचने सहित विशाखन की कुछ और सुविधायें प्रदान की गई है ।

उद्योग की तरह ही निगम द्वारा वित्तपोषित संस्थाओं की हालत भी सन्तोषजनक नही थी । आमतौर पर, बिजली कटौती का उन पर दुष्प्रभाव पड़ा और कुछ को कच्चे माल की कमी एवं बाजार दबाव का सामना करना पड़ा ।

ढलवां वस्तुएं

1977 में, संगठित क्षेत्र में 78 वाणिज्यिक लौह फाउण्डरियां लौह और अलौह धातुओं की ढलाई में लगी थी, इनकी विस्थापित क्षमता 4.10 लाख टन थी । उत्पादन का अनुमान 1.80 लाख टन लगया गया है जोकि 1976 में 1.72 लाख टन हुआ था ।

इस्पात ढलाई क्षेत्र में 51 इकाईयां थीं, जिनकी विस्थापित क्षमता 1.60 लाख टन थी । 1977 के दौरान 0.68 लाख टन उत्पादन होने का अनुमान है जोकि 1976 में 0.65 लाख टन हुआ था ।

नरम इस्पात की ढलवां वस्तुओं का उत्पादन करने के लिये 13 इकाईयां थी, इनकी विस्थापित क्षमता 26,000 टन थी । उत्पादन 20,000 टन होने का है जो कि 1976 से 1,000 टन से अधिक है ।

वित्तपोषित दो इकाईयों के क्षमता उपयोग में सुधार हुआ । इस्पात की ढलवां वस्तुओं का निर्माण करने वाली एक इकाई ने क्षमता का लगभग पूर्ण उपयोग किया । संचालन कठिनाईयों, बिजली की कमी और तनावपूर्ण औद्योगिक सम्बन्धों के बावजूद भी नरम इस्पात ढलवां वस्तुओं का निर्माण करने वाली एक अन्य इकाई ने क्षमता का उपयोग 80% तक किया ।

कृषि ट्रैक्टर

1977 में ट्रेक्टरों के उत्पाद में 11 इकाईयां लगी थीं । इन की विस्थापित क्षमता 25 से 50 हार्स पावर के बीच के 53,400 ट्रैक्टर की थी । 1977-78 में ट्रैक्टरों का उत्पादन 38,000 होने का अनुमान है जो कि 1976-77 में 33,146 था ।

वित्तपोषित संस्थाओं में से एक की प्रगति अच्छी रही । अन्य वित्तपोषित संस्था ने पिछले वर्ष की तुलना में अपनी क्षमता उपयोग में सुधार किया, यद्यपि इसे कच्चे माल की कमी रही और कुछ श्रमिक समस्याओं का भी सामना करना पड़ा । अन्य वित्तपोषित संस्था कार्यकारी पूंजी के अभाव के कारण अच्छी प्रगति नहीं कर सकी ।

पावर टिलर्स

1977 में पावर टिलरों का उत्पादन करने वाली चार वर्तमान इकाइयों की विस्थापित क्षमता 16,000 थी । वर्ष के दौरान, केवल 1520 पावर टिलरों का निर्माण हो सका, जोकि पिछले वर्ष 1648 था । उत्पाद ने अभी विस्तृत बाजार ग्राह्यता प्राप्त करनी है, उद्योग को कम मांग की कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है । परिणामस्वरूप, उद्योग में क्षमता उपयोग कम रहा ।

निगम द्वारा वितपोषित दो इकाइयों का क्षमता उपयोग बहुत ही कम रहा । इन दोनो को बाजार कठिनाइयों का सामना करना पड़ा । इसके अतिरिक्त इनमें से एक को बिजली की कमी और अन्य को कच्चे माल की कमी एवम् परिचालन समस्याओं का सामना करना पड़ा ।

सूती वस्त्र

1977 के दौरान, देश में 704 सूती वस्त्र मिलें थीं, जिनमें 414 कताई इकाईयां, और शेष 290 संयुक्त मिलें थीं । विस्थापित क्षमता 198.0 लाख तकुए और 2.08 लाख खड्डियां थीं । 1976 के दौरान, 38,832 लाख मीटर सूती वस्त्र और 10,060 लाख कि० ग्रा० सूती धागे के उत्पादन की तुलना में, 1977 में उत्पादन 33,263 लाख मीटर वस्त्र और 8,751 लाख कि० ग्रा० धागा रहा । अर्थात्, 1977 के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में वस्त्र और धागे दोनो का उत्पादन कम रहा । कपास की उपलब्धता में सुधार लाने के लिए, 1976 में सरकार ने कुछ उपाय किए, जिसमें, असूती धागो के आयात को उन्मुक्त करना, सूती वस्त्र मिलों द्वारा कम से कम 10 प्रतिशत असूती धागे

का अनिवार्य प्रयोग निश्चित किया जाना, आदि, शामिल हैं।

निगम द्वारा वित्तपोषित अधिकतर सूती वस्त्र मिलों की प्रगति आमतौर पर उद्योग की स्थिति के समान ही थी। बहुत सी वित्तपोषित संस्थाओ का क्षमता उपयोग कम रहा।

पटसन वस्त्र

पिछला वर्ष पटसन उद्योग के लिए कठिन वर्ष सिद्ध हुआ, जिसे कच्चे पटसन की कम पूर्ति और ऊंची कीमतों का सामना करना पड़ा। उद्योग को इसके उत्पादो की मांग में हुई तीव्र गिरावट का भी सामना करना पड़ा। फलस्वरूप, पटसन वस्तुओं का उत्पादन 11.84 लाख टन हुआ जोकि पिछले वर्ष भी लगभग इतना ही था।

वर्ष के दौरान, सरकार ने पटसन वस्तुओं का निर्यात बढ़ाने के लिए कई कदम उठाये। न केवल बोरों के निर्यात, गलीचों के आस्तीन और पटसन के सजावटी वस्त्र के लिए नकदी पूरक सहायता मार्च, 1978 तक बढ़ा दी गई है, अपितु निर्यात के कुछ और सामान, जैसे पटसन वूल पैक, पटसन कपास बोरियों को भी इस दायरे में लाया गया।

वित्तपोषित पटसन मिलो में से अधिकतर का कार्य बिजली की कमी से प्रभावित हुआ। इसके अतिरिक्त कुछ इकाईयों को कच्चे माल की कमी और बाजार की सीमाओं तथा एक अन्य इकाई को परिचालन समस्याओं का सामना करना पड़ा।

चीनी

1976-77 के मौसम में चीनी का उत्पादन 48.42 लाख टन हुआ, जोकि पिछले वर्ष के उत्पादन से 14 प्रतिशत अधिक था। इस मौसम में 31 जुलाई, 1978 तक चीनी उत्पादन का अनुमान 64.07 लाख टन होने का है ।

30 जून, 1978 को लाइसेंस प्राप्त/पंजीकृत सरकारी चीनी फैक्ट्रियों की कुल संख्या 170 थी, इनमें से 28 लाख टन की विस्थापित क्षमता वाली 130 फैक्ट्रियां 1977–78 के मौसम में काम कर रही थीं । सहकारी क्षेत्र का उत्पादन 31.25 लाख टन था। जो कुल उत्पादन का 4.8 प्रतिशत है।

1977–78 के पिराई के मौसम के दौरान गन्ने और चीनी का रिकार्ड उत्पादन हुआ, जिससे कीमतें गिर गईं। चीनी उद्योग तथा गन्ना उत्पादकों की सहायता करने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए ,जैसे नियंत्रण चीनी का अखिल भारतीय औसत फैक्ट्री बाहर मूल्य बढ़ाना, उत्पादन शुल्क में छूट, भण्डारों को इधर उधर ले जाने के लिये अतिरिक्त ऋण सीमा, और चीनी निर्यात की स्वीकृति प्रदान करना। सरकार ने 16 अगस्त, 1978 से चीनी के मूल्य इधर-उधर लाने-ले जाने और वितरण नियंत्रण हटा लिया है।

समग्र रूप से निगम द्वारा वित्तोपोषित संस्थाओं का कार्य सन्तोषजनक रहा।

अन्तिम उपयोग तक देख-रेख

तथा अनुवर्ती कार्यवाही

56. निगम के बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली और मद्रास में चार क्षेत्रीय कार्यालय हैं और विभिन्न राज्यों में 13 और कार्यालय हैं। इन कार्यालयों में आवश्यक तकनीकी तथा वित्तीय एवं विधिक स्टाफ की व्यवस्था की गई है, जो प्रधान कार्यालय से उचित निदेश प्राप्त करके वित्तोपोषित संस्थाओं की अनुवर्ती कार्यवाही कर सकते हैं । निगम की अनुवर्ती कार्यवाही मे इस प्रकार की सूचना मांगी जाती है जो कि परियोजना का प्रभारी कोई भी प्रबन्धक वर्ग एकत्र कर उसका अध्ययन करेगा जिससे परियोजना सफलतापूर्वक कार्य करती रहे।

कार्यविधि :—

57. निगम द्वारा अनुवर्ती कार्यवाही करने के लिए निम्नलिखित पद्धति अपनाई गई है :—

1. निश्चित फार्मों में नियमित रूप से अर्ध-वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना,
2. थोड़े-थोड़ अन्तरालों के पश्चात वित्तपोषित संस्थाओं के फैक्ट्री स्थल पर जाकर जांच करना तथा लेखा पुस्तकों की जांच पड़ताल,
3. वित्तपोषित संस्थाओं की वित्तीय स्थिति तथा कार्य परिणामों से सम्बन्धित अर्ध-वार्षिक सारणियों की जांच करना, तथा
4. उचित मामलों में, निगम के हित की देख भाल करने के लिए वित्तपोषित संस्थाओं के बोर्डों में सरकारी/गैर सरकारी सदस्यों को नामित करना और किसी घटना की स्थिति में समय-समय पर कम्पनी के प्रबन्ध तथा संचालन के बारे में सूचना देना।

अनुवर्ती कार्यवाही की अवधि के दौरान अग्रणी संस्थान की धारणा—साक्षी पहुंच

58. अनुवर्ती कार्यवाही अवस्था के दौरान समस्याओं, विशेषकर औद्योगिक रुग्णता से संबंधित समस्याओं का समाधान निकालने के लिये और वर्तमान व्यवस्था में सुधार लाने की दृष्टि से अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों ने अग्रणी संस्थान की धारणा को अनुवर्ती कार्रवाहीं के क्षेत्र में भी विस्तार किया है। वर्तमान रुग्ण मामलों में अग्रणी संस्थान निश्चित किए गए हैं और उन्हीं द्वारा सामान्य अनुवर्ती कार्यवाहीं किये जाने का प्रस्ताव है। प्रत्येक मामले के आधार पर निश्चित किया गया "अग्रणी संस्थान" वित्तपोषित संस्था से नजदीकी संबंध बनायें रखने और अन्य वित्तीय संस्थानों के साथ मिलकर उनके मामलों में समन्वय स्थापित करने के लिये जिम्मेदार होगा। आशा है इस व्यवस्था से वित्त पोषित संस्थाओं की प्रगति की अधिक देखभाल करने और आरम्भिक रुग्णता को शीघ्र पकड़ने में सहायता मिलेगी।

प्रगति रिपोर्ट

59. प्रत्येक उद्योग की विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण और संचालन काल में प्रगति रिपोर्ट देने के लिए अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों ने सांझे प्रपत्र बनाये हैं। ये फार्म प्राप्त अनुभव के आधार पर बनाए गये हैं जिनसे पता चलता है कि किसी संस्था के निर्माण काल में उनके सामने आने वाली कठिनाइयों में वित्त व्यवस्था, परियोजना को कार्य रूप देने में देरी, प्रारम्भिक अनुमानों से लागत में अति-व्यय और प्रबन्ध की कमजोरियों जैसी समस्याएं प्रमुख हैं। ये प्रगति रिपोर्टें निगम तथा अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा उपचारक सलाह प्रदान करने के अतिरिक्त इन वित्तीय संस्थानों की परियोजना की प्रगति तथा वित्तीय योजना के अनुरूप संवितरणों में सहायता प्रदान करती है।

इन रिपोर्टों को नियमित रूप से प्राप्त करना तथा उन पर अनुवर्ती कार्यवाई करना निगम के विभिन्न कार्यालयों की जिम्मेदारी है।

निरीक्षण

60. ऋण करार के बन्धक हो जाने की तारीख से लेकर जब तक ऋण का कोई भाग बकाया रहता है निगम के अधिकारी फैक्ट्री स्थल पर जाकर परियोजना के निर्माण तथा कार्य संचालन के बारे में निरीक्षण करते हैं। वित्तपोषित संस्थाओं की लेखा पुस्तकों का निरीक्षण भी किया जाता है। सामान्यतः ये निरीक्षण निगम के वित्तीय तथा तकनीकी अधिकारियों के दल द्वारा किये जाते है।

निरीक्षण दल अपने आपको इस बात से भी आश्वस्त करता है कि निगम से लिये गए ऋण की मूल राशि अलग बैंक खाते में रखी गई है तथा इसका उपयोग केवल उसी उद्देश्य के लिए किया जा रहा है जिसके लिए इसे मंजूर किया गया है।

परियोजना के वाणिज्यिक आधार पर उत्पादन शुरू कर देने के पश्चात् प्रथम निरीक्षण पुर्नमूल्यांकन के तौर पर किया जाता है ताकि लागत के अनुमान और लाभ की संभावनाओं के अन्तर का सही प्रकार से पता लगाया जा सके और परियोजना का उचित दृष्टि से पुर्नमूल्यांकन किया जा सके।

जिन मामलों में अन्य वित्तीय संस्थानों का भी सम्बन्ध होता है उनमें यदि नियत समय के पश्चात् निरीक्षण संयुक्त रूप से न किया जा सके तो एक दूसरे को अवगत करा दिया जाता है। आवश्यकतानुसार विदेशी मुद्रा उप-ऋणों के मामले में संबंधित विदेशी वित्तीय संस्थानों को रिपोर्ट भेजी जाती है।

लेखा परीक्षित वित्तीय सारणियों, परिपत्रों आदि तथा अंशधारियों की बैठकों के कार्यवृत् का सावधानी से अध्ययन तथा विश्लेषण किया जाता है ताकि कम से कम पिछले तीन वर्षों के दौरान उनकी प्रगति, लाभ व अन्य वित्तीय पहलुओं की तुलना की जा सके।

सलाहकारी सेवाएं

61. निगम के प्रधान कार्यालय में 1973 में स्थापित सलाहकारी सेवाएं विभाग नए उद्यमकर्ताओं तथा अन्यों को उनकी परियोजनाओं, कार्यान्वयन-पूर्व अवस्थाओं तथा बाद की अवस्थाओं में तकनीकी तथा वित्तीय क्षेत्रों में परामर्श एवं पथ-प्रदर्शन कर रहा है। इसके अतिरिक्त यह विभाग ऐसी परियोजनाओं के पुर्नस्थापन की ओर भी विशेष ध्यान रखता है जो कठिनाई में पड़ जाती हैं और किसी भी कारण से उनमें रुग्णावस्था के लक्षण दिखाई पड़ते हैं।

नामित संचालक

62. भारतीय औद्योगिक वित्त निगम तथा वित्तपोषित संस्थाओं के प्रबन्धकों के बीच संबंध स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण आयाम उनके संचालक बोर्डों में अपने सदस्य नामित करना है। औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम की धारा 25(2) के अनुसरण में निगम नीति के तौर पर वित्तपोषित औद्योगिक संस्थाओं के बोर्डों में दो संचालक नियुक्त करने का अधिकार आरक्षित रखता है। संयुक्त रूप से वित्तीय सहायता देने के मामलों में यह सुनिश्चित किया गया है कि भागीदार संस्थाओं के एक अथवा अधिक सदस्य सामूहिक रूप से नामित किये जा सकें।

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम उन सभी वित्तपोषित संस्थाओं के मामले में जिन्हें काफी मात्रा में वित्तीय सहायता दी गई है अथवा वित्तीय सहायता प्रदान करने के ऋण करारों में ऋणों के साधारण शेयरों में बदलने की संपरिवर्तन धाराएं अनुबंधित की गई हैं, अपने प्रतिनिधि नामित करने के अधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। सामान्यतः निम्नलिखित स्थितियों में वित्तपोषित संस्थाओं के बोर्डों में निगम अपने संचालक नामित करने की स्वेच्छा का उपयोग करता है:

1. जिन मामलों में निगम की हामीदारी तुलनात्मक रूप से अधिक हो,
2. जिन मामलों में निगम के ऋणों के मूलधन तथा ब्याज की अदायगी में चूक की गई है, तथा
3. जिन मामलों में वित्तपोषित संस्थाओं पर सतर्कता रखने अथवा नजदीकी देखभाल रखने की अन्यथा विशेष आवश्यकता हो।

संचालकों के रूप में नामित व्यक्ति या तो निगम के अपने अधिकारी होते हैं अथवा गैर-सरकारी।

संचालकों के रूप में नामित व्यक्ति निगम की स्वेच्छा से पद पर रह सकते हैं तथा इनके लिए शेयरों की कोई निश्चित मात्रा रखना अनिवार्य नहीं है और न ही वे क्रमिक रूप से कार्य निवृत्त होते हैं। इन नामित संचालकों से वित्तपोषित संस्थाओं के दैनिक कार्यों में हस्तक्षेप किए बिना उनके बोर्डों के सभी कार्य-क्रमों में सक्रिय भाग लेने की आशा की जाती है। ताकि नामित संचालक संस्था के कार्य संचालन से सम्बंधित मामलों से नजदीकी सम्बन्ध रख सकें, इसके लिए कम्पनियों द्वारा आवश्यक सूचनाएं तथा आंकड़े देने के

लिए प्रपत्र बनाये गये हैं। इस सूचना को संचालक बोर्डों की बैठकों में प्रस्तुत किया जाता है।

ऋणों का साधारण शेयरों में संपरिवर्तन

63. सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों के अनुसार निगम अपने द्वारा मंजूर किए गए ऋण के कुछ भाग को वित्तपोषित संस्था की साधारण पूंजी में संपरिवर्तन करने का अधिकार आरक्षित रखता है और इस नीति का औचित्य अब पूर्ण स्वीकृति प्राप्त कर चुका है। निगम ने 30 जून, 1978 तक 326 संस्थाओं से संबंधित 434 मामलों में (301 मामलों में ऋण करार अनुबन्ध हो चुके हैं) परियोजनाओं के प्रवर्तकों से पूर्व विचार-विमर्श तथा भारतीय औद्योगिक विकास बैंक से अनुमोदन करके रूपया ऋणों के साधारण शेयरों में संपरिवर्तन की शर्त लगाई है। वास्तव में इस अधिकार का 20 मामलों में उपयोग किया गया है और बहुत से अन्य मामलों में या तो विकल्प के उपयोग की अवधि का समय नहीं आया है या प्रतीक्षा करना उपयुक्त समझा गया है और कुछ मामलों में सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद अधिकार के उपयोग से छूट प्रदान करना ही उचित समझा गया है।

ऋणों की वापसी अदायगी प्रगति

बाकीदारियों का उद्योगवार विश्लेषण

64. आमतौर पर वित्तपोषित संस्थाओं द्वारा बाकीदारी किए जाने के कारण हो सकते हैं; अदृश्य कारणों से परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी होने के फलस्वरूप लागतों में वृद्धि, कच्चे माल और सामान का उपलब्ध न हो पाना, कच्चे माल और तैयार माल के मूल्यों में तालमेल न बैठना, कार्यकारी पूंजी की कमी, बिजली की कमी, श्रमिक समस्यायें, और प्रबन्धक वर्ग की कमजोरी। वास्तव में, एक दूसरे कारणों ने आपस में मिलकर विभिन्न इकाईयों की समस्याएं बढ़ा दी हैं।

इंजीनियरिंग उद्योग में बाकीदारी संस्थाओं की संख्या 75 हो गई है जोकि पिछले वर्ष 63 थी। कुछ इकाईयों की मांग की नरमी की प्रवृत्ति के कारण बाजार में उच्च प्रतिस्पर्धा तथा बिजली की कमी का सामना करना पड़ा। कार्यकारी पूंजी की समस्याओं के परिणामस्वरूप देयता का बोझ बढ़ जाने से कुछ संस्थायें कठिनाई में पड़ गईं। कमजोर और असफल प्रबन्ध भी इन इकाईयों की असन्तोषप्रद स्थिति का एक कारण था। वर्ष के दौरान इन इकाईयों का गहन अध्ययन करने और संचालन का मूल्यांकन करके विभिन्न प्रयासों की जांच करने के अतिरिक्त यह भी प्रयत्न किए गये कि जो कुछ इकाईयां लम्बे अरसे से ठीक काम नहीं कर रही थीं और लगातार बाकीदारी करती थीं, और विशेषकर जिन मामलों में प्रबन्धक वर्ग अनुपयुक्त था, उनमें प्रबन्ध को इच्छुक स्वीकार्य उद्यमियों को सौंपने के प्रयत्न किए गये।

हाथ के औजारों का निर्माण करने वाली एक इकाई का इसके कार्यों का विस्तार करके सफलतापूर्वक पुर्नस्थापन किया गया। कटाई के औजारों का निर्माण करने वाली अन्य इकाई को इसकी नकद हानि में वृद्धि रोकने के लिए अतिरिक्त सहायता मंजूर की गई। जबकि इसी क्षेत्र की अन्य इकाई के प्रबन्ध को निदेशक, मण्डल और प्रबन्ध समिति को सौंप दिया गया है जिनका एक अलग अध्यक्ष होगा और प्रवर्तकों का दायित्व दूसरे दर्जे पर रहेगा तथा कम्पनी के बोर्ड/समिति में संस्थानों का बहुमत होगा।

इस्पात की ढलवां वस्तुओं के निर्माण में लगी एक इकाई को बेचने के प्रयत्न किये जा रहे हैं, जब इसके प्रबन्धक वर्ग ने इसे चलाने में अपनी असमर्थता व्यक्त की थी तो न्यायालय रिसीवर की नियुक्ति की गई और यह पिछले वर्ष से बन्द पड़ी थी। 6 वर्ष पूर्व लगाये गये एक लघु इस्पात संयंत्र, जो बिजली की कमी और तब बाजार की नरमी के कारण उत्पादन शुरू नहीं कर सका, केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रदान की गई राहतो को देखते हुए इसकी व्यावहार्यता पर विचार किया गया और परियोजना को पूरा तथा चालू करने के लिये अतिरिक्त सहायता मंजूर की गई। पिछले वर्ष उल्लेख किया गया था कि बिजली के मीटरों के निर्माण में लगी एक रुग्ण इकाई का प्रबन्ध संचालकों की एक समिति को सौंपा गया है जिसमें राज्य सरकार, वित्तीय संस्थानों और बैंको के प्रतिनिधि होंगे। वर्ष के दौरान केन्द्रीय सरकार ने एक जांच समिति की नियुक्ति की ताकि इकाई को औद्योगिक (विकास एवं नियमन) अधिनियम के अधीन अधिग्रहण करने की संभावनाओ का पता लगाया जा सके। इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार के निर्णय की प्रतीक्षा है। बिजली के मीटरो का निर्माण करने वाली एक अन्य इकाई जो सितम्बर, 1974 से बन्द पड़ी थी, वित्तीय संस्थानों द्वारा बनाई गई पुर्नस्थापन योजना के अधीन ,भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि० द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रबन्ध से दिसम्बर, 1977 में पुनः कार्य करना शुरू कर दिया है। वर्ष के दौरान औद्योगिक तारो का उत्पादन करने वाली एक इकाई को पूर्ण स्वस्थता प्रदान की गई और अब यह निगम को अपने वायदे निभा रही है। स्पाट खम्बों का निर्माण करने वाली एक इकाई, जिसकी परियोजना लागत बढ़ जाने के कारण पूरी नहीं की जा सकी, कमजोर प्रबन्ध और प्रवर्तकों द्वारा अतिरिक्त धन जुटाने में असमर्थता व्यक्त किए जाने से, निगम ने राज्य स्तर के वित्तीय संस्थानो के सहयोग से इस परियोजना को संयुक्त क्षेत्र में ले जाने में सफलता प्राप्त की। मोटर साइकिलो और कृषि-औद्योगिक इंजिनो का निर्माण करने वाली एक अन्य संस्था में संस्थानो के कहने पर कम्पनी के कार्यों की जांच करने के लिये कनस्लटेंटस नियुक्त किए गए। इस अध्ययन के आधार पर कम्पनी के बैंकरों और निगम ने अतिरिक्त वित्तीय सहायता मंजूर की। तब से कम्पनी के कार्य में सुधार हुआ और आशा है कि चालू वर्ष में यह ठीक प्रकार से कार्य करना शुरू कर देगी।

चीनी उद्योग में बाकीदारी संस्थाओ की संख्या 23 हो गई है यह पिछले वर्ष 21 थी। 1977–78 के मौसम में गन्ने की उपलब्धता में सुधार हुआ और जहां तक गन्ने की

पिराई का सम्बन्ध था, अधिकतर इकाईयों ने अपने कार्यों में सुधार दिखाया। कई इकाईयो पहली बार अपनी पूर्ण विस्थापित क्षमता तक उत्पादन कर सकीं। लेकिन, अधिक पिराई और अधिक चीनी उत्पादन के बावजूद भी अलाभकारी मूल्य ढांचे के कारण अपनी अदायगी या देने की स्थिति नहीं थीं। केन्द्रीय तथा राज्य स्तर से लगातार अनुवर्ती कार्रवाई के परिणामस्वरूप तीन इकाईयों ने अपनी बाकीदारी का कुछ भाग अदा कर दिया, और 4 अन्य इकाईयों के सम्बन्ध में बकाया को अदा करने के लिए सम्बन्धित राज्य सरकारों से आश्वासन प्राप्त हुआ है। एक अन्य सहकारिता समिति से बकाया ब्याज का कुछ भाग प्राप्त करने के लिए प्रयत्न किये जा रहे हैं। वर्ष के दौरान, योजना आयोग द्वारा एक सहकारिता समिति के कार्यों का अध्ययन करने और इसकी व्यावहायर्ता को सुधारने के लिये उपचारक उपाय सुझाने हेतु शुरू किये अध्ययन में निगम ने अपने एक अधिकारी की सेवायें प्रदान की हैं।

वर्ष के दौरान, अल्मोनियम और गढ़े हुए अल्मोनियम उत्पादों का निर्माण करने वाली एक संस्था, जो सितम्बर, 1977 से बन्द पड़ी थी, को केन्द्रीय सरकार ने औद्योगिक (विकास और नियमन) अधिनियम के अधीन अधिग्रहण कर लिया और इसके प्रबन्ध संचालन के लिये भारत अल्मोनियम कम्पनी लि० को प्राधिकृत किया गया है। आशा है कि इकाई शीघ्र ही काम करना शुरू कर देगी।

वस्त्र उद्योग में भी बाकीदारी संस्थाओ की संख्या पिछले वर्ष की 30 से बढ़कर 31 हो गई है। कच्चे माल की उपलब्धता में सुधार होने के बावजूद भी मांग में मन्दी होने के कारण अधिकतर इकाईयों का कार्य सन्तोषजनक नहीं रहा। राज्य सरकारों के सहयोग से विशेषकर सहकारी क्षेत्रों में, बकाया को प्राप्त करने के लगातार प्रयत्न किये जा रहे हैं। मध्य प्रदेश में स्थित एक वस्त्र इकाई ने आधुनिकीकरण योजना बनाई है और इसने उदार ऋण योजना के अधीन भारतीय औद्योगिक विकास बैंक से पहुंच की है। आशा है कि आधुनिकीकरण की योजना के सफलतापूर्वक कार्यान्वित हो जाने से यह इकाई व्यवहार्य हो जायेगी।

निगम द्वारा वित्तपोषित जिन 9 वस्त्र इकाईयों का रुग्ण वस्त्र मिल (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1974 के अधीन राष्ट्रीयकरण किया गया, उनके लिये उक्त अधिनियम के अधीन प्राप्त हुए मुआवजे की राशि में से निगम की लेनदारी पूरी न हो सकेगी, विशेषकर ऐसी स्थिति में जबकि उक्त अधिनियम के अनुसार मुआवजा वितरण की योजना में निगम की बकाया को तुलनात्मक रूप से निम्न प्राथमिकता मिलती है। निगम ने अपने हितों की रक्षा करने के लिए केन्द्रीय सरकार से पहुंच की है लेकिन प्रयत्न कामयाब नहीं हुए। सभी मामलों में निगम ने अदायगी आयुक्त के सामने अपने दावे पेश किए हैं। कुछ मामलो में तो निगम ने बकाया को प्राप्त करने के लिए गारंटरों के विरुद्ध मामले दायर किए हैं। एक मामले में आगामी हित के लिये डिक्री मिल गई है।

जिन तीन कोयला कम्पनियो को निगम ने वित्तीय सहायता प्रदान की थी, उनका कोकिंग कोयला खान (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम/कोयला खान (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम के अधीन राष्ट्रीयकरण कर लिया गया था, निगम ने अपनी बकाया को प्राप्त करने के लिये दावे प्रस्तुत किये हैं।

पिछले वर्ष उल्लेख किया गया था कि कागज उद्योग की एक इकाई के प्रबन्ध में परिवर्तन किया गया। वर्ष के दौरान भी उच्च उत्पादन लागत एवं कोट्ड कागज की कम मांग के कारण इसका कार्य अलाभकारी रहा। एक अन्य इकाई को जिसे पिछले वर्ष अतिरिक्त ऋण मंजूर किया गया था, अच्छी सफलता प्राप्त नहीं कर सकी। हिन्दुस्तान पेपर कार्पोरेशन और केन्द्रीय सरकार के साथ विचार-विमर्श करके इसके लिये एक नई पुर्नस्थापन योजना बनाई जा रही है।

वर्ष के दौरान, टायर ट्यूबों और अन्य रबर उत्पादों के निर्माण कार्य में लगी पश्चिम बंगाल की तीन इकाईयों का केन्द्रीय सरकार ने औद्योगिक (विकास एवं नियमन) अधिनियम के अधीन अधिग्रहण कर लिया। एक अन्य मामले में, भारतीय औद्योगिक पुर्ननिर्माण निगम द्वारा तैयार की गई पुर्नस्थापन योजना पर कार्रवाई की जा रही है, अन्य मामले की पुर्नस्थापन योजना अभी तैयार की जा रही है।

वर्ष के दौरान, सरेण, ड्राई ओसीन और डाई-कैल्शियम फास्फेट के उत्पादन में लगी इकाई के कार्य में सुधार हुआ और आशा है कि वर्ष के अन्त तक इकाई कुछ लाभ अर्जित करना शुरू कर देगी। पश्चिमी बंगाल की औषध उत्पादों का निर्माण करने वाली एक इकाई, जो बाकीदारी, में थी, औद्योगिक (विकास एवं नियमन) अधिनियम के अधीन अधिग्रहण कर ली गई। लेकिन, इकाई की प्रगति अभी तक भी असन्तोषजनक बनी हुई है। औषध उत्पादों के निर्माण में लगी एक अन्य इकाई की देयताओं में पिछले वर्ष कुछ परिवर्तन किया गया, लेकिन कच्चे माल की भारी लागतें कम बिक्री कीमतें, सरकार द्वारा लगाये गये बिक्री मूल्य नियंत्रण (कच्चे माल तथा तैयार माल की कीमतें सरकार द्वारा निर्धारित होती हैं) के कारण अच्छे परिणाम नहीं दिखा सकी। एथिल अल्कोहल, स्टैरिन, मोनीमर, और पोलेस्टेरीन का उत्पादन करने वाली एक इकाई के प्रबन्ध में परिवर्तन की स्वीकृति दी गई और इसे एक अन्य स्वस्थ इकाई में मिला दिया गया। पुर्नस्थापन योजना के तौर पर संसाधनों द्वारा कई रियायतें प्रदान की गई, जो कार्यान्वित की जा रही हैं।

पिछले वर्ष उल्लेख किया गया था कि रेडियो, ट्रांजिस्टरों और इलेक्ट्रोनिक पुर्जों के उत्पादन में लगी एक इकाई का इलेक्ट्रानिक व्यापार एवं तकनीकी विकास निगम लि० के माध्यम से संस्थानों ने गहन अध्ययन किया था। इसके बाद निजी क्षेत्र की एक इकाई के साथ इसके मिलाने की योजना को तैयार किया गया है जो सरकार के विचाराधीन है।

वर्ष के दौरान, दक्षिण भारत में स्थित सीमेंट का उत्पादन करने वाली एक इकाई को आधुनिकीकरण योजना के कार्यान्वित किए जाने से, सफलता पूर्वक पुर्नस्थापन किया गया।

बम्बई में स्थित एक होटल परियोजना ने एक सुस्थापित होटल कम्पनी के साथ कन्सलटेंसी समझौता करके अपने कार्य संचालन में काफी सुधार कर लिया है। इकाई ने निगम को अपनी देयता के कुछ भाग को देना शुरू कर दिया है और आशा है कि भावी वर्षों में भी यह प्रगति के क्रम को बनाये रखेगी। वर्ष के दौरान, गोआ में स्थित, एक अन्य होटल परियोजना के प्रबन्ध में परिवर्तन किया गया। आशा है कि नया प्रवर्तक जिसे इस क्षेत्र का काफी अनुभव है, इकाई की क्षमता बढ़ाकर और प्रबन्ध को सुधार कर इसे व्यावहार्य बना देगा।

बम्बई में स्थित एक सिविल इंजीनियरिंग इकाई को मध्य-पूर्वी देशों से लाभकारी ठेके प्राप्त होने के फलस्वरूप इसकी व्यवहार्यता में सुधार हुआ है।

स्पोरेक्स प्लेन/भवनों के तैयार ढांचे बनाने वाली एक कम्पनी के उत्पादों की मध्य-पूर्वी देशों से एकदम मांग बढ़ जाने के परिणामस्वरूप व्यवहार्य हो गई है।

जिन संस्थाओं ने निगम की राशि को अदा करने में बाकीदारी की है, उनके कार्यों पर, विशेषकर निगम के सलाहकारी सेवायें विभाग द्वारा कड़ी नजर रखी जा रही है। "अग्रणी संस्थान" धारणा पूर्णतः स्थापित हो चुकी है और इस व्यवस्था के अधीन एक संस्थान के लिये यह संभव है कि जिन संस्थाओं की अग्रता करने के लिये उसे दायित्व दिया गया है, उनके लिए यह संस्थान अधिक समय जुटा सकता है और ज्यादा प्रयत्न कर सकता है।

65. 30 जून, 1978 तक चूकों का उद्योगवार ब्यौरा तथा पिछले वर्ष की तुलनात्मक आंकड़े सारणी 20 में दिए गये हैं :—

सारणी 20

बाकीदारियों का उद्योगावार वर्गीकरण

(रुपये लाखों में)

उद्योग	30 जून, 1977 तक बाकीदारियां				30 जून, 78 तक बाकीदारियां				
	संस्थाओं की संख्या	मूलधन	ब्याज	जोड़	संस्थाओं की संख्या	मूलधन	ब्याज	जोड़	बकाया राशि की प्रतिशत बाकीदारी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
चीनी	21	98.50	158.59	257.09	23	185.50	217.08	402.58	4.4
खाद्य उत्पाद	1	1.35	1.99	3.34	3	0.48	0.81	1.29	1.7
वस्त्र	30	291.18	213.51	504.69	31	376.73	246.10	622.83	14.4
पटसन उत्पाद	3	40.33	34.78	75.11	7	68.34	42.02	110.36	15.5
लकड़ी उत्पाद	2	—	0.65	0.65	3	—	3.60	3.60	1.6
कागज और कागज उत्पाद	7	14.88	8.67	23.55	10	46.27	33.12	79.39	3.2
रबर उत्पाद	5	145.02	75.46	220.48	7	173.53	109.20	282.73	19.5
मूल औद्योगिक रसायन	5	42.55	13.50	56.05	7	95.13	41.99	137.12	13.3
उर्वरक	4	83.97	146.59	230.56	6	131.60	177.49	309.09	25.0
कृत्रिम धागा	2	10.20	14.44	24.64	1	22.00	10.45	32.45	6.2
विविध रसायन और रसायन उत्पाद	3	17.33	2.61	19.94	3	14.00	3.05	17.05	3.7
कांच	3	9.84	12.51	22.35	5	19.19	19.43	38.62	16.1
सीमेंट	1	0.08	—	0.08	2	12.85	21.28	34.13	2.3
चमड़ा उत्पाद	3	2.00	2.93	4.93	1	4.00	1.37	5.37	5.5

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
विविध अधातु									
खनिज उत्पाद	3	18.68	9 94	28.62	4	26.83	16.54	43.37	8.3
लोहा तथा इस्पात	19	188.32	149.15	337.47	22	323.98	186.67	510.65	20.9
अलौह वस्तुऐ	3	43.62	20.19	63.81	3	77.25	19.85	97.10	44.4
धातु उत्पाद	11	48.65	69.55	118.20	13	70.97	56.55	127.52	14.6
मशीनरी तथा कल पुर्जे	17	168.90	123.98	292.88	21	124.26	72.42	196 68	15.7
बिजली मशीनरी तथा पुर्जे	11	96.46	61.90	158.36	13	130.09	97.83	227.92	18.1
परिवहन उपस्कर	5	92.25	34.70	127.22	11	131.41	58.33	189.74	18.
खनन	3	29.00	16.07	45.07	3	42.00	27.28	69.28	29.7
होटल	6	27.00	39.39	66.39	11	39.06	44.05	83.11	9.5
विविध निर्माण उद्योग	—	—	—	—	1	—	0 04	0 04	0.1
जोड़	168	1470.38	1211.10	2681.48	211	2115.47	1506.55	3622.02	11.0

66. सारणी 21 और 22 में वे रकमें दिखाई गई हैं, जो पिछले पांच वर्षों के अन्त में ब्याज और मूलधन की अदायगी के रूप में लेनी थी और जो रकमें वसूल हुई थीं। इसमें प्रत्येक वर्ष के अन्त में बाकीदारी की रकमों का ब्यौरा भी दिया गया है।

30 जून, 1978 को 328.30 करोड़ रुपये के कुल बकाया रूपया तथा विदेशी मुद्रा ऋणों में ब्याज की 1506.55 लाख रुपये बाकीदारी थी जोकि कुल ऋणों का 4.6 प्रतिशत है, यह बाकीदारी पिछले वर्ष 4.3 प्रतिशत थी। उपरिलिखित 1506.55 लाख रुपये की राशि में कुछ वित्तपोषित संस्थाओं द्वारा वर्ष के दौरान की गई बाकीदारी शामिल नहीं है, जिनकी साख स्थिति बहुत सन्तोषजनक नहीं थी, जैसा कि लेखे के साथ संलग्न टिप्पणियों में उल्लेख किया गया है। इसके अतिरिक्त मूलधन की 2115.47 लाख रुपये की बाकीदारी थी जो कि बकाया ऋणों का 6.4 प्रतिशत है, पिछले वर्ष यह बाकीदारी 5.2 प्रतिशत थी।

सारणी 21

ब्याज की वसूली

(रुपये लाखों में)

30 जून को समाप्त हुआ वर्ष	वर्ष के प्रारम्भ में बकाया ऋण	वर्ष के प्रारम्भ में बकाया ब्याज	वर्ष के दौरान ब्याज की देय रकम	खाना 3 और 4 का जोड़	वर्ष के दौरान ब्याज की प्राप्त रकम	वर्ष के दौरान ब्याज की अदायगी में चूक होने से बकाया रकम*
1	2	3	4	5	6	7
1974	18020.26	691.72	1496.96	2188.68	1256.33	806 10
1975	19320.98	806.10	1700.83	2506.93	1353.72	1085.83
1976	20796.74	1085.83	1943.95	3029 78	1604.92	1065.67
1977	24456.88	1065.67	2130.28	3195.95	1817.07	1211.10
1978	28469.84	1211.10	2582.96	3794.06	2082.61	1506.55

*इसमें वे राशियां शामिल नहीं हैं, जिनकी मियाद बढ़ाने की मंजूरी दे दी गई है। तकनीकी रूप से ऐसे मामलों को चूके नहीं माना जाता।

सारणी 22

मूलधन की अदायगी

(रुपये, लाखों में)

30 जून को समाप्त हुआ वर्ष	वर्ष के प्रारम्भ मे बकाया ऋण*	वर्ष के प्रारम्भ में मूलधन की देय रकम	वर्ष के दौरान मूलधन की देय रकम	खाना 3 और 4 का जोड़	वर्ष के दौरान ब्याज की प्राप्त रकम	वर्ष के दौरान ब्याज की अदायगी में चूक होने से बकाया रकम*
1974	18020.26	555.94	1899.40	2455.34	1507.84	815.46
1975	19320.98	815.46	2051.53	2866.99	1525.47	1151.28
1976	20796.74	1151.28	2300.65	3451.93	1742.58	1137.18
1977	24456.88	1137.58	2438.73	3575.91	1854.01	1470.38
1978	28469.84	1470.38	2532.39	4002.77	1828.63	2115.47

*इसमें वे बकाया ऋण शामिल नहीं हैं जिनकी किस्तें अदायगी में चूकें होने के कारण आस्थागित कर दी गई हैं और जिनकी गारंटी निगम ने दी थी और इसलिये निगम को उन्हें अदा करना पड़ा। ये ऋण और उनके ब्याज का ब्यौरा सारणी 23 में दिया गया है।

**इसमे वे राशियां शामिल नहीं हैं जिनकी मियाद बढ़ाने की मंजूरी दे दी गई है। तकनीकी रूप से ऐसे मामलों को चूकें नहीं माना जाता।

67. जिन आस्थागित अदायगियों के लिए निगम ने गारंटी दी थी उनकी किस्तो में चूके होने के कारण निगम द्वारा पिछले पांच वर्षों में अदा की गई बाकीदारी की रकम और उस पर देय ब्याज आदि का ब्यौरा सारणी 23 में दिया गया है।

सारणी 23

निगम के द्वारा आस्थगित अदायगियों के लिए दी गई गारंटी की बकाया रकमें

(रुपये, लाखों में)

30 जून को समाप्त हुआ वर्ष	वर्ष के प्रारम्भ में बाकीदारी की रकम	वर्ष के दौरान बाकीदारी की रकम	जोड़	वर्ष के दौरान वसूलियां	वर्ष के अन्त में बाकीदारी की देय रकम
1974 . . .	449.84	36.06	485.90	391.60	94.30
1975 . . .	94.30	10.46	104.76	3.77	100.99
1976 . . .	100.99	35.72	136.71	15.80*	120.91
1977 . . .	120.91	25.77	146.88	8.32**	138.36
1978 . . .	138.36	15.64	154.00	9.86†	163.86

*इसमें 8.66 लाख रुपये की बाकीदारी की किस्त शामिल है जिसकी मियाद बढ़ाने की मंजूरी दे दी गई।

**इसमें 2.50 लाख रुपये की बाकीदारी की किस्त शामिल है जिसकी मियाद बढ़ाने की मंजूरी दे दी गई।

†इसमें 4.48 लाख रुपए की बाकीदारी की किश्त शामिल है जिसकी मियाद बढ़ाने की मंजूरी दे दी गई।

निधि स्रोत

शेयर पूंजी

68. निगम की अधिकृत पूंजी 20 करोड़ रुपए है तथा 30 जून, 1978 को जारी, अभिदत्त और प्रदत्त पूंजी 10 करोड़ रुपये थी।

विभिन्न वर्गों के अंशधारियों के पास निगम के जो शेयर थे, समीक्षाधीन वर्ष में उनके वितरण में कोई परिवर्तन नहीं हुआ।

30 जून, 1978 को शेयरों का वितरण निम्न प्रकार था :—

	शेयरों की संख्या	कुल का प्रतिशत
भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	10,000	50
अनुसूचित बैंक	4,067	20
बीमा संस्थाएं आदि	4,314	22
सहकारी बैंक	1,619	8
जोड़	20,000	100

बांड

69. वर्ष के दौरान निगम के दो बांड निर्गमन किये। पहला बाड निर्गमन, अर्थात्, 6% बांड 1987 (दूसरी सीरिज) 23.00 करोड़ रुपये के लिये दिसम्बर, 1977 में एक प्रतिशत के बट्टे पर जारी किये गये। दूसरा बांड निर्गमन, अर्थात् 6-1/4% बांड 1988, 30 करोड़ रुपयें के लिये जून, 1978 में सममूल्य पर जारी किए गये। दोनों निर्गमनों में पूरा-पूरा अभिदान हुआ। निर्गमन के 10% अनुज्ञेय राशि को मिलाकर क्रमशः 25.39 करोड़ रुपये और 33.00 करोड़ रुपये के बांड आबंटित किए गये।

केन्द्रीय सरकार से उधार

70. 30 जून, 1977 को केन्द्रीय सरकार से प्राप्त ऋणों की राशि 50.09 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निगम ने सरकार से के० एफ० डब्ल्यू० ऋणों से पैदा होने वाली ब्याज की निधियों के अधीन 0.46 करोड़ रुपये तथा होटल विकास योजना के अधीन होटल परियोजनाओं को ऋण प्रदान करन के लिए 1.91 करोड़ रुपये उधार लिए जबकि 7.61 करोड़ रुपये की राशि अदा की गई। इस वर्ष के अन्त में ऋणों की बकाया राशि 44.85 करोड़ रुपये थी।

भारतीय रिज़र्व बैंक से प्राप्त ऋण

71. समीक्षाधीन वर्ष में भी पिछले वर्षों की भांति भारतीय रिज़र्व बैंक से ऋण अल्प अवधियों के वास्ते लिए गये। 30 जून, 1978 को इस शीर्षक के अन्तर्गत कोई राशि बकाया नहीं थी।

विदेशी मुद्राओं में प्राप्त ऋण

72. 150 लाख जर्मन मार्क का एक और सोलहवां ऋण निगम को दिया गया। वर्ष के अन्त में उपरोक्त ऋण सहित निगम के पास पश्चिमी जर्मन मार्क का कुल ऋण 1925.0 लाख मार्क हो गया है। निगम ने इनमें से 1805.4 लाख मार्क के उप-ऋण मंजूर किये। अब ये ऋण पूर्णतः संपरिवर्तनीय है, पूंजीगत माल, इंजीनियरिंग जानकारी और सेवाओं आदि के आयात के लिए इनका उपयोग किया जा सकता है।

सरकार ने निगम को जर्मन मार्क उप-ऋणियो से प्राप्त हुई रकमों को विदेशी मुद्राओं में बदलने की स्वीकृति दे दी है और यह अदितास्तल फर वाइडरफब्यू को अदा करने तक औद्योगिक संस्थाओं द्वारा किये गये आयात का वित्तपोषण करने के लिये उपयोग कर सकता है। इस योजना के अधीन निगम पहले ही 40.00 लाख जर्मन मार्क विदेशों में अन्तरित कर दिए हैं और उनके विपरीत 9.9 लाख जर्मन मार्क के उप-ऋण मंजूर किए है ।

सरकार ने यू० के०/भारत पूजी निवेश अनुदान, 1977 और 1978 के अधीन 40 लाख पौंड की अतिरिक्त राशि यू० के० से किए गए आयात का वित्तपोषण करने के लिए निगम को उपलब्ध कराई है। निगम को उपलब्ध कराए गए यू० के० ऋणों की अब कुल राशि 95.0 लाख पौंड हो गई है। इसमें से 45.0 लाख पौंड की राशि के उप-ऋण मंजूर किए गये।

लेकिन वर्ष के दौरान निगम को उपलब्ध कराई गई स्वेडिस क्रोनर निधियों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। भारतीय स्वेडिस विकास सहयोग समझौता, 1976-सामान्य आयात, के अधीन निगम को आवंटित की गई 250 लाख स्वेडिस क्रोनर की राशि में से 202.4 लाख स्वेडिस क्रोनर के उप-ऋण स्वीकार किए गये।

सारणी 24

निधियों के स्रोत तथा उपयोग

(रुपये, करोड़ों में)

	1975–76	1976–77	1977–78	1948–78
(क) निधियों के स्रोत :				
आन्तरिक स्रोत				
1. शेयर पूंजी	—	—	—	10.00
2. कराधान से पूर्व लाभ	4.18	5.46	8.58	73.19
3. उधार लेने वालों द्वारा ऋणों की अदायगी				
क. रुपया ऋण	14.94	15.47	15.35	174.88
ख. विदेशी मुद्रा उप-ऋण	3.49	3.07	2.94	30.50
4. निवेशों की बिक्री/विमोचन	1.08	3.25	0.62	15.99
5. गारंटी दायित्वों के रूप में वसूली	0.04	0.02	0.01	4.76*
उप-जोड़	23.73	27.27	27.50	309.32
	(31.4)	(28.0)	(26.2)	(39.5)
उधार				
6. बांड जारी करके बाजार से	35.80	52.35	58.39	285.42
7. केन्द्रीय सरकार से	2.09	0.74	2.37	114.28
8. भारतीय औद्योगिक विकास बैंक से	—	—	5.00	10.00
9. कुछ ऋणों से सम्बन्धित अधिकारों और हितों के हस्तांतरण द्वारा	—	—	—	9.98
10. विदेशी साख संस्थानों से				
क. संयुक्त राज्य अन्तर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी से अमरीकी डालर में ऋण	—	—	—	19.63
ख. पश्चिमी जर्मनी के ऋदितांस्तल से जर्मनी मार्क में ऋण	2.10	2.11	2.44	30.87
ग. पेरिस के बैंक फ्रांसिस डु कामर्ज एक्सीटिरिये से फ्रांसिसी फ्रांक में ऋण	0.18	0.06	—	2.02
उप-जोड़	40.17	55.26	68.20	472.20
	(53.2)	(56.8)	(64.9)	(60.3)
11. सरकार से विशेष अनुदान**	0.30	0.37	0.46	1.73
	(0.4)	(0.4)	(0.4)	(0.2)
12. प्रारम्भ में नकदी और बैंक शेष	11.30	14.39	8.86	—
	(15.0)	(14.8)	(8.5)	(—)
निधियों के स्रोत : जोड़	75.50	97.29	105.02	783.25
	(100.0)	(100.0)	(100.0)	(100.0)

*इसमें दो संस्थाओं से सम्बन्धित 2,66 करोड़ रुपये और 1.22 करोड़ रुपये सम्मिलित नहीं हैं जो पुनर्स्थापन योजनाओं के अधीन क्रमशः ऋण और शेयरों में संपरिवर्तन करके निपटाए गये।

**के० एफ० डब्ल्यू० ऋण करारों की शर्तों के अधीन ब्याज जन्य अन्तर निधियों में से ।

सारणी 24- (जारी)

(रुपये, करोड़ों में)

	1975–76	1976–77	1977–78	1948–78
(ख) निधियों के उपयोग :				
1. सहायता का संवितरण				
क. रुपया ऋण	38.34	53.59	53.12	447.58
ख. विदेशी मुद्रा उप-ऋण . .	2.99	3.07	3.64	58.48
ग. हामीदारी दायित्वों के रूप में औद्योगिक इकाइयों के शेयरों/डिबेंचरों में अभिदान	2.40	1.72	5.10	37.73
घ. गारंटी दायित्वों के रूप में अदा की गई रकम	0.24	0.16	0.16	10.09
	43.97	58.54	62.02	553.88
उप-जोड़ . .	(58.2)	(60.2)	(59.1)	(70.7)
2. वित्तपोषित संस्थाओं की शेयर पूंजी में संपरिवर्तित ऋण की राशि . . .	0.67	0.77	0.25	1.86
	(0.9)	(0.8)	(0.02)	(0.2)
ऋणों की अदायगी				
3. केन्द्रीय सरकार को अदा किए गए ऋण .	6.86	7.19	7.61	69.43
4. बांडों का विमोचन . . .	—	11.04	2.00	41.28
5. विदेशी साख संस्थानों से प्राप्त ऋणों की अदायगी	2.40	2.19	2.10	28.65
6. अन्य ऋणों की अदायगी . . .	1.93	2.13	2.27	7.22
	11.19	22.55	13.98	146.58
उप-जोड़	(14.8)	(23.2)	(13.3)	(18.7)
अन्य उपयोग				
7. वित्तीय/विकास संस्थानों की शेयर पूंजी/प्रारम्भिक पूंजी में अभिदान . .	0.01	0.06	—	0.78
8. प्रबन्ध विकास संस्थान को आबंटन . .	0.32	0.32	0.57	1.93
9. जोखिम पूंजी प्रतिष्ठान को आबंटन .	—	0.33	0.33	0.66
10. आयकर के लिए व्यवस्था . .	1.48	2.22	3.11	33.13*
11. अधिलाभांश	0.60	0.60	0.65	7.91
12. निवल विविध उपयोग . . .	2.87	3.04	3.01	15.42
	5.28	6.57	7.67	59.83
उप-जोड़ . .	(7.0)	(6.7)	(7.3)	(7.7)
13. अन्त में नकदी और बैंक शेष . .	14.39	8.86	21.10	21.10
	(19.1)	(9.1)	(20.1)	(2.7)
निधियों का उपयोग : जोड़ . .	75.50	97.29	105.02	783.25
	(100.0)	(100.0)	(100.0)	(100.0)

*वास्तव में अदा किया गया 28.01 करोड़ रुपये का आयकर सम्मिलित है।

नोट : कोष्ठकों में दी गई संख्याएं जोड़ के प्रतिशत का द्योतक हैं।

लेखे

73. इस वर्ष का सकल लाभ 857.52 लाख रुपये हुआ जोकि 1976-77 में 545.97 लाख रुपये था। कराधान के लिए 310.52 लाख रुपये (निवल) की व्यवस्था करने के पश्चात् निवल लाभ 1976-77 के 324.00 लाख रुपये की अपेक्षा 547.00 लाख रुपये हुआ।

पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष आरक्षित निधियों मे 481.00 लाख रुपये का विनियोजन किया गया जोकि पिछले वर्ष से 218 लाख रुपये अधिक था।

कर्मचारी कल्याण निधि को 1 लाख रुपये का आबंटन किया गया।

अधिलाभांश

74. इस वर्ष के लाभों में से 163.00 लाख रुपये की राशि सामान्य आरक्षित निधि को अन्तरित करने से यह निधि 14.51 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वर्ष की भांति निगम ने अपनी प्रदत्त पूजी पर 30 जून, 1978 को समाप्त हुए वर्ष के लिए 6-1/2 प्रतिशत का अधिलाभांश देने की घोषणा की।

रिजर्व

75. 30 जून, 1978 को निगम के पास आरक्षित निधियों की कुल राशि 30.66 करोड़ रुपये थी, जिसमें निम्नलिखित शामिल थे:—

(रुपये, करोड़ों में)

सामान्य आरक्षित निधि (औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम की धारा 32 के अधीन)	14.51
आरक्षित निधि (औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम की धारा 32-क के अधीन)	1.00
विशेष आरक्षित निधि (आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (viii) के अधीन)	8.95
संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि	5.45
दातव्य आरक्षित निधि—	
(औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम की धारा 32-ख के अधीन)	0.75
कुल निधियां	30.66

आरक्षित निधियों की राशि प्रदत्त पूंजी से 20.66 करोड़ रुपये अधिक हो गई है। निगम के पास विभिन्न आरक्षित निधियों का ब्यौरा नीचे दिया गया है।

सामान्य आरक्षित निधि

वर्ष के दौरान हुए निगम के लाभों में से इस निधि को 163.00 लाख रुपये की राशि अन्तरित कर देने से इस निधि की कुल राशि 1451.00 लाख रुपये हो गई है।

आरक्षित निधि

30 जून, 1978 को औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम की धारा 32-क के अधीन इस निधि का कुल जोड़ 100.00 लाख रुपये हुआ जो अधिनियम के अनुसार अधिकतम स्वीकार्य राशि है।

विशेष रिजर्व

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) ("8") के अधीन चालू वर्ष के लाभ में से इस निधि को 204.00 लाख रुपये की राशि अन्तरित की गई, जोकि कुल आय का 25 ०/० है। पिछले वर्ष 140.00 लाख रुपये की राशि अन्तरित की गई, जोकि कुल आय का 25 ०/० थी। 204.00 लाख रुपये की इस राशि के अन्तरित हो जाने से विशेष निधि की जमा रकम 894.78 लाख रुपये हो गई थी।

दातव्य आरक्षित निधि

औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम की धारा 32-ख के अधीन समीक्षाधीन वर्ष के लाभों में से दातव्य आरक्षित निधि को 39.00 लाख रुपये की राशि अन्तरित कर दी गई है, जिसका उपयोग निम्नलिखित प्रकार से किया जायेगा :—

(क) व्यावहार्यता अध्ययन, परियोजना रिपोर्टों, मार्केट तथा टैक्नो-इकनोमिक सर्वेक्षणों तथा ऐसे अन्य उद्देश्यों जो औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन दें, के व्यय को पूरा करने के लिए;

(ख) विकास बैंकिंग तथा वित्तीय और औद्योगिक प्रबन्ध के क्षेत्रों में —

(1) शोध करने तथा शोध को प्रोत्साहन देने के लिए;

(2) वित्तीय संस्थानों के कर्मचारियों को भारत तथा बाहर प्रशिक्षण देने के लिए;

(3) विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों तथा शोध प्रतिष्ठानों में चेयरों की स्थापना के लिए।

(ग) व्यावसायिकों तथा नए उद्यमकर्ताओं द्वारा लगाई गई परियोजनाओं को सहायता देने के लिए—

(1) उनको मंजूर ऋणों अथवा अग्रिमों पर निगम की सामान्य ब्याज दर में सहायता,

(2) उनके द्वारा प्रवर्तित परियोजनाओं, विशेषकर औद्योगिक रूप से कम विकसित क्षेत्रों में लगाई गई परियोजनाओं को तकनीकी तथा प्रबन्धकीय सहायता देना।

(घ) उपरोक्त उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सहायक अथवा आकस्मिक सहायता प्रदान करना।

30 जून, 1978 को दातव्य आरक्षित निधि में कुल राशि 75.41 लाख रुपये जमा हो गई है।

संदिग्ध ऋणों के लिए व्यवस्था

वर्ष के अन्त में ऋण खातों की समीक्षा के आधार पर तथा निगम के कार्य क्षेत्र के विस्तार, कुछ संस्थानों के पुनर्स्थापन की योजनाओं के परिपक्व होने में लगने वाले अधिक समय को

ध्यान में रखते हुए संचालकों ने दूरदर्शिता से काम लेकर समीक्षाधीन वर्ष के लाभ में से 75.00 लाख रुपये संदिग्ध ऋणों की आरक्षित निधि को अन्तरित करने का निर्णय किया है जो अब 544.80 लाख रुपए हो गई है।

आयकर के लिए व्यवस्था

76. 30 जून, 1974, 1975, 1976 तथा 1977 को समाप्त हुए वर्षों के लिए कर-निर्धारण की कार्यवाई को वार्षिक लेखा बन्द होने से पूर्व अन्तिम रूप नहीं दिया गया था। अतः वर्ष के लेखे में इनका कोई समायोजन नहीं किया गया है। 30 जून, 1978 को समाप्त हुए लेखा वर्ष के लिए कर लेखे में 310.52 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है।

77. 30 जून, 1978 को समाप्त हुए वर्ष के लिए लाभ-हानि विवरण का सार नीचे सारणी 25 में दिया गया है।

सारणी 25

लाभ-हानि सार— 1977-78

(रुपये, लाखों में)

	इस वर्ष	पिछले वर्ष
इस वर्ष के कारोबार की सकल आय सकल आय में से घटाने के बाद	2894.83	2423.17
बांडों और अन्य ऋणों पर अदा किया गया ब्याज	1764.10	1545.31
अन्य खर्चे	273.21	331.89*
कर के लिए व्यवस्था (निवल)	310.52	221.97
वर्ष का निवल लाभ है	547.00	324.00
समायोजन		
सामान्य आरक्षित निधि को अन्तरित	163.00	38.00
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के अन्तर्गत विशेष आरक्षित निधि को अन्तरित	204.00	140.00
वातव्य आरक्षित निधि को अन्तरित	39.00	25.00
संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि को अन्तरित	75.00	60.00
स्टाफ कल्याण निधि को अन्तरित	1.00	1.00
वर्ष के लिए 10.00 करोड़ रुपये की प्रदत्त शेयर पंजी पर वार्षिक दर से अधिलाभांश की अदायगी	65.00**	60.00***
	547.00	324.00

*इसमें निवेशों की बिक्री से 55.00 लाख रुपये की हुई निवल हानि सम्मिलित है।

**6-1/2 प्रतिशत।

***6 प्रतिशत।

78. पिछले पांच वर्षों के कार्य परिणामों का ब्यौरा सारणी 26 में नीचे दिया गया है।

सारणी 26

(रुपये, लाखों में)

	30 जून को समाप्त हुए वर्ष के लिए				
	1974	1975	1976	1977	1978
1	2	3	4	5	6
उपार्जित ब्याज	1613.24	1683.38	1848.94	2305.76	2736.59
अन्य आय	163.28	98.94	108.98	117.41	162.24
कुल आय	1776.52	1782.32	1957.92	2423.17	2894.83

सारणी 26—जारी (रुपये लाखों में)

1	2	3	4	5	6
अदा किया गया ब्याज . .	1006.52	1131.98	1283.89	1545.31	1764.10
बांडों पर बट्टा और दलाली .	3.68	33.06	51.47	75.77	49.99
स्थापना खर्चे जिसमें चिकित्सा शुल्क तथा खर्च और कर्मचारी भविष्य निधि पर ब्याज भी शामिल है .	89.20	103.50	138.31	112.50	128.15
प्रबन्ध विकास संस्थान को अनुदान .	5.00	5.00	5.00	5.00	5.00
निवेशों की बिक्री से हानि .	71.60	—	9.07	63.90	—
अन्य खर्चे . . .	46.87	49.81	52.55	74.72	90.07
कुल खर्चे . . .	1222.87	1323.35	1540.29	1877.20	2037.31
सकल लाभ . . .	553.65	458.97	417.63	545.97	857.52
कर के लिए व्यवस्था (निवल) .	228.65	198.97	148.13	221.97	310.52
निवल लाभ . . .	325.00	260.00	269.50	324.00	547.00
आरक्षित निधियां . .	264.00	199.00	209.00	263.00	481.00
कर्मचारी कल्याण निधि . .	1.00	1.00	0.5	1.00	1.00
अधिलाभांश . . .	60.00	60.00	60.00	60.00	65.00

संगठन

संचालक बोर्ड

79. औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 10(1)(ख) की शर्तों के अधीन केन्द्रीय सरकार ने श्री एम० दण्डापाणि के स्थान पर आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) के संयुक्त सचिव, श्री एन० आर० रंगानाथन को 24 जून, 1978 से संचालक के रूप में नामित किया। औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम की धारा 10(1)(क क) के अधीन भारतीय औद्योगिक विकास बैंक ने श्री एम० आर० बी० पुंजा और श्री बागा राम तुलपुले को 25 अगस्त, 1977 और डा० जे० सी० संदेसारा को 31 अगस्त, 1977 से संचालकों के रूप में नामित किया।

औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 10(1)(ग) के अधीन अनुसूचित बैंकों का प्रतिनिधित्व करने के लिए निगम की 26 सितम्बर, 1977 को हुई वार्षिक महासभा में श्री पी० सी० डी० नाम्बियार को पुनः संचालक चुना गया। उसी सभा में, औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम की धारा 10(1)(घ) के अधीन बीमा संस्थाओं, निवेश न्यासों और ऐसे ही अन्य संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने के लिए श्री जे० मन्थन पुनः संचालक चुने गए और उक्त अधिनियम की धारा 10(1)(ङ) के अधीन सहकारी बैंकों का प्रतिनिधित्व करने के लिए श्री जसभाई यू० पटेल पुनः निर्वाचित हुए।

श्री सी० एस० वेंकटराव, जो 28 सितम्बर, 1972 से निगम के संचालक थे, उनका 23 अगस्त, 1977 को अचानक देहांत हो गया। श्री वेंकटराव की दुखद और असामयिक मृत्यु पर बोर्ड हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।

बोर्ड श्री एम० दण्डापाणि द्वारा उनके कार्यकाल में की गई अमूल्य सेवाओं की अत्यधिक सराहना करते हैं और नए संचालकों, अर्थात् श्री एन० आर० रंगानाथन, श्री एम० आर० बी० पुंजा, श्री बागा राम तुलपुले और डा० जे० सी० संदेसारा का हार्दिक स्वागत करते हैं।

बोर्ड व अन्य समितियों की बैठकें

80. वर्ष के दौरान बोर्ड की बारह बैठकें हुईं, जिनमें से नई दिल्ली में छः, पूना, चंडीगढ़, फरीदाबाद, पटना, कोचीन तथा बंगलौर में एक-एक बैठक हुई। पहले की भांति जहां दिल्ली से बाहर बोर्ड की बैठकें होती हैं, अध्यक्ष और बोर्ड के अन्य सदस्य राज्य सरकार तथा राज्यों की राजधानियों में आधारित अन्य वित्तीय तथा विकास संस्थानों के कर्मचारियों तथा विकास संस्थानों के कर्मचारियों तथा स्थानीय व्यापार तथा उद्योग संघों या चेम्बरों के प्रतिनिधियों को मिलने का शुभ अवसर प्राप्त करते हैं ताकि राज्य अथवा क्षेत्र के औद्योगिक वातावरण और कुछ वित्तपोषित संस्थाओं की समस्याओं का यथोचित मूल्यांकन हो सके।

वर्ष के दौरान बोर्ड की समितियों की भी पांच बैठकें हुईं :—

सलाहकारी समितियां

वर्ष के दौरान विभिन्न सलाहकारी समितियों की बैठकों की संख्या नीचे दी गई है :—

सलाहकारी समिति का नाम	बैठकों की संख्या
रसायन प्रक्रिया और समवर्गीय उद्योग	6
इंजीनियरिंग	4
चीनी	8
वस्त्र	6
होटल	1
पटसन	8

इन बैठकों में कुल 71 संस्थाओं से विभिन्न प्रकार की वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त हुए आवेदनों पर विचार किया गया।

81. वर्ष के दौरान, निगम की स्थानीय सलाहकारी समितियों का पुनर्मूल्यांकन किया गया और यह निर्णय किया गया कि इनकी सदस्यता को विस्तृत किया जाए और देश में अन्य केन्द्रों पर भी इस प्रकार की समितियों का गठन किया जाये। तदनुसार, राज्यों के औद्योगिक विकास में भागीदार सभी संस्थानों/एजेंसियों को उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए इन समितियों की संरचना विस्तृत की गई। भुवनेश्वर, कोचीन, जयपुर, लखनऊ और पटना में इन समितियों का गठन किया गया। इसके अतिरिक्त अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, कलकत्ता, गोहाटी, हैदराबाद, मद्रास और शिमला में ये समितियां पहले ही काम कर रही हैं। स्थानीय सलाहकार समितियों के पुनर्गठित किए जाने के बाद, वर्ष के दौरान, बंगलौर और भोपाल में इनकी दो बैठकें हुई।

निगम ने पहले की भांति विभिन्न उद्योगों के तकनीकी विशेषज्ञों और सलाहकारों की एक नामिका बनाई ताकि विभिन्न उद्योगों के लिए उनकी विशेषज्ञता का लाभ उठाया जा सके, और अवसर की आवश्यकतानुसार नामिका में सम्बन्धित समिति का सदस्य सहयोजित किया जा सके।

लेखा परीक्षक

82. 30 जून, 1978 को समाप्त हुए वर्ष के लिये भारतीय औद्योगिक विकास बैंक ने मैसर्स ए० एफ० फरगुसन एण्ड कम्पनी, बम्बई को लेखा-परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया। 26 सितम्बर, 1977 को निगम के शेयरधारियों की वार्षिक महासभा में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक को छोड़कर अन्य शेयरधारियों की ओर से उक्त अवधि के लिए मैसर्स हरिभक्ति एण्ड कम्पनी, बम्बई को लेखा परीक्षक चुना गया। मैसर्स हरिभक्ति एण्ड कम्पनी, वर्ष के अन्त में कार्य-निवृत हो जायेंगे, लेकिन वे फिर से चुने जाने के पात्र हैं।

निगम में हिन्दी का प्रगामी प्रयोग

83. काम काज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को प्रोत्साहन देने की सरकारी नीति के अनुरूप निगम हिन्दी के प्रयोग की अभिवृद्धि करने के लिये प्रयत्नशील है। निगम में हिन्दी की प्रगति को देखने तथा प्रगामी प्रयोग सम्बन्धी उठाये गये कदमों पर सुझाव देने हेतु, तीन राजभाषा कार्यान्वयन समितियां प्रधान कार्यालय, बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय तथा दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय, प्रत्येक में एक-एक कार्य कर रही है।

निगम ने अपने अधिकारियों को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों में नामित करने के अतिरिक्त, क्षेत्रीय, शाखा तथा अन्य कार्यालयों में अपने अधिकारियों को सम्पर्क अधिकारी के रूप में भी नामित किया है। ये अधिकारी हिन्दी शिक्षण योजना अधिकारियों से नजदीकी सम्पर्क बनाये रखेंगे और निर्धारित लक्ष्यों की उपलब्धि के लिये उक्त अधिकारियों से प्राप्त हुए सुझावों एवं अनुदेशों को कार्यान्वित करेंगे।

निगम ने भारत सरकार की हिन्दी शिक्षण योजना को भी ग्रहण किया है। योजना के अधीन कर्मचारियों को हिन्दी की विभिन्न परीक्षाओं के लिये तैयार किया जाता है। अभी तक, निगम के 21 कर्मचारियों ने हिन्दी शिक्षण योजना के अधीन आयोजित प्राज्ञ परीक्षा पास की है। इसके अतिरिक्त एक स्टेनोग्राफर, और 9 टाइपिस्टों ने क्रमशः हिन्दी स्टैनोग्राफी और हिन्दी टाइपराइटिंग परीक्षायें पास की हैं। हिन्दी सीखने के लिये प्रोत्साहित करने के लिये एक प्रोत्साहन योजना भी शुरू की है। जिसके अधीन हिन्दी टाईपिंग और स्टैनोग्राफी सहित विभिन्न हिन्दी परीक्षायें उत्तीर्ण करने पर प्रत्येक परीक्षा के लिये 250 रुपये का मानदेय दिया जाता है।

कर्मचारियों का प्रशिक्षण

84. निगम ने अधिकारी विकास के तौर पर, वर्ष के दौरान, प्रबन्ध विकास संस्थान, नई दिल्ली, बैंकर्स ट्रेनिंग कालिज, बम्बई, राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद्, नई दिल्ली, आदि द्वारा आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों में अपने 41 अधिकारियों को प्रशिक्षण के लिये भेजा। प्रधान कार्यालय में दो इन-कम्पनी कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया जिसमें 46 अधिकारियों और 15 सहायकों ने भाग लिया।

जर्मन जनवादी गणराज्य के अन्तर्राष्ट्रीय विकास प्रतिष्ठान द्वारा "औद्योगिक परियोजनाओं के मूल्यांकन" पर पश्चिमी बर्लिन में आयोजित पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिये एक अधिकारी को भेजा गया।

जून, 1977 में भर्ती किये गये प्रबन्ध प्रशिक्षणार्थी पहले दल को लगातार अध्ययन कक्ष और "कार्य पद" प्रशिक्षण प्राप्त होता रहा। क्लर्कों, सहायकों, अधीक्षकों और ऋण-अधिकारियों के स्तर पर स्टाफ के सदस्यों के ज्ञान और कुशलता को नवीनतम बनाये रखने के लिये सेवा-काल प्रशिक्षण की विस्तृत योजनायें बनाई गई हैं।

स्टाफ कल्याण निधि

85. वर्ष के दौरान, स्टाफ कल्याण निधि विनियमों में संशोधन किये गये ताकि कर्मचारियों के आश्रित बच्चों को स्नातकोत्तर अध्ययन करने के लिये छात्रवृत्तियां प्रदान की जा सकें। अभी तक छात्रवृत्तियां केवल विज्ञान, वाणिज्य, व्यापार प्रशासन और व्यापार प्रबन्ध के विषयों में ही स्नातकोत्तर अध्ययन करने पर प्रदान की जाती थीं। इसके अतिरिक्त इन विनियमों में एक नया विनियम भी जोड़ा गया है जिसके अधीन उस कर्मचारी को जो राज्य/राष्ट्रीय स्तर पर मान्यताप्राप्त खेलों और/अथवा सांस्कृतिक गतिविधियों में शीर्ष स्थान प्राप्त करेगा, नकद या वस्तु के रूप में पारितोषिक प्रदान किया जायेगा।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष

86. आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पांडिचेरी के समुद्री तटीय भागों में आये समुद्री तूफान से लोगों के संकटों से राहत देने के लिये निगम ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष को 5.00 लाख रुपये का अनुदान किया। प्रधान कार्यालय तथा अन्य कार्यालयों के कर्मचारियों ने भी उक्त कोष को 8615.10 रुपये का योगदान दिया।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

87. वर्ष के दौरान, अध्यक्ष श्री बलदेव पसरीचा ने, 20-21 अप्रैल, 1978 को बैंकाक, थाइलैंड में हुई एशिया तथा प्रशांत के विकास वित्तीय संस्थानों के संघ की महासभा की पहली बैठक में भाग लिया। सितम्बर-अक्तूबर, 1976 में हुए एशिया और प्रशांत के विकास वित्तीय संस्थानों के छटे क्षेत्रीय सम्मेलन के समय हस्ताक्षरित एशिया तथा प्रशांत के विकास वित्तीय संस्थानों के संघ के संविधान पर निगम ने भी हस्ताक्षर किये हैं। संविधान का मसौदा तैयार करने वाले तीन सदस्यीय तदर्थ दल में श्री पसरीचा भी एक सदस्य थे।

स्टाफ की प्रतिनियुक्ति

88. श्री वी० एस० आर० के० शास्त्री, वरिष्ठ प्रबन्धक को तीन मास की अवधि के लिये राष्ट्रीय औद्योगिक विकास निगम में, उनके लीबिया में कार्यों के सम्बन्ध में प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया था।

श्री एन० कृष्णास्वामी, वरिष्ठ प्रबन्धक (कार्मिक) को 11 सितम्बर, 1978 से छः मास की अवधि के लिये भारतीय प्रबन्ध संस्थान, बंगलौर में प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया है।

रजत जयन्ती स्मृति व्याख्यान

89. पांचवा भारतीय औद्योगिक वित्त निगम रजत जयन्ती स्मृति व्याख्यान 4 अक्तूबर, 1977 को दिया गया। यह व्याख्यान एशियाई विकास बैंक, मनिला के उप-सभापति श्री सी० एस० कृष्णामूर्ति ने दिया। उनके व्याख्यान का विषय था, "विकास बैंक : पनपता हुआ दायित्व"। व्याख्यान की अध्यक्षता, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री जे० एन० सक्सेना ने की। डा० बी० के० मदान, अध्यक्ष, प्रबन्ध विकास संस्थान, नई दिल्ली और डा० सैम्यूल पाल, निदेशक, भारतीय प्रबन्ध संस्थान, अहमदाबाद ने व्याख्यान पर टिप्पणी की।

श्री कृष्णामूर्ति ने अपने व्याख्यान में उल्लेख किया कि विकास वित्तीय संस्थानों का बैंकिंग और वित्तीय कार्यों के विकास पहलू में अधिक बढ़ती हुई रुचि से यह आशा बन्ध गई है कि शीघ्र ही यह ऐसा रास्ता निकाल लेंगे जिससे अन्तर-क्षेत्रीय सम्बन्धों का प्रवर्तन, बाजार विस्तार और उद्योग और कृषि, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, उत्पादन क्षमता और उपयोग क्षमता में अनुपूरक विकास करने की गतिविधियों में अपने आप ही तालमेल स्थापित कर लेंगे। इस सन्दर्भ में, उन्होंने कहा कि विकास वित्तीय संस्थान अपने आप में कुछ नहीं कर सकते, अपितु ये तो मजबूत सरकारी अभियान, कुशल योजना और नीति कौशलताओं के पूरक हैं।

वरिष्ठ प्रबन्ध में परिवर्तन

90. उप-महाप्रबन्धक, श्री पी० एस० गोपालाकृष्णन को 2 जनवरी, 1978 से संयुक्त महाप्रबन्धक के पद पर पदोन्नत कर दिया गया।

डा० एम० पी० खेड़ा, तकनीकी सलाहकार जो तकनीकी विकास महानिदेशालय से प्रतिनियुक्ति पर थे, सरकारी सेवा से स्वैच्छिक निवृत्ति ले लेने पर निगम में संविदा आधार पर 6 फरवरी, 1978 से पहली मार्च, 1979 तक नियुक्त किये गये।

श्री एन० पी० चक्रवर्ती, विशेषकार्य अधिकारी, बढ़ाई हुई पुनर्नियुक्ति अवधि की समाप्ति पर 30 अप्रैल, 1978 को अपने कार्य से भारमुक्त कर दिये गये।

सहायक महाप्रबन्धक, श्री आर० एन० साहू और श्री एम० एन० खुणु को पहली मई, 1978 से उप-महाप्रबन्धक के पद पर पदोन्नत किया गया।

श्री आर० आर० राव, क्षेत्रीय प्रबन्धक, श्री डी० जी० रमैय्या, मुख्य लेखाकार, और श्री एस० के० भट्टाचार्य, क्षेत्रीय प्रबन्धक को पहली मई, 1978 से सहायक महाप्रबन्धक के पद पर पदोन्नत कर दिया गया।

श्री एस० के० मित्रा, सहायक विधि सलाहकार, निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर 31 जनवरी, 1978 से निगम की सेवा से निवृत्त हो गये।

श्री एस० एस० एन० गुप्ता, प्रबन्धक (विधि) को 17 फरवरी, 1978 से सहायक विधि सलाहकार के पद पर पदोन्नत कर दिया गया।

श्री एच० सी० शर्मा, प्रबन्धक और श्री एस० एन० जासवानी, प्रबन्धक को क्रमश: 5 मई, 1978 और 1 मई, 1978 से क्षेत्रीय प्रबन्धक और वरिष्ठ प्रबन्धक के पदों पर पदोन्नत कर दिया गया।

प्राप्त सहायता के लिए आभार प्रदर्शन

91. बोर्ड को भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों तथा अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों, राज्य सरकारों राज्य-स्तर की वित्तीय और विकास संस्थानों से जो सहयोग और सहायता मिली है उसके लिये वह उनकी प्रशंसा करता है। जिन सदस्यों ने निगम की विभिन्न सलाहकारी समितियों में कार्य किया है तथा जिन्होंने विभिन्न ऋणी संस्थाओं के संचालक बोर्डों में निगम द्वारा नामित किये गये संचालकों के रूप में कार्य किया है, बोर्ड उनकी अमूल्य सहायता और सलाह के लिये उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करता है। बोर्ड फ्रदिस्तौस्तल फुर वाइडूफब्यू के प्रबंधक वर्ग, यू० के० सरकार के समुद्र पार विकास मंत्रालय एवं स्वेडिस अन्तर्राष्ट्रीय विकास प्राधिकरण द्वारा निगम को निरन्तर की गई मदद और सहयोग के लिये भी आभार प्रकट करता है। निगम के अधिकारी एवं स्टाफ द्वारा वर्ष के दौरान वफादारी और निष्ठापूर्वक की गई सेवा के लिये बोर्ड उनकी सराहना करता है।

संचालकों की ओर से
बलदेव पसरीचा
अध्यक्ष

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम
नई दिल्ली
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के अंशधारी

हम भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के अधोहस्ताक्षरकर्त्ता लेखा-परीक्षक निगम के 30 जून, 1978 के तुलन-पत्र और लेखों के बारे में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं।

हमने सम्बन्धित वाउचरों और लेखों तथा शाखा कार्यालयों से प्राप्त परीक्षित विवरणियों के साथ संलग्न तुलन-पत्र की जांच कर ली है। ये विवरणियां संलग्न तुलन-पत्र में शामिल कर ली गई है। हम इस बात की रिपोर्ट देते हैं कि हमने जहां कहीं भी कोई स्पष्टीकरण या जानकारी मांगी है, वह हमें संबंधित स्पष्टीकरण या जानकारी दी गई है और वह सन्तोषप्रद रही है। हमारी राय में प्रस्तुत तुलन-पत्र पूर्ण और निष्कपट है और जहां तक हमें जानकारी और स्पष्टीकरण दिये गये हैं और जैसा कि निगम के बहीखातों से पता चलता है, यह तुलन-पत्र निगम के अधिनियम और नियमावली के अनुसार इस प्रकार उचित रीति से बनाया गया है कि इससे निगम के कार्यों का सच्चा और सही चित्र सामने आ जाता है।

स्थान: मद्रास

हरिभक्ति एण्ड कम्पनी
ए० एफ० फरगूसन एण्ड कम्पनी
सनदी लेखापाल

तारीख 28 अगस्त, 1978

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम
नई दिल्ली
30 जून 1978 को तुलन पत्र

क्रम सं०	देयताएं	अनुसूची	इस वर्ष रु०	पिछले वर्ष रु०	क्रम सं०	परिसम्पत्तियां	अनुसूची	इस वर्ष रु०	पिछले वर्ष रु०
(1)	शेयर पूंजी	क	10,00,00,000	10,00,00,000	(1)	रोकड़ और बैंक शेष	छ	21,09,90,626	8,85,90,479
(2)	रिजर्व और आरक्षित निधियां	ख	30,65,98,695	26,37,18,012	(2)	निवेश	ज	25,56,51,232	20,82,66,195
(3)	दीर्घकालीन ऋण	ग	321,06,51,784	264,89,57,143	(3)	ऋण तथा पेशकियां	झ	330,17,57,790	286,42,49,601
(4)	चालू देयताएं तथा व्यवस्थाएं	घ	20,68'28,600	17,69,67,272	(4)	स्थिर परिसम्पत्तियां	ञ	1,03,50,004	87,47,112
(5)	अन्य देयताएं	ङ	4,94,94,886	6,16,63,017	(5)	अन्य परिसम्पत्तियां	ट	9,48,24,313	8,14,52,057
(6)	दुतरफा मदों के अनुसार आकस्मिक देयताएं	च	2,45,38,350	4,05,36,438	(6)	दुतरफा मदों के अनुसार संघटक आधार	ठ	2,45,38,350	4,05,36,438
			389,81,12,315	329,18,41,882				389,81,12,315	329,18,41,882

हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
हरिभक्ति एण्ड कं०
ए० एफ० फरगूसन एण्ड कं०
सनदी लेखापाल

हस्ताक्षर
एन० एस० नागरथ
महाप्रबन्धक

हस्ताक्षर
बलदेव पसरीचा
अध्यक्ष

अनुसूची 'क'
शेयर पूंजी

30 जून, 1978 को तुलन-पत्र के साथ संलग्न तथा उसका भाग

विवरण	इस वर्ष रु०	पिछले वर्ष रु०
अधिकृत :		
पांच-पांच हजार रुपये के 40,000 शेयर	20,00,00,000	20,00,00,000
जारी, अभिदत्त तथा प्रदत्त		
(औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 5 के अन्तर्गत मूलधन की वापसी, अदायगी और न्यूनतम वार्षिक अधिलाभांश की अदायगी के सम्बन्ध में भारत सरकार की गारंटी प्राप्त)		
(1) पूरी तरह से प्रदत्त पांच-पांच हजार रुपये के 10,000 शेयर	5,00,00,000	5,00,00,000
(2) पूरी तरह से प्रदत्त पांच-पांच हजार रुपये के 4,000 शेयर (द्वितीय सिरीज)	2,00,00,000	2,00,00,000
(3) पूरी तरह से प्रदत्त पांच-पांच हजार रुपये के 2,692 शेयर (तृतीय सिरीज)	1,34,60,000	1,34,60,000
(4) पूरी तरह प्रदत्त पांच-पांच हजार रुपये के 3,308 शेयर (चतुर्थ सिरीज)	1,65,40,000	1,65,40,000
	10,00,00,000	10,00,00,000

टिप्पणी :—न्यूनतम वार्षिक अधिलाभांश की गारंटी मद संख्या (1) के लिए 2½ प्रतिशत मद संख्या (2) मद तथा (3) के लिए 4 प्रतिशत और मद संख्या (4) के लिए 4½ प्रतिशत है।

अनुसूची ख

रिजर्व और आरक्षित निधियां

(1) सामान्य आरक्षित निधि (औद्योगिक वित्त अनगम अधिनियम, 1948 की धारा 32 के अन्तर्गत)			
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	12,88,00,000		12,50,00,000
लाभ हानि लेखे से अन्तरित	1,63,00,000		38,00,00
		14,51,00,000	12,88,00,000
(2) आरक्षित निधि (औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 32क के अधीन)		1,00,00,000	1,00,00,000
(3) दातव्य आरक्षित निधि (औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम 1948 की धारा 32ख के अधीन)			
पिछले तुलन-पत्र के अनुसार शेष	88,60,029		1,05,68,752
लाभ-हानि लेखे अन्तरित	39,00,000		25,00,000
	1,27,60,029		1,30,68,752
	52,19,317		42,08,723
घटाइए: उपयोग की गई राशि		75,40,712	88,60,029
(4) विशेष आरक्षित निधि (आयकर अधिनियम, 1961 के धारा 36(1)(viii)के अधीन)			
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	6,90,78,362		5,50,78,362
लाभ हानि लेखे अन्तरित	2,04,00,000		1,40,00,000
		8,94,78,362	6,90,78,362
(5) संदिग्ध ऋणों के लिए रिजर्व			
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	4,69,79,621		4,09,79,621
घटाइए : वर्ष के दौरान बट्टे खाते डाले गए ऋण लाभ हानि लेखे से अन्तरित	75,00,000		60,00,000
		5,44,79,621	4,69,79,621
		30,65,98,695	26,37,18,012

अनुसूची 'ग'

दीर्घकालीन ऋण

30 जून, 1978 को तुलन-पत्र के साथ संलग्न तथा उसका भाग

विवरण	इस वर्ष रु०	पिछले वर्ष रु०
1. बांड (आरक्षित औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 21 के अधीन जारी—भारत सरकार द्वारा गारंटी प्राप्त)		
$5\frac{1}{2}$% बांड 1977	—	2,00,00,000
$5\frac{1}{2}$% बांड 1978	6,12,90,000	6,12,90,000
$5\frac{3}{4}$% बांड 1979	8,24,86,700	8,24,86,700
$5\frac{3}{4}$% बांड 1980	8,33,30,800	8,33,30,000
$5\frac{3}{4}$% बांड 1981	5,50,00,000	5,50,00,000
$5\frac{3}{4}$% बांड 1982	4,95,00,000	4,95,00,000
$5\frac{3}{4}$% बांड 1983	8,80,08,800	8,80,08,000
$5\frac{3}{4}$% बांड 1984	11,00,67,300	11,00,67,300
$5\frac{3}{4}$% बांड 1985	13,16,67,800	13,16,67,800
6 % बांड 1986	7,99,08,000	7,99,08,000
6 % बांड 1984	11,00,12,000	11,00,12,000
6 % बांड 1985	12,47,37,800	12,47,37,800
6 % बांड 1985 (द्वितीय सिरीज)	16,54,79,200	16,54,79,200
6 % बांड 1986 (द्वितीय सिरीज)	19,25,05,400	19,25,05,400
6 % बांड 1986 (तृतीय सिरीज)	32,45,87,200	32,45,87,20
6 % बांड 1987	19,88,73,800	19,88,73,800
6 % बांड 1987 (द्वितीय सिरीज)	25,39,45,500	—
$6\frac{1}{4}$% बांड 1988	33,00,00,000	—
	244,14,00,300	187,74,54,800
2. उधार :		
(1) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 21(4) के अधीन) निगम द्वारा जारी किये गये 5 करोड़ रुपये अंकित मूल्य के 6-3/4% और 6-1/4% तदर्थ बांड पर लिये गये।	9,50,00,000 5,00,00,000	5,00,00,000
(2) भारत सरकार से औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 21(4) के अधीन)	43,12,48,219	48,82,43,503
(3) कविस्तास्तल के साथ समझौते की शर्तों के अनुसार भारत सरकार से	1,72,17,800	1,26,75,000
(4) विदेशी मुद्राओं में विदेशी साख संस्थानों से	22,57,85,465	22,05,83,840
	321,06,51,784	264,89,57,143

अनुसूची 'घ'
चालू देयताएं तथा व्यवस्थाएं

30 जून, 1978 को तुलन-पत्र के साथ संलग्न तथा उसका भाग

विवरण	रु०	रु०	इस वर्ष रु०	पिछले वर्ष रु०
क—चालू देयताएं:				
(1) भारतीय रिजर्व बैंक से अल्पकालीन ऋण—3.25 करोड़ रुपये के अंकित मूल्य के निगम द्वारा जारी किये गये रक्षित बांडों द्वारा (औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 21(3)(ख) के अधीन)			—	25,00,000
(2) फुटकर लेनदार			3,88,06,749	2,00,69,220
(3) प्रोद्भूत ब्याज परन्तु अप्राप्य :				
(क) उधार :				
1. भारत सरकार से	97,34,884			1,03,77,071
2. विदेशी मुद्राओं में विदेशी साख संस्थानों से	3,05,427			3,60,066
	1,00,40,311			1,07,37,137
(ख) बांडों पर	2,26,93,172			2,08,92,495
			3,27,33,483	3,16,29,632
(4) अग्रिम गारंटी कमीशन			84,050	1,37,191
(5) विविध प्रभारों के लिये प्राप्त अग्रिम			2,66,200	1,55,300
(6) दावा न किया गया अधिलाभांश			—	462
(7) विदेशी साख संस्थानों से विदेशी मुद्राओं में वचनबद्धता प्रभार			457	46,393
(8) आवेदकों से मूल्यांकन खर्चों के लिये अग्रिम			3,59,028	2,70,470
			7,22,49,967	5,48,08,668
ख—व्यवस्थाएं :				
(1) विनिमय जन्य उचंत लेखे में			3,11,74,412	2,40,08,574
(2) उचंत डाली गई रकमें :				
(क) ब्याज	6,99,38,840			7,15,84,053
(ख) वचनबद्धता प्रभार	66,311			85,832
(ग) प्रासंगिक प्रभार	2,37,704			2,37,704
(घ) गारंटी कमीशन	1,70,051			1,70,051
कमीशन			7,04,12,906	7,20,77,640
(3) कराधान के लिए व्यवस्था :				
पिछले तुलन-पत्र के अनुसार शेष		13,33,68,358		11,11,71,504
जोड़िए : वर्ष के लिए व्यवस्था		3,29,51,909		2,21,96,854
		16,63,20,267		13,33,68,358
घटाइए : गत वर्षों के लिए समायोजन		4,34,03,110		—
		12,29,17,157		13,33,68,358
घटाइए : स्रोत पर काटा गया कर	81,78,812			1,18,64,518
अथवा किया गया अग्रिम कर	8,82,47,030			10,14,31,450
				11,32,95,968
			2,64,91,315	2,00,72,390
(4) प्रस्तावित अधिलाभांश			65,00,000	60,00,000
			13,45,78,633	12,21,58,604
			20,68,28,600	17,69,67,272

अनुसूची 'ट'
30 जून, 1978 को तुलन-पत्र के साथ
संलग्न तथा उसका भाग

अन्य परिलब्धियां

विवरण	रु०	इस वर्ष रु०	पिछले वर्ष रु०
(क) प्रोद्भूत ब्याज परन्तु अप्राप्य :			
1. बैंकों में जमा राशि पर	4,62,369		3,78,298
2. डिबेंचरों पर	6,08,447		4,97,108
3. ऋणों तथा अग्रिमों पर	6,25,22,936		5,09,78,796
4. अन्य	10,43,743		7,61,569
		6,46,37,495	5,26,15,771
(ख) वचनबद्धता तथा अन्य प्रोदभूत प्रभार		31,33,588	23,54,738
(ग) फुटकर ऋण		1,80,66,124	2,12,38,069
(घ) कर्मचारियों को अग्रिम		41,63,978	35,72,333
(ङ) लेखन सामग्री का स्टाक		1,28,311	1,43,061
(च) टेलीफोन जमा		28,774	36,274
(छ) पूर्वदत्त खर्चे		1,79,582	85,459
(ज) प्रोद्भूत एजेंसी कमीशन		63,103	66,640
(झ) स्टाफ कल्याण निधि की असल परिसम्पत्तियाँ		4,78,158	4,22,512
(ञ) कम्पनी जमा (आयकर पर अधिभार) योजना 1976 के अधीन		9,17,200	9,17,200
(ट) जोखिम पूंजी प्रतिष्ठान को ऋण		30,28,000	—
		9,48,24,313	8,14,52,057

अनुसूची 'ठ'
30 जून, 1978 की तुलन-पत्र के साथ
संलग्न तथा उसका भाग

दुतरफा मदों के अनुसार संघटक आभार

विवरण	इस वर्ष रु०	पिछले वर्ष रु०
(क) भारतीय (औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 23(1)(ख) के अधीन)	87,06,300	1,43,23,700
(ख) विदेशी ऋण गारंटियाँ (औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 23(1)(ग) के अधीन)	1,20,78,902	2,07,88,887
(ग) आस्थागित फांसिसी ऋण मूलधन के लिए	37,53,148	54,23,851
	2,45,38,350	4,05,36,438

अनुसूची 'ञ' 30 जून, 1978 को तुलन-पत्र के साथ संलग्न तथा उसका भाग

विवरण	रु०	रु०	इस वर्ष रु०	पिछले वर्ष रु०
ऋण तथा अग्रिम :				
ऋण तथा अग्रिम				
भारतीय मुद्रा में			3,04,79,25,188	2,60,42,45,786
विदेशी मुद्राओं में . . .			25,38,32,602	26,00,03,815
			3,30,17,57,790	2,86,42,49,601
टिप्पणियां :				
(क) संस्थाओं द्वारा देय ऋण जिनमें निगम के संचालक नामिक संचालक की हैसियत से संचालक के रूप में हितबद्ध हैं . . .			8,81,41,603	3,18,02,332
(ख) वर्ष के दौरान उन संस्थाओं को संवितरित ऋण की कुल रकम जिनमें निगम के संचालक नामित संचालक की हैसियत से संचालक के रूप में हितबद्ध हैं			1,05,87,794	80,00,000
(ग) उन संस्थाओं से मूलधन अथवा ब्याज की किस्तों की कुल अतिदेय रकमें जिनमें निगम के संचालक, संचालक के रूप में हितबद्ध हैं . .			3,61,230	शून्य
अनुसूची—अ				
स्थिर परिसम्पत्तियां :				
1. भूमि पट्टे पर				
पिछले तुलन-पत्र के अनुसार मूल्य . .		14,71,218		14,40,817
वर्ष के दौरान वृद्धि . . .		1,53,854		30,401
			15,25,072	14,71,218
2. निष्कर भूमि तथा भवन :				
पिछले तुलन-पत्र के अनुसार मूल्य . .		59,55,682		31,51,989
वर्ष के दौरान वृद्धियां: . . .		14,06,018		28,03,693
		70,61,700		59,55,682
घटाएः ह्रास मूल्य पिछले साल तक . .	2,18,764			1,49,238
वर्ष के लिए . . .	67,787	2,86,551		69,526
				2,18,674
			70,75,149	57,36,918
3 मोटर कारें, साइकिल, फर्नीचर, जुड़नार, फिटिंग आदि पिछले तुलन-पत्र के अनुसार मूल्य वर्ष के दौरान वृद्धियां/समायोजन वर्ष के दौरान वृद्धियां/समायोजन		30,22,716		26,04,873
		3,82,314		4,50,642
		34,05,030		30,55,515
घटाइए : बेची गई/फेंकी गई . . .		51,348		32,799
		33,53,682		30,22,716
घटाइए : ह्रास मूल्य—				
पिछले वर्ष तक	14,83,740			12,77,440
वर्ष के लिए	2,45,263			2,28,157
	17,29,003			15,05,597
घटाइए : बची गई/फेंकी गई . . .	25,104			21,857
		17,03,899	16,49,783	14,83,740
			1,03,50,004	15,38,976
				87,47,112

अनुसूची 'ङ'

अन्य देयताएं 30 जून, 1977 को तुलन-पत्र के साथ संलग्न तथा उसका भाग

विवरण	रु०	इस वर्ष रु०	पिछले वर्ष रु०
1 सरकार से विशेष अनुदान :			
पिछले तुलन-पत्र के अनुसार शेष	4,26,000		—
कर्विस्तौसल के साथ समझौते की शर्तों के अनुसार अनुदान	46,28,000		37,11,000
	50,54,000		37,11,000
घटाइए : उपयोग की गई राशि	9,00,000		32,85,000
		41,54,000	
2 स्टाफ कल्याण निधि :			
पिछले तुलन-पत्र के अनुसार शेष	5,22,512		4,58,261
घटाइए : उपयोग की गई राशि	44,354		35,749
	4,78,158		4,22,512
जोड़िए : लाभ-हानि लेखे से अन्तरित	1,00,000		1,00,000
		5,78,158	5,22,512
3 औद्योगिक वित्त निगम के कर्मचारी भविष्य निधि		1,21,92,728	1,04,63,505
4 औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 21ख के अधीन अन्तरित ऋणों तथा आग्रिमों में अधिकार एवं के सम्बन्ध में देयता		3,25,70,000	5,02,51,000
		4,94,94,886	6,16,63,017

अनुसूची 'च'

बुतरफा मदों के अनुसार आकस्मिक देयताएं :

1 गारंटियः (औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम 1948 की धारा 23(1)(ख) के अधीन)		87,06,300	1,43,23,700
2 विदेशी ऋण गारंटियां (औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 23(1)(ग) के अधीन)		1,20,78,902	2,07,88,887
3 मूलधन की राशि केलिए अस्थगित फ्रांसिसी ऋण		37,53,148	54,23,851
4 हामीदारी संविदा (औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम 1948 की धारा 23(1)(घ) के अधीन) (पिछले वर्ष, 1,02,25,000–/-)	1,12,88,000		
5 औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 23(1)(च) तथा 23(1)(छ) के अधीन निवेश के रूप में अंशतः प्रदत्त शेयरों के लिए दावा न की गई राशि (पिछले वर्ष—रु० 18,34,825/-)	80,81,352		
		2,45,38,350	4,05,36,438

अनुसूची 'छ'

30 जून, 1978 की तुलन-पत्र के साथ संलग्न तथा उसका भाग

विवरण	रु०	रु०	इस वर्ष रु०	पिछले वर्ष रु०
1. प्रधान कार्यालय तथा शाखाओं में रोकड़ तथा स्टैम्प हाथ में—			26,277	23,192
2. चैक हाथ में तथा वसूली के अधीन			1,97,96,381	2,02,74,209
3. बैंकों में शेष :—				
(क) चालू खाते में :				
भारत में	2,74,37,147			1,81,25,635
विदेशों में	35,489			67,443
		2,74,73,636		1,81,93,078
(ख) जमा खाते में :				
भारत में	14,75,00,000			5,01,00,000
विदेशों में	1,61,94,332			—
		16,36,94,332		5,01,00,000
			19,11,67,968	6,82,93,078
			21,09,90,626	8,85,90,479

अनुसूची 'ज'

निवेश (लागत पर)

1. औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 20 के अधीन कुछ वित्तीय संस्थानों की प्रारम्भिक पूंजी शेयर			71,00,000	71,00,000
2. औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 23(1)(अ) के अधीन :				
		18,52,99,847		14,64,52,290
(क) औद्योगिक संस्थाओं के स्टाक, शेयर, बॉंड तथा डिबेंचर				
(ख) शेयरों, डिबेंचरों आदि पर आवेदन मुद्रा		5,03,250		2,62,500
			18,58,08,097	14,67,14,790
3. औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 23(1)(ब) के अधीन :				
(क) शेयर :		4,41,18,395		3,66,03,515
(ख) शेयरों के लिए अदा की गई आवेदन मुद्रा		—		—
			4,41,18,395	3,66,03,515
4. औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 23(1)(स) के अधीन :				
डिबेंचर		—		7,65,000
औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 23(1)(स) के उपबन्ध के अधीन लिए गये शेयर		1,86,24,740		1,70,82,890
			1,86,24,740	1,78,47,890
			25,56,51,232	20,82,66,195
(क) कथित निवेश				
पुस्तक मूल्य			10,28,54,340	9,50,64,835
बाजार मूल्य			11 20,02,192	9,14,22,467
(ख) निवेश, जिनके लिए मूल्य विवरण उपलब्ध नहीं हैं ।				
पुस्तक मूल्य			15,27,96,892	11,32,01,360

टिप्पणियां—लेखे का भाग

1. निगम द्वारा गृहीत निवेशो के मूल्य के लिए उचित व्यवस्था नही की गई है क्योकि निगम का विचार है कि विकास बैंक के कार्यों मे इस प्रकार का ह्रास सामान्य रहता है ।

2. औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 23(1)(घ) के अन्तर्गत तीन कम्पनियो (पिछले वर्ष दो कम्पनिया) के 17 69 लाख रुपये (पिछले वर्ष 11 85 लाख रुपये) साधारण पूजी के रूप मे नियोजित राशि शामिल है, कम्पनियो ने ऐच्छिक परिसमापन कर दिया है और सम्भवत निगम की नियोजित पूरी राशि वसूल न की जा सकेगी । इसके लिए कोई विशेष व्यवस्था नही की गई है ।

3. ऋणो और अग्रिमो मे 309 75 लाख रु० (पिछले वर्ष 156 04 लाख रु०) शामिल है जिनमे सम्बन्धित अधिकार तथा वित्त औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 21(ख) के अधीन हस्तान्तरित किये गये ।

4. फुटकर ऋणो मे एक राज्य सरकार से ली जाने वाली 82 50 लाख रु० (पिछले वर्ष 105 00 लाख रु०) की राशि शामिल है, जो कि चार वार्षिक किश्तो के रूप मे पुनर्स्थापन योजना के कारण वित्त पोषित सस्था के शेयरो के बेचने से देय है ।

5. निवेश मे, 6.36 लाख रु० की राशि शामिल नही है (वास्तव आरक्षित निधि के उपयोग से 3 51 लाख रु० और विशेष अनुदान से 2 85 लाख रु०) जो कि निगम के प्रवर्तन कार्यों के तौर पर तकनीकियो और उद्यमियो द्वारा प्रवर्तित परियोजनाओ को सहायता प्रदान करने की दृष्टि से कुछ तकनीकी सलाहकारी सगठनो के शेयरो मे सममूल्य पर पिछले वर्षों मे निगम न विनियोजित किये थे ।

6. जिस एक कोयला खनन और कुछ वस्त्र कम्पनियो का सरकार ने अधिग्रहण कर लिया था, उनसे तुलन-पत्र की तारीख के दिन कुल 366.00 लाख रु० (पिछले वर्ष 366 00 लाख रु०) बकाया थे । यह निश्चित नही हो पाया है कि मुआवजे की राशि मे से अथवा गारटरो से कितनी राशि वसूल हो सकेगी । इसके अतिरिक्त तुलन-पत्र की तारीख को कुछ कम्पनियो से 709 56 लाख रु० देय थे जिनकी देयताये औद्योगिक विकास एव नियमन अधिनियम के अधीन अवरुद्ध हो गई है । उक्त लेखे में पडी रकमो, निवल कर आधार पर सदिग्ध ऋणो के लिए आरक्षित निधियो को देखने के बाद ऐसा माना गया है कि सदिग्ध ऋणो, अग्रिमो और फुटकर देनदारो के लिए उचित व्यवस्था है ।

7. पहले से चली आ रही व्यवस्था के अनुसार निगम द्वारा लिये गये विदेशी मुद्रा ऋणो का रुपये मे सपरिवर्तन अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की सम दरो के अनुसार होगा, अर्थात 1.00 डालर-7 50 रुपये और 1 00 ज० मा०-2 05 रुपये । 30 जून, 1978 को लागू टेलिग्राफिक ट्रासफर विक्रय दरो पर इन ऋणो का मूल्य 43 36 करोड रुपये था (पिछले वर्ष 39 70 करोड रुपये) उप ऋणियो को दिये गये विदेशी मुद्रा मे उप ऋणो का गणन विनिमय की विभिन्न दरों के अनुसार किया गया है । 30 जून, 1968 को लागू टेलीग्राफिक ट्रासफर विक्रय दरो के अनुसार इन उप-ऋणो की राशि 41 96 करोड रुपये होगी (पिछले वर्ष 40 97 करोड रुपये) ।

8. विनिमय अन्तर सदिग्ध लेखा तुलन-पत्र की तारीख को वास्तव मे हुए कुल विनिमय अन्तर का द्योतक है, निगम द्वारा अपनाये गये आधार के अनुसार औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम की धारा 27(4) के अधीन ली जाने वाली हानि की राशि 30 जून, 1978 को 32 79 लाख रु० थी (पिछले वर्ष 21 24 लाख रु०) विनिमय से हानि को पूरा किये जाने से सम्बन्धित प्रस्ताव सरकार के पास भेजे गये है, लेकिन सरकार का निर्णय मिलने तक इस सम्बन्ध मे निगम के खातो में कोई व्यवस्था नही की गई है ।

9. वर्ष के दौरान 13 59 लाख रु० की राशि (पिछले वर्ष 31 45 लाख रु०) सदिग्ध ब्याज लेखे से ब्याज लेखे को अन्तरित कर दी गई, क्योकि ये बकाया ब्याज की रकमें प्राप्त हो गई हैं ।

10. 'आकस्मिक देयताओ' के अन्तर्गत विदेशी मुद्रा मे अभिव्यक्त 235 15 लाख रु० की आकस्मिक देयताये शामिल है, जो कि विभिन्न तारीखो को लागू विनिमय दरो के अनुसार है । तुलन-पत्र की तारीख को लागू विनिमय दरो के अनुसार यह राशि 297 56 लाख रु० होगी ।

11. आयकर के विभाग के सकेत पर जिन मामलो मे निगम के पक्ष में फैसला हुआ है, ट्रिब्यूनल/उच्च न्यायालय मे अपील/सदर्भ किया गया है । ट्रिब्यूनल/उच्च न्यायालय मे विचाराधीन इन अपीलो/सदर्भों मे तुलन-पत्र की तारीख को सम्बन्धित राशि 58 19 लाख रुपये है (पिछले वर्ष 59 08 लाख रुपये) ।

12. ब्याज आय मे 31 23 लाख रुपये (पिछले वर्ष 46 43 लाख रुपये) शामिल नही है, यह राशि उन ऋणो तथा अग्रिमो का ब्याज है जिनके अधिकार तथा जिन औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 21ख के अधीन हस्तान्तरित किये गये है, यह राशि हस्तान्तरी को देय ब्याज की राशि से अलग रख दी गई है ।

13. कुछ लेखो पर ब्याज आभारित नही किया गया है जिनमे न्यायालय से डिक्रियां ली गई है अथवा निगम ने ब्याज आभारित न करने का निर्णय लिया है । इसके अतिरिक्त उन मामला मे उस वर्ष ऋणियो के खातो के ब्याज हामीदारी प्रभार, कमीशन आदि नही डाला गया है, जिनमे बकाया को प्राप्त करने की सभावना कम समझी गई है ।

14. 'अन्य व्यय' मे समुद्री तूफान से राहत प्रदान करने के लिये प्रधान मन्त्री राष्ट्रीय राहत कोष मे अनुदान की गई 5 00 लाख रुपये (पिछले वर्ष शून्य) की राशि सम्मिलित है ।

15. पिछले वर्ष के आकडो को आवश्यकतानुरूप तुलनात्मक बनाने के लिये पुन एकत्रित किया गया है ।

परिशिष्ट 'क'

1 जुलाई, 1977 से 3 जून, 1978 तक भारतीय औद्योगिक वित्त निगम द्वारा मंजूर की गई वित्तीय

क्रम सं० संस्था का नाम तथा परियोजना का स्थान	परियोजना	वित्त के साधन					
		साधारण शेयर	अधिमान शेयर	ऋण	आस्थागित अदायगी	अन्य (आंतरिक प्रोद्भुत को मिलाकर	जोड़
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
आंध्र प्रदेश							
1. मै० आन्ध्र सिमेंट कं० लि०, (1) विशाखापत्तनम, (2) नवीकुंडी : जि० : गंतुर (3) विजयवाड़ा, जिला : कृष्णा अध्यक्ष : विनोद नारायण प्रबन्ध निदेशक : एम० पी० जैन	625.00	—	—	480.00	—	145.00	625.00
2. मै० आन्ध्रप्रदेश कंबाईड लि०, कैलूर जिला : कुरनुल (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष : पी० रामचन्द्र रेड्डी प्रबन्ध निदेशक : एन० वी० जनार्दनराव	623.00	214.00	—	331.70	62.30	15.00	623.00
3. मै० जैय वन्ती लैदर्स लि०, कम्बक्कम रिजर्व फोरेस्ट, जिला : चित्तौड़, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष : आर० एन० रेड्डी प्रबंध निदेशक : के० रंगा राव	240.00	75.00	—	155.00	—	10.00	240.00
4. मै० चौदावर्म कोओपरेटिव सुगर लि०, गोवदा, जिला : विशाखापट्टनम, प्रबंध निदेशक : एन० मदनमोहन रेड्डी	160.00	18.00	20.00	80.00	—	42.00	160.00

परिशिष्ट 'क'

सहायता का विवरण

(रुपये, लाखों में)

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम द्वारा मंजूर की गई वित्तीय सहायता (सकल)					जोड़	परियोजना विवरण अथवा सहायता का विवरण
रुपया ऋण	विदेशी मुद्रा ऋण (रुपये के बराबर)	हामीदारियां साधारण	डिबेंचर	गारंटियां		
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
120.00	—	—	—	—	120.00	प्रतिवर्ष 2.5 लाख टन पोर्टलैंड बलास्ट भट्टी कचरा सीमेंट बनाने के लिये विशाखापत्तनम में कचरा पिसाई इकाई लगाकर और विजयवाड़ा के सीमेंट संयंत्र और नदीकुडी की चूना पत्थर खान के लिये कुछ साज सामान का पुर्नस्थापन एवं हैंडलिंग सामान को को प्राप्त करके आधुनिकीकरण-व-विशाखन योजना।
75.00	—	25.00	—	—	100.00	प्रतवर्ष 27,000 टन कैलशियन कार्बाईड का उत्पादन करने के लिए नई परियोजना लगाना।
40.00	—	8.00	—	—	48.00	प्रतिवर्ष 1.32 लाख खाल के टुकड़ों तथा 15.75 लाख चर्म के टुकड़ों के प्रोसैसिंग करने के लिये नई परियोजना।
40.00	—	—	—	—	40.00	गन्ना पेरने की क्षमता 1250 टन दैनिक से 16000 टन, दैनिक बढ़ाने के लिए विस्तार योजना।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
5.	मै० इटीको पाका को० एग्रीकल्चरल एण्ड इण्डस्ट्रीयल सोसाइटी लि०, दाराल-पूडी जिला : विशाखापट्टनम, सभापति : आर० एस० कृष्णामूर्ति राजू, सचिव : सी० पी० बांगरा राजु।	275.50	29.86	25 00	200.00	—	20.64	275.50
6.	मै० हिन्दुस्तान पोलिमस लि० विशाखापट्टनम अध्यक्ष : डा० चरत राम	60.00	—	—	60.00	—	—	60.00
7	मै० इण्डियन ग्रेनाइट लि०, बेंगारुपल्लम जि० : चित्तोड़ (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रस्तावित प्रबन्ध निदेशक : एल० वी० प्रसादराव	174 00	55.00	—	104.00	—	15.00	174.00
8.	मै० जय इंजीनियरिंग वर्क्स लि०, हैदराबाद अध्यक्ष : डा० चरत राम पूर्णकालिक निदेशक बिशन सहाय (श्री राम ग्रुप)	417.00	—	—	333.0	—	84.00	417.00
9	मै० कौनेरू पेपर्स लि०, वीरमुलुरु जि०-कृष्णा अध्यक्ष : के० आर० शास्त्री, आई०ए०एस० प्रबन्ध निदेशक : एम० राघवराम।	323.00	123.00	—	200.00	—	—	323.00
10.	मै० कोवुर कोआ० सूगर फैक्टरी लि०, पोथी रेड्डी पालेम, जि० नेलोर (अधिसूचित पिछड़ा जिला प्रबन्ध निदेशक : आर० कोडनड्रामारेड्डी	600.00	70 00	155.00	375.00	—	—	600.00

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
50.00	—	—	—	—	50.00	अन्य बातों के साथ-साथ प्रतिदिन 1000 टन से 1500 टन गन्ने पेरने की क्षमता बढ़ाने लिए आधुनिकीकरण व विस्तार योजना ।
15.00	—	—	—	—	15.00 (प्रति)	एक कोल फार्यड बायलर की स्थापना ।
—	15.93 (ज० मा०)	6.30*	—	—	22.23	प्रतिवर्ष 54,000 वर्गमीटर बचे ग्रेनाइट टुकड़ों को अर्द्ध पोलिस व पालिस्ड टुकड़ों में प्रक्रियारत करने के लिए नई परियोजना ।
40.00	8.01 1·1 39.04 (स्वे० क्रो०)	—	—	—	87.05 (प्रति)	प्रतिवर्ष प्रत्येक 6 लाख नोजलों, एलिमेंटो और डिलीवरी वाल्वों एवं प्रत्येक 1.2 लाख नोजल होल्डरों और सिंगल सिलेंडर पम्पों का निर्माण करने के लिये विस्तार ।
50.00	—	15.00	—	—	65.00	प्रतिदिन 25 टन, लिखाई, छपाई और विशेष कागज का उत्पादन करने के लिए नई परियोजना बनाना ।
86.00	—	—	—	—	86.00	प्रतिदिन 1250 टन गन्ना पेरने की क्षमता वाली नई चीनी फैक्टरी लगाना ।

*प्रत्यक्ष अभिदान, ज० भा०-जर्मन मार्क/(1–1) पौंड (स्वे० क्रो०—स्वेडिश क्रोनट)

परिशिष्ट 'क'—जारी

1	2	3	4	5	6	7	8	9
11.	मै० नंदयाल कोआ० सूगर्स लि०, अय्यलर, जि०-कुरनूल, (अधिसूजित पिछड़ा जिला) प्रबंध निदेशक - टी० एन० कृष्णामूर्ति	595.00	65.00	155.00	375.00	—	—	595.00
12.	मै० नवभारत फरो एलो-एस लि०, पलोन्चा, जि० खम्माम (अधिसूचित पिछड़ा जिला)। अध्यक्ष : टी० एन० विश्व-नाथ रेड्डी	263.00	20.00	—	80.00	65.00	98.00	273.00
13.	मै० सिवहर्ष होटल्स लि०, हैदराबाद प्रबन्ध निदेशक : पी० आर० जी० रेड्डी	100.0	35.00	—	65.00	—	—	100.00
बिहार								
14.	मै० बेलसंड सूगर क० लि०, रीगा जि०-सीतामढ़ी (अधिसूचित पिछड़ा जिला) निदेशक : एच० पी० धनुका	45.00	—	—	35.00	—	10.00	45.00
15.	मै० बिहार होटल्स लि०, पटना अध्यक्ष : सत्यदेव प्रकाश सिन्हा प्रबन्ध निदेशक : शैलेंद्र प्रकाश सिन्हा	22.17 (अति-व्यय)	—	—	14.00	—	8.17	22.17
16.	मै० बिहार फिनिस्ड लैदर लि०, (1) बटिहा, जि०-वेस्ट चम्पारन (2) बरौनी, जि० बेगूसराय (3) मुजफ्फरपुर, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेशक : ए० आर० स्वामीनाथन	501.60	147.00	—	224.60	—	130.00	501.60

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
105.00	—	—	—	—	105.00	प्रतिदिन 1250 टन गन्ना पेरने की क्षमता वाली नई चीनी फैक्टरी लगाना ।
40.00	—	—	—	—	40.00	प्रतिवर्ष 10,000 टन के 20,000 टन फैरो सिलीकोन की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिये विस्तार योजना ।
35.00	—	5.00*	—	—	40.00	128 कमरों वाले नये 2-स्टार होटल का निर्माण ।
35.00	—	—	—	—	35.00	1400 टन दैनिक गन्ना पेरने की क्षमता वाले कंपनी के चीनी संयंत्र का आधुनिकीकरण ।
14.00	—	—	—	—	14.00 (अती०)	80 दोहरे कमरों वाले नये 5-स्टार होटल की लागत में आधे अति व्यय के कुछ भाग को पूरा करना ।
60.00	—	15.00	—	—	75.00	बटिहा के स्थान पर प्रतिवर्ष 1,50,000 गीली नीली खालों एवं मुज्जफरपुर के स्थान पर 7,50,000 गीली नीली चर्मों की प्रोसेसिंग करने के लिये नई परियोजना लगाना ।

*प्रत्यक्ष अभिदान

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
	अध्यक्ष : एन० के० भारद्वाज (बिहार राज्य सरकार क०)।							
17.	मै० हसदवा मैटल और ट्यूबस लि०, जयसिद्धि जि० - सन्थालपरगनास (अधिसूचित पिछड़ा जिला)। अध्यक्ष : श्रीमति दुर्गेश्वरी साही,	40.00 (अति-व्यय)	5.00	—	35.00	—	—	40.00
18	मै० हरीनगर सूगर मिल्स लि०, हरिनगर जि : वेस्ट चम्पारन, (अधिसूचित पिछड़ा जिला)। निदेशक : बालकृष्ण लाल एन० पीटी	145.00	—	—	100.00	—	45.00	145.00
19.	मै० मोतीलाल पदमपत उद्योग लि०, मझोलिया, जि० वेस्ट चम्पारन (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक: एम० पी० झुनझुनवाला	130.00	—	—	104.00	—	26.00	130.00
20.	मै० रोहतास इंडस्ट्रीज लि० डालमियानगर, जि० : रोहतास सभापति : ए० के० जैन, (साहू-जैन ग्रुप)	36.66*	—	—	36.66	—	—	36.66
21.	मै० टीनप्लेट क० आफ इण्डिया लि०, जमशेदपुर, जि०-सिंहभूम, अध्यक्ष : एच० सी० सरीन प्रबन्ध निदेशक : ए० चक्रवर्ती (भारतीय तेल ग्रुप)	810.00 (अति-व्यय)	—	—	455.00	—	355.00	810.00
22.	मै० उषा ओएल उद्योग लि०, आदित्यपुर, जि० : सिंहभूम, निदेशक : ब्रज किशोर झावर	95.00	40.00	—	55.00	—	—	95.00

*अतिरिक्त लागत का द्योतक है। परियोजना लागत का गणन वर्ष 1976–77 में किया जा चुका है।

परिशिष्ट 'क'—जारी

10	11	12	13	14	15	16
15.00	3.88 (ज० मा०)	4.30	—	—	23.18 (अति०)	प्रतिवर्ष 1200 टन की विस्थापित क्षमता से तांबा और तांबा अलोए ट्यूबों का निर्माण करने के लिये लगाई गई नई परियोजना में आए अति-व्यय के कुछ भाग को पूरा करना।
25.00	—	—	—	—	25.00	अन्य बातों के साथ-साथ प्रतिदिन गन्ना पेरने की क्षमता 1524 अ टन से 1920 टन बढ़ाने के लिये आधुनिकीकरण व विस्तार ।
48.00	—	—	—	—	48.00	अन्य बातों के साथ-साथ प्रतिदिन गन्ना पेरने की क्षमता 1525 टन से 2000 टन बढ़ाने के लिये आधुनिकीकरण व विस्तार योजना।
56.57	—	—	—	—	56.57 (अति०)	प्रतिवर्ष 60,000 टन से 75,000 टन कागज का उत्पादन बढ़ाने के लिये विस्तार योजना।
60.00	—	—	—	—	60.00 (अति०)	प्रतिवर्ष 90,000 टन से इलेक्ट्रोलिटिक टीन प्लेट टीन रहित चादरें बनाने के लिये लगाई गई परियोजना के विस्तार लागत में आये अति-व्यय के कुछ भाग को पूरा करना ।
—	—	3.00	—	—	3.00	प्रतिवर्ष 2500 साल एवं महुआ के बीजों के अश्वाश्रय तेलों को पेरने के लिये नई परियोजना लगाना ।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
	गुजरात							
23.	मै० अहमदाबाद काटन मैन्युफैक्चरिंग क० लि० अहमदाबाद, अध्यक्ष : जयन्तीलाल भिखाभाई, प्रबन्ध निदेशक : चीनभाई भिखाभाई मेहरा जयन्ती लाल	155.40	—	—	104.00	—	51.40	155.40
24.	मै० अहमदाबाद इलैक्ट्रिक क० लि०, साबरमती, अहमदाबाद अध्यक्ष : रविशंकर सन्तोष राम भट्ट, मुख्य कार्यकारी : के० एन० राय	650.00 (अति-व्यय)	—	—	650.00	—	—	650.00
25.	मै० अनिल सिन्थेटिक्स लि०, अहमदाबाद, निदेशक : एन० आर० वामानी	195.50	10.00	10.00	160.00	—	15.50	195.50
26.	मै० बड़ौदा रेयन कार्पोरेशन लि०, उढ़ाना, जि०—सूरत अध्यक्ष : फतेहसिंह राव पी० गायकवाड़	46.70	—	—	—	46.70	—	46.70
27	मै० भारत विजय मिल्स लि०, कलोल जि०-मेहसाना (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष : जयकृष्ण हरीवल्लभदास प्रबन्ध निदेशक : डी० बी० पटेल	296.96	—	—	180.00	—	116.96	296.96
28.	मै० बड़ौच टैक्सटाईल मिल्स लि०, बड़ौच (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष : जयकृष्ण हरिवल्लभदास, अध्यक्ष : बी० के० कनौरिया	205.00	—	—	150.00	—	55.00	205.00

*विदेशी ऋण गारन्टी

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
26.00	—	—	—	—	26.00	कम्पनी की दो वस्त्र इकाइयों का आधुनिकीकरण।
25.00	—	—	—	—	25.00 (अति०)	बिजली की उत्पादन एवं वितरण क्षमता 217.5 मेगावाट बढ़ाने के लिये विस्तार योजना की लागत में हुए अति-व्यय के कुछ भाग को पूरा करना।
40.00	—	—	—	—	40.00	कम्पनी की 85,032 तकुओं और 438 खड्डियों वाली संचालित वस्त्र मिल की आधुनिकीकरण योजना।
—	—	—	—	27.97*	27.97* (अति०)	प्रतिवर्ष 1800 टन नाइलोन 6 वस्त्र धागे के उत्पादन सम्बन्ध में आयात किए गए कुछ उपकरणों की विदेशी मुद्रा लागत में बढ़ौतरी को पूरा करना।
45.00	—	—	—	—	45.00	कम्पनी की 36832 तकुओं और 592 खड्डियों वाली संयुक्त मिल को आधुनिकीकरण।
37.50	—	—	—	—	38.50	कम्पनी की 39,320 तकुओं और 659 करघों वाली संकलित मिल का आधुनिकीकरण

परिशिशट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
29.	मै० गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स क० लि०, बड़ौच (अधिसूचित पिछड़ा जिला)। अध्यक्ष : जयकृष्ण हरि-वल्लभदास प्रबन्ध निदेशक : एम० सिवगननाम, (आई०ए०एस०)	27000.00	5400.00	—	215.00	—	—	27000.00
30.	मै० गुजरात स्टेट मशीन टूल्स कार्पो० लि०, बार्तेज, जिला-भावनगर, (अधिसूचित पिछड़ा जिला)। अध्यक्ष : डा० एस० एम० पाटिल प्रबन्ध निदेशक : आर० एन० मल्हान	667.00	225.00	—	442.00	—	—	667.00
31.	मै० मफतलाल फाईन स्पीनिंग एण्ड मनुफैक्चारिंग कम्पनी लि०, (1) नवसरी जि० बुल्सर (2) मजगांव, बम्बई, महाराष्ट्र अध्यक्ष : अरविन्द एन० मफतलाल, प्रबन्ध निदेशक : पी० के० साह (मफतलालग्रुप)	660.00	—	—	320.00	—	340.00	660 00
32.	मै० महेश्वरी मिल्स लि०, अहमदाबाद अध्यक्ष : डा० मोहनलाल पिरमल	139.00	14.00	—	120.00	—	5.00	139.00
33.	मै० नवसारी काटन एण्ड सिल्क मिल्स लि०, नवसारी, जिला : बुल्सर, अध्यक्ष : एफ० के० एफ० नारीमन	247.00	—	—	207.00	—	40.00	247.00
34.	मै० ओरिएंट एब्रासिस लि०, धारणपुर जि० जूनागढ़ (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेशक आर० एल० राजगढ़िया	93.78	—	—	48.78	—	45.00	93.78

*बाद मे रद्द कर दी गई

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
1000.00	—	100.00	—	—	1100.00	प्रतिदिन 1350 टन अमोनिया और 1800 टन यूरिया को उत्पादन करने के लिये नई परियोजना लगाना ।
100.00	—	20.00	—	—	120.00	प्रतिवर्ष 390 मि० मि० स्वींग-ओवर-हैड प्रीसीजन केंद्र लैंथों का उत्पादन करने के लिये नई परियोजना लगाना ।
80.00	—	—	—	—	80.00	कम्पनी की नवसारी और बम्बई में स्थित दो संकलित वस्त्र इकाईयों का आधुनिकीकरण व नवीकरण
30.00	—	—	—	—	30.00*	29608 तकुओं और 536 करघों वाली कम्पनी की संकलित वस्त्र मिल का आधुनिकीकरण ।
33.00	—	—	—	—	33.00	कम्पनी की 32132 करघों और 600 खड्डियों वाली संकलित वस्त्र मिल का आधुनिकीकरण एवं पुर्नस्थापन ।
16.28	—	—	—	—	16.28 (प्रति०)	प्रतिवर्ष 5500 मि० टन से 9000 मि० टन अलमोनियम आक्साईड अब्रेसिव दानों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने और प्रतिवर्ष 1500 टन ।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
35	मै० श्री तलाला तालुका सहकारी खण्ड उद्योग मण्डली लि०, तलाला जि०-जूनागढ़ (अधिसूचित पिछड़ा जिला)। प्रबंध निदेशक : एच० एस० शाह	659.00	65.00	160.00	400.00	—	34.00	659.00
36	मै० वालसद सहकारी खण्ड उद्योग मण्डली लि०, परनेरा पारदी, जि०-वालसद प्रबन्ध निदेशक : जे० एस० शिनोलिकर,	654.00	65.00	160.00	400.00	—	29.26	654.26
37.	मै० विजया मिल्स क०, लि०, नारोवा रोड़, अहमदाबाद, अध्यक्ष : नंदवास हरीदास, प्रबन्ध निदेशक : चरन-दास हरीदास, महेंद्रभाई नंदवरस।	129.50	—	—	108.00	—	21.50	129.50
	हरियाणा							
38.	मै० एसकोर्ट्स इम्पलाईज एन्सिलरीज लि०, जि०-गुड़गांव निदेशक-एस० डी० एस० मोंगिया व० पी० मोटी,	8.99 अप्रतिव्यय	—	—	6.60	—	2.39	8.99
39.	मै० हरियाणा शीट ग्लास लि०, सबली जि० सोनीपत	*	—	—	—	—	—	—
40	मै० गोपी चन्द टैक्सटाईल मिल्स लि०, सिरसा जि०-हिसार (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबंध निदेशक : डी० पी० आहुजा	20.00	—	—	12.00	—	8.00	20.00

*परियोजना लागत का गणन वर्ष 1975-76 में किया जा चुका है।

**बाद में रद्द कर दी गई।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
100.00	—	—	—	—	100.00	प्रतिदिन 1250 टन गन्ना पेरने की क्षमता वाली नई चीनी फैक्टरी लगाना।
100.00	—	—	—	—	100.00	प्रतिदिन 1250 टन गन्ना पेरने की क्षमता वाली नई चीनी फैक्टरी लगाना।
27.00	—	—	—	—	27.00	कम्पनी की 46,600 तकुओं और 842 खड्डियों वाली संकलित वस्त्र मिल का विस्तार।
6.60	—	—	—	—	6.60 (अति०)	प्रतिवर्ष 75000 कारबुरेटरों का उत्पादन करने में लिये लगाई गई नई परियोजना की लागत में और अतिव्यय के कुछ भाग को पूरा करना।
—	—	2.00	—	—	2.00 (अति०)	प्रतिवर्ष 28.1 लाख वर्ग मीटर की विस्थापित क्षमता से कांच की चादरों का निर्माण करने के लिये नई परियोजना।
12.00	—	—	—	—	**12.00	तकुओं की संख्या 18592 से 21200 बढ़ाने के लिए विस्तार योजना।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
41.	मै० इन्डो-स्वीस टाइम लि०, इन्डेहड़ा, जि०-गुड़गांवा प्रस्तावित अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक : प्रेमचन्द गुप्ता	539.00	191.00	—	348.00	—	—	539.00
42.	मै० सरस्वती इण्डस्ट्रियल सिन्डिकेट लि०, यमुनानगर जि०-अम्बाला अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक : डी० डी० पुरी	173.00	—	—	125.00	—	48.00	173.00
43.	मै० तिरुपति तक्लन मिल्स लि०, समीप-सोनीपत निदेशक : भीमराज भूंवालका मुरारीलाल भूंवालका। हिमाचल प्रदेश	***	—	—	—	—	—	—
44	मै० गैबरियल इण्डिया लि०, परवानू, जि०-सोलन, (अधिसूचित पिछड़ा जिला)। प्रबन्ध निदेशक—वी० आर० सिन्हा, अध्यक्ष : दीप चन्द आनन्द	690.00	121.50	—	465.31	—	103.19	690.00
45.	मै० खन्ना वाचस लि०, परवानू जि० सोलन (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेशक —अशोक खन्ना जम्मू और काश्मीर	130.00	32.50	—	80.63	0.62	16.25	130.00
46.	मै० हिमालयन वूल चैम्बर्स प्राईवेट लि०, बड़ी-ब्राह्मण इण्डस्ट्रीयल कम्पलेक्स जम्मू (अधिसूचित पिछड़ा जिला) निदेशक : नूर मोहम्मद	294.00	116.0	—	178.00	—	—	294.00

***परियोजना लागत में हुए अति व्यय का गणन वर्ष 1976-77 में किया जा चुका है।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)	
22.00	42.55 (अ०ब०)	22.50	—	—	87.05	प्रतिवर्ष 690000 कलाई की घड़ियां बनाने के लिये नई परियोजना लगाना ।
31.25	—	—	—	—	31.25	कम्पनी की इंजीनियरिंग इकाई का आधुनिकीकरण ।
7.00	—	—	—	—	7.00 (अति०)	324 पूरक तकुओं से अर्द्ध वर्सडिट गलीचे का धागा बनाने के लिये लगाई गई परियोजना में अन्य अति-व्यय के कुछ भाग को पूरा करना ।
20.00	65.98 (स्वे० फो०)	7.50	—	—	93.48	प्रतिवर्ष 800 टन वि धातु प्रतियाँ बनाने के लिए नई इकाई लगाकर विस्तार योजना जिसका कुछ भाग प्रतिवर्ष 60 लाख चिन वाल्ड वि धातु विचरणों और 30 लाख बुसिंगों का किया जयेगा ।
—	—	3.00	—	3.00	—	प्रतिवर्ष 10 लाख घड़ी के खोलों का उत्पादन करने के लिये नई परियोजना लगाना ।
65.00	—	—	—	—	65.00	प्रतिवर्ष 8.50 लाख कि० ग्राम ऊन के गोलों का उत्पादन करने के लिये नई परियोजना ।

परिशिष्ट 'क' जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
	कर्नाटक							
47.	मै० बगलकोट उद्योग लि० बगलकोट, जि० बीजापुर, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—बी० के० कनोरिया	606.00	—	—	515.00	—	91.00	606.00
48.	मै० डक्कन वार्यस लि०, बोमनहल्ली, समीप बैंगलोर (अति व्यय) अध्यक्ष—एम० रमन प्रबन्ध निदेशक: एम० पी० सिवान्ना	81.25	—	—	65.00	—	16.25	81.25
49.	मै० घाटप्रभा सहकारी सक्कर कारखाना नियमित अरमावी/सिंगालपुर जि० बेलगांव (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेशक—बी० सी० वैल्सांगीकर	570.00	57.00	153.00	360.00	—	—	570.00
50.	मै० जूट (इंण्डिया) लि०, येलहंका समीप बैंगालोर अध्यक्ष और नियंत्रण निदेशक— एच० पी० नन्दा (एस्कोर्ट ग्रुप)	900.00	295.51	—	525.00	1.58	77.91	900.00
51.	मै० हिन्दुस्तान मशीन टूल्स लि०, बैंगलोर अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—पी० एस० बनर्जी (गर्वनमेंट आफ इंडिया अण्डरटेकिंग)	662.00	—	—	500.00	—	162.00	662.00
52.	मै० मैसूर पेपर मिल्स लि० भद्रावती जि०—सिमग अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—जफर सैफुल्लाह (आई० ए० एस०) (कर्नाटक राज्य सरकार कम्पनी)	9967.98	660.00 (आर० आई०)	—	7973.00	1395.00	—	9968.00
53.	मै० एन० जी० एफ० लि०, ब्यापनहल्ली, बैंगलोर अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—वी० बेंगपाल नायडू (कर्नाटक स्टेट गर्वनमेंट लि०)	534.00	—	—	426.00	—	108.00	534.00

आर० आई०—अधिकार हस्तांतरण

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
130.00	—	—	—	—	130.00	600 टन दैनिक (गीली प्रक्रिया) के स्थान पर 1000 टन दैनिक शुष्क रोटरी प्रक्रिया भट्टा की स्थापना के लिये आधुनिकीकरण।
10.00	—	—	—	—	10.00 (अति)	प्रतिवर्ष 10,000 टन उच्च कार्बन और अलाभ इस्पात तारों का उत्पादन करने के लिये लगाई गई नई परियोजना में आये अति व्यय के कुछ भाग को पूरा करना।
90.00	—	—	—	—	90.00	प्रतिदिन 1250 टन गन्ना पैरने की क्षमता वाली नई चीनी फैक्टरी लगाना।
28.44	51.39 (ज० मा०)	15.00	—	—	94.83 (अति)	प्रतिवर्ष 100 लाख पिस्टन रिंगों और 6 लाख ग्रुव इन्सेंटों का उत्पादन करने के लिये नई इकाई लगाकर विस्तार योजना।
125.00	—	—	—	—	125.00 (अति०)	कम्पनी की मशीन टूल डिवीजन का आधुनिकीकरण।
500.00	—	—	—	—	500.00 (अति०)	प्रतिवर्ष लिखाई तथा छपाई कागज का 21000 से 27000 टन उत्पादन बढ़ाने के लिये और प्रतिवर्ष 75000 टन न्यूजप्रिंट के उत्पादन करने के लिये सुविधाओं की व्यवस्था करके विस्तार योजना।
75.00	—	—	—	—	75.00 (अति०)	प्रतिवर्ष भारी मोटरों का उत्पादन 200 से 350 बढ़ाने 1700 हार्स पावर (परम्परागत डिजाइन) मेंग 400 हार्स पावर की वर्तमान उत्पाद श्रेणियों से 480,000 हार्स पावर की विस्थापित क्षमता से उत्पादन बढ़ाना और 700 डी० सी० मशीनों 180 डी० सी० मिल मोटरों 200 डी० सी० रोलर मेज मोटरों और 450 सिन्क्रोन्स अल्टरनेटरों का उत्पादन करने के लिये विस्तार।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
54. मै० श्री श्रीराम सहकार सक्कर कारखाना लि०, छुछुनकट्ट, जिला मैसूर (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेशक—के० अंक गोवडा केरल	600.00	60.00	150.00	375.00	—	15.00	600.00
55. मै० अपोलो टायर्स लि०, चलकुंडी जि०—त्रिचूर (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेशक—रोनक सिंह	327.00	—	—	176.00	51.00	100.00	327.00
56. मै० केरल कैमिकल्स एंड प्रोटीन्स लि०, कठीकुडम जिला–त्रिचूर (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेशक—एम० आर० सी० वरियर	320.00	140.00	—	180.00	—	—	320.00
57. मै० केरल स्टेट डिर्टजेंट एण्ड कैमिकल्स लि० नाडू, वतम, जिला–मालापुरम (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—एस० पीर० मुहम्मद (केरल स्टेट गर्वनमेंट कं०)	301.95	89.00	—	170.65	27.30	15.00	301.95
58. मै० कुन्नादरा टैक्सटाइल्स लि० कुमूली जि०–कैलीकट अध्यक्ष—कै० टी० चण्डी	161.00	60.00	—	101.00	—	—	161.00
59. मै० प्रिमियर टायर्स लि०—कालाम्सरी, जि०—इरनाकुलम अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—सी० एम० देसाई	642.00	—	—	361.00	29.00	252.00	642.00
60. मै० ट्रावरकोर रेयन्स लि० रेयनपुरम जि०–इरनाकुलम अध्यक्ष–ए० आर० रामनाथम प्रबन्ध निदेशक-एम० पेठाची	288.65	—	—	175.00	—	113.65	288.65

*49.25 लाख रुपये के शेयर प्रीमिय के अतिरिक्त।

परिशिष्ट 'क' जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
95.00	—	—	—	—	95.00	1250 टन दैनिक गन्ना पेरने की क्षमता वाली नई चीनी फैक्टरी लगाना।
30.00	—	—	—	—	30.00 (अति०)	प्रतिवर्ष 4.2 लाख प्रत्येक आटोमोबाइल टायर और ट्यूबों 3 लाख फ्लैपों और 3000 टन कटभरन का उत्पादन करने के लिये लगाई गई परियोजना के आंशिक अतिव्यय को पूरा करना।
50.00	—	17.50	—	—	67.50	प्रतिवर्ष 2210 टन औसत और 4250 टन डी० कैल्शियम फास्फेट का उत्पादन करने के लिये नई परियोजना लगाना।
42.50	—	—	—	—	52.50	प्रतिवर्ष 10,000 टन सिन्थेटिक डिटरजेंटों का उत्पादन करने के लिये नई परियोजना लगाना।
40.00	—	—	—	—	40.00	एक बुनाई परैपेरेटरी को इकाई की स्थापना और प्रत्येक में चार खड्डियों वाले 100 लथ्रुस्तर की शक्ति खड्डियों वाले शक्ति खड्डी काम्पलेक्स के लिये अवस्थापना सुविधायें उपलब्ध कराना।
75.00	—	—	—	—	75.00 (अति०)	प्रतिवर्ष प्रत्येक आटोमोबाइल टायर और ट्यूबों की उत्पादन क्षमता 4,60,000 से 5,85,000 बढ़ाने के लिये विस्तार योजना।
40.00	—	—	—	—	40.00 (अति०)	रेयन फिलामेंट धागे की वार्षिक उत्पादन क्षमता 3300 टन से 4400 टन बढ़ाने के लिये विस्तार योजना।

पारिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
61.	मैं० त्रिवेन्द्रम स्पीनिंग मिल्स लि०, बलरामपुर, जि०–त्रिवेन्द्रम, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—जी० वी० एस० देसीकन (केरल स्टेट गर्वनमेंट कम्पनी)	112.00	14.00	—	88.00	—	10.00	112.00
62.	मैं० वैस्टर्न इण्डिया प्लाईवुड, लि०, वैलीपटम जि०–कन्नौर (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेशक—ए०के० केवारकुत्ती	725.00	19.56 (आर० आई०)	—	535.00	—	170.44	725.00
	मध्य प्रदेश							
63.	मैं० हिन्दुस्तान इलेक्ट्रो ग्रेफाइट लि०, मण्डीदीप, जि०—रायसन, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेशक–एल० एन छुनछुनवाला	335.00 (अति-व्यय)	56.50 (आर० आई०)	—	243.00	—	35.50	335.00
64.	मैं० श्री सिन्थेटिक्स, लि० नौलक्खी वीड इण्डस्ट्रीयल एरिया, उज्जैन, अध्यक्ष: एन० डी० बैन्गूर, सभापति: एस आर० राठी	780.00	130.00 (आर० आई०)	—	524.00	64.50	61.50	780.00
	महाराष्ट्र							
65.	मैं० एसोसिएटिड कम्पनीज लि०, रावल, जि०–थाना अध्यक्ष–पी० एस० मिस्त्री प्रबन्ध निदेशक: कमलजीत सिंह (ए० सी० सी० ग्रुप)	700.00	—	—	470.00	—	230.00	700.00
66.	मैं० बुक बोंड इंडिया लि०, औरंगाबाद (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक–पी० आर० नीलकंठ (बुक बांड ग्रुप)	790.00	240.00 (आर० आई०)	—	535.00	—	15.00	790.00

*(आर० आई०) साधारण शेयरों में अधिदान अधिकार हस्तान्तरण।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
28.00	—	—	—	—	28.00	कम्पनी की 26000 तकुओं वाली वस्त्र मिल का आधुनिकीकरण।
75.00	—	—	—	—	75.00 (अति०)	गत्ते का वार्षिक उत्पादन 7500 टन से 22500 टन बढ़ाने के लिये विस्तार योजना।
40.00	—	3.06*	—	—	43.06 (अति०)	प्रतिवर्ष 10,000 टन ग्रेफाइट इलेक्ट्रोडसों और अन्य कार्बन उत्पादों को बनाने के लिये लगाई गई नई परियोजना में आगे अति व्यय के कुछ भाग को पूरा करना।
26.00	56.24 (स्व० को)	—	—	—	82.24 (अति०)	नाइलोन फिलामेंट धागे की वार्षिक उत्पादन क्षमता 1050 टन से 2000 टन बढ़ाने के लिय विस्तार योजना।
50.00	—	—	—	—	50.00 (अत०)	प्रतिवर्ष 1450 टन सिरेमिक अलुमिनियम 500 टन अवशोषकों और कैटेलिटिक अलुमीना और 900 टन मोनोकुलट छत्मनिया बनाने के लिये नई इकाई लगाकर विस्तार योजना।
68.00	—	—	—	—	68.00	भैंस के मांस (प्रतिवर्ष 75,000 पशु) अभि-संस्कार करने और प्रतिवर्ष आन्तरिक उपभोग के लिये 280 लाख चकौर खुले मुंह सेनीटरी केनों का उत्पादन करने के लिये नई परियोजना लगाकर विस्तार करना।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
67.	मै० कीट्रीक इंडिया लि०, पंचक जि०—नासिक अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—वी० डी० सोमानी	165.00	—	—	93.00	—	72.00	165.00
68.	मै० देवगिरी टैक्सटाल्स मिल्स० लि०, औरंगाबाद, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष—सी० के० मोदी, आई० ए० एस० (महाराष्ट्र राज्य सरकार कं०)	825.00	315.00	—	495.00	—	15.00	825.00
69.	मै० एक्सोम्ट प्लास्टिक्स लि०, तलोजा इंडस्ट्रीयल एस्टेट, बम्बई प्रबन्ध निदेशक: के० एल० खन्ना।	104.00	34.00	—	68.00	—	2.00	104.00
70.	मै० फाइनली मिल्स लि०, पारेल बम्बई अध्यक्ष—रतनजी मुल्जी	324.00	—	—	200.00	—	124.00	324.00
71.	मै० कड़ा सहकारी शक्कर कारखाना लि० जलगांव जिला—बीर (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेशक— एस० वेंकटस्वामी	602.00	73.00	139.00	390.00	—	—	602.00
72.	मै० कमानी मैटल्स एन्ड एलौरा लि० कुराला, बम्बई अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—अशीश कमानी (कमानी ग्रुप)	29.16	—	—	18.97	—	10.19	29.16
73.	मै० कनोरिया हैकोक संदर्शन लि०, नागपुर अध्यक्ष: बी० पी० कनोरिया	40.00	—	—	40.00	—	—	40.00
74.	मै० किर्लोस्कर ट्रैक्टर लि०, नासिक अध्यक्ष—एस० एल० किर्लोस्कर प्रबन्ध निदेशक—ए० एस० नरवान (किर्लोस्कर ग्रुप)	570.09 (अति व्यय)	—	—	167.05	—	403.04	570.09

**प्रत्यक्ष अभिदान

परिशिष्ट—'क' जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
20.00	—	—	—	—	20.00	प्रतिवर्ष 1200 टन सिटरिक एसिड का उत्पादन करने के लिये कम्पनी की इकाई की पुर्नस्थापन योजना।
175.00	—	—	—	—	175.00	25.056 तकुओं और 300 खड्डियों वाले नये संकलित वस्त्र मिल का निर्माण।
38.00	6.00**	—	—	—	44.00	प्रतिवर्ष 384.8 टन ओक्ट्राइक सिटरिक एसिड का और 35.5 टन अरोमा रसायनों का उत्पादन करने के लिये नई इकाई लगाकर विस्तार योजना।
50.00	—	—	—	—	50.00	कम्पनी की 72,116 तकुओं और 958 खड्डियों वाली संकलित वस्त्र मिल का आधुनिकीकरण।
100.00	—	—	—	—	100.00	प्रतिवर्ष 1250 टन गन्ना पेरने की क्षमता वाली नई चीनी फैक्टरी लगाना।
	0.49 (अ० मा०)	—	—	—	10.49 (अति०)	लगातार ढलाई करने वाली एक मशीन का आयात।
12.50	—	—	—	—	12.50 (अति०)	कटाई औजारों, सूक्ष्म गेजों और पुर्जों का निर्माण करने के लिये कम्पनी की इकाई का पुर्नस्थपना।
35.00	—	—	—	—	35.00 (अति०)	प्रतिवर्ष 6500 टैक्टरों का उत्पादन करने के लिये लगाई परियोजना में आये अति-व्यय के कुछ भाग को पूरा करना।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
75.	मै० मधुकर सहकारी शक्कर कारखाना लि०, फैजपुर जि०—जलगांव (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेश—ए० जी० देश पांडे	565.00	80.00	120.00	365.00	—	—	565.00
76.	मै० महाराष्ट्र इलेक्ट्रोस्मेल्ट लि०, चन्द्रपुर, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष—एन० एम० बागले प्रबन्ध निदेशक—एम० के० सोमन	1485.00	—	—	578.38	—	906.62	1485.00
77.	मै० महिन्द्र यूजाइन स्टील कं० लि०, खोपोली, जि०—कोलाबा (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—हरीश महिन्द्रा कार्यकारी निदेशक—के० रामाचन्द्रन (महिन्द्रा एंड महिन्द्रा ग्रुप)	4711.00	226.00 (आर० आई०)	50.00	2006.00	—	2429.00	4711.00
78.	मै० नीडल रोलर बियरिंग कं० लि०, औरंगाबाद (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक त्रिलोचन सिंह साहनी	140.00	—	—	85.02	—	54.98	140.00
79.	मै० प्रिमियर सिंथेटिक प्रोफैसर लि० इण्डस्ट्रियल एरिया, पावने जि०—थाना प्रबन्ध—निदेशक—बी० के० झुनझुनवाला	4.00	—	—	3.40	—	0.60	4.00
80.	मै० रुबी मिल्स लि०, दादर बम्बई अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—एल० सी० शाह	222.00	—	—	130.00	—	92.00	222.00
81.	मै० शंकर सहकारी शक्कर कारखाना लि०, सदाशिवनगर, जि०—शोलापुर, अध्यक्ष—डी० एस० साल-गुडे पाटिल प्रबन्ध निदेशक—बी० एन० घोपड़े	262.00	20.00	—	222.00	—	20.00	262.00

*प्रत्यक्ष अभिदान

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
90.00	—	—	—	—	90.00	प्रतिदिन 1250 टन गन्ना पेरने की क्षमता वाली नई चीनी फैक्टरी लगाना।
34.61	—	—	—	—	34.61 (अति०)	प्रतिवर्ष 64000 टन कार्बन इस्पात और नरम इस्पात बिल्टे/सिल्लयां बनाने के लिये लगाई गई नई परियोजना में कुछ हुए अति व्यय के कुछ भाग को पूरा करना।
50.00	—	—	—	—	50.00 (अति०)	प्रतिवर्ष अलाय इस्पात के उत्पादन क्षमता 24,000 से 75,000 टन बढ़ाने के लिये विस्तार योजना।
25.00	20.34 ज० मा० 8.62 (£)	—	—	—	53.96 (अति०)	प्रतिवर्ष 2000 लाख नीडल रोलरों और 8 लाख नीडल केजों का उत्पादन करने के लिये नई इकाई लगाकर विस्तार योजना।
3.40	—	—	—	—	3.40 (अति०)	एक डिकेटाइजिंग मशीन प्राप्त करना।
32.50	—	—	—	—	32.50 (अति०)	31,208 तकुओं 613 खड्डियों वाली कम्पनी की संकलित वस्त्र मिल का आधुनिकीकरण।
55.50	—	—	—	—	55.50 (अति०)	अन्य बातों के साथ-साथ प्रतिवर्ष गन्ना पेरने की दैनिक क्षमता 800 टन से 1250 टन बढ़ाने के लिए आधुनिकीकरण व विस्तार योजना।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
82.	मै० सपंदीश इंजीनियर्स प्राइवेट लि०, सिखान, जि०—थाना अध्यक्ष—जे० एस० चावला प्रबन्ध निदेशक—अशोक प्रसाद	86.15 (अति व्यय)	4.65	—	17.03	—	64.47	86.15
83.	मै० स्टैंडर्ड मिल्स कं० लि०, (1) प्रभादेवी (2) सवेदी, बम्बई अध्यक्ष—पसेस एन० मफतलाल पूर्णकालिक निदेशक— बी० के० पटेल, वी० रामादूरई (मफतलाल ग्रुप)	750.00	—	—	250.00	—	500.00	750.00
84.	मै० स्वान मिल्स लि०, बम्बई अध्यक्ष—जे० पी० गोएन्का, पूर्णकालिक निदेशक— जी० सी० चंडालिया	350.00	—	—	270.00	—	80.00	350.00
85.	मै० स्वस्तिक रबर प्रोडक्ट लि०, किरकी समीप पूना, अध्यक्ष—एम० एल० किर्लोस्कर उप-अध्यक्ष और संयुक्त प्रबन्ध निदेशक— जी० एस० वैद्य	35.00	—	—	35.00	—	—	35.00
86.	मै० तापड़िया टूल्स लि०, सतपुर, नासिक, प्रबन्ध निदेशक—श्री राम तापड़िया	38.00	—	—	38.00	—	8.00	38.00
87.	मै० यशवन्त सहकारी शक्कर कारखाना लि०, अकलूज, जि०—शोलापुर अध्यक्ष—एस० एन० मोहिते पाटिल प्रबन्ध निदेशक:—डी० जी० मान	380.00	30.00	—	240.00	—	110.00	380.00
उड़ीसा								
88.	मै० जयश्री कैमिकल्स लि०, गंजम अध्यक्ष : गोकुल चन्द्र बंगूर	582.00	—	—	454.00	—	128.00	582.00

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
5.00	—	—	—	—	5.00 (अति०)	प्रतिवर्ष 2600 टन प्रैशर वैशलों का उत्पादन करने के लिए लगाई गई नई परियोजना में आए अति व्यय के कुछ भाग को पूरा करना ।
125.00	—	—	—	—	125.00	कम्पनी के दो संकलित वस्त्र मिलों का आधुनिकीकरण-व-विस्तार नवीनीकरण ।
67.50	—	—	—	—	67.50	कम्पनी की 49,388 तकुओं और 628 खड्डियों वाली संकलित वस्त्र मिल का आधुनिकीकरण ।
13.50	—	—	—	—	13.50 (अति०)	उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कुछ मशीनरी यन्त्रों को प्राप्त करना तथा उन्हें स्थापित करना ।
15.00	—	—	—	—	15.00 (अति०)	प्रतिवर्ष 10 लाख समायोजित हो सकने वाले रेंचों का निर्माण करने के लिए विस्तार योजना ।
60.00	—	—	—	—	60.00 (अति०)	गन्ना पेरने की दैनिक क्षमता 1750 से 3000 टन बढ़ाने के लिए विस्तार योजना ।
60.00	—	—	—	—	60.00 (अति०)	प्रतिवर्ष 3000 टन सोडियम हाइड्रोसलफाइट का उत्पादन करने के लिए विस्तार योजना ।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
89.	मै० कलिंगा बिवर्स को-ओपरेटिव स्पीनिंग मिल्स लि०, गोविन्दपुर, जि० : ढनकनाल (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष : बी० बी० मोहन्ति प्रबन्ध निदेशक—पी० सी० पटनायक	436.00	203.00	—	233.00	—	—	436.00
90.	मै० कोणार्क जूट लि०, धनमण्डल, जि० कटक, अध्यक्ष : एस० एन० दास मोहनपात्र		—	—	—	—	—	—
91.	मै० उत्कल अस्वेस्टोस लि०, कोरिआन, जि० : धनकलाल (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रस्तावित प्रबन्ध निदेशक : सी० आर० मदनी	160.00	45.00	—	115.00	—	—	160.00
पंजाब								
92.	मै० इण्डस्ट्रियल केबल्स (इण्डिया) लि० राजपुरा, जिला : पटियाला अध्यक्ष : चौ० राघवेन्द्र सिंह	298.00	—	—	239.00	—	59.00	298.00
93.	मै० महावीर स्पीनिंग मिल्स लि०, पुर-हीरन, जिला : होशियारपुर (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष : एस० पी० ओसवाल कार्यकारी निदेशक : एस० एल० सहगल	398.00	—	—	258.00	—	140.00	398.00
94.	मै० मालवा शूगर मिल्स लि०, धुरी, जि० : संगसर, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष . आर० एन० दादू (थापर ग्रुप)	327.00	—	—	270.00	—	57.00	327.00

*प्रत्यक्ष अभिदान

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
78.00	—	—	—	—	78.00	25088 पूरक तकुओं वाली नई सूती वस्त्र मिल का निर्माण।
—	—	2.50	—	—	2.50 (अति०)	प्रतिवर्ष 13240 टन पटसन वस्त्रों का उत्पादन करने के लिए नई पटसन मिल लगाना।
31.00	—	5.00	—	—	36.00	प्रतिवर्ष 39000 टन एसबेटस सिमेंट की चादरें और ढलवा सहायक सामान का उत्पादन करने के लिए नई परियोजना लगाना।
—	29.76 (ज०मा०)	—	—	—	29.76 (अति०)	प्रतिवर्ष 1920 कि० मी० तारों की लाइसेंस क्षमता से 1000 कि० मी० वार्षिक की दर से क्रासलिंकड पोलिथीलीन तारों का उत्पादन करने के लिए विशालन व सन्तुलन योजना।
64.00	—	—	—	—	64.00 (अति०)	तकुओं की संख्या 25088 से 50000 बढ़ाने के लिए विस्तार योजना।
67.50	—	—	—	—	67.50	अन्य बातों के साथ-साथ दैनिक गन्ना पेरने की क्षमता 1016 टन से 1500 टन बढ़ाने के लिए आधुनिकीकरण व विस्तार योजना।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
95.	मै० मुकेरियन पेपर्स लि० चाक आलबख्त, जि० : होशियारपुर, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष : ए० एस० चड्ढा, आई० ए० एस० प्रबन्ध-निदेशक : सुखिन्दर सिंह	*	—	—	—	—	—	—
96.	मै० पंजाब स्पीनिंग एण्ड विविंग मिल्स लि०, भटिन्डा, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष : परमजीत सिंह आई० ए० एस० प्रबन्ध निदेशक : के० एल० बिज (पंजाब राज्य सरकार कम्पनी)	660.00	240.00	—	420.00	—	—	660.00
97.	मै० पंजाब यूनाइटेड फोर्ज लि०, रेलमाजरा, जि० : होशियारपुर (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेशक : आर० के० सूद	155.00	40.00	—	70.60	—	44.40	155.00
98.	मै० स्टील स्ट्रीप्स लि०, जीतवाल कलां, जि० : संगरूर (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष : परमजीत सिंह, आई० ए० एस० प्रबन्ध निदेशक : आर० के० गर्ग	525.00	172.00	—	353.00	—	—	525.00
99	मै० सर्टलिंग स्टील एण्ड वायर्स लि० चौहाल, जिला : होशियारपुर (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रस्तावित प्रबन्ध निदेशक— आई० पी० आनन्द	22.00 (अति व्यय)	—	—	16.00	—	6.00	22.00
राजस्थान								
100.	मै० अनिल स्टील एण्ड इण्डस्ट्रीज लि०, कनकपुरा, जयपुर के समीप अध्यक्ष : 5 एस० एन० खेतान	85.00	—	—	68.00	—	17.00	85.00

*परियोजना लागत का गणन वर्ष 1974-75 में किया जा चुका है।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
—	—	2.33	—	—	2.33 (अति०)	प्रतिवर्ष 9000 टन एम जी/एम० एफ० कागज का उत्पादन करने के लिए नई परियोजना ।
115.00	—	—	—	—	115.00	25080 पूरक तकुओं वाली नई वस्त्र मिल की स्थापना ।
40.60	—	5.00**	—	—	45.60	प्रतिवर्ष 4500 टन क्लोजड् डाई फोटजिगों का उत्पादन करने के लिए नई परियोजना ।
95.00	—	20.00	—	—	115.00	प्रतिवर्ष 10,000 टन नरम इस्पात मध्यम कार्बन, उच्च कार्बन और कम धातु वाली शीतकृत इस्पात पतियां बनाने के लिए परियोजना ।
8.00	—	—	—	—	8.00 (अति०)	प्रतिवर्ष 70000 टन कार्बन, नरम और अलाय इस्पात तारें बनाने के लिए लगाई गई नई परियोजना की लागत में हुए अतिव्यय के कुछ भाग को पूरा करना ।
20.00	—	—	—	—	20.00	आन्तरिक उपयोग के लिए प्रतिवर्ष 2500 टन शीतकृत उच्च कार्बन और निम्न मिश्र धातु पतियों का उत्पादन करने के लिए एक शीत रोलिंग मिल की स्थापना की योजना ।

परिशिष्ट 'क'—जारी

1	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
101.	मै० भारत एल्युम्स एण्ड कैमिकल्स लि०, मत्स्य इण्डस्ट्रियल एरिया, अलवर (अधिसूचित पिछड़ा जिला) निदेशक : ए० सी० गूलाटी	162.70	50.50	—	91.50	2.70	18.00	162.70
102.	मै० गंगानगर सूगर मिल्स लि०, श्री गंगानगर निदेशक इन्चार्ज : बी० बी० एल० माथूर (आई० ए० एस०) (राजस्थान राज्य सरकार कम्पनी)	162.00	—	—	134.00	—	28.00	162.00
103.	मै० हिन्दुस्तान डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि०, भरतपुर अध्यक्ष : आर० पी० मोदी	243.00	—	—	99.40	—	143.60	243.00
104.	मै० जे० के० इण्डस्ट्रीज लि०, कन्करोली, जि० : उदयपुर (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष : हरी शंकर सिंघानिया, प्रबन्ध निदेशक : रघुपति सिंघानिया, (जे० के० सिंघानिया ग्रुप)	350.00 (अति व्यय)	—	—	280.00	—	70.00	350.00
105.	मै० जे० के० सिन्थेटिक का० लि०, नोबहेड़ा, जि० : चितोड़गढ़, अध्यक्ष : गोपालकृष्ण सिंघानिया, पूर्णकालिक निदेशक : मोहनलाल सिंघानिया (जे० के० सिंघानिया ग्रुप)	1900.00	—	100.00	1350.00	—	450.00	1900.00
106.	मै० मंगलम सिमेन्ट लि०, मोर्क जिला : कोटा अध्यक्ष : बी० के० बिरला	2400.00	600.00	—	1775.00	25.00	—	2400.00
107.	मै० रिलायन्स कैमोटेक्स इण्डस्ट्रीज लि०, उदयपुर (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रस्तावित अध्यक्ष : एस० एल० सर्राफ प्रस्तावित प्रबन्ध/कार्यकारी निदेशक : एस० के० केजरीवाल	384.00	125.00	—	259.00	—	—	384.00

परिशिष्ट 'क' जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
—	—	4.00	—	—	4.00	प्रतिवर्ष 16500 टन सल्फ्युरिक्स एसिड 17,100 टन फिटकरी और 7200 टन ग्रोलियम का उत्पादन करने के लिये नई परियोजना लगाना ।
67.00	—	—	—	—	67.00	प्रतिदिन 1000 टन क्षमता गन्ना पेरने और 650 टन चूकन्दर विकीर्ण करने के लिये कम्पनी की चीनी मिल का आधूनिकीकरण ।
—	35.56 (£) 10.83 (ज० प्र०)	—	—	—	46.39 (अति०)	प्रतिवर्ष 20,000 टन विभिन्न प्रकार के इस्पात/ मिश्र धातु इस्पात तारें बनाने के लिए विस्तार योजना ।
60.00	—	—	—	—	60.00 (अति०)	प्रतिवर्ष प्रत्येक 5 लाख ग्राटोमोबाइल टायर और ट्यूबों का उत्पादन करने के लिये लगाई गई नई परियोजना में हुए ग्रति व्यय के कुछ भाग को पूरा करना ।
200.00	—	—	—	—	200.00 (अति०)	प्रतिवर्ष सीमेंट की उत्पादन क्षमता 300,000 टन से 7,30,000 टन बढ़ाने के लिए विस्तार योजना ।
250.00	—	50.00	—	—	300.00	प्रतिवर्ष 4-15 लाख टन पोर्टलैंड सीमेंट का उत्पादन के लिए नई परियोजना लगाना ।
76.00	—	12.50	—	—	88.50	कृत्रिम लच्छीदार धागा बनाने के लिए 12480 पूरक तकुग्रों वाली नई कताई मिल लगाना ।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
108.	मै० यू० पी० होटल्स एण्ड रैस्टोरेन्ट लि०, (1) जयपुर (2) लखनऊ, उ० प्रदेश अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक: एल० पी० गुप्ता	397.42	108.90	—	252.00	—	36.52	397.42
तमिलनाडु								
109.	मै० एंड पैरी (इण्डिया) लि०, नेलीकुप्रम जिला : दक्षिणी आरकोट (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष : आर० वेंकटास्वामी नायडू उप-अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक : जोन के जोन (पैरी ग्रुप)	505.00	—	—	410.00	—	95.00	505.00
110.	मै० उन्फील्ड इण्डिया, लि०, शिरुवोत्तियुर जिला- अध्यक्ष : के० आर० सुन्दरम आयर प्रबन्ध निदेशक : विश्वनाथन	115.00	—	—	108.00	—	7.00	115.00
111.	मै० लायल टैक्सटाइल मिल्स लि०, वादकुट्टु, जि० : दक्षिणी आरकोट कोविलपती, जिला : तिरुनेलपली प्रबन्ध निदेशक : टी० मनीकवासगम चेतीआर (दियागराजा ग्रुप)	108.00	—	—	70.00	—	38.00	108.00
112.	मै० गंगप्पा पेपर मिल्स लि०, वादकुट्टु, जि० : दक्षिणी आरकोट (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेशक : डी० जी० कृष्णामूर्ति	350.00	132.00	—	218.00	—	—	350.00
113.	मै० इण्डोकार्म एलोएस लि०, होसूर जिला : धर्मपुरी (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष : खिमजी एन० मेहता, प्रबन्ध निदेशक : राजाराम रामचन्द्रन	430.00	145.00	—	270.00	—	15.00	430 .00

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
11.50	—	—	—	—	11.50 (अति०)	कम्पनी की परियोजनाओं की लागत में अति व्यय के कारण कार्यकारी पूंजी की प्रतिपूर्ति
74.00	—	—	—	—	74.00	अन्य बातों के साथ-साथ गन्ना पेरने की विस्थापित क्षमता 2750 से 4000 टन बढ़ाने के लिये आधुनिकीकरण व वस्तार योजना ।
15.00	—	—	—	—	15.00 (अति०)	कम्पनी का वित्तीय पुर्नस्थापना
70.00	—	—	—	—	70.00 (अति०)	कम्पनी के वस्त्र मिल में कताई अनुभाग का आधुनिकीकरण ।
26.00	42.31 (£)	16.00	—	—	84.31	प्रतिवर्ष 10000 टन एम० एफ० छपाई और लिखाई कागज, एम० जी० पोस्टर, मनिला आदि का उत्पादन करने के लिए नई परियोजना लगाना ।
30.00	22.69 (ज० मा०)	15.00	—	—	67.69	प्रतिवर्ष 50 टन टंगस्टन कार्बाइट उत्पादों का निर्माण करने के लिए नई परियोजना लगाना

परिशिष्ट क—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
114	मै० मद्रास सिमेन्ट लि०,* तुलुकपती, जि० : रामनाथपुरम (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेशक : पी० आर० पी० राम-प्रामानिया राजा (मद्रास सिमेन्ट ग्रुप)		—	—	—	—	—	—
115.	मै० मदुरा कोट्स लि०, 1. मदुराई (अधिसूचित पिछड़ा जिला) 2. अम्बासमुद्रम, जि० तिरुनवेली 3. टूटीकोरीन, जि० तिरुनवेली, अध्यक्ष मि० म० मुथिया खेतीअर प्रबन्ध निदेशक— एम० बी० एम० हेनरी (मदुरा कोट्स ग्रुप)	844.00	—	—	450.00	—	394.00	844.00
116.	मै० एम० एम० रबर कम्पनी लि०, रानीपत जि०— उत्तरी आरखेट, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष : के० एल० फिलिप	228.00	42.00	—	137.00	—	49.20	228.20
117	मै० सलम कोओपरेटिव शुगर मिल्स लि०, मोहनूर, जिला—साम विशेष अफसर— के० पालासामी	185.00	2.46	20.00	76.00	—	86.54	185.00
118.	मै० श्री रामलिंग मिल्स प्राईवेट लि०, अरुपकोटई, जि०— रामनाथपुरम, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेशक — टी० आर० दिनकरना,	205.38	—	—	111.00	24.56	69.82	205.38
119.	मै० साउथ इण्डिया कोओ-परेटिव स्पीनिंग मिल्स लि०, तिरुनवेली, विशेष अफसर— जे० सेठ रमन ।	230.00	—	85.00	145.00	—	—	230.00

परियोजना लागत का गणन वर्ष 1974-75 में किया जा चुका है ।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
10.00	—	—	—	—	10.00 (अति०)	सीमेंट की वार्षिक उत्पादन क्षमता 1·90 लाख से 4.00 लाख टन बढ़ाने की विस्तार योजना में हुए अति व्यय के कुछ भाग को पूरा करना।
112.50	—	—	—	112.50 (अति०)	112.50	कम्पनी की तीन इकाइयों में कताई अनुभागों में पुर्नस्थापन और नवीकरण करके आधुनिकीकरण योजना।
—	30.13 (ज० मा०)	5.00	—	—	35.13	प्रतिवर्ष 800 टन द्विवी धुरी आधारित पोलिप्रोपिलीन फिल्म का उत्पादन करने के लिये नई इकाई लगाकर विशाखन योजना।
36.00	—	—	—	—	36.00 (अति०)	गन्ना पेरने की दैनिक क्षमता 1750 से 2500 टन बढ़ाने के लिए विस्तार योजना।
45.00	—	—	—	—	45.00	अन्य बातों के साथ-साथ तकुओं की संख्या 25056 से 37,152 बढ़ाने के लिये विस्तार योजना।
50.00	—	—	—	—	50.00	कम्पनी के नं० 2 इकाई में तकुओं की संख्या 12096 से 32400 बढ़ाने के लिये विस्तार योजना।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
120.	मै० तमिलनाडू सीमेंट कोपोरेशन लि०, लि अरीयालूर, जिला—तिरुचिरापल्ली (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष—के० एस० सिवा-सन्नाह्मण्यन, आई०ए०एस० प्रबन्ध निदेशक—के० पी० गीताकृष्णन आई०ए०एस० (तमिलनाडू राज्य सरकार कम्पनी)	2876.00	575.00	—	2301.00	—	—	2876.00
121.	मै० त्रिची डिस्टीलरीज एण्ड कैमिकल्स लि०, सेठनीपुरम, जि०— तिरुचिरापल्ली, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) प्रबन्ध निदेशक—वी० एस० त्यागराजा मुदलियर उत्तर प्रदेश	273.50	30.00	—	208.50	—	—	35.00
122.	मै० एलाएड इंटरनेशनल प्रोडक्ट लि०, अनुग्रह नगर, जि०—मुरादाबाद, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष—के० बी० राव, प्रबन्ध निदेशक—डी० एन० सिन्हा ।	62.00 (अति व्यय)	—	—	40.00	—	22.00	62.00
123.	मै० बसन्त पेपर मिल्स, लि० पटना, जि०—वाराणसी अध्यक्ष—जी० एल० डालमिया, प्रबन्ध निदेशक —एन० एल० डालमिया	40.00 (अति व्यय)	—	—	34.50	—	5.50	40.00
124.	मै० बनारस होटल लि०, वाराणसी, अध्यक्ष—विभूति नारायण सिंह	178.00	72.00	—	106.00	—	—	178.00

*परियोजना लागत का गणन वर्ष 1974-75 में किया जा चुका है ।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
400.00	—	—	—	—	400.00	प्रतिवर्ष 5 लाख टन पोर्टलैंड सीमेंट का उत्पादन करने के लिये नई इकाई लगाकर विस्तार योजना ।
273.50	50.00	—	—	—	50.00 (अति०)	प्रतिवर्ष 5100 अन एसेटलडेहाइड और 3000 टन एसेटिक एसिड का उत्पादन
20.00	—	—	—	—	20.00 (अति०)	प्रतिवर्ष 2400 टन सूक्ष्म औद्योगिक फास्टनर्स का उत्पादन करने के लिये लगाई गई नई परियोजना में आये अति-व्यय के कुछ भाग को पूरा करना ।
10.00	—	—	—	—	10.00 (अति०)	प्रतिवर्ष 5940 टन एम० जी० क्राफ्ट कागज का उत्पादन करने के लिये लगाई गई नई परियोजना में हुए अति व्यय के कुछ भाग को पूरा करना ।
40.00	—	7.50	—	—	47.50	84 कमरों वाले नये एस्टार होटल का निर्माण

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
125.	मै० दिल्ली क्लॉथ एण्ड जनरल मिल्स क० लि०- 1. दौराला, 2. मवाना, जिला—मेरठ, (अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—डा० भरत राम, प्रबन्ध निदेशक—चरत राम (श्री राम ग्रुप)	868.00	—	—	650.00	—	218.00	868.00
126.	मै० मंगेश्वर लि०, देवबंद, जि०—सहारनपुर अध्यक्ष—के० एल० साहनी	500.00	—	25.00	312.00	—	163.00	500.00
127.	मै० इण्डिया इन्जीनियरिंग एण्ड कन्सट्रक्शन क० लि० उम्भाव (अधिसूचित पिछडा जिला) प्रबन्ध निदेशक :—एस० के० भौमिक	102.00 (अति व्यय)	25.00	—	50.00	—	27.00	102.00
128.	मै० जे० के० जूट मिल्स क० लि०, कानपुर, प्रबन्ध निदेशक—डा० गौड़हरी सिंघानिया, (जे० के० सिंघानिया ग्रुप)	226.78	27.00	—	160.00	—	39.78	226.78
129.	मै० महाराष्ट्र स्टील लि०, बुलन्दशहर रोड, गाजियाबाद के समीप जि०—बुलन्दशहर (अधिसूचित पिछडा जिला) अध्यक्ष—मुकुल जैन	45.00 (अति व्यय)	—	—	20.00	—	19.00	45.00
130.	मै० मोदी कारपैटस लि०, रायबरेली, (अधिसूचित पिछड़ा जिला)* अध्यक्ष—के० एन० मोदी, प्रबन्ध निदेशक और उप अध्यक्ष—एस० के० मोदी	—	—	—	—	—	—	—
131.	मै० मोदी स्पीनिंग एण्ड वीविंग मिल्स क० लि०, मोदी नगर, जि०—मेरट अध्यक्ष—के० एन० मोदी (मोदी ग्रुप)	630.00	—	—	275.00	—	355.00	630.00

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
100.00	—	—	—	—	100.00 (अति०)	अन्य बातों के साथ दौराला में गन्ना पेरने की क्षमता 2100 से 3000 टन और मवाना में गन्ना पेरने की क्षमता 3048 से 3800 टन बढ़ाने के लिये आधुनिकीकरण व विस्तार योजना ।
65.00	—	—	—	—	65.00	अन्य बातों के साथ गन्ना पेरने की क्षमता 3000 से 3800 टन प्रतिदिन बढ़ाने के लिए आधुनिकीकरण व विस्तार योजना ।
33.00	—	—	—	—	33.00 (अति०)	प्रतिवर्ष 39000 टन इस्पात पाइप और स्पाट खम्बों के निर्माण के लिये लगाई गई नई परियोजना में की लागत में हुए अतिव्यय के कुछ भाग को पूरा करना ।
40.00	—	—	—	—	40.00	कम्पनी के पटसन मिल का आधुनिकीकरण ।
15.00	—	—	—	—	15.00 (अति०)	प्रतिवर्ष 15000 टन परम इस्पात और लोचदार इस्पात सिल्लियां बनाने के लिये लगाई गई नई परियोजना में हुए अतिव्यय के कुछ भाग को पूरा करना ।
—	1.75 (ज० मा०)	—	—	—	1.75 (अति०)	प्रति वर्ष 10 लाख कि० ग्राम गलीचे का धागा और 9-33 लाख वर्ग मीटर ट्यूफ्ड गलीचे बनाने के लिये नई परियोजना लगाना ।
68.75	—	—	—	—	68.75 (अति०)	कम्पनी की 1,13,035 तकुओं और 820 खड्डियों वाली चार संकलित वस्त्र मिलों का आधुनिकीकरण ।

* परियोजना लागत का वर्णन वर्ष 1976-77 में किया जा चुका है ।

परिशिष्ट के—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
132.	मै० नंदगंज सिहोरी शुगर कम्पनी लि०, दरयापुर, जिला—रायबरेली (अधिसूचित पिछड़ा जिला) कार्यकारी निदेशक—वी० पी० गोयल (उ० प्र० राज्य सरकार कम्पनी)	603.00	243.00	—	360.00	—	—	603.00
133.	मै० रमाला सहकारी चीनी मिल्स लि०, रमाला जिला—मेरठ अध्यक्ष—आर० एस० माथुर आई० ए० एस०	704.00	70.00	190.00	400.00	—	44.00	704.00
134.	मै० रेनू सागर पावर कं० लि०, रेनू सागर, जिला—मिरजापुर, अध्यक्ष—एस० एस० कोठारी (बिरला ग्रुप)	5552.00	—	—	3960.00	—	1592.00	5552.00
135.	मै० शंकर एग्रो इण्डस्ट्रीज लि०, कैप्टनगंज, जिला—देवरिया, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष—पवन कुमार कनोरिया, पूर्णकालिक निदेशक—अजय कुमार कनोरिया	125.00	—	—	106.00	—	19.00	125.00
136.	मै० स्टार पेपर मिल्स लि०, सहारनपुर, अध्यक्ष—एन० के० बेजारिया प्रबन्ध निदेशक—एस० एस० बेजारिया	596.00	—	—	350.00	—	246.00	596.00
137.	मै० त्रिवेणी इन्जीनियरिंग वर्क्स लि०, खतौली, जिला—मुज्जफर नगर अध्यक्ष—कन्हैया लाल स्वामी	578.00	40.00 (आर० आई०)	—	366.00	80.00	92.00	578.00

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
115.00	—	—	—	—	115.00	प्रतिदिन 1250 टन गन्ना पेरने की क्षमता वाली नई चीनी फैक्टरी लगाना ।
100.00	—	—	—	—	100.00	प्रतिदिन 1250 टन गन्ना पेरने की क्षमता वाली नई चीनी फैक्टरी लगाना ।
430.00	—	—	—	—	430.00	बिजली उत्पादन करने की क्षमता 135 मेगावाट से 255 मेगावाट बढ़ाने के लिये विस्तार योजना ।
26.50	—	—	—	—	26.50	अन्य बातों के साथ साथ गन्ना पेरन की दैनिक क्षमता 1750 से 1900 टन बढ़ाने के लिये आधनिकीकरण व विस्तार।
50.00	—	—	—	—	50.00 (अति०)	अन्य बातों के साथ साथ लिखाई छपाई और एम० जी० क्राफ्ट कागज का वार्षिक उत्पादन 40000 टन से 46000 टन बढ़ाने के लिये विस्तार व आधुनिकीकरण योजना ।
73.50	—	—	—	—	73.50 (अति०)	अन्य बातों के साथ साथ गन्ना पेरने की दैनिक क्षमता 2300 टन से 3600 टन बढ़ाने के लिये आधुनिकीकरण व विस्तार योजना ।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
138.	मै० यू० पी० स्टेट टैक्सटाइल कोर्पोरेशन लि०, 1. पारतापुर इण्डस्ट्रीयल एरिया, जिला—मेरठ, 2. संदिला, जि०—हरदोई, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष—टी० एन० शर्मा प्रबन्ध निदेशक :— ए० रमेश, आई०ए०एस० (उत्तर प्रदेश राज्य सरकार कम्पनी)	510.00 490.00	255.00 245.00	— —	255.00 245.00	— —	— —	510.00 490.00
139.	मै० उत्तरखण्ड ग्लास वर्क्स लि०, डालमाऊ, जिला—रायबरेली, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) निदेशक—कुलदीप राज नारंग	180.00	50.00	—	109.00	—	21.00	180.00
140.	मै० बिलर्ड इण्डिया लि०, सिकन्दराबाद इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, जिला—बुलन्दशहर, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष—जान एम० देवनपोर्ट, प्रबन्ध निदेशक :— के० पी० सिंह प० बंगाल	—	—	—	—	—	—	—
141.	मै० अगरपारा कं० लि०, अगरपारा, जिला-24 परगना, अध्यक्ष—जी० पी० गोयंका	329.55	—	—	264.00	—	65.55	329.55
142.	मै० एणलो इण्डिया जूट मिल्स कं० लि०, जगतदाल, जिला—24 परगना अध्यक्ष—के० पी० गोयंका पूर्णकालिक निदेशक—पी० सिवरमन, (गोयंका ग्रुप)	652.00	—	—	489.16	—	162.84	652.00

*बाद में रद्द कर दी गई ।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
90.00	—	—	—	—	90.00	25080 पूरक तकुओं वाली नई वस्त्र मिल लगाना ।
85.00	—	—	—	—	85.00	25080 पूरक तकुओं वाली नई वस्त्र मिल लगाना ।
29.00	—	2.50	—	—	31.50*	प्रतिवर्ष 12000 टन कांच की बोतलें बनाने के लिए नई परियोजना लगाना ।
26.00	—	—	—	—	26.00 (प्रति०)	प्रतिवर्ष 140000 लार्ड एसिड स्टोरेज बैटरियां और पुर्जे बनाने के लिये कम्पनी की इकाई का पुर्नस्थापना ।
66.00	—	—	—	—	66.00	कम्पनी को पटसन मिल का आधुनिकीकरण व नवीकरण ।
113.58	—	—	—	—	113.58	कम्पनी के दो पटसन मिलों का आधुनिकीकरण व नवीकरण ।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
143.	मै० बजबजजूट एण्ड इण्डस्ट्रीज लि०, बजबज, जिला—24 परगना, अध्यक्ष—बी० पी० पोडर प्रबन्ध निदेशक : ए० के० पोडर	190.00	—	—	152.00	—	38.00	190.00
144.	मै० कैलेडीनियन जूट एण्ड इण्डस्ट्रीज लि०, चित्रगंग, बजबज, जि०—24 परगना प्रबन्ध निदेशक— आर० एल० जाटीआ	220.73	—	—	157.22	11.73	51.78	220.73
145.	मै० चम्पाडनी जूट क० लि०, लि०, रीशा, जिला—हुगली, (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष—जे० जी० वधवा	305.00	—	—	259.00	—	46.00	305.00
146.	मै० खेबीयत कं० लि० बड कालीनगर, जिला—24 परगना, अध्यक्ष—बी० डी० कनोरिया	175.00	—	—	140.00	—	35.00	175.00
147.	मै० डेल्टा जूट एण्ड इण्डस्ट्रीज लि०, मनिक पुर, जि०—हावड़ा अध्यक्ष— बी० एन० झुनझुनवाला एच० पी० लोहिया एस० के० झुनझुनवाला	237.00	—	—	190.00	—	47.00	237.00
148.	मै० गैस्ट कीन विलीयम्स लि०, 1. हावड़ा (5 परियोजनाएं) 2. बम्बई (2 परियोजनाएं) महाराष्ट्र 3. बैंगलोर (2 परियोजनाएं) कर्नाटक अध्यक्ष—के० सी० मैत्र उप अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—एन० घोष, (जी० के० डब्ल्यू० ग्रुप)	1461.00	—	—	595.00	—	866.00	1461.00

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
38.00	—	—	—	—	38.00	कम्पनी के पटसन मिल का आधुनिकीकरण व नवीकरण।
36.00	5.23 (अ० मा०)	—	—	—	41.23	कम्पनी के पटसन का मिल आधुनिकीकरण व नवीकरण।
57.50	5.35 (अ० मा०) 21.86£	—	—	—	84.71 (अति०)	कम्पनी के पटसन मिल का आधुनिकीकरण व नवीकरण।
35.00	—	—	—	—	35.00	कम्पनी के पटसन मिल का आधुनिकीकरण व नवीकरण।
47.50	—	—	—	—	47.50	कम्पनी के पटसन मिल का आधुनिकीकरण व नवीकरण।
95.00	—	—	—	—	95.00 (अति०)	कम्पनी की हावड़ा बम्बई और बंगलौर के विभिन्न प्रभागों अर्थात् इस्पात प्रभाग, सूक्ष्म दबाव प्रभाग, इंजीनियरिंग और मशीनरी प्रभागों का सन्तुलन व विस्तार और आधुनिकीकरण।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
149.	मैं० हाडा टैक्सटाइल इण्डस्ट्रीज लि०, विष्णु पुर, जि०—24 परगना, अध्यक्ष—एस० एन० हाडा प्रबन्ध निदेशक—के० बी० हाडा	106.60	—	—	70.00	—	36.60	106.60
150.	मैं० हिन्दुस्तान गैस और इण्डस्ट्रीज लि०, नासी (बजबज) जि०—24 परगना सभापति—आर० एल० बटवाल	52.00	—	—	25.00	—	27.00	52.00
151.	मैं० हिन्दुस्तान लीवर लि०, 1 हल्दिया, जि० —मिदनापुर (अधि-सूचित पिछड़ा जिला) 2. टलोजा जिला—बम्बई महाराष्ट्र । 3. बड़ी ब्राह्मण जम्मू के पास (अधिसूचित पिछड़ा जिला) । 4. पैम्पूर श्री नगर के पास (अधिसूचित पिछड़ा जिला) जम्मू और कश्मीर अध्यक्ष—टी० थामस (हिन्दुस्तान लीवर ग्रुप)	2764.00	803.20	—	1325.00	—	635.80	2764.00
152.	मैं० कमरहट्टी कम्पनी लि० कमरहट्टी जिला—24 परगना अध्यक्ष—एस० एस० कनोरिया ।	300.00	—	—	250.00	—	50.00	300.00
153.	मैं० केशोराम इण्डस्ट्रीज ऐण्ड काटन मिल्स लि०, कलकत्ता अध्यक्ष—बसन्त कुमार बिरला (बिरला ग्रुप)	400.00	—	—	200.00	—	200.00	400.00
154.	मैं० मशीनरी मैन्यू-फैक्चरर्स कोर्पोरेशन लिमिटेड, कलकत्ता अध्यक्ष—केशव महिन्द्रा कार्यकारी निदेशक—जयन्त गुप्ता ।	298.60	—	—	250.00	—	48.60	298.60

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
35.00	—	—	—	—	35.00 (अति०)	कम्पनी की 28572 तकुओं वाली वस्त्र मिल का आधुनिकीकरण ।
25.00	—	—	—	—	25.00 (अति०)	अन्य बातों के साथ साथ प्रतिवर्ष 10-90 लाख क्यूबिक मीटर आक्सीजन गैस की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिये विस्तार व सन्तुलन।।
230.00	—	51.00	—	—	281.00	1—प्रतिवर्ष मिदनापुर में 30,000 टन सोडियम टिपाली फास्फेट का उत्पादन करने , 2—प्रतिवर्ष तलोजा में 3000 टन ओसीन 6000 टन डाइ कैल्शियम फास्फेट और 15 रुपए फिनाइल ओथिल अल्कोहल, 3—प्रतिवर्ष बारी ब्राह्मण में 6000 टन धुलाई पाउडर और 4—प्रति वर्ष पम्पोर में 4000 धुलाई घड़ों टिक्कियां बनाने के लिए विशाखन योजना।
62.50	—	—	—	—	62.50 (अति०)	कम्पनी के पटसन मिल का आधुनिकीकरण/ नवीकरण ।
50.00	—	—	—	—	50.00	कम्पनी की 76424 तकु और 2215 खड्डियों वाली संकलित वस्त्र मिल का आधुनिकीकरण ।
62.50	—	—	—	—	62.50 (अति०)	कम्पनी की वस्त्र मशीनरी निर्माण करने वाला इकाई का आधुनिकीकरण ।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
155.	मै० मैटल बोक्स कं० आफ इंडिया लिमिटेड, खड़कपुर जिला—मिदनापुर (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—पी० के० नन्दा (मैटल बोक्स ग्रुप) ।	1970.10	—	50.00	1403.50*	176.60	340.00	1970.10
156.	मै० न्यू गुजरात काटन मिल्स लिमिटेड 1. सिजबेरिया जि०— हावड़ा 2. हावड़ा 3. और अहमदाबाद गुजरात अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—के० के० कनोरिया ।	623.21	—	—	467.45	—	155.76	623.21
157.	मै० पेपीरस पेपर्स लिमिटेड, कल्याणी जिला—नाड़िया (अधि-सूचित पिछड़ा जिला) प्रस्तावित प्रबन्ध निदेशक —जी० पी० कनोरिया।	448.00	160.00	—	273.00	—	15.00	448.00
158.	मै० रिलाएन्स जूट एण्ड इण्डस्ट्रीज लि०, भटनारा, जिला—24 परगना अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—पी० के० कनोरिया ।	300.00	—	—	200.00	—	100.00	300.00
159.	मै० शक्तिगढ़ टैक्सटाइल एण्ड इण्डस्ट्रीज लि०, शक्तिगढ़ जि०—बुर्डवान (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष: एच० पी० बारात प्रबन्ध निदेशक—एस० के० हाड़ा।	120.00	—	—	85.00	—	35.00	120.00
160.	मै० स्टील एण्ड एलाईड प्रोडक्ट लि०, कलकत्ता प्रबन्ध निदेशक—एच० के० मजूमदार।	35.00	—	—	35.00	—	—	35.00

*परिवर्तनीय बांडो की 220.00 लाख रुपए की राशि शामिल है ।
@परिवर्तनीय बांड ।

परिशिष्ट 'क'—(जारी)

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
50.00	65.79 (स्वे० फो०)	—	—	@25.00	140.79	प्रतिवर्ष 67.5 लाख बालबियरिंगों, टेपर्ड रोलर बियरिंगों और सिलिंडरीकल रोलर बियरिंगों का उत्पादन करने के लिए नई इकाई लगाकर विशाखन योजना ।
117.00	—	—	—	—	117.00	कम्पनी की सिजबेरियां में पटसन मिल, हावड़ा में कताई इकाई और अहमदाबाद में दो संकलित वस्त्र मिलों की आधुनिकीकरण, नवीकरण और सन्तुलन योजना ।
75.00	—	20.00	—	—	95.00	प्रतिवर्ष 10270 टन्स एम० जी०/एम० एफ० विरजक और अविरजक कागज का उत्पादन करने के लिए नई परियोजना लगाना ।
50.00	—	—	—	—	50.00	पुरानी और वर्तमान मशीनरी का पुर्नस्थापन और बाकी मशीनरी का आवश्यकतानुसार नवीकरण करने आधुनिकीकरण व नवीकरण योजना ।
30.00	—	—	—	—	30.00 (अति०)	कम्पनी का 25056 तकुओं वाला वस्त्र मिल का आधुनिकीकरण ।
35.00	—	—	—	—	35.00 (अति०)	उत्पादों में विस्तार उत्पादन प्रक्रिया में सुधार और वर्तमान तथा पुरानी मशीनरी का पुर्नस्थापन करके आधुनिकीकरण योजना ।

*परिवर्तनीय बांडों की 220.00 लाख रुपए की राशि शामिल है ।

@परिवर्तनीय बांड ।

परिशिष्ट 'क'—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
161.	मै० सुप्रीम पेपर मिल्स लि०, रानी नगर जिला—नाड़िया (अधि-सूचित पिछड़ा जिला) निदेशक—नंदलाल टोडा।	395.00	135.00	—	245.00	—	15.00	395.00
162.	मै० टैक्समैको लि०, 1. बेलधारिया 2. अग्रपारा कलकत्ता के समीप अध्यक्ष—के० के० बिरला (बिरला ग्रुप)।	345.00	—	—	276.00	—	69.00	345.00
163.	मै० टीटागढ़ पेपर मिल्स कं० लि०, 1. टीटागढ़ 2. कनकीनारा, जि०—24 परगना 3. चोढ़ार जि०—कटक उड़ीसा अध्यक्ष—एस० पी० पुरी	1422.31	—	—	1050.00	—	617.00	1667.00
164.	मै० बेबल तुलसिंद लि०, कलकत्ता अध्यक्ष : यू० चटर्जी प्रबन्ध निदेशक—एन० के० एस० भल्ला।	44.76	18.00	—	26.76	—	—	44.76
	दिल्ली							
165.	मै० बिरला कोटन स्पिनिंग और विविंग मिल्स लि० दिल्ली अध्यक्ष : के० के० बिरला	183.78	—	—	105.00	—	78.78	183.78
	गोआ							
166.	मै० मद्रास रबर फैक्टरी लि०, पोंडा गोवा (अधिसूचित पिछड़ा जिला) अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक—के० एस० मेनन मप्पीलाय।	567.00	—	—	330.00	11.00	226.00	567.00
	जोड़	113273.10	14335.14	1767.00	77984.37	679.59	18507.48	113273.58

* प्रत्यक्ष अभिदान

परिशिष्ट 'क'—जारी

(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
50.00	—	15.00	—	—	65.00	प्रतिवर्ष 10,000 टन लिखाई, छपाई और क्राफट कागज का उत्पादन करने के लिए नई संकलित गुट्टी और कागज मिल लगाना ।
50.00	—	—	—	—	50.00	कम्पनी की वस्त्र मशीनरी और चीनी मशीनरी का निर्माण करने वाली दो इकाइयों का आधुनिकीकरण ।
100.00	—	—	—	—	100.00 (अति०)	इसके तीन मिलों की प्रतिवर्ष उत्पादन क्षमता 66000 टन से 93500 टन बढ़ाने के लिए आधुनिकीकरण व विस्तार योजना ।
—	—	3.38*	—	—	3.38	प्रतिवर्ष 25000 हाथ के बरमें और बेंगल ग्राइंड्रस का उत्पादन करने के लिए नई परियोजना ।
26.25	—	—	—	—	26.25 (अति०)	कम्पनी की वस्त्र मिल का आधुनिकीकरण ।
50.00	—	—	—	—	50.00 (अति०)	प्रतिवर्ष प्रत्येक 300,000 टायर और ट्यूबों का उत्पादन करने के लिए विस्तार परियोजना म आए लागत के अति व्यय के एक भाग को पूरा करना ।
10624.33	593.73	514.87	25.00	27.97	11785.90	

परिशिष्ट 'क'—समाप्त

पांच संस्थाओं को पहले वर्षों में मंजूर सहायता का रुपया ऋणों में संपरिवर्तन करने से मंजूर राशि 49.53 लाख रुपए (रु० ऋण), 21.17 लाख रु० (ज० मा०) और 24.29 लाख रुपए (स्वैडिस कोनर) ।

परियोजना (ओं) की कुल लागत के आंकड़े कुल समायोजन किए जाने के कारण वित्तीय साधनों के जोड़ से मेल नहीं खाते ।

टिप्पणियां :—

1—कुछ संस्थाओं के सामने जो 'औद्योगिक समूह' का नाम दिया गया है, वे उन उपक्रमों से सम्बन्धित हैं जो एकाधिकार एवं निर्बन्धकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 की धारा 26 के अधीन पंजीकृत हैं, ये आंकड़े निगम को प्राप्त नवीनतम जानकारी पर आधारित हैं।

2—प्रत्येक संस्था के आगे वर्तमान/प्रस्तावित अध्यक्षों/प्रबन्ध निदेशकों आदि के जो नाम दिए गए हैं वह वित्तीय सहायता मंजूर करते समय थे ।

3—परियोजना लागत तथा वित्तीय साधन के आंकड़े वित्तीय सहायता मंजूर करते समय लगाए गए अनुमान पर निर्भर है ।

परिशिष्ट 'ख'

30 जून, 1978 तक (रद्द की गई/वापिस ली गई मंजूरियों का समायोजन करने के बाद) मंजूर की गई निवल वित्तीय सहायता का राज्य/क्षेत्रवार वितरण

(रुपये, लाखों में)

राज्य/क्षेत्र	मंजूरियां					जोड़	कुल का प्रतिशत
	परियोजनाओं की संख्या	रुपया ऋण	विदेशी मुद्रा उप ऋण	हामीदारियां/ प्रत्यक्ष अभिदान	मशीनरी की आस्थगित अदायगियोंऔर विदेशी ऋणों के लिए गारंटियां		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
आन्ध्र प्रदेश	83	3861.32	402.40	550.90	925.82	5740.44	7.5
असम	11	610.43	115.86	377.50	—	1103.79	1.4
बिहार	48	2582.88	255.61	372.68	329.75	3540.92	4.6
गुजरात	79	5099.03	509.85	478.11	158.94	6245.93	8.2
हरियाणा	49	2136.88	341.01	270.27	19.08	2767.24	3.6
हिमाचल प्रदेश	8	204.50	65.98	35.00	—	305.48	0.4
जम्मू और कश्मीर	5	205.00	—	—	—	205.00	0.3
कर्नाटक	80	4563.88	380.41	417.94	221.52	5583.75	7.3
केरल	32	1831.00	297.27	119.50	172.47	2420.24	3.2
मध्य प्रदेश	23	1202.46	259.01	309.41	39.82	1810.70	2.4
महाराष्ट्र	194	11492.56	1233.26	833.57	375.93	13935.32	18.2
मेघालय	2	280.00	—	4.09	—	284.09	0.4
नागालैंड	1	50.00	—	—	—	50.00	0.1
उड़ीसा	22	1282.23	218.57	130.00	—	1630.80	2.1
पंजाब	28	1474.19	185.12	131.33	9.96	1800.60	2.4
राजस्थान	30	2357.95	200.50	197.14	786.07	3541.66	4.6
तमिलनाडु	95	5931.18	821.08	676.42	1231.31	8659.99	11.3
त्रिपुरा	1	80.00	—	—	—	80.00	0.1
उत्तर प्रदेश	109	7032.08	883.31	518.88	353.59	8787.86	11.5
पश्चिमी बंगाल	112	4926.24	754.39	386.87	532.13	6599.63	8.6
अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह	1	27.50	11.93	—	—	39.43	0.1
दिल्ली	7	409.23	82.86	40.75	83.33	616.17	0.8
गोआ	7	405.00	—	120.00	—	525.00	0.7
पांडिचेरी	2	92.00	—	9.35	8.16	109.51	0.2
जोड़	1029	58137.54	7018.42	5979.71	5247.88	76883.55	100.0

परिशिष्ट ग

30 जून, 1978 तक (रद्द की गई/वापिस ली गई मंजूरियों के समायोजना के बाद) राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण के अनुसार विभिन्न प्रकार के उद्योगों के लिए मंजूर की गई निबल वित्तीय सहायता का विवरण

(रुपये, लाखों में)

रा० औ० व० कोड संख्या	उद्योग समूह	मंजूरियां						
		परियोजनाओं की संख्या	रुपया ऋण	विदेशी मुद्रा उपऋण	हामीदारियां/ प्रत्यक्ष अभिदान	मशीनरी की आस्थागित अदायगियों और विदेशी ऋणों के लिए गारंटियां	जोड़	कुल का प्रतिशत
	खनन और खदान :							
100—	कोयला खनन	3	120.00	—	—	—	120.00	0.2
110	कच्चा पैट्रोलियम	1	—	—	350.00	—	350.00	0.5
120, 125	धातु खनन	1	—	—	350.00	—	350.00	0.5
127	खाद्य उत्पाद	4	210.00	—	45.00	—	225.00	0.3
206	चीनी	176	15951.78	7.86	85.34	—	16044.98	21.0
200, 201, 202, 210, 211, 212, 219, 222	अन्य खाद्य उत्पाद	12	248.50	7.41	31.40	—	287.31	0.4
231, 232, 241, 244, 147, 248	वस्त्र	162	8347.47	276.63	313.00	306.93	9244.03	12.1
251	पटसन उत्पादन	27	1624.44	33.16	20.00	—	1677.60	2.2
270, 278	लकड़ी उत्पाद	9	247.26	182.96	43.00	—	473.22	0.6
280, 281	कागज तथा कागज उत्पाद	53	4148.43	763.51	622.39	551.16	6085.49	8.0
290	चमड़ा उत्पाद	8	187.75	13.57	40.00	—	241.32	0.3
300 से 303	रबर उत्पाद	20	1677.78	268.75	209.56	265.61	2421.70	3.2
	रसायन और रसायन उत्पाद :							
310—	मूल औद्योगिक संगठित तथा विघटित रसायन और गैसें	45	2657.35	625.48	411.65	431.36	4125.84	5.4
311	उर्वरक और कीट नाशक	18	2647.90	59.65	526.53	1278.86	4512.94	5.9
316	कृत्रिम तथा मानव निर्मित रेशे	19	1176.40	596.07	182.95	73.99	2029.41	2.6
316	कृत्रिम रेसिन्स तथा प्लास्टिक उत्पाद	11	415.00	260.04	100.00	—	775.04	1.0
305, 312 से 315, 318, 319	अन्य रसायन तथा रसायन उत्पाद अधातु खनिज उत्पाद	33	719.90	165.19	171.78	—	1056.87	1.4
321	कांच तथा कांच उत्पाद	15	454.67	126.57	57.00	—	638.24	0.8
324, 328	सीमेंट	46	3881.00	348.16	270.89	18.54	4518.59	5.9
320, 323, 329	अन्य अधातु खनिज उत्पाद	23	834.17	289.86	130.36	—	1254.39	1.6
	मूल धातु तथा अलाय उद्योग :							
330 से 332	लोहा तथा इस्पात एवं फेरो-अलाय	69	3167.88	568.44	678.29	103.26	4517.87	5.9
333 से 336, 332, 339	अलोह धातु उद्योग	13	870.12	39.40	325.30	1945.65	3180.47	4.2
340, 341, 343, 344, 349	धातु उत्पाद सिवाय मशीनरी तथा परिवहन संयंत्र	40	944.44	310.90	253.69	62.78	1571.81	2.1
	मशीनरी सिवाय बिजली मशीनरी							
350	कृषि यन्त्र तथा कल पुर्जे	8	351.00	100.33	55.50	—	506.83	0.7
351 से 359	मशीनरी और पुर्जे	72	2038.47	911.07	312.80	103.76	3366.10	4.4
360 से 364, 367, 369	बिजली मशीनरी उपस्कर, कलपुर्जे	50	1537.60	486.88	281.39	—	2305.87	3.0
	परिवहन उपस्कर तथा पुर्जे :							
371, 372	लोकोमोटिव, रेलवे वेगन तथा कोंच	4	105.00	—	10.00	—	115.00	0.1
374—	मोटर गाड़ियां तथा कल पुर्जे	22	666.52	409.43	211.69	—	1287.64	1.7
375—	मोटर साइकिल, आटोसाइकिल, स्कूटर तथा पुर्जे	15	707.54	103.47	62.99	26.95	900.95	1.2
376—	अन्य परिवहन उपस्कर	3	198.20	8.85	—	—	207.05	0.3
261, 380, 382, 385	विविध निर्माण उद्योग	9	190.60	54.78	36.00	—	281.38	0.4
40, 41	बिजली और गैस	9	610.50	—	65.00	—	675.50	0.9
691	होटल उद्योग	29	1199.87	—	62.60	79.03	1341.50	1.7
710	जहाजरानी उद्योग	1	—	—	13.61	—	13.61	—
	जोड़	1029	58137.54	7018.42	5979.71	5247.88	76383.55	100.0

परिशिष्ट 'घ'

वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों का निपटान (उदार ऋण योजना को छोड़कर)

(रूपये, लाखों में)

राज्य/क्षेत्र	संस्थाओं की संख्या जिनसे आवेदन-पत्र वर्ष के प्रारम्भ में विचाराधीन थे (1-7-1977)		संस्थाओं की संख्या जिनसे वर्ष के दौरान आवेदन-पत्र प्राप्त हुए		संस्थाओं की संख्या जिन्होंने वर्ष के दौरान आवेदन-पत्र वापिस ले लिए		संस्थाओं की संख्या जिन्हें वर्ष के दौरान सहायता (सकल) मंजूर की गई		संस्थाओंकी संख्या जिनसे आवेदन वर्ष के अन्त 30-6-78 में विचाराधीन थे	
	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
आन्ध्र प्रदेश	4	880.50	16	27617.05	—	—	11	648.28	9	16095.80
असम	—	—	1	168.73	—	—	—	—	1	168.73
बिहार	1	423.00	9	4724.17	—	—	6	231.75	4	4074.00
गुजरात	4	24517.00	6	3779.99	—	—	7	1489.25	3	2570.02
हरियाणा	3	476.60	3	80.58	—	—	5	114.65	1	64.00
हिमाचल प्रदेश	—	—	3	622.70	—	—	2	96.48	1	84.00
जम्मू और कश्मीर	—	—	1	163.00	—	—	1	65.00	—	—
कर्नाटक	3	1172.00	11	10585.10	1	185.60	6	864.83	7	2490.50
केरल	1	142.00	9	2162.65	—	—	7	370.00	3	416.00
मध्य प्रदेश	—	—	4	1272.36	—	—	2	125.30	2	502.30
महाराष्ट्र	6	1606.37	32	16995.90	—	—	17	840.46	21	14297.99
उड़ीसा	1	379.00	5	1936.04	—	—	4	176.50	2	1553.54
पंजाब	1	204.00	13	3317.83	—	—	7	379.69	7	2059.90
राजस्थान	2	139.00	9	4458.90	1	71.00	7	718.89	3	881.50
तमिल नाडु	11	6866.00	9	2370.70	3	1960.00	11	863.13	6	2154.20
उत्तर प्रदेश	6	2080.50	14	5967.15	—	—	13	1066.25	7	1822.40
पश्चिमी बंगाल	4	2266.13	12	7832.15	1	106.00	8	754.17	7	5361.05
गोआ, दमन और दीव	—	—	2	160.00	—	—	1	50.00	1	10.00
जोड़	47	41152.10	159	94485.00	6	2322.60	1115	8845.63*	85	64605.93

*इसमें 11 संस्थाओं को 278.77 लाख रुपये की सामान्य शर्तों पर मंजूर की गई सकल सहायता शामिल नहीं है, जिन्होंने उदार ऋण योजना के अधीन सहायता के लिए आवेदन किया था।

टिप्पणियां :—(1) खाना 2, 4, 6, 8 और 10 में दी गई संस्थाओं की संख्या में वे संस्थाएं भी सम्मिलित हैं जिन्होंने अन्य वित्तीय संस्थानों के साथ संयुक्त रूप से सहायता के लिए आवेदन किया है।

(2) खाना 3, 5, 7 और 11 में दी गई राशियों में अन्य वित्तीय संस्थानों के साथ संयुक्त रूप से दी गई सहायता शामिल है।

परिशिष्ट

30 जून, 1978 तक प्रत्येक राज्य में (रद्द की

रा० औ० व० कोड संख्या	उद्योग समूह	आन्ध्र प्रदेश	असम	बिहार	गुजरात	हरियाणा	हि० प्र०	जम्मू क०	कर्नाटक
खनन और खदान :									
100	कोयला खनन	—	—	50·00	—	—	—	—	—
110	कच्चा पैट्रोलियम	—	350·00	—	—	—	—	—	—
120, 125, 127	धातू खान खनन	—	—	—	—	—	—	—	50·00
	खाद्य उत्पाद :								
206	चीनी	1366·00	185·00	274·50	898·50	286·00	—	—	1425·59
201, 202, 210, 211, 212, 219, 222	अन्य खाद्य उत्पाद	25·00	—	18·00	—	26·90	—	—	107·50
231, 232, 241, 244, 247, 248	वस्त्र	395·44	26·17	127·70	944·20	345·23	77·00	95·00	460·33
251	पटसन उत्पाद	98·00	78·50	34·00	—	—	—	—	—
270, 278	लकड़ी उत्पाद	102·72	100·74	—	7·00	—	—	—	—
280, 281	कागज तथा कागज उत्पाद	965·60	197·00	777·65	283·23	480·77	—	—	1149·80
290	चमड़ा उत्पाद	93·75	—	75·00	—	—	—	—	—
300 से 303	रबर उत्पाद	—	—	21·64	—	—	—	—	90·00
रसायन तथा रसायन उत्पाद :									
310	मूल औद्योगिक संघटित तथा विघटित रसायन तथा गैसें	337·45	—	28·61	611·57	—	—	—	112·87
311	उर्वरक तथा कीटनाशक	963·29	36·38	—	1620·00	—	20·00	—	236·00
316	कृत्रिम तथा अन्य मानव निर्मित रेशे	—	—	—	101·01	23·00	—	—	—
316	कृत्रिम रेसिन्ज तथा प्लास्टिक सामान	177·24	90·00	—	63·50	—	—	—	15·00
305, 312 से 315, 318, 319	अन्य रसायन तथा उत्पाद	66·00	—	3·00	73·45	72·00	2·50	—	37·58
	आगे ले जाया गया	4590·49	1063·79	1410·10	5511·46	1233·90	99·50	95·00	3684·67

'ङ'

गई / वापिस ली गई मंजूरियों का समायोजन करने के बाद)

केरल	मध्य प्रदेश	महाराष्ट्र	मेघालय	नागालैंड	उड़ीसा	पंजाब	राजस्थान	तमिलनाडु	त्रिपुरा	उत्तर प्रदेश	पं० बंगाल	केन्द्र प्रशासित क्षेत्र	जोड़	परियोजनाओं की सं०
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	70·00	—	120·00	3
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	350·00	1
—	—	—	—	—	75·00	—	—	85·00	—	—	—	45·00	255·00	4
180·00	80·00	6194·70	—	50·00	205·00	382·50	1162·00	1672·44	—	2532·75	—	150·00	16044·98	176
—	—	68·00	—	—	—	—	—	—	—	38·24	3·67	—	287·31	12
200·68	396·46	1591·70	—	—	310·88	504·29	655·93	782·64	—	1608·15	547·52	155·71	9244·03	162
—	—	—	—	—	145·00	—	—	—	80·00	40·00	1202·10	—	1677·60	27
139·80	29·00	—	—	—	—	—	—	—	—	—	20·00	73·96	473·22	9
117·34	—	330·72	—	—	252·08	85·33	—	159·31	—	555·98	681·33	49·35	6085·49	53
18·57	—	—	—	—	—	—	—	37·00	—	—	17·00	—	241·32	8
267·04	—	143·81	—	—	—	—	264·89	336·04	—	441·44	706·84	150·00	2421·70	20
207·50	—	790·97	—	—	129·29	—	4·00	1162·24	—	211·63	529·71	—	4125·84	45
306·00	80·00	31·50	—	—	—	—	253·98	395·00	—	495·79	—	75·00	4512·94	18
87·38	178·49	146·43	—	—	—	—	144·30	161·20	—	278·60	—	—	2029·41	19
—	—	294·30	—	—	—	—	—	105·00	—	30·00	—	—	775·04	11
168·00	22·38	91·85	14·09	—	27·00	58·00	—	222·82	—	153·20	45·00	—	1056·87	33
1701·31	786·33	9683·98	14·09	50·00	1144·25	1030·12	1485·10	5118·69	80·00	6385·78	3823·17	699·02	49700·75	601

परिशिष्ट

ए० ओ० व० कोड संख्या	उद्योग समूह	आन्ध्र प्रदेश	असम	बिहार	गुजरात	हरियाणा	हिमाचल प्रदेश	जम्मू और काश्मीर	कर्नाटक
	आगे लाया गया	4590·49	1063·79	1410·10	5511·46	1233·90	99·50	105·00	3684·67
	अधातु खनिज उत्पाद :	—	—	—	—	—	—	—	1·50
321	कांच तथा कांच उत्पाद	47·50	—	112·31	—	35·42	—	100·00	246·00
324, 328	सीमेंट	264·89	—	474·76	142·30	—	—	—	2·85
320, 323, 329	अन्य अधातु खनिज उत्पाद मूल धातु तथा अलाय उद्योग	22·23	—	284·14	83·58	101·98	—	—	246·25
	मूल धातु तथा अलाय उद्योग :								
330 से 332	लोहा तथा इस्पात और फैरो अलायज	241·50	2·50	868·84	—	438·23	—	—	215·00
333, से 336 और 339	अलौह धातु उद्योग	—	—	99·91	—	—	—	—	72·36
340, 341, 343, 344, 349	धातु उद्योग सिवाय मशीनरी तथा परिवहन उपस्कर	—	—	—	47·00	247·00	—	—	32·50
	मशीनरी सिवाय बिजली मशीनरी :								
350	कृषि यंत्र तथा पुर्जे	—	—	—	—	109·99	—	—	304·35
351 से 359	मशीनरी तथा पुर्जे	121·74	—	87·86	371·59	116·62	93·48	—	342·94
360 से 364, 367, 369	बिजली मशीनरी उपस्कर, कल पुर्जे	216·96	—	32·00	—	196·92	—	—	70·00
	परिवहन उपस्कर तथा पुर्जे :								
371, 372	लोकोमोटिव रेलवे वैगन तथा कोच	—	—	15·00	—	—	—	—	282·33
374	मोटर गाड़ियां तथा पुर्जे	—	—	25·00	—	—	—	—	50·00
375	मोटर साइकल, आटोसाइकल स्कूटर तथा पुर्जे	44·29	—	50·00	—	132·28	—	—	—
376	अन्य परिवहन उपस्कर]	—	—	—	—	67·85	—	—	—
261, 380, 382, 385	विविध निर्माण उद्योग]	6·34	—	—	—	87·05	93·00	—	—
40, 41	बिजली और गैस	—	37·50	—	90·00	—	—	—	33·00
691	होटल उद्योग	184·50	—	81·00	—	—	19·50	—	—
710	जहाजरानी उद्योग	—	—	—	—	—	—	—	—
	जोड़	5740·44	1103·79	3540·92	6245·93	2767·24	305·48	205·00	5583·75
	राज्य वार परियोजनाओं की संख्या	(83)	(11)	(48)	(79)	(49)	(8)	(5)	(80)

'ङ'—जारी

केरल	मध्य प्रदेश	महाराष्ट्र	मेघालय	नागालैंड	उड़ीसा	पंजाब	राजस्थान	तमिलनाडु	त्रिपुरा	उत्तर प्रदेश	प० बंगाल	केन्द्र प्रशासित क्षेत्र	जोड़	परियोजनाओं की संख्या
1701·31	786·33	9683·98	14·09	50·00	1144·25	1030·12	1485·10	5118·69	80·00	6385·78	3823·17	699·02	49700·75	601
40·00	—	54·83	—	—	—	—	—	—	—	203·67	143·01	—	638·24	15
—	529·59	—	270·00	—	136·00	—	875·00	1180·05	—	300·00	—	—	4518·59	46
—	203·06	76·87	—	—	155·55	—	—	3·00	—	40·00	281·13	—	1254·39	23
48·27	48·71	1234·20	—	—	195·00	288·10	102·73	165·07	—	360·22	278·25	—	4517·87	69
309·10	—	75·76	—	—	—	—	668·35	1188·50	—	75·00	548·85	—	3180·47	13
—	—	122·10	—	—	—	65·50	131·24	114·32	—	322·54	449·75	—	1571·81	40
33·00	—	118·39	—	—	—	107·95	—	15·00	—	90·00	—	—	506·83	8
—	94·00	888·37	—	—	—	—	—	485·39	—	40·00	718·85	43·85	3366·10	72
257·88	190·06	450·11	—	—	—	90·04	192·74	40·88	—	142·82	106·93	145·59	2305·87	50
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	30·00	—	115·00	4
—	58·95	636·04	—	—	—	133·39	—	30·00	—	101·93	20·00	—	1287·64	22
—	—	157·05	—	—	—	43·00	37·50	204·34	—	125·00	57·49	—	900·95	15
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	139·20	—	207·05	3
30·68	—	20·01	—	—	—	42·50	—	—	—	0·90	—	—	281·38	9
—	—	115·00	—	—	—	—	—	—	—	430·00	3·00	—	675·50	9
—	—	288·10	—	—	—	—	49·00	114·75	—	170·00	—	401·65	1341·50	29
—	—	13·61	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	13·61	1
2420·24	1810·70	13935·32	284·09	50·00	1630·80	1800·60	3541·66	8659·99	80·00	8787·86	6599·63	1290·11	76383·55	1029
(32)	(23)	(194)	(2)	(1)	(22)	(28)	(30)	(95)	(1)	(109)	(112)	(17)	(1029)	

परिशिष्ट 'च'

वर्ष 1976 तथा 1977 के दौरान देश के चुने हुए उद्योगों की कुल विस्थापित क्षमता और औद्योगिक उत्पादन तथा उसमें भारतीय औद्योगिक वित्त निगम से सहायता प्राप्त औद्योगिक संस्थाओं का योगदान

उद्योग	सम्पूर्ण देश के सम्बन्ध में				भारतीय औद्योगिक वित्त निगम से सहायता प्राप्त संस्थाओं के सम्बन्ध में			
	1976		1977		1976		1977	
	इकाइयों की संख्या	प्रतिशत उपयोग क्षमता	इकाइयों की संख्या	प्रतिशत उपयोग क्षमता	इकाइयों की संख्या	प्रतिशत उपयोग क्षमता	इकाइयों की संख्या	प्रतिशत उपयोग क्षमता
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1. रसायन तथा रसायन उत्पाद :								
कास्टिक सोडा	32	71.5	33	73.0	5	47.2	5	61.7
तरल क्लोरिन	25	55.0	26	47.1	2	59.9	3	47.9
सोडा एश	4	89.3	4	89.7	2	88.0	2	90.2
2. उर्वरक :								
(क) नाइट्रोजन	29	62.7	29	66.1	4	66.1	3	68.7
(ख) फास्फेटिक	40	52.5	41	66.7	2	61.8	2	82.7
3. सीमेंट	54	86.6	55	88.0	8	92.2	6	84.7
4. कागज और कागज उत्पाद	75	77.4	75	72.1	14	77.1	15	75.3
5. लोहा तथा इस्पात								
इस्पात की ढलुआ वस्तुएं	51	40.4	51	42.5	2	55.1	1	95.4
लोहे की लोचदार ढलुआ वस्तुएं	11	76.0	13	76.9	1	63.7	1	80.5
इस्पात की सिलियां तथा बट्टे	—	—	—	—	8	66.7	9	54.1
6. मशीनरी :								
कृषि ट्रेक्टर	11	66.3	11	71.2	2	72.8	3	70.5
शक्ति टिलर्स	4	16.5	4	9.5	1	4.8	2	8.0
7. रबर उत्पाद:								
आटोमोबाइल टायर	14	82.1	16	82.0	3	63.9	5	51.2
आटोमोबाइल ट्यूब	14	63.4	16	67.3	3	67.5	5	42.4
8. बिजली मशीनरी तथा उपस्कर :								
बिजली मोटरें	33	60.3	37	60.6	2	68.2	1	106.0
ट्रांसफार्मर	32	67.4	33	7.28	3	77.8	3	70.6
पी आई एल सी पावर तारें					1	22.6	1	21.8
पी० वी० सी० पावर तारें	12	71.9	12	75.7	1	70.0	1	82.8
9. आटोमोबाइल उद्योग								
मोटर साइकलें	4	87.7	4	81.9			6	43.5
स्कूटर	4	76.3	4	69.4	5	67.9		
तिपहिए	2	63.0	2	83.5				
मोपेड	3	48.6	3	45.9				

परिशिष्ट च—जारी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
10. कृत्रिम रेशे :								
नाइलोन फिलामेंट धागा .	8	101.5	8	100.1	4	93.6	3	100.1
पोलेस्टर फिलामेंट धागा .	6	100.9	6	119.7	3	85.3	3	98.0
11. चीनी :								
सहकारिताएं . .	120	93.8	130	115.4@	43	89.4	49	110.1
अन्य . . .	157		158		6	56.4	16	78.2
12. सूती वस्त्र								
धागा . . .		197.5		198.0		12.3		14.4
	(लाख तकुए)		7 (लाख तकुए)		(लाख तकुए)		(लाख तकुए)	
	10060		8751		606		731	
	(धागा)		(धागा)		(धागा)		(धागा)	
	702*(लाख कि०)		704*(लाख कि०)		£41(लाख कि०)		$49(लाख कि०)	
कपड़ा . . .	2.1		2.1		0.06		0.05	
	(लाख खड्डियां)		(लाख खड्डियां)		(लाख खड्डियां)		(लाख खड्डियां)	
	38832		33263		1505		913	
	(कपड़ा)		(कपड़ा)		(कपड़ा)		(कपड़ा)	
	(लाख मीटर)		(लाख मीटर)		(लाख मीटर)		(लाख मीटर)	

@1977-78 के मौसम के लिए 31 जुलाई, 1978 को उत्पादन पर आधारित (अनन्तिम)

*290 संयुक्त मिल्स शामिल हैं £8 संयुक्त मिल्स शामिल हैं $7 संयुक्त मिल्स शामिल हैं

टिप्पणियां : 1. खाना 2, 3, 4 और 5 में दी गई संख्याएं उद्योग, रसायन तथा उर्वरक, पैट्रोलियम, (रसायन और उर्वरक विभाग), कृषि और सिंचाई (खाद्य विभाग) चीनी तथा वनस्पति निदेशालय और राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम मंत्रालयों की वार्षिक रिपोर्टों से प्राप्त सूचना पर आधारित हैं। सूती वस्त्र से सम्बन्धित संख्याएं वास्तविक हैं।

2. खाना 6, 7, 8 और 9 में दी गई सूचना निगम द्वारा वित्तपोषित इकाइयों से प्राप्त प्रश्नावली पर आधारित है।

परिशिष्ट छ

30 जून, 1978 तक भारतीय औद्योगिक वित्त निगम द्वारा मंजूर की गई निबल वित्तीय सहयता का धन राशि के अनुसार वर्गीकरण
(प्रत्येक औद्योगिक संस्था के लिये मंजूर की गई रकमों के अनुसार)

(रुपये, लाखों में)

	सहकारिताएं		पब्लिक लिमिटेड कम्पनियां पब्लिक लिमिटेड कम्पनियां					जोड़				
	संस्थाओं की संख्या	ऋण	संस्थाओं की संख्या	ऋण	हामीदारियां/ प्रत्यक्ष अभिदान	मशीनरी की अदायगियों के लिये गारंटियां	आस्थागित और विदेशी ऋणों	जोड़	संस्थाओं की संख्या	हामीदारियां प्रत्यक्ष अभिदान	मशीनरी की आस्थागित अदायगियों और विदेशी ऋणों के लिए गारंटी	जोड़
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1. रकमें, जो दस लाख रुपये से अधिक न हों।	—	—	91	278.54	235.13	—	513.67	91	278.54	235.13	—	513.67
2. रकमें, जो दस लाख रु० से अधिक पर 20 लाख रु० से अधिक न हों।	1	20.00	56	705.37	191.58	—	896.95	57	725.37	191.58	—	916.95
3. रकमें, जो 20 लाख रु० से अधिक पर 30 लाख रु० से अधिक न हों।	3	75.20	61	1403.03	186.00	3.71	1592.74	64	1478.23	186.00	3.71	1667.94
4. रकमें, जो 30 लाख रु० से अधिक पर 40 लाख रु० से अधिक न हो।	11	406.50	86	2725.92	325.50	25.28	3076.70	97	3132.40	325.50	25.28	3483.20
5. रकमें, जो 40 लाख रु० से अधिक पर 50 लाख रु० से अधिक न हों।	9	424.50	84	3406.94	463.52	38.68	3909.14	93	3831.44	463.52	38.68	4333.64

6. रकमें, जो 50 लाख रु से अधिक पर 60 लाख रु० से अधिक न हों	13	733.75	48	2322.82	319.13	—	2641.95	61	3056.57	319.13	—	3775.70
7. रकमें, जो 60 लाख रु० से अधिक पर 70 लाख रु० से अधिक न हों।	10	654.50	45	2686.67	195.38	58.75	2940.80	55	3341.17	195.38	58.75	3595.30
8. रकमें, जो 70 लाख रु० से अधिक पर 80 लाख रुपये से अधिक न हों।	16	1241.00	32	2175.05	227.59	24.99	2427.63	48	3416.05	227.59	24.99	3668.63
9. रकमें, जो 80 लाख रु० से अधिक पर 90 लाख रु० से अधिक न हों।	35	3099.93	37	2792.81	376.77	—	3169.58	72	5892.74	376.77	—	6269.51
10. रकमें, जो 90 लाख रु० से अधिक पर एक करोड़ रुपये से अधिक रु० न हों।	18	1778.00	28	2348.03	281.15	79.65	2708.83	46	4126.03	281.15	79.65	4486.83
11. रकमें, जो एक करोड़ रु० से अधिक हों।	48	7308.27	161	28569.13	3117.96	5016.82	36763.91	209	35877.40	3177.96	5016.32	44072.18
जोड़	164	15741.65	729	49414.31	5979.71	5247.80	60641.90	893	65155.96	5979.71	5247.88	76383.55

परिशिष्ट-अ

रियायती दरों पर वित्त प्रदान करने की शर्तें

(30 जून, 1978 को)

देश के विकसित भागों में उद्योगों का प्रसार करने की दृष्टि के उद्यमकर्ताओं को अधिक प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए भारतीय औद्योगिक वित्त निगम की 1970 से एक योजना चल रही है जिसके अन्तर्गत इन क्षेत्रों की परियोजना को रियायती दरों पर वित्त प्रदान किया जाता है। यह योजना अब होटलों सहित निगमित तथा सहकारी क्षेत्रों की सभी प्रकार की परियोजनाओं जैसे, नई विस्तार अथवा विशाखन पर भी लागू होगी, चाहे उनकी पूंजीगत लागत कुछ भी हो। कम विकसित जिलों/क्षेत्रों की इकाईयों को रियायती दरों पर वित्त प्रदान करने की इस संशोधित योजना की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

1. स्थिति

यह सहायता केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर विभिन्न राज्यों अथवा केन्द्र प्रशासित क्षेत्रों के चुने हुए जिलों में पहले से स्थापित/स्थापित की जाने वाली सभी औद्योगिक परियोजनाओं को उपलब्ध हो सकेगी।

2. योजना का क्षेत्र

रियायती वित्त सभी पात्र परियोजनाओं (होटलों सहित) –नई तथा विशाखन–निगमित (लिमिटेड कम्पनियों) तथा सहकारी क्षेत्र को प्रदान किया जाता है। भारतीय औद्योगिक वित्त निगम अधिसूचित कम विकसित जिलों की परियोजनाओं को पुर्नस्थापन के लिए भी उन्हीं शर्तों पर वित्त प्रदान करता है जिन शर्तों पर नई तथा विस्तार परियोजनाओं को रियायती वित्त प्रदान किया जाता है।

3. सहायता की सीमा

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम द्वारा अकेले रियाती दरों पर वित्त प्रदान करने की समग्र सीमा, अन्य वित्तीय संस्थानों के साथ सामानुपातिक आधार पर 2.00 करोड़ रुपये तथा वैसे 1.00 करोड़ रुपये होगी। इस 1.00 करोड़ रुपये की सीमा में पहले के बकाया रियायती शर्तों पर मंजूर रुपया ऋणों, यदि कोई है, का गबन किया जायेगा। निगम सहित अन्य दीर्घकालीन ऋण प्रदान करने वाले वित्तीय संस्थानों द्वारा रियायती शर्तों पर प्रदान की जाने वाली हामीदारी सहायता की सीमा 1.00 करोड़ रुपये होगी, चाहे परियोजना की लागत कुछ भी हो।

4 शर्तें

(1) ब्याज की दर

योजना के अन्तर्गत रुपया ऋणों पर तथा विदेशी मुद्रा ऋणों पर वर्तमान ब्याज की दर 11 प्रतिशत से कम ब्याज दर अर्थात् क्रमशः 9.5 प्रतिशत और 10 प्रतिशत लिया जाता है।

(2) ऋणों की अदायगी अवधि

निगम की सामान्य पद्धति रही है कि सहायता प्राप्त करने वाली संस्था को ऋण आदायगी में मूलधन की प्रथम किस्त प्रदान करने के लिये तीन वर्ष का समय दिया जाता है। कम विकसित क्षेत्रों में स्थित परियोजनाओं के लिये प्रत्येक मामले की लाभ संभावनाओं और साधन तथा स्त्रोतों की स्थिति को देखते हुए यह अवधि ऋण के प्रथम संवितरण की तारीख से पांच वर्ष तक बढ़ा दी जायेगी। स्थिति को कम विकसित क्षेत्रों की परियोजनाओं के मामले में प्रत्येक के गुणावगुणों के आधार पर उनकी लाभ क्षमता और नकद बहाव स्थिति को देखते हुए ऋण अदायगी की सामान्य स्वीकृत अवधि बढ़ाई जा सकती है।

(3) प्रवर्तकों का योगदान तथा इक्विटी ऋण अनुपात

प्रत्येक मामले में गुणावगुणों के आधार पर प्रवर्तकों का वित्तीय स्तर तथा ख्याति, योजना विशेष की परिपक्कव अवधि, अन्य सम्बंधित तत्व तथा लाभ क्षमता को देखते हुए परियोजना लागत में प्रवर्तकों के 17.5 प्रतिशत के सामान्य योगदान से कम योगदान तथा उन्मुक्त इक्विटी ऋण अनुपात पर विचार किया जायेगा।

(4) साधारण और अधिमान पूंजी में सांझेदारी

प्रत्येक मामले में गुणावगुणों के आधार पर निगम अन्य जिलों/क्षेत्रों में स्थित परियोजनाओं की तुलना में कम विकसित क्षेत्रों में स्थित परियोजनाओं के लिए हामीदारी अथवा शेयर पूंजी में अधिक योगदान देने पर विचार करने पर तत्पर रहेगा।

(5) अन्य प्रभारों में कटौती

रुपया ऋणों के मामले में, निगम के सामान्य प्रभारों, हामीदारी प्रभार, आवेदनों की जांच के लिए अप्रतिदेय शुल्क, तथा विधिक प्रभारों में 50 प्रतिशत तथा आस्थगित अदायगी कमीशन के निवल प्रभार में 25 प्रतिशत की कटौती कर दी जायेगी। हामीदारी कमीशन से सम्बन्धित निगम के सामान्य प्रभारों में भी 50 प्रतिशत की कटौती की जायेगी।

परिशिष्ट II

सरकारी वित्तीय संस्थानों से रियायती दर पर वित्तीय सहायता के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित पात्र जिलों/क्षेत्रों की समेकित सूची

(पहली जुलाई, 1978 को)

राज्य	चुने हुए जिले
1	2
1. आंध्र प्रदेश	अनन्तपुर, चितुर, कुड्डपा, करीमनगर, खम्मम, कुरनूल, महबूबनगर, मेडक, नालगौंडा, नेलौर, निजामाबाद, ओंगोले, प्रकासम, श्रीकाकुलम* और वारंगल ।
2. असम	कछार*, गोलपारा*, कामरूप*, मिकिर हिल्स*, उत्तरी कछार हिल्स, नया लखिमपुर* तथा नवगंग* ।
3. बिहार	औरंगाबाद, बेगुसराय, भागलपुर*, भोजपुर, चम्पारन*£, दरभंगा£, गया, मुंगेर, मुज्जफरपुर£, नालन्दा, नवादा, पालमाऊ*, पूर्णिया, सहरसा*, संथाल परगना* और सारन£ ।
4. गुजरात	अमरेली, बंसकण्ड, भावनगर, भढौंच*, जूनागढ़, कच्छ, मेहसाना, पंचमहल्स*, साबरकंठ तथा सुरेन्द्रनगर* ।
5. हरियाणा	भिवानी, हिसार $, जींद तथा महेन्द्रगढ़ $ ।
6. हिमाचल प्रदेश	चम्बा*, कांगड़ा*£, किन्नोर, कुल्लू*, लाहौल तथा स्पिति, सिरमूर* और सोलन* ।
7. जम्मू और कश्मीर	अनन्तनाग*, बारामूला*, डोडा*, जम्मू*, कथुआ, लद्दाख, पूंछ*, राजौरी, श्रीनगर* तथा उधमपुर ।
8. कर्नाटक	बेलगांव, बिदार, बीजापुर, धारवाड़*, गुलबर्गा, हसन, मैसूर*, उत्तरी कनारा, रायचुर*, दक्षिणी कनारा तथा टमकर ।
9. केरल	ऐलैपी*, कन्नानोर*, मलापुरम*, त्रिचूर तथा त्रिवेन्द्रम ।
10. मध्य प्रदेश	बालाघाट, बस्तर, बैतूल, बिलासपुर, भींड़, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, दतिया, धार, देवास, गूना, होशंगाबाद, झबुआ, खरगांव, मांडला, मंदसौर, मोरेणा, नरसिंहपुर, पन्ना, रायगढ़, रायपुर, रायसन, राजगढ़, राजनन्दगांव, रतलाम, रीवा, सागर, स्योनी, शाजपुर, शिवपुरी, सीद्धी, सरगूजा, टिक्कमगढ़, विदिशा तथा सिहोर ।
11. महाराष्ट्र	औरंगाबाद*, भंडारा, भीर, बुल्डाना, चन्द्रपुर*, कोलाबा, धुलिया, जलगांव, नांदेड़, ओसमानाबाद, प्रभनी, रत्नगिरी* और यौतमल ।
12. मणिपुर	सभी पांचों जिले* ।
13. मेघालय	गारोहिल्स*, संयुक्त खासी तथा जयन्तिया हिल्स* ।
14. नागालैंड	कोहिमा*, मोकोकचुंग* तथा तेनसंग* ।
15. उड़ीसा	बालासीर, बोलंगीर*, धेनकनल*, कालाहांडी*, क्योंझर*, कोरापुट*, म्यूरभंज* तथा फुलबानी ।
16. पंजाब	भटिंडा*, फिरोजपुर, गुरदासपुर, होशियारपुर* और संगरूर* ।
17. राजस्थान	अलवर*, बांसवाड़ा, बाड़मेर, भीलवाड़ा*, चुरू*, डुंगरपुर, जयसलमेर, जैलोर, झुनझुन, झालवाड़, जोधपुर*, नागौर*, सीकर, सिरोही, टौंक तथा उदयपुर* ।
18. सिक्किम	गंगटोक*, गयालसिंह*, मंगा* एवं नमची के सभी चार जिले ।
19. तमिलनाडु	धर्मापुरी, कन्याकुमारी, मदुरई, उत्तरी अरकोट, पुडुकोटाई, रामानाथपुरम, दक्षिणी अरकोट, तंजाबुर और तिरुचेरापल्ली ।
20. त्रिपुरा	सभी तीनों जिले* ।
21. उत्तर प्रदेश	अल्मोड़ा*, आजमगढ़, बदायुं, बडैच, बलिया*, बांदा, बाराबंकी, बस्ती*, बुलन्दशहर, चमोली, देवरिया, एटा, इटावा, फैजाबाद*, फरुर्खाबाद, फतेहपुर, गढ़वाल, गाजीपुर, गौंडा, हमीरपुर, हरदोई, जालोन, जौनपुर, झांसी*, कानपुर देहात, मैनपुरी, मथुरा, मुरादाबाद, पीलीभीत, पिथौरागढ़, प्रतापगढ़, रायबरेली*, रामपुर, शाहजहांपुर, सीतापुर, सुल्तानपुर, टिहरी गढ़वाल, उन्नाव तथा उत्तरकाशी ।
22. पश्चिमी बंगाल	बांकुरा, बिरभूम, बर्दवान, कूचबिहार, दार्जिलिंग, हुगली, जलपाइगुडी, मालदा, मिदनापुर, मुर्शिदाबाद, नदिया*, पुरलिया* तथा पश्चिमी दिनाजपुर ।

परिशिष्ट 'ङ' (जारी)

1	2
केन्द्र प्रशासित क्षेत्र	
1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह*	सम्पूर्ण क्षेत्र
2. अरूणाचल प्रदेश*	सम्पूर्ण क्षेत्र
3. दादरा और नागर हवेली*	सम्पूर्ण क्षेत्र
4. गोआ, दमन और दीव*	सम्पूर्ण क्षेत्र
5. लक्षदीप*	सम्पूर्ण क्षेत्र
6. मिजोरम*	सम्पूर्ण क्षेत्र
7. पाण्डिचेरी*	सम्पूर्ण क्षेत्र

*ये जिले क्षेत्र केन्द्रीय सरकार की निवेश आर्थिक सहायता के पात्र हैं।

हाल ही में किये गये पुनर्गठन से पहले के जिले।

हाल ही में पुनर्गठित जिले।

टिप्पणियां :

(1) आंध्र प्रदेश :

श्रीकाकुलम जिला और 5 क्षेत्र :

रायलसीमा खण्ड के 22 ब्लाकों वाले दो क्षेत्र, अर्थात् चित्तूर%, बंगारूपेलम%, पुलिचेरला%, पुतुर%, चन्द्रगिरी तथा कालाहस्थी% (चित्तूर जिले से) और कौडुर, राजपेट, सिद्धौत, कुडुपा, कमलापुरम, प्रोदत्तेर, और पुलिवंडला (कुड्डपा जिले से) तथा तदपतरी, सिंहमाला, गुट्टो, कुडेर, (अनन्तपुर जिले से) और धौन, कुरनूल, बंगानपल्लो%, नन्दल%, और गिदालूर (कुरनूल जिले से), तेलंगाना क्षेत्र से 43 ब्लाकों वाले 3 क्षेत्र, अर्थात् मेहबूब नगर%, चदचेरला%, शादनगर%, कल्वाकुर्ति, और अर्मलगत (महबूब नगर जिले से) और नालगौंडा, मंगदी, नकराकल, सूर्यपट, कोडाद%, कुजूरंगर%, मिरगलगुडा%, पेडावोरा% तथा देवर कौंडा%, (नालगौंडा जिले से) खम्मम, तिस्मालइपेलम, कुल्लूर%, येलूंडू%, कोदागुडक%, अश्वारतेट%, बर्गपद%, भद्रचेलम% (खम्मम जिले से) और महबूबाबाद, नरसापेट, हनमकोंडा, धनापुर%, जंगाव% और मुलुग% (वारांगल जिले से) जहीराबाद, पतनचेरुवु%, नरसापुर%, मेडक%, सिद्धिपेट (मेडक जिले से), येदापाली%, निजामाबाद%, कमारेड्डी%, और दमोकोंडा%, (निजामादाद जिले से) और सिरसिल्ला%, करीमनगर%, सुल्तानाबाद%, पोडापल्ली, मंथानी% और हजूराबाद (करीमनगर जिले से) केन्द्रीय योजना के अधीन निवेश सहायता प्राप्त करने के पात्र हैं।

(2) हरियाणा

महेन्द्रगढ़ का पुनर्गठित जिला (महेन्द्रगढ़ तथा रिवाड़ी उप-खण्डों वाला) भिवानी जिला और आठ जी ब्लाकों वाला एक क्षेत्र, अर्थात—हिसार ब्लाक नं० 1 और बड़वाला ब्लाक (हिसार तहसील से), हांसी ब्लाक नं० 1 (हांसी तहसील से), बहुना ब्लाक (फतेहाबाद तहसील से) हिसार जिले के टोहाणा ब्लाक/तहसील (टोहाणा तहसील से), जींद जिले से जींद ब्लाक और जलाणा ब्लाक (जींद तहसील से), उचाना ब्लाक (नरवाणा तहसील से) केन्द्रीय योजना के अधीन निवेश सहायता प्राप्त करने के पात्र हैं।

(3) मध्य प्रदेश

पूर्वी खण्ड से 12 ब्लाकों वाला एक क्षेत्र अर्थात् कोरबा, बलौदा, चम्पा, कोटा, मस्तूरी और बिल्हा (बिलासपुर) ब्लाक (बिलासपुर जिसे से) भारापाटा, सिंगा, तिल्दा, धारसीवा (रायपुर) अभनपुर और राजीम ब्लाक (रायपुर जिले से), उत्तरी खण्ड से 9 ब्लाकों वाला क्षेत्र अर्थात शिवपुरी एवं करेड़ा (शिवपुरी जिले से) दतिया और स्यौंढ़ा (दतिया जिले से), भिंड, मेगांव और माहद (भिंड जिले से) और मोरेना और जौरा (मोरेना जिले से) पश्चिमी खण्ड से 10 ब्लाकों वाला क्षेत्र अर्थात् देवस, और टौंक खुर्द ब्लाक (देवस जिला से), गुलाना, सुजालपुर तथा साजापुर ब्लाक (साजापुर जिला से), पंचौर (सारंगपुर) और बियौरा ब्लाक (राजगढ़ जिला से) और चाचौ राधोगढ़ और गुना ब्लाक (गुना जिले से), पश्चिमी खण्ड 2 के 12 ब्लाकों वाला क्षेत्र% अर्थात् पोदवाड़ एवं मेधनगर (झाबुआ जिले से), बदनावर, धार और नालचा (धार जिले से) महेश्वर और बरवाहा (खरगांव जिले से), रतलाम और जौरा (रतलाम जिले से), मंदसौर मल्हारगढ़ और नीमच (मंदसौर जिले से), मध्य क्षेत्र से 11 ब्लाकों वाला 'क्षेत्र'% अर्थात् बीना, इटावा, खुरी बांदा (विनेका), राहतगढ़, सागर, साहगढ़ (अमरामाऊ) (सागर जिले से) टिक्कमगढ़ और बलदेवगढ़ (टिक्कमगढ़ जिले से), विदिशा और ग्यारसपुर (विदिश जिले से) और छतरपुर (छतरपुर जिला), उत्तर-पूर्वी खण्ड से 11 ब्लाकों वाला 'क्षेत्र'% अर्थात रीवां और रायपुर (गढ़), (रीवां जिला से), मझौली, सिद्दी, दयोसर और वेधान (सिद्धी जिले से), सोंहत, बैकुंठपुर, महेन्द्रगढ़, सूरजपुर, और अम्बिकापुर (सरगुजा जिले से) केन्द्रीय योजना के अधीन निवेश सहायता प्राप्त करने के पात्र हैं।

(4) तमिलनाडु

उप-तालुकाओं सहित 12 तालुकाओं वाला क्षेत्र, अर्थात् रामानाथापुरम, मदुकुलातुर, शिवगंगा, परमाकुडी, तिरुवदनी-केराकुडी एवं थिरुपतर, तालुके (रामानाथापुरम जिले से), मेलूर तालुका (मदुरई जिले से), पडुकोटई, थिरुमयम, अलांगुडी, कालाथुर तालुकें (पडुकोटई जिले से), दो खण्ड% एक 11 तालुकों वाला क्षेत्र अर्थात् धर्मापुरी, पालेकोड, होसूर देनकेनोकोटाह, कृष्णागिरी, उधनगिरई, हरुर (धर्मापुरी जिले से), निरुपतुर, वनियमबदी, वेल्लूर, वज्जापेट (उत्तरी आर-

कोट जिले से) तथा दूसरा 9 तालुकों वाला क्षेत्र अर्थात अरूपकोई, खतेर, विरुधूनगर, सतूर, श्रीनिलीसुतुर, रार, राज्यपालयम (रामानाथपुरम) जिले से पश्चिमी रामानाथापुरम), तिरूमंगलम, उसिलींट्दी, निलाकोटर, डिंडुगुल, वेदासंदूर (मदुरर जिले से), केन्द्रीय योजना के अधीन निवेव सहायता प्राप्त होने के पात्र हैं।

क्रम संख्या 4 और 7 केन्द्र प्रशासित क्षेत्र में उनकी राजधानियों की नगरपालिक सीमाओं के भीतरी भाग को छोड़कर सम्पूर्ण जिले केन्द्रीय योजना के अधीन निवेश सहायता प्राप्त करने के पात्र हैं।

%10-7-1972 के बाद में चुने गये जिलों (उपखण्डों/तालुकों/ब्लाकों/तहसीलों का द्योतक हैं।

हाल ही में लिए गए पुनर्गठन से पहले के जिले।

STATE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

Bombay, the 5th October 1978

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified :

Shri R. N. Bhargava has been appointed as Deputy Branch Inspector on the Central Office Staff as from the 4th October 1978.

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified :

Shri H. C. Srivastava has been appointed as Deputy Branch Inspector on the Central Office Staff as from the 3rd October 1978.

V. S. NATARAJAN
Managing Director

Bombay, the 7th October 1978

SBD/No. 14/1978.—In pursuance of sub-section (2) of Setion 26 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the term of appointment of Lt. Gen. Sagat Singh, Meghna Farm, Khatipura, Jaipur, nominated as a Director on the Board of the State Bank of Bikaner & Jaipur under clause (c) of sub-section (1) of Section 25 of the Act (ibid) will expire on the 12th October 1978.

2. It is hereby notified for general information that, in pursuance of clause (c) of sub-section (1) of Section 25 of the Act (ibid), the State Bank of India, in consultation with the Reserve Bank of India, has re-nominated Lt. Gen. Sagat Singh as a Director on the Board of the State Bank of Bikaner & Jaipur for a further term of three years from the 13th October 1978 to the 12th October 1981 (inclusive).

P. C. D. NAMBIAR
Chairman

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta-700071, the 12th September 1978

No. 4-ECA(1)/6/78-79—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause (C) of Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute with effect from 1st August, 1977 on account of non-payment of the prescribed fees, the names of the following members :

Sl. No.	Membership No.	Name and Address
(1)	(2)	(3)
1.	1837	Shri Arabinda Ghose, 71-B, Ekdalia Road, Calcutta-700019.
2.	5671	Shri Hari Jayaraman, 22, Mandeville Gardens, Flat No. E/4, Calcutta-700019.

New Delhi-110002, the 25th September 1978

No. 4-CA(1)/10/78-79.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause(a) of Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, has removed from the Register of Members of this Institute on account of Death with effect from 28th June, 1978, the name of Shri Wil Isaac Jacobs, 'Rose Minar', 4th Floor, Flat No. 9, Chapel Road, Bandra, Bombay-400050. His membership number is 800.

Tue 30th September 1978

No. 8CA(1)/7/78-79—In pursuance of Clause (iii) of Regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled for the period mentioned against their names, as they do not desire to hold their Certificate of Practice.

Sl. No.	Membership No.	Name and Address	Period from which the Certificate shall stand cancelled.
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	2182	Shri S. O. Chaudhari, A.C.A., Tara Sadan, Top Floor, Shiva Park Road No. 4, Dadar, Bombay-400028.	1-8-1978
2.	5117	Shri P. Vasudeva Menon, F.C.A., General Manager (Finance), Premier Construction Co. Ltd., Construction House, Walchand Hirachand Marg, Ballard Estate, Fort, Bombay-400038.	1-8-1978

(1)	(2)	(3)	(4)
3.	6989	Shri K. M. Mehta, F.C.A., 9A, Ashakunj Society, Opp. Museum Road, Ahmedabad-380007.	1-8-1978
4.	7626	Shri D. V. Pandit, F.C.A., 3, Abhyudaya, 12, Sudarshan Colony, Thana-3.	1-8-1978
5.	8600	Shri S. S. Bhuwania, F.C.A., Managing Director, The Indian Aluminium Cables Ltd., Kanchenjunga (7th Floor), 18, Barakhamba Road, New Delhi-110001.	1-8-1978
6.	9013	Shri N. C. Jain, F.C.A., Saurashtra Chemicals, Porbandar-360576.	1-8-1978
7.	9099	Shri A. M. Shah, A.C.A., G/3, Datta Vihar, Race Course Road, Baroda-390007.	1-8-1978
8.	9446	Shri Harsh Narain, F.C.A., Chartered Accountant, At & P.O. Palghar-401404, Distt. Thana.	1-8-1978
9.	9601	Shri K.P. Gandhi, A.C.A., C/o. Bader AL Mulla & Bros., P.B. No. 177, Safat, Kuwait.	1-8-1978
10.	9722	Shri K. S. Jagannathan, A.C.A Dy. Financial Controller, Hindustan Insecticides Ltd., Hans Bhawan, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002.	1-8-1978
11.	9890	Shri S. K. Kapoor, A.C.A., 1/1220, Mahal Sarai, Kashmere Gate, Delhi-110006.	1-8-1978
12.	9957	Shri M. V. Dhopte, F.C.A., Zonal Accountant, Tanganyika Coffe Board, P.O. Box 732, Moshi-Tanzania.	1-8-1978
13.	10516	Shri R. K. Sawhney, F.C.A., 228, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009.	1-9-1977
14.	10708	Shri N. K. Jain, A.C.A., Assistant Accountant, Permanent Magnets Ltd., Sysvester Bldg., 20, Shahid Bhagat Singh Road, Bombay-400023.	1-8-1978
15.	10837	Shri D. N. Upadhyay, A.C.A., 2/21, Sakina Mansion No. 2, Swami Nityanand Marg, Andheri (East), Bombay-400069.	1-8-1678
16.	11319	Shri Rishi Kumar, A.C.A., C/o. The Jagatjit Sugar Mills Co. Ltd., Phagwara-144401.	16-6-1978
17.	11469	Shri M. B. Pareek, A.C.A., 542, Jai Lal Munshi Ka Rasta, Chandpole, Jaipur.	1-8-1978
18.	11715	Shri G. G. Patel, A.C.A , P.O. Box 110, Lusaka, Zambia.	1-8-1978
19.	12144	Shri J. J. Adajania, F.C.A., P-17, Nowroz Baug, Lalbaug, Bombay-12.	1-8-1978
20.	12505	Shri K. K. Kherbanda, F.C.A., IFFCO Colony, C-37, Kasturinagar, Dist. Gandhinagar, Pin :382423 (North Gujarat).	1-8-1978
21.	12619	Shri A. C. Naik, F.C.A., A. E. (NE) Ltd., P.O. Box 49, Manama, Bahrain.	1-8-1978
22.	13448	F. A. Dubash, A.C.A., G.P.O. Box 836, Bombay-400001 (BR).	1-8-1978
23.	13642	Shri D.V. Chadha, A.C.A., E-178, New Rajinder Nagar, New Delhi-110060.	1-8-1978
24.	13643	Shri Jag Mohan, A.C.A., 793, Sui Walan, Darya Ganj, New Delhi-110002.	1-8-1978
25.	13802	Shri V. K. Chowdhry, A.C.A., Post Box No. 875, Doha, Qatar (Arabian Gulf).	31-7-1978
26.	14062	Shri P. K. Goradia, A.C.A., C/o. B. M. B. Finance & A/C Div., P.O. Box No. 177, Safat, Kuwait (Arabia).	1-8-1978
27.	14200	Shri C. S. Jain, A.C.A., 4662, Gali Mohar Singh Jat, Pahari Dhiraj, Delhi-110006.	1-8-1978
28.	14332	Shri A. K. Bhargava, A.C.A., 1135, Gali Samosan, Farash Khana, Delhi-110006.	1-8-1978
29.	14844	Shri H. S. Shah, A.C.A., C/o. Mr. Naren J. Shah, 4607, Barbara Drive, Belts Ville, Marryland-20705, U.S.A.	31-7-1978
30.	14916	Shri V. N. Mittal, A.C.A., 117, Satya Niketan, Near Moti Bagh-II, New Delhi-110021.	1-8-1978
31.	15743	Shri P. C. Muchhala, A.C.A., "Pankaj", 2nd Floor, Linking Road, Santacruz (W), Bombay-400054.	1-8-1978
32.	16701	Shri Madhup Jain, A.C.A., CR/D-11/4, Pandara Park, New Delhi-110003.	1-8-1978
33.	15800	Shri R. Mukherjee, A.C.A., C/o. Grindlays Bank Ltd., Office of the Regional Director-South Asia, 90, Mahatma Gandhi Road, Post Box 725, Bombay-400023.	31-
34.	16709	Shri V. K. Sethi, A.C.A., Finance Officer, Bharat Commerce & Industries Ltd., Industrial Area, Rajpura-140401.	1-8-1978

(1)	(2)	(3)	(4)
6.	16804	Shri R. K. Gurtoo, A.C.A., C/o. M/s. A. F. Ferguson & Co., Allahabad Bank Bldg., Apollo Street, Bombay.	1-8-1977
5.	16907	Shri P. R. Asrani, A.C.A., Sita Nivas, 14th A. Road, Khar, Bombay-400052.	1-8-1978
7.	17056	Shri P. S. Virdi, A.C.A., 25, Shakti Nagar, Opp. Green Fields, Ludhiana.	1-8-1978
8.	17058	Shri R. M. Assar, A.C.A., 12, Kanthi Bhuvan, Rajawadi, Ghatkopar, Bombay-400077.	1-8-1978
9.	17071	Shri S. K. Dujari, A.C.A., 281, Ram Nagar, Ghaziabad.	1-8-1978
0.	17530	Shri S. K. Mittal, A.C.A., 20/50, Rajender Nagar Old, New Delhi-110060.	1-8-1978
1.	17624	Shri Parbodh Sagar, A.C.A., Dr. Khushi Ram St., Pansarian Bazar, Ludhiana.	1-8-1978
2.	17634	Shri M. P. Luthra, A.C.A., Post Box 1246, Kitwe, Zambia,	1-8-1978
3.	17727	Shri S. Kannan, A.C.A., Flat No. 10, Lalitha Co-op. Hsg. Society., Gokhale Road, Vile Parle East, Bombay-400057.	1-8-1978
4.	17738	Shri R. R. Bansal, A.C.A., C/o. Shri P. K. Gupta, 31, Lovedale, Colaba, Bombay-400005.	1-8-1978
5.	17814	Shri Arun C. Khanna, A.C.A., 706, Cumballa Crest, 42, Peddar Road, Bombay-400026.	1-8-1978
6.	30120	Shri P. C. Patel, A.C.A., Mathurbhai's Chawl, Opp. Amba Mata, Anand (Guj.).	31-7-1978
17.	30166	Shri V. S. Namjoshi, A.C.A., 3, Yamuna Chawl, Shashi Hall, Tardeo Road, Bombay-400007.	1-8-1978
18.	30268	Shri B. C. Mehta, A.C.A., 9-B, Sarwoday Society, 1st Floor, Near Amar Dairy, Anand-388001.	1-8-1978
19.	30515	Shri A. M. Apte, A.C.A., Khare Bldg., Jankeria Road, Malad, Bombay-400064.	1-8-1978
50.	30605	Shri P. Y. Nagar, A.C.A., C/o. Nagar Glassware Mart, Vora Bazar, Bhavnagar (Gujrat).	1-8-1978
51.	30619	Miss S. B. Raheja, A.C.A., 63, Bharat Mahal, 86, Marine Drive, 'F' Road, Bombay-2.	1-8-1978
52.	50015	Shri A. K. Raut, A.C.A., Accounts Officer, Indian Oil Corporation Ltd., Refencries Division, P.O. Barauni Oil Refinery, Dist. Begusarai (Bihar)-851114.	1-8-1978
53.	70082	Shri G. P. Sodhani, A.C.A., 41, Gangwal Park, Motidungri Road, Jaipur-302004.	1-4-1978
54.	80478	Shri Adarsh Kumar, A.C.A., C-4/119, Safdarjang Development Area, New Delhi-110016.	1-9-1978
55.	18635	Shri Pralhadrao Joshi, A.C.A., Union Bank of India, Post Box No. 131, Guntur-522003.	31-7-1978

No. 8-CA(1)/8/78-79.—In pursuance of Clauses (iv) of Regulation 10(1) read with Regulation 10(2)(b) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled with effect from 1st August, 1978 as they have not paid their fee for Certificate of Practice for the year 1978-79 till 31st day of July, 1978.

Sl. No.	Membership No.	Name and Address
1	2	3
1.	199	Shri P. R. Pavri, F. C. A., Ismajll Building, 1st Floor, Dr. Dadabhai Naoroji Road, Fort, Bombay.
2.	782	Shri A. B. Thakkar, A.C.A., 227, Samuel Street, Bombay-400043.
3.	1722	Shri L. R. Suneja, F.C.A., 26, South Patel Nagar, New Delhi-110008.
4.	1964	Shri R. N. Malik, F.C.A., 68/2, Janpath, New Delhi-110001.
5.	2131	Shri A. R. Motafram, F.C.A., 2/A, Brighton I, Off. Nepean Sea Road, Rungta Lane, Bombay-400006.
6.	2218	Shri T. V. Narayan, A.C.A., 42A, College Street, Opp. Portuguese Church, Dadar, Bombay-400028.
7.	2352	Shri G. C. Jain, F.C.A., Shivaji Nagar Colony, Jaloro (Rajasthan)
8.	2412	Shri M. G. Mohoni, F.C.A., 256/5, Mrudula Mansion, Wadala, Bombay-400031.
9.	2628	Shri K. G. Desai, F.C.A., 11/B, Yusuf Building, 1st Floor, Opp. Flora Fountain, Mahatma Gandhi Road, Fort, Bombay-400001.
10.	2678	Shri S. K. Jain, F.C.A., 331, Kalbadevi Road, 1st Floor, Opp. Swadeshi Market, Bombay-400002.

1	2	3
11.	2943	Shri S. H. Utamsingh, A.C.A., C/o International Computers (India) Pvt. Ltd., P. O. Box 516, Bombay-400001.
12.	2951	Shri N. N. Shah, F.C.A., 53, Bombay Mutual Chambers, 19-21, Ambalal Doshi Marg, (Hamam Street), Fort, Bombay-400023.
13.	3006	Shri C. O. Kanabar, F.C.A., Opp. Babul's Hospital, Above Post Office, Dandia Bazar, Baroda-390001
14.	3026	Shri K. J. Gandhi, F.C.A., C/o Machine Tools (India) Ltd., D-24, South Extension Part II, New Delhi-110049.
15.	3045	Shri S. K. Deshpande, A.C.A., Smriti Building, Dr. Borkar Road, Panaji-(Goa)
16.	3069	Shri G. S. Punjawat, F.C.A., Punjawat Bhawan, Udaipur (Raj.)
17.	3218	Shri M. M. Kothawala, A.C.A., 2227, Soojgra's Street, Kalupur, Near Panchkuwa, Ahmedabad-1.
18.	3257	Shri M. M. Shah, F.C.A., Stock Exchange, Central Bldg., 3rd Floor, Room No. 33, Bombay Samachar Marg, Bombay-400023.
19.	3283	Shri C. M. Patel, F.C.A., Yusuf Bldg., 4th Floor, Room No. 44, 43, Mahatma Gandhi Road, Bombay-400001.
20.	3329	Shri M. S. Singhatwadia, F.C.A., Executive Officer (Accounts). , The Jaipur Udyog Ltd., Swai Madhopur.
21.	3672	Shri R. S. Kantan, F.C.A., 10th Floor, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay-400021.
22.	3689	Shri V. R. Shah, A.C.A., Deepak Plot No. 71, 2nd Floor, Block No. 5, 60, Feet Road T. P. S. 11, Ghatkopar (East), Bombay-400077.
23.	3885	Shri Brijinder Bhushan, F.C.A., C/o M/s. D. L. F. United Ltd. , 40-F, Connaught Place, New Delhi-110001.
24.	3969	Shri M. N. Shah, F.C.A., E-Block, 3rd Floor, Capital Commercial Centre, Near Sanyas Ashram, Ashram Road, Ahmedabad-380009.
25.	4011	Shri S. J. Divatia, F.C.A., 10-11, 3rd Floor, "Sahayoga", Commercial Centre, Opp. Dinabai Tower, Lal Darwaja, Ahmedabad-380001.
26.	4163	Shri S. K. Hooja, F.C.A., C/o M/s. Gadgets & Appliances, 17/C, Industrial Estate, Jaipur-302006.
27.	4213	Shri R. N. Shah, A.C.A., C/o Amul Dairy, Anand, Distt. Kaira, Gujarat-388001.
28.	4390	Shri Romeo Abreu, A.C.A., Flat No. 8, Park Reach, Almeida, Park, Bandra, Bombay-400050.
29.	4481	Shri S. K. Nagpal, F.C.A., M-138, Aggarwal Bldgs., Connaught Circus, New Delhi-110001.
30.	4498	Shri B. R. Shah, F.C.A., 4, Indra Bhuvan, 514/22, Sandhurst Road, Bombay-4.
31.	4582	Shri C. K. Sathe, A.C.A., 251, New Ramdaspeth, Nagpur-10.
32.	4650	Shri K. J. Patel, F.C.A., C/o Adarsh Chemicals & Fertilizers Ltd., Udhna-394210. (Distt. Surat)
33.	4657	Shri V. K. Thapar, F.C.A., 3A/3, Asafali Road, Saraswati Bldg., 4th Floor, New Delhi-2
34.	4868	Shri D. Sawhney, F.C.A., 63, Darya Ganj, New Delhi-110002.
35.	4885	Shri S. R. Agarwalla, F.C.A., Lal Bazar, P. O. Jharia, Distt. Dhanbad.
36.	5084	Shri H. H. Malgham, F.C.A., 309, Cumbala Crest, 42, Pedder Road, Bombay-400026.
37.	5123	Shri D. C. Jain, F.C.A., A-14/3, Jamna Bhawan, Asaf Ali Road, New Delhi-110002.
38.	5128	Shri N. K. Jain, F.C.A., 5625, Qutab Road, New Delhi-110055.
39.	5140	Shri V. Kurian, A.C.A., M/s. Panwell Pvt. Ltd., U.I.C. Bldg., 29th Floor, No. 5, Shentonway, Singapore-1.
40.	5143	Shri C. V. Dandekar, F.C.A., C/o M/s. Asbestos Cement Ltd., Ashok Bhawan, 6th-7th Floor, 93, Nehru Place, New Delhi-110024.
41.	5293	Shri P. P. Sangani, F.C.A., Jeevan Udyog, Dr. Dadabhoy Naoroji Road, Bombay-400001.
42.	5375	Shri H. J. Khah, F.C.A., 12, Noble House, Plot No. 557, Crossing of Khar-Danda Rd, & 18th Road, Khar, Bombay-400052.
43.	5420	Shri H. S. Ghia, F.C.A., Room No. 9, 1st Floor, Mohatta Market Bldg., Palton Road, Bombay-400001.
44.	5451	Shri N. D. Sanghvi, F.C.A., 665, Kapasia Bazar, Near Alankar Theatre, Ahmedabad-380002.

1	2	3
45.	5565	Shri P. S. Rao, F.C.A., 9th Ismail Bldg., (2nd Floor) 381, Dr. D. N. Road, Flora Fountain, Bombay-400023.
46.	5566	Shri K. L. Agarwal, F.C.A., Choraha Jumerrati, Bhopal (MP)
47.	5578	Shri S. A. Aggarwal, A.C.A., C/o Cosme Matias Menezes (P) Ltd., Rua de Duram, Panjim (Goa)
48.	5859	Shri M. V. Krishna Moorthy, F.C.A., 15, Srivalli, Rifle Range, Ghatkopar (West), Bombay-400056.
49.	5902	Shri K. B. Mistry, A.C.A., Coover Mansion, Harvey Road, New Gamdevi, Bombay-400007.
50.	5958	Shri H. D. Asher, F.C.A., 47, Malvern Gardens, Kenton, Harrow, Middlesex, England.
51.	6069	Shri N. Q. Chokshi, F. C. A., 241, Hill Road, Bombay-400050.
52.	6110	Shri D. N. Shukla, F.C.A., 9H, Ismail Bldg., (2nd Floor), 381, Dr. D. N. Road, Flora Fountain, Bombay-400023.
53.	6148	Shri H. S. Shroff, F.C.A., Tata Mills Co-operative Hsg. Society Ltd., Block 1-A, Flat No. 20, Parel T. T., Bombay-12.
54.	6366	Shri Amar Nath Chadha, A.C.A., C-2/14, Safdarjang Development Area, Hauz Khas, New Delhi-110001.

No. 8-CA(1)/9/78-79.—In pursuance of Clause (iv) of Regulation 10(1) read with Regulation 10 (2)(b) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled with effect from 1st August, 1978 as they have not paid their fee for Certificate of Practice for the year 1978-79 till 31st day of July, 1978.

Sl. No.	Membership No.	Name and Address
1	2	3
1.	6300	Shri K. C. Sharma, A.C.A., B/48, Amarjyot Society, Pratapnagar, Baroda.
2.	6311	Shri P. O. Parikh, A.C.A., Kalyan Bldg., No. 5, 1st Floor, Khadilkar Road, Bombay-400004.
3.	6335	Shri P. J. M. Panikar, A.C.A., Treasurer, Hindustan Lever Ltd., Hindustan Lever House, Backbay Reclamation, Bombay-400020.
4.	6410	Shri J. L. Chopra, A.C.A., 42/B, Jolly Maker Apartments No. 1, Cuffe Parade, Bombay-400005.
5.	6546	Shri V. S. Dastur, F.C.A., 9H, Ismail Bldg., Second Floor, 381, Dr. D. N. Road, Flora Fountain, Bombay-400023.
6.	6554	Shri J. S. Chadha, F.C.A., 5242, Shardha Nand Marg, Near Ajmere Gate, Delhi-110006.
7.	6576	Shri R. S. J. B. Singh, A.C.A., Area Finance Manager Area No. 2, B. C. C. Ltd., P. O. Sijua, Distt. Dhanbad.
8.	6584	Shri A. T. Hozdar, F.C.A., 826, Dastur Meher Road, Poona-411001.
9.	6586	Shri A. V. Vasa, F.C.A., 502, Old Orchard Road, Cherry Hill, N. J. 08003, U.S.A.
10.	6603	Shri B. L. Virmani, F.C.A., Y-16, Haus Khas, New Delhi.
11.	6612	Shri L. J. Kapadia, F.C.A., 8th Gali, Mangaldas Market, 390, Shaikh Memon Street, Above Bank of Baroda, 2nd Floor, Bombay-400002.
12.	6636	Shri M. S. Dave, F.C.A., "Ellora Park", M. I. G. Block H. No. 28, Flat No. 166, Race Course, Baroda.
13.	6781	Shri S. C. Shah, A.C.A., 304, Krishna Kunj, Opp. Matunga, (W. Railway) Station, 143, Tulsi Pipe Road, Bombay-400016.
14.	6807	Shri M.K. Kalra, F. C. A., C/o M/s. Modi Carpets Ltd., Civil Lines, Modinagar-201204.
15.	6845	Shri Narindra Gupta, F.C.A., D/103, Kamla Nagar, Delhi-110007.
16.	6859	Shri Vishnu Narain, F.C.A., 1893/F, Chandni Chowk, Delhi-110006.
17.	6934	Shri K. S. Saxena, F.C.A., 5E/9M, Bungalow, Plot, N.I.T. Faridabad. Haryana.
18.	7051	Shri S. A. Modi, A.C.A. Flat No. 191, Maker Apartments No. 3, Cuffce Parade Bombay-400005.
19.	7216	Shri S. S. Sancheti, F.C.A., 63, Snehlataganj, Street No. 1, Indore-3.
20.	7351	Shri S. B. Kamdar, A.C.A., 7-C, Suresh Colony, S. V. Road, Bombay-400056.
21.	7426	Shri V. Vasant Kumar, A.C.A., C/o Shri V. V. Bhatia, 'Mahavir', A-7, 165, Derasar Road, Ghatkopar, Bombay-400077.
22.	7472	Shri N. N, Parikh, F.C.A., Khatri Pole, Bajwada, Baroda-390001.
23.	7536	Shri L. K. Kohli, F.C.A., E-197, Greater Kailash, New Delhi.

1	2	3
24.	7656	Shri B. P. Waghela, F.C.A., Deepak Lodge, Station Road, Durg (M.P.)
25.	7823	Shri J. H. Salaskar, A.C.A., 163D, Harihar Nivas, Dr. Ambedkar Road, Dadar, Bombay-14 DD.
26.	7798	Shri T. C. Mehta, F.C.A., 2nd Floor, 24-26, Cama Bldg., Dalal Street, Fort, Bombay-400023.
27.	7906	Shri S. N. Bagaria, A.C.A., C/o M/s. Shankar Refractories (P) Ltd., P. O. Bharechnagar, (Ranchi Road, E. Rly.), Dist. Hazaribagh, Bharechnagar.
28.	8066	Shri M. M. Tembe, A.C.A., 1355, Laxmipuri, Kolhapur-416002.
29.	8236	Shri R. P. Sharma, F.C.A., Madhu Mansion, 6th Floor, 325, Kalbadevi Road, Bombay-2.
30.	8328	Shri R. M. Puri, F.C.A., Chief Accountant, National Provident Fund, P. O. Box 1322, Dar-Es-Salam, Tanzania.
31.	8566	Shri O. R. Raghavan, F.C.A., 4, Jain Mandir Road, New Delhi-110001.
32.	8743	Shri D. Rashiklal, F.C.A., 9, Karnavati Society, Usmanpura, Ahmedabad-13.
33.	8756	Shri D. K. Mehta, F.C.A., 8/4, D.B. Gupta Road, Pahar Ganj, New Delhi-110055.
34.	8838	Shri M. C. Gupta, F.C.A., 59, Hathroi Fort, Hari Kishan Somani Marg, Ajmer Road, Jaipur-302001.
35.	8881	Shri J. P. Jain, F.C.A., Flat No. 187, D. D. A. Cycle Market No.1, Jhandewalan, New Delhi-110055.
36.	8997	Shri Sharad Jariwala, A.C.A., 23, Ful Gali, Bhuleshwar, Bombay-400002.
37.	9036	Shri Harbans Singh, F.C.A., 1868/9-10, Lal Darwaja, Lal Kuan, Delhi-6.
38.	9163	Shri S. N. Gupta, F.C.A., 303, Sea Crest No. 1, Seven Bungalows Andheri (W), Bombay-400061.
39.	9214	Shri Dinesh Khanna, F.C.A., C/109, Defence Colony, New Delhi-110024.
40	9331	Shri V. K. Bahri, F.C.A., Room No. 45, 6th Floor, Tardeo Air Conditioned, Market, Tardeo, Bombay-400034.
41.	9342	Shri Kantilal Baldia, A.C.A., 46, Old Hanuman Lane, Chandra Bhavan, 3rd Floor, Bombay-400002.
42	9434	Shri V. K. Jain, F.C.A., 3618/14, Sudershan Market, Chawri Bazar, Delhi-110006.
43	9444	Shri P. L. Gupta, F.C.A., 26/52, Birhana Road, Kanpur.
44.	9480	Shri V N. Sodha, F.C.A., 9, Shiv Chhaya Ramachandra Lane, Malad (West), Bombay-400064.
45.	9516	Shri R. N. Bhattacharjee, A.C.A., Flat No. 7, Varuna, Linking Road Extension, Santacruz West, Bombay-400054.
46.	9529	Shri Surender Kumar, F.C.A. F/24, Gaffar Market, Karol Bagh, New Delhi-110005.
47.	9532	Shri S. K. Ahuja, F.C.A., 502, Ashoka Estate, 24, Barakhamba Road, New Delhi-110001.
48.	9357	Shri M. P. Sanghvi, A.C.A., 7, Arihant Apartments, 189/B, S. V. Road, Irla, Vile Parle (West), Bombay-400056.
49.	9588	Shri N. J. Damania, F.C.A., 12-11, Rustom Baug, Sant Savta Marg, Bombay-400027.
50.	9600	Shri R. P. Chaudhary, F.C.A., A/32, Defence Colony, New Delhi.
51.	9679	Shr N. K. Jain, F.C.A., Pansari Bazar, Alwar (Raj.)
52.	9698	Shri S. Mitra, A.C.R., C/o M/s. Harbans Lal Malhotra & Sons Ltd, India House, Opp. G. P. O., Bombay.
53.	9721	Shri Virendra Gupta, A.C.A., Row House, Type II/D-1, Sector 6, P. O. Vashi, Distt. Thana, New Bombay-400703.
54.	9757	Shri A. D. Dave, F.C.A., 4th Floor, Vikas, 11, Bank Street, Bombay-400001.
55.	9779	Shri K. S. Tanksali, F.C.A., 4, Madhavi, Makarand Co-op. Housing Society, Cadell Road, Mahim, Bombay-400016.
56.	9793	Shri R. K. Chopra, A.C.A., 22/96, West Patel Nagar, New Delhi-110008.
57.	9875	Shri D. T. Desai, F.C.A., 1st Floor, Seksaria Chambers, 139, Medows Street, Fort, Bombay-1.

1	2	3
58.	9878	Shri L. S. Khandelwal, F.C.A., D/19, M. S. U. Mills Premises, Pali, Marwar (Raj.)
59.	9883	Shri D. C. Maheshwari F. C. A., D/25, C. C. Colony, Delh-110007.
60.	9892	Shri D. K. Malik, F.C.A., 5581, Lahori Gate, Delhi-110006.
61.	9895	Shri R. J. Coelho, A.C.A., 51, Chimbai Road, Near St. Andrews Church, Bandra, Bombay-400050.
62.	9924	Shri S. K. Bhandari, F.C.A., The Indian Smelting & Refining Co. Ltd., Bhandup, Bombay-400078.
93.	9967	Shri P. C. Bhawan, F.C.A., 4A/27, Rajinder Nagar, New Delhi-60.
64.	10010	Shri B. L. Doshi, F.C.A., 182, 1st Floor, Bapu Bazar, Udaipur (Raj.)
65.	10024	Shri E. S. Biradar, F.C.A., 8th Gali, Mangaldas Market, 390, Sheikh Memon Street, Above Bank of Baroda, 2nd Floor, Bombay-2.
66.	10058	Shri B. A. Choksi, F.C.A., 107/111, Bhuleshwar Kabutarkhana, 4th Floor, Bombay-2.
67.	10169	Shri K. K. Agarwal, F.C.A., Begum Bridge, Lakhpath Singh Building, Meerut City.
68.	10236	Shri V. M. Soman, A.C.A., C/11, Shakar Nivas, Prof. Agashe Path, Dadar, Bombay-400028.
69.	10306	Shri K. L. Murty, F.C.A., 7/14A, Building No. 3, Navjivan Co-op. Housing Society, Lamington Road, Bombay-400008.
70.	10414	Shri M. C. Agarwal, F.C.A., 83, Haulakha, Agra-282001.
71.	10423	Shri L. N. Malik, F.C.A., C/o M/s. N. Kumar & Co., 5625, Qutab Road, New Delh-110055.
72.	10450	Shri T. C. Gupta, F.C.A., A/105, Inderpuri, New Delhi-110012.
73.	10465	Shri M. M. Kapoor, F.C.A., 26-M, Connaught Circus, New Delhi-110001.
74.	10517	Shri D. R. Baid, F.C.A., 819, Sector-15A, Faridabad-121002.
75.	10598	Shri M. T. Bhargava, F.C.A., Ravindra House, 541, Kalbadevi Road, Bombay-400002.
76.	10623	Shri C. C. Dayal, F.C.A., 245/B, Shyam Nivas, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400026.
77.	10678	Shri S. K. Gupta, F.C.A., 250, Pacci Dacci, Jammu Tawi (J. & K.).
78.	10683	Shri H. C. Agarwal, F.C.A., Gandhi Mansion, 1st Floor, Opp. Lalbadevi P. O., Bombay-2.
79.	10756	Shri P. C. Shah, A. C. A., Sai Aradhana Apartments, 2nd Floor, Flat No. 10, Pheroz Shah Road, Santacruz West) Bombay-400054.
80.	10850	Shri V. K. Seth, A.C.A., 35, Hem Kunt, Colony, Near Greater Kailash, New Delhi.
81.	10863	Shri Bharat Bhushan, F.C.A., 1/550, G. T. Road, Shahdara, Delhi-110032.
82.	10890	Shri B. S. Sheth, A.C.A., 80, Dr. M. B. Velkar Street, Kolbhat Lane, 1st Floor, Chira Bazar, Bombay-400002.
83.	10993	Shri T. C. Choudhry, F.C.A., Bhopalganj, Bhilwara, Bhilwara (Raj.).
84.	11114	Shri H. Shankar, F.C.A., C/o LENGO, P. O. Box 3455, Lusaka, Zambia.
85.	11192	Shri C. N. Patel, F.C.A. 5, North Ambazari Road, Shivaji Nagar, Nagpur-440010.
86.	11231	Shri K. B. Sachdev, F.C.A., C/445, Defence Colony, New Delhi-110024.
87.	11287	Shri F. K. Jain, F.C.A., 20/A, Noble Chambers, 3rd Floor, S. A. Brelvi Road, Bombay-400001.
88.	11297	Shri A. M. Kulkarni, A.C.A., C/o Blow Plast Ltd., Elphin House Annexe, 88-C, Old Prabhadevi Road, Bombay-400025.
89.	11343	Shri G. K. Ahuja, F.C.A., 1072, Kashmere Gate, Delhi-110006.
90.	11357	Shri K. A. Aggarwal, F.C.A., C/o The Ganesh Flour Mills Co. Ltd., Subzi Mandi, Delhi-110007.
91.	1358	Shri Kuldip Singh, F.C.A., Railway Road, Saharanpur.
92.	11359	Shri B. K. Gupta, F.C.A., 1594, Dariba Kalan, Delhi-110006.
93.	11528	Shri N. H. Dutia, A.C.A., 567/2, Janki Kutir, Bungalow No. 13, Juhu, Bombay-400054.

1	2	3
94.	11710	Shri Ramesh Chander, F.C.A., 2021, Kinari Bazar, Chandni Chowk, Delhi-110006.
95.	11789	Shri G. Tatiwala, F.C.A., Tartiwala House, Gopalji Ka Rasta, Jaipur.
96.	11949	Shri A. Jayaram S. Rai, F.C.A N. C. Z. Ltd., P. O. Box No. 2483, Lusaka.
97.	11954	Shri A. M. Shah, A.C.A., 1711/6, Gandhi Road, Near Bala Hanuman, Ahmedabad-380001.
98.	11992	Shri Sudarshan Kumar, A.C.A., 49/D, Kamla Nagar, Delhi-110007.
99.	11996	Shri P. Mahindroo, (F.C.A.,) 43, Gali No. 2, Vijay Nagar, Batala Road, Amritsar.
100.	12082	Shri B. K. Shah, A. C. A., Vijay Niwas, Jivadaya Lane, Agra Road, Ghatkopar, Bombay-400086.
101.	12086	Shri N. S. Sualy, F.C.A., Jessia House, 137, Modi Street, 2nd Floor, Bombay-400001.
102.	12226	Shri M. C. Agarwal, A.C.A., 18/27, Shakti Nagar, Delhi-110007.
103.	14310	Shri C. D. Purohit, A.C.A., "Sailar" Bldg., 3rd Floor, Above Pyrkers Restaurant), 373, D. N. Road Fort, Bombay-400001.
104.	10456	Shri B. K. Laul, F.C.A, 1/613, Dev Nagar, New Delhi-110005.

No. 4ECA(1)/8/78-79.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause(a) of Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of Death, with effect from 10th March, 1978, the name of Shri P. V. Subba Rao, Bhubaneswar Marg, Bhubaneswar-2. His membership number is 4392.

No. 5-CA(1)/8/78-79—With reference to this Institute's Notifications Nos. 4-CA(1)/17/64-65 dated 11-3-65, (2) 4-CA(1)/20/77-78 dated 18-2-78, (3) 4-CA(1)/27/76-77 dated 5-3-77, (4) 4-CA(1)/17/74-75 dated 6-1-75, (5) 4-CA(1)/18/75-76 dated 26-2-76 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964; that in exercise of powers conferred by Regulations 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

Sl. No.	Membership No.	Name and Address	Date Restorat
1	2	3	4
1.	3342	Shri Hirabhai Naranbai Patel, A.C.A., 1116, U. S. Business Route, Clinton, Oklahoma-73601 (U.S.A.)	1-8-78
2.	8245	Shri Bharatkumar Gulabchand Doshi, F.C.A. 207, Prasad Chambers, Near Roxy Cinema, Bombay-400004.	6-9-78
3.	8490	Shri Surender Kumar Sakhuja, A.C.A., Administrative Officer, Life Insurance Corporation of India, Divisional Office, Saket, Meerut.	11-8-78
4.	8655	Shri Krishnakant Hiralal Mehta A.C.A., 2614, Cynwyd Ave., Broomall, Pennysulvania-19008 U.S.A.	7-9-78
5.	13810	Shri A. Swaminathan, A.C.A., Chief Accountant, Kapronda Ltd., P. O. Box 92, Mufulira, Zambia.	12-8-78

P. S. GOPALAKRISHNAN
Secretary

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 19th October 1978

No. 4-1849/74-CH(Estt).—The Resignation tendered by Shri M. A. I. Khan, STA (Hydrogeology) Central Ground Water Board, Narmada Project, Bhopal, Resident of 6-4-PWD, Qr. Senior Crossing, Rewa (M.P.) has been accepted by Chief Hydrogeologist & Member, Central Ground Water Board, NH. IV, Faridabad w.e.f. 22nd September, 1977 (A.N.) and his name has been struck off from that date.

S. C. SHARMA
Senior Hydrogeologist
For Chief Hydrogeologist & Member

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

Central office Bombay

Bombay, the 10th October 1978

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA (STAFF) AMENDMENT REGULATIONS, 1978.

In exercise of the powers conferred by clauses (b) and (bb) of sub-section (2) of Section 49 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Life Insurance Corporation of India, with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1960, namely :—

1. These Regulations may be called the Life Insurance Corporation of India (Staff) Fifth Amendment Regulations, 1978.

2. In the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1960, in Regulation 77, after sub-regulations (2) and the note thereunder, the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

"(2A) In case of a Class I Officer who has been promoted from Class III cadre on or after the 1st day of April, 1973 and who dies or retires after promotion, the gratuity payable to him shall not be less than the gratuity that would have been payable to him if his services had been terminated while he was in Class III cadre."

J. MATTHAN
Managing Director

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA

30TH ANNUAL REPORT

New Delhi, the 30th June 1978

NOTICE

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA
NEW DELHI

Notice is hereby given that THIRTIETH ANNUAL GENERAL MEETING of the shareholders of the INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA will be held on Monday, the 25th September, 1978 at 4.00 P.M. (Standard Time) at Hotel Imperial, Janpath, New Delhi to transact the following business :

(1) To read and consider the Balance Sheet of the Corporation and the Profit and Loss Account for the year ending the 30th June, 1978, together with the Report by the Board on the working of the Corporation for the year and the Auditors' Report on the said Balance Sheet and Accounts.

(2) To elect under Section 34 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948, one Auditor duly qualified to act as Auditor of Companies under Section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) by the parties mentioned in sub-section (3) of Section 4 of the Industrial Finance Corporation Act, namely scheduled banks, insurance companies, investment trusts and other like financial institutions, and co-operative banks, in place of Messrs. Haribhakti & Company, Chartered Accountants, Bombay, who retire, but are eligible for re-election.

7th July, 1978

M. S. NAGRATHA
General Manager

BOARD OF DIRECTORS

BALDEV PASRICHA
Chairman

P. C. NAYAK
N. R. RANGANATHAN
Nominated by the Central Government.

C. T. DAS
M. R. B. PUNJA
BAGARAM TULPULE
DR. J. C. SANDESARA
Nominated by the Industrial Development Bank of India.

B. K. VORA
P. C. D. NAMBIAR
Elected to represent Scheduled Banks

B. C. RANDERIA
J. MATTHAN
Elected to represent Insurance concerns, Investment Trusts and other like financial institutions.

SHAMRAO KADAM
JASHBHAI U. PATEL

Elected to represent Cooperative Banks.

BANKERS

Reserve Bank of India

AUDITORS

M/s. A. F. Ferguson & Co.
Chartered Accountants
M/s. Haribhakti & Co.
Chartered Accountants

ADVISORY COMMITTEES

CHEMICAL PROCESS & ALLIED INDUSTRIES

Baldev Pasricha, *Chairman*
Jashbhai U. Patel
B. K. Vora
S. P. Varma
S. S. Sachdeva
S. L. Kapur
P. K. Sanyal
R. V. Ramani
J. P. Kapur
A. Seetharamiah
D. M. Trivedi
D. G. Rao

ENGINEERING

Baldev Pasricha, *Chairman*
C. T. Das
Bagaram Tulpule
J. C. Sandesara
Hari Bhushan
N. K. Mitra
S. R. Tata
K. V. Sardesai
B. D. Panda
D. S. Mulla
K. B. Rao
B. Ramachandra
K. N. Ramaswamy
Chandra Mohan

TEXTILES

Baldev Pasricha, *Chairman*
Shamrao Kadam
J. Matthan
Bagaram Tulpule
B. K. Sinha
I. B. Dutt
K. I. Narasimhan
Prafull Anubhai
H. P. Bhattacharya
A. K. Bhansali
M. M. Batra
I. C. Shah

SUGAR

Baldev Pasricha, *Chairman*
Shamrao Kadam
Jashbhai U. Patel
C. N. Raghavan
B. K. Sinha
A. L. N. Moorthy
J. P. Mukherji
D. Sridharan
M. Lakshmikantham
N. A. Ramaiah
Kishan Singh
B. N. Khosla
K. J. S. Bhatia
D. K. Patel

HOTELS

Baldev Pasricha, *Chairman*
B. K. Vora
C. T. Das
C. B. Jain
Miss Anjni Mehta
Mrs. Vibha Pandhi
Miss Thangam E. Philip
Pesi M. Shaw
Ajit Kerkar
P. Ananda Rau

JUTE

Baldev Pasricha, *Chairman*
C. T. Das
J. C. Sandesara
N. S. Vaidyanathan
S K. Palit
S. Y. Gupte
L. M. Roy
Gautam Ukil
P. V. Subba Rao
K. K. Kanoria

BRIFLY ABOUT IFCI

INCORPORATION AND PURPOSE

The Industrial Finance Corporation of India (IFCI) was established in 1948 under an Act of the Parliament with the object of providing medium and long-term credits to industrial concerns in India.

CAPITAL

The Authorised Capital of IFCI is Rs. 20 crores. Of the paid-up capital now standing at Rs. 10 crores, 50% is held by the Industrial Development Bank of India (IDBI); the remaining 50% is held by scheduled banks, cooperative banks, insurance concerns and investment trusts, etc.

MANAGEMENT

The Board of Directors consists of a whole-time Chairman and twelve directors. The Chairman is appointed by the Central Government after consultation with IDBI. Two directors are nominated by the Central Government and four by IDBI. Six directors are elected by shareholders other than IDBI.

FUNCTIONS AND LENDING POLICIES

Any limited company in the public, joint or private sectors or a cooperative society incorporated and registered in India which is engaged, or proposes to engage itself, in the manufacture, preservation or processing of goods, or in the shipping, mining or hotel industry or in the generation or distribution of electricity or any other form of power, is eligible for financial assistance.

Assistance may take the form of long-term loans—both in rupees and foreign currencies, underwriting of equity, preference and debenture issues; subscribing to equity, preference and debenture capital; guaranteeing of deferred payments in respect of machinery imported from abroad or purchased in India and guaranteeing of loans raised in foreign currency from foreign financial institutions.

Financial assistance from the Corporation is available for the setting-up of new industrial projects as also for the expansion, diversification, renovation or modernisation of existing ones.

Financial assistance, on concessional terms, is available for setting up industrial projects in industrially less developed districts in the States/Union Territories notified by the Central Government.

PROMOTIONAL ACTIVITIES

The Corporation has undertaken various promotional activities financial out of its Benevolent Reserve Fund and allocations of Interest Differential Funds received from Government.

SOURCES OF FUNDS

The main sources of funds of the Corporation other than its own capital, retained earnings, repayment of loans and sale of investments, are borrowings from the market by the issue of bonds, loans from the Central Government and foreign credits.

SUMMARY OF OPERATIONS (Rs. Crores)

	1977-78			1948-78		Amount
	No.	Sanctions Amount	Amount disbursed	Amount sanctioned	Amount disbursed	outstanding as on June 30, 1978
Loans						
Rupee	153	105.53	53.28	581.38	457.67	304.79
Foreign currency	22	5.92	3.64	70.18	58.48	24.38
Total	175	111 45	56.92	651.56	516.15	330.17
Underwritings						
Equity shares	29	4.84	3.54	31.98	15.49	12.58
Preference shares	—	—	0·42	10.11	7.87	5.09
Debentures	1	0.25	0.37	10.76	8.92	0.91
Total	30	5.09	4.33	52.85	32.28	18.58
Direct Subscriptions						
Equity shares	6	0.28	0.77	4.81	3.33	5.45 *
Preference shares	—	—	—	0.32	0.30	0.82 *
Debentures	—	—	—	1.82	1.82	—
Total	6	0.28	0.77	6.95	5.45	6.27
Guarantees						
For deferred payments	—	—	—	28.87	28.76	0.87
For foreign loans	1	0.28	—	23.61	23.33	1.21
Total	1	0.28	—	52.48	52.09	2.08
Grand Total	212@	117.10	62.02	763.84	605.97	357.10

*Includes Rs. 0.88 crore representing part of outstanding loans (overdue interest etc.) of 6 concerns converted into shares. Rs. 0.16 crore of convertible debentures of two concerns converted in to equity shares and also Rs. 1.76 crores of outstanding loan amount converted into equity shares in respect of twenty concerns, where the condition of right of conversion was stipulated at the time of sanction of loan assistance.

@ These sanctions were made to 13 concerns.

As on June 30, 1978

SPREAD OF ASSISTANCE

Industry			State/Territory		
Amount sanctioned (Rs. Crores)	No. of projects			Amount sanctioned (Rs. Crores)	No. of projects
		Sugar :	Andhra Pradesh	57.40	83
130.45	129	Cooperatives	Assam	11.04	11
30.00	47	Others	Bihar	35.41	48
			Gujarat	62.46	79
160.45					
			Haryana	27.67	49
			Himachal Pradesh	3.05	8
		Chemicals :			
			Jammu & Kashmir	2.05	5
45.13	18	Fertilisers and pesticides	Karnataka	55.84	80
			Kerala	24.20	32
41.26	45	Basic chemicals			
28.04	30	Sythetic fibres & resins	Madhya Pradesh	18.11	23
10.57	33	Other chemicals	Maharashtra	139.35	194
125.00			Meghalaya	2.84	2
			Nagaland	0.50	1
			Orissa	16.31	22
92.44	162	Textiles	Punjab	18.01	28
60.85	53	Paper	Rajasthan	35.42	30
45.19	46	Cement			
45.18	69	Iron & Steel	Tamil Nadu	86.60	95
38.73	80	Machinery	Tripura	0.80	1
31.80	13	Non-ferrous metals			
25.11	44	Transport equipment	Uttar Pradesh	87.88	109
24.22	20	Rubber products	West Bengal	66.00	112
23.06	50	Electrical machinery and appliances	Andaman & Nicobar Islands	0.39	1
16.78	27	Jute manufactures	Delhi	6.16	7
15.72	40	Metal products	Goa	5.25	
13.42	29	Hotel			
45.89	94	Others	Pondicherry	1.10	
763.84	1029	TOTAL	TOTAL	763.84	1029

FINANCIAL SUMMARY

	Rs. Crores	US $ Million Equivalent*
Capital and Reserves		
Authorised capital	20.00	24.06
Paid-up capital	10.00	12.03
Reserves	30.66	36.89
Paid-up capital and reserves	40.66	48.92
Borrowings		
Bonds	244.14	293.79
From foreign credit institutions	22.58	27.17
From Industrial Development Bank of India	9.50	11.43
From Government		
Interest Differential Funds under KfW lines of credit	1.72	2.07
Other loans	43.13	51.90
Total Borrowings	321.07	386.36
Earnings 1977-78		
Gross income	28.95	34.84
Gross profit before taxation	8.58	10.32
Provision for taxation	3.11	3.74
Net profit	5.47	6.58
Dividend	0.65	0.78

*Rupee amount converted @ Rs. 8.31/US $

REPORT OF THE BOARD OF DIRECTORS FOR THE YEAR ENDED JUNE 30, 1978

Under Section 35 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948)

THE YEAR REVIEWED

The Board of Directors hereby present their Thirtieth Report on the operations of the Corporation together with the audited Statement of Accounts for the year ended June 30, 1978.

2. The Indian economy presened, on the whole, a satisfactory picture during the last year. Agricultural production was at a high level and prices were relatively stable. While the economy did not face any handicaps in the form of shortages in food and foreign exchange, the rate of growth of industrial production was not encouraging. Industrial production was affected by power shortages as also industrial unrest in some parts of the country. Some of the industries also faced market constraints, possibly because of high prices. As a consequence of somewhat sluggish investment activity, manufacturers of intermediate goods and machinery items suffered from inadequate demand for their products. A step-up in investment and improvement in the availability of power are essential if a higher rate of growth of industrial production is to be achieved as envisaged under the Sixth Plan.

Incidence of industrial sickness specially in a few industries continues to cause concern. Determined steps are now being taken to meet the challenge of rehabilitating six units. However, it must be realised that only potentially viable sick units can be revived.

The important development during the year was the presentation to Parliament of the Statement of Industrial Policy by Government in which an important role has been envisaged for small and cottage industries. Government have specified industries which would be exclusively reserved for the small scale sector. Within the small scale industry sector, a new classification of a 'tiny sector' has been introduced and this sector would include units with investment in machinery and equipment up to Rs. 1.00 lakh and situated in small towns and villages. In order to provide the whole range of facilities to small scale and cottage industries, the Statement on Industrial Policy shifts the focal point of development from large cities and State capitals to the District Headquarters, where the District Industries Centres are being located. These Centres would provide the whole range of services and support required by small and village entrepreneurs. This innovative decision to have one organisational unit to dea with all requirements of small and village industries could prove to be a milestone on the road to balanced industrial development in the country as a whole. The existing agencies will have to play an important role to make this new institutional mechanism effective and purposeful.

REVIEW OF OPERATIONS DURING THE YEAR

3. The performance of the Corporation during the year, both in regard to sanctions and disbursements, was gratifying inasmuch as the gross financial assistance sanctioned and disbursed by the Corporation was the highest in any year since its inception. In its operations, the Corporation was guided by Government's policy objective of reducing regional imbalances, encouraging new entrepreneurs and technologists, creation of additional capacities in the priority sectors as well as increasing employment opportunities. The spread of assistance both State-wise and Sector-wise was satisfactory and a wide range of industries were sanctioned assistance during the year.

Gross financial assistance sanctioned by the Corporation during the year amounted to Rs. 117.86 crores for 197 projects as against the previous year's sanctions of Rs. 100.12 crores for 191 projects. Cancellations during the year amounted to Rs. 0.76 crore. The net financial assistance sanctioned thus agrregated Rs. 117.10 crores for 194 projects which meant an increase of 17.4 per cent over the previous year.

Of the net financial assistance of Rs. 117.10 crores, rupee loans constituted Rs. 105.53 crores while assistance by way of underwritings and direct subscriptions amounted to Rs. 5.37 crores. Guarantees for foreign loans were given to the extent of Rs. 0.28 crore.

Net sanctions in foreign currencies during the year amounted to Rs. 5.92 crores as against Rs. 5.01 crores in 1976-77.

4. Financial assistance disbursed during the year aggregated Rs. 62.02 crores which was 6.0 per cent higher than the disbursements of Rs. 58.54 crores during the previous year. While rupee loans disbursed during the year amounted to Rs. 53.28 crores, disbursements of foreign currency loans were to the extent of Rs. 3.64 crores. The amount disbursed on account of underwritings was Rs. 4.33 crores and direct subscriptions amounted to Rs. 0.77 crore.

5. The details of assistance sanctioned during the year are given in Appendix A along with a brief description of each project. Highlights of the assistance sanctioned are given below :—

— 84.8 per cent of the total assistance sanctioned was for industries of high national priority like sugar, cotton textiles, cement, paper, fertilisers and other selected industries of importance.

— Nearly 51 per cent of the total assistance was sanctioned for projects being located in the notified less developed districts/areas.

— Of the 194 projects assisted during the year, 59 projects were new and these claimed 48 per cent of the total sanctions.

— Eight new projects promoted by new entrepreneurs and technologists were sanctioned assistance amounting to Rs. 4.57 crores.

— Sixteen projects in the public sector claimed assistance aggregating Rs. 19.58 crores.

— Fourteen projects promoted in the joint sector were sanctioned assistance amounting to Rs. 17.96 crores.

— Sixteen projects in the cooperative sector—14 in the sugar industry and 2 in the textile industry—were sanctioned assistance amounting to Rs. 12.36 crores.

— Under the Soft Loans Scheme for medernisation of selected industries Rs. 26.32 crores were sanctioned for 68 projects.

— Financial assistance sanctioned during the year was spread over 16 States and 2 Union Territories.

Sanctions According to Type of Project

6. Table 1 gives the assistance sanctioned during the last two years according to type of projects.

It will be observed that of the 194 projects assisted during the year, 59 projects were new and these claimed 48.0 per cent of the total sanctions as compared to 69.6 per cent of

TABLE 1

Assistance Sanctioned During 1976-77 and 1977-78 Classified According to Type of Project

(Rs. Crores)

Type of project	1976-77		1977-78	
	No. of projects	Amount sanctioned	No. of projects	Amount sanctioned
New Projects	86	69.42	59	56.25
Expansion/Diversification	24	11.28	27	26.00
Modernisation/Renovation etc.	49	8.30	40	8.53
Sub-total :	159	89.53	126	90.78
Soft Loans Scheme	32	10.24	68	26.32
TOTAL	191	99.77	194	117.10

assistance sanctioned for 86 new projects in the previous year. Forty two of these new projects would be located in the less developed districts/areas and these were spread over 33 districts.

7. Eight new projects promoted by new entrepreneurs and technologists were sanctioned assistance during the year amounting to Rs. 4.57 crores. These projects belonged to industries like metal products, hotel, paper, leather products, cement, iron and steel, basis chemicals and miscellaneous non-metallic mineral products.

8. The classification of new projects assisted during the last two years according to the size of the total capital outlay involved in each case is given in Table 2.

It would be seen that 30 projects having a project cost below Rs. 5 crores were assisted during the year. These projects were sanctioned relatively higher assistance inasmuch as they claimed 22 per cent of the assistance while accounting for 12.4 per cent of the total project cost.

Sectoral Classification of Assistance

9. Sixteen projects in the cooperative sector were sanctioned assistance of Rs. 12.36 crores. The entire amount was by way of rupee loans and formed 11.7 per cent of the total rupee loan assistance sanctioned during the year. This assistance was in respect of 14 sugar cooperatives and 2 cotton textile cooperatives.

Of the 14 sugar cooperatives assisted, nine are new projects. Seven of these new projects are located in the industrially less developed districts/areas. Three projects were sanctioned assistance for their expansion and two for the purpose of modernisation under the Soft Loans Scheme. With this assistance to the sugar cooperatives, the additional capacity that would be created would be 2.25 lakh tonnes of sugar per year and the direct employment potential is estimated to be 6085 numbers.

One cooperative in the textile industry was sanctioned assistance for its new project which is being set up in an industrially less developed district and another cooperative was sanctioned assistance for its expansion scheme.

TABLE 2

Classification of New Projects by Range of Capital Outlay—1976-77 and 1977-78

Range of capital outlay (Rs. Lakhs)	No of new projects		Percentage share in project cost		Assistance sanctioned (Rs. Lakhs)		percentage share in assistance sanctioned	
	1976-77	1977-78	1976-77	1977-78	1967-77	1977-78	1976-77	1977-78
Upto 300	27	20	10·1	5·7	1006·16	500·39	14·5	8·9
301-400	12	6	8·1	3·6	646·83	412·81	9·3	7·3
401-500	13	4	10·9	3·1	867·82	325·69	12·5	5·8
501-1000	26	24	31·7	24·4	2613·94	2164·36	37·7	38·5
Above 1000	8	5	39·2	63·2	1807·50	2221·79	26·0	39·5
TOTAL	86	59	100·00	100·0	6942·25	5625·04	100·0	100·0

10. In the joint sector, 14 projects were sanctioned assistance of Rs. 17.96 crores. Of these, 9 are new projects of which 6 would be located in industrially less developed districts. Four previously assisted projects were sanctioned additional assistance for the purpose of meeting over-runs in project costs, etc., and one project was assisted for its modernisation/expansion scheme.

11. In the public sector, sixteen projects were sanctioned assistance aggregating Rs. 19.58 crores. Of these, 11 are new projects including 10 projects which are located in the industrially less developed districts/areas.

12. Table 3 gives the sector-wise classification of financial assistance sanctioned during the year. The number of projects in the cooperative, joint and public sectors declined from 70 in 1976-77 to 46 in 1977-78, but the assistance sanctioned for such projects was about Rs. 50 crores in each of the two years.

Assistance for Projects in Less Developed Areas

13. During the year, Rs. 59,90 crores were sanctioned for 76 projects being located in the notified less developed districts/areas. Included in these projects were 42 new ones, of which fourteen had a capital cost of less than Rs. 3 crores, nine involved a capital outlay between Rs. 3 crores and Rs. 5 crores and the capital cost of the balance 19 projects was more than Rs. 5 crores.

Soft Loans Scheme

14. In the last year's Report, it was indicated that the Corporation was participating, along with the Industrial Development Bank of India and the Industrial Credit and Investment Corporation of India Ltd., in the Soft Loans Scheme for the modernisation and rehabilitation of certain industries viz., sugar, jute, cotton textile, cement and engineering. Consi-

dering the volume of work involved, the three Institutions are sharing the same on an industry-wise basis. Accordingly, the Corporation has been designated as the 'lead institution' in respect of sugar and jute industries. A Modernisation Cases Cell has been established in the Corporation to give undivided attention to the procession of the cases; under the Soft Loans Scheme. The Corporation sanctioned during the year assistance amounting to Rs. 26.32 crores for 68 projects under the Scheme, the details of which are given in Table 4.

TABLE 3

(Rs. Crores)

Assistance Sanctioned Sector-wise—1976-77 and 1977-78

Sector	1976-77			1977-78		
	No. of projects	Net assistance sanctioned	Percentage of total	No. of projects	Net assistance sanctio	Percentoge of total
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Cooperative Sector	21	17·14	17·2	16	12·36	10·6
joint Sector	29	17·86	17·9	14	17·96	15·3
Public Sector	20	11.05	15.1	16	19.58	16.7
Sub-total :	70	50·05	50·2	46	49·90	42·6
Private Corporate Sector	121	49·72	49·8	148	67·20	57·4
TOTAL :	191	99·77	100·0	194	117·10	100·0

TABLE 4

Financial Assistance Sanctioned under the Soft Loans Scheme

(Rs. crores)

Industry	Assistance sanctioned by the Corporation			
	No. of projects	Amount		
		on Soft terms	Normal* terms	Total
Sugar	13	2·38	3·37	5·75
Jute	11	3·49	2·01	5·50
Cotton Textiles	26	3·39	6·24	9·63
Cement	4	1·27	1·22	2·50
Engineering	14	1·09	1·85	2·94
Total :	68	11·62	14·70	26·32

*Includes Rs. 3.18 crores sanctioned on concessional terms to 12 projects located in the notified less developed districts.

Industry-wise Sanctions and Disbursements—1977-78

15. The industry-wise distribution of financial assistance sanctioned during the year under review as also disbursements made during the year are shown in Table 5. The industry-wise statistical data in the Report have been presented according to the National Industrial Classification, 1970.

16. Industries of high national priority claimed 71.4 per cent of the total assistance sanctioned by the Corporation during the year. This assistance together with the assistance to other important industries listed in Appendix I of the Industrial Policy Statement of the Government of India of February 2, 1973 accounted for 84.8 per cent of the total assistance sanctioned during the year under review. The priority industries assisted during the year include fertilisers, cement, sugar, paper, cotton textiles, power generation, transmission and distribution, industrial machinery, watches and needle roller bearing industries.

State-wise Sanctions and Disbursements—1977-78

17. A statement giving the State-wise sanctions and disbursements during the year is given in Table 6.

TABLE 5

Industry-wise Sanctions and Disbursements—1977-78

(Rs. Lakhs)

Industry	Sanctions					Disbursements	
	No. of projects	Loans	Under-writings/ Direct subscrip-tions	Total	Percentage of total sanctions	Amount	Percentage of total disburse-ments
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
Sugar							
Cooperative sector	14	1107·50	—	1107·50	9·5	1225·14	19·7
Corporate sector	12	696·50	—	696·50	5·9	408·48	6·6
	26	1804·00	—	1904·00	15·4	1633·62	26·3
Chemicals and chemical products							
Basic industrial chemicals	10	548·00	103·50	651·50	5·5	184·17	3·0
Fertilisers	1	1000·00	100·00	11000·00	9·4	79·43	1.3
Synthetic fibres, resins and plastic materials	7	244·86	17·50	290.33*	2·5	97·74	1·6
Other chemicals and chemical products	5	92·50	3·00	95·50	0·8	87·30	3·0
	23	1885·36	224·00	2137·33	18·2	548·64	8·9

TABLE 5—*contd.*

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
Cotton textiles							
Cooperative sector	2	128·00	—	128·00	1·1	148·50	2·4
Corporate sector	34	1715·00	—	1715·00	14·6	447·49	7·2
	36	1843·00	—	1843·00	15·7	595·99	9·6
Paper and paper products	12	959·88	68·33	1028·21	8·8	971·10	15·7
Cement	9	1141·00	55·00	1196·00	10·2	596·00	9·6
Woollen manufactures	3	73·75	—	73·75	0·6	139·88	2·2
Wood products	1	75·00	—	75·00	0·6	97·55	1·6
Jute manufactures	12	578·52	2·50	581·02	5·0	212·79	3·4
Leather products	4	100·00	23·00	123·00	1·1	23·08	0·4
Rubber products	5	228·50	—	228·50	2·0	233·84	3·8
Glass and glass products	1	—	2·00	2·00	—	37·30	0·6
Misc. non-metallic mineral products	3	72·21	9·36	81·57	0·7	83·82	1·3
Iron & steel and ferro alloys	10	430·21	25·00	455·21	3·9	211·88	3·4
Non-ferrous metals	2	29·37	4·30	33·67	0·3	0·67	—
Metal products	12	239·67	15·00	254·67	2·2	94·23	1·5
Agricultural equipment and parts	1	35·00	—	35·00	0·3	38·12	0·6
Machinery and accessories	17	729·03	52·50	781·53	6·7	70·46	1·1
Electrical machinery, appliances and parts	4	130·76	3·38	134·14	1·1	224·26	3·6
Motor vehicles and parts	1	79·83	15·00	94·83	0·8	46·43	0·8
Motor-cycles, scooters and parts	2	21·60	—	21·60	0·2	125·67	2·0
Hotel	5	100·50	12·50	113·00	1·0	69·77	1·1
Electricity	2	455·00	—	455·00	3·9	5·00	0·1
Misc. food products	1	68·00	—	68·00	0·6	53·96	0·9
Misc. manufacturing industries	2	64·55	25·50	900·5	0·7	47·17	0·8
Mining	—	—	—	—	—	41·15	0·7
TOTAL :	194	11144·74	537·37	11710·08*	100·0	6202·38	100·0

*Includes Rs. 27·97 lakhs by way of Guarantees.

TABLE 6

State-wise Sanctions and Disbursements—1977-78

(Rs. Lakhs)

State/Territory	Sanctions						Disbursements	
	Loans		Underwritings/ Direct subscriptions	Total	Percentage of total sanctions	No. of projects assisted	Amount	Percentage of total disbursements
	Cooperative sector	Corporate sector						
Andhra Pradesh	281·00	477·98	59·30	818·28	7·0	15	1153·63	18·6
Assam	—	—	—	—	—	—	17·35	0·3
Bihar	—	317·45	22·30	339·75	2·9	11	105·46	1·7
Gujarat	200·00	1429·78	120·00	1777·75*	15·2	17	348·61	5·6
Haryana	—	109·40	24·50	133·90	1·2	5	320·26	5·2
Himachal Pradesh	—	85·98	10·50	96·48	0·8	2	57·40	0·9
Jammu & Kashmir	—	65·00	—	65·00	0·6	3	96·00	1·5
Karnataka	185·00	919·83	15·00	1119·83	9·6	10	464·38	7·5
Kerala	—	380·50	17·50	398·00	3·4	8	274·02	4·4
Madhya Pradesh	—	1122·24	3·0	125·30	1·1	2	79·60	1·3
Maharashtra	305·50	859·46	6·00	1170·96	10·0	28	698·73	11·3
Meghalaya	—	—	—	—	—	—	40·00	0·6
Orissa	78·00	91·00	7·50	176·50	1·5	5	76·99	1·2
Punjab	—	419·86	27·33	447·19	3·8	8	126·71	2·0
Rajasthan	—	730·48	66·50	796·98	6·8	9	184·49	3·0
Tamil Nadu	86·00	925·72	36·00	1047·72	8·9	15	747·61	12·1
Tripura	—	—	—	—	—	—	64·00	1·0
Uttar Pradesh	100·00	1289·50	7·50	1397·00	11·9	21	899·77	14·5
West Bengal	—	1608·81	114·38	1723·19	14·7	33	301·38	4·9
Andaman & Nicobar Islands	—	—	—	—	—	—	18·42	0·3
Delhi	—	26·25	—	26·25	0·2	1	19·18	0·3
Goa	—	50·00	—	50·00	0·4	1	65·15	1·1
Pondicherry	—	—	—	—	—	—	43·24	0·7
TOTAL :	1235·50	9909·24	537·37	11710·08*	100·0	194	6202·38	100·0

*Includes Rs. 27·97 lakhs by way of Guarantees.

Economic Contribution of Projects Assisted During the Year

18. The direct contribution to the national economy expected to be made by new, expansion and diversification projects assisted during the year under review, which do not include cases of over-run in project costs and modernisation schemes etc., is presented in Table 7.

It will be observed from Table 7 that the value of annual output to be generated by these projects being implemented at an estimated cost of Rs. 907.04 crores, is expected to be of the order of Rs. 598.90 crores, when they reach their optimum production levels and their direct employment potential is estimated at 34,490 persons. The Corporation's assistance will go a long way in creating additional capacities in industries of national importance like sugar, cotton textiles, paper, fertilisers, cement and power generation.

TABLE 7

Direct Economic Contribution of New, Expansion and Diversification Projects Assisted by the Corporation During 1977-78

(Rs. Crores)

Industry	No. of projects	Total capital cost	Direct employment to be created (Nos.)	Value of output	Gross value added	Capacity per annum
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Sugar	22	88·76	7705	71·78	13·91	3·14 lakh tonnes of sugar.
Cotton textiles	9	39·15	7192	61·77	12·73	1,82,796 spindles and preparatory and infrastructural facilities for 400 looms,
Fertilisers	1	270.00	1000	115.33	14.72	3,56,400 tonnes of ammonia and 4,75,200 tonnes of urea.
Paper	9	135.02	4517	54.68	29.92	84,895 tonnes of paper and 27,000 tonnes of newsprint.
Power generation	1	55.52	644	8.64	4.44	120 MW of electricity generation.
Cement	7	79.61	2468	45.45	23.44	15.85 lakh tonnes of cement and 30,000 tonnes of asbestos cement sheets and moulded accessories.
Chemicals and chemical products	13	52.79	1683	63.57	19.06	5,210 tonnes of ossein, 10,250 tonnes of di-calcium phosphate' 15 tonnes of phenyl ethyl alcohol, 16,000 tonnes of synthetic detergents, 40,000 tonnes of detergent bars/cakes, 3,000 tonnes of sodium hydro sulphite, 384.8 tonnes of octoic acid and 35.5 tonnes of aroma chemicals, 27,000 tonnes of calcium carbides, 5,100 tonnes of acetaldehyde, 3,000 tonnes of acetic acid, 16,500 tonnes of sulphuric acid, 17,100 tonnes of alums and 7,200 tonnes of oleum, 10.90 lakh cubic metres of oxygen gas and extraction of 2,600 tonnes of non-edible oils from sal seeds and mahua oil cakes.
Rubber and plastic products	2	8.70	2.70	15.86	3.14	1,25,000 nos. of automobile tyres and tubes and 800 tonnes of biaxially oriented polypropylene film.
Machinery and accessories	6	38.84	21.67	35.37	13.53	6 lakh nos. each of nozzles elements and delivery valves, 1.2 lakh nos. each of nozzle holders and single-cylinder pumps, 6.75 million numbers of ball bearings, tapered roller bearings and cylindrical roller bearings, 800 tonnes of bi-metal strips, 200 million nos. of needle rollers, 0.8 million numbers of needle cages and 1,000 nos. of 390 MM swing-over-bed precision centre lathes.

TABLE—*contd.* (Rs. Crores)

1	2	3	4	5	6	7
Electrical machinery	3	8.77	478	17.54	4.91	25,000 nos. of hand drills and angle grinders, 150 heavy motors and extending the existing product range of heavy motors from 1,700 H. P. to 4,000 H. P. and 1,000 kilometres of cross linked polythelene cables.
Iron & steel	4	56.54	1335	41.33	14.75	51,000 tonnes of alloy steels, 4,500 tonnes of closed die forgings, 10,000 tonnes of mild steel medium carbon, high carbon and low alloy cold rolled steel strips and 10,000 tonnes of ferro-silicon.
Other industries	20	73.34	5031	67.58	22.97	
TOTAL :	97	907.04	34490	598.90	177.52	

FROM THE SILVER JUBILEE YEAR (1972-73) TO THE THIRTIETH YEAR (1977-78)

19. For the first time since inception, the annual assistance sanctioned crossed the rupees one hundred crore mark in 1977-78 reaching a figure of Rs. 117.10 crores while the highest level of annual sanctions achieved in the first twenty five years of operations of the Corporation was Rs. 46.15 crores in 1972-73. Impressive growth in sanctions was achieved in 1975-76 and 1976-77 when annual sanctions grew by 48.1 per cent and 83.0 per cent respectively. In 1977-78, too, the tempo of growth was maintained and the annual sanctions rose by 17.4 per cent.

The Corporation completed twenty five years of operations on June 30, 1973. As on that date it had sanctioned financial assistance aggregating Rs. 430.98 crores for 613 projects in a wide variety of industries. Projects in the cooperative sector claimed 24.1 per cent of the assistance sanctioned while those in the public and joint sectors accounted for only 6.1 per cent of the total assistance. The assistance sanctioned for projects in the private corporate sector was 69.8 per cent of the total assistance sanctioned. During the five years since the Silver Jubilee Year, the sectoral composition of assistance sanctioned underwent a significant change inasmuch as the share of public sector and joint sector projects was as high as 29.5 per cent of the total assistance sanctioned while the share of projects in the cooperative sector dropped to 16.1 per cent. The private corporate sector also received relatively less assistance, its share having gone down to 54.4 per cent. The aggregate assistance sanctioned during the five years 1973-74 to 1977-78 was Rs. 332.86 crores which was 77.2 per cent of the assistance sanctioned in the previous twenty five years. As on June 30, 1973, the number of projects assisted was 613, while on June 30, 1978 it was 1029 projects.

Projects in less developed districts/areas were sanctioned assistance of Rs. 123.01 crores during the first twenty five years of operation of the Corporation. This amount represented 28.5 per cent of the total assistance sanctioned. During the five years since 1972-73, the share of projects in less developed districts/areas rose significantly to 53.2 per cent and in absolute terms accounted for Rs. 177.08 crores of assistance sanctioned of which as much as Rs. 120.61 crores were sanctioned in two years 1976-78. As a result, the share of such projects increased to 39.3 per cent of the total cumulative assistance sanctioned during the thirty years of operations of the Corporation.

Projects sponsored by new entrepreneurs claimed 9.8 per cent of assistance sanctioned during the first twenty five years of operations. Such projects have nearly maintained their share during the five years since 1972-73 despite the growth of the joint sector which attracted many new entrepreneurs of limited means. The assistance sanctioned for projects sponsored by new entrepreneurs during the thirty years of operations represented 9.9 per cent of the cumulative assistance sanctioned aggregating Rs. 763.84 crores.

20. The performance of the Corporation in regard to disbursements has been noteworthy. As at the end of 1972-73, the amount disbursed constituted 86.7 per cent of the assistance sanctioned. During the five years since the Silver Jubilee Year as much as Rs. 232.21 crores were disbursed which constituted 62.1 per cent of the disbursements made in the first twenty five years. In line with the growth in sanctions since 1975-76, annual disbursements rose by 33 per cent in 1976-77 and reached the peak of Rs. 62.02 crores in 1977-78. As at the end of 1977-78, disbursements constituted 79.3 per cent of cumulative assistance sanctioned.

21. While streamlining of appraisal procedures, better coordination among the all-India financial institutions, use of a Common Loan Application form, the evolution of the 'Lead Institution' concept have all contributed to speedier sanctions, the improvements in the disbursement procedures such as simplification of documentation, adoption of a Standard Loan Agreement, grant of bridging loans and interim loans and opening of branches at different centres have enabled the Corporation to ensure that disbursements kept pace as far as possible with the sanctions.

22. The success achieved in reaching new peaks in sanctions and disbursements is also reflected in the financial indicators of the Corporation's perforance. Profit before tax of Rs. 44.84 crores and a net profit after tax amounting to Rs. 22.80 crores, was earned during the first twenty five years of operations. As compared to these amounts, there was a significant increase in the levels of profit reflecting higher levels of operations during the five years following the Silver Jubilee Year. During the period, profit before tax aggregated Rs. 28.35 crores and net profit after tax amounted to Rs. 17.26 crores. The net profit after tax of Rs. 5.47 crores in 1977-78 was by far the highest earned by the Corporation since its inception. The consistently profitable operations have helped register a gratifying growth in Reserves, from a level of Rs. 18.31 crores at the end of 1972-73 to as much as Rs. 30.66 crores at the end of the year 1977-78. Table 8 gives the highlights of the Corporation's operations during its first 25 years as also the five years since the Silver Jubilee Year.

Apart from the growth in Reserves, the increasing funds requirements to support the rapid growth in operations since the Silver Jubilee Year were met through a sharp increase in borrowings' from the market by way of bonds. The bond issues during the five years since 1972-73 aggregated Rs. 178.00 crores as compared to Rs. 107.42 crores during the first twenty five years of operations. Loans from foreign credit institutions made available and allocations against UK/India Capital Investment Loans and Indo-Swedish Co-operation Agreement were as high as Rs. 11.52 crores in 1977-78, the aggregate for the five year period since 1972-73 being Rs. 29.00 crores as compared to Rs. 54.55 crores during the first twenty five years of operations.

23. A significant new dimension to the activities of the Corporation has been added during the last five years in the form of an enlarged developmental role. With the amendment to the IFC Act in December 1972, it was possible to create the Benevolent Reserve Fund for undertaking various promotional activities. Allocations are also being made to the Corporation by Government out of Interest Differential Funds accruing to Government in connection with the DM Lines of Credit received by the Corporation from Kreditanstalt fur Wiederaufbau. These resources which were not available during the first twenty five years of operations, have made it possible for the Corporation to undertake a number of promotional schemes, some of which are of a pioneering and innovative nature. These schemes are described elsewhere in the Report.

TABLE 8

Highlights of the Corporation's Operations During its First Twenty Five Years as also the Five Years since the Silver Jubilee Year

(Rs. Crores)

	First 25 years of operations (1948-73)		Five years since the Silver Jubilee Year (1973-78)							Cumulative figures as on June 30, 1978 (the 30th year)	
	Amount	Percentage to Total	1973-74	1974-75	1975-76	1976-77	1977-78	Total for five years ended June 30, 1978		Amount	Percentage to Total
								Amount	Percentage to Total		
1. Sanctions*	430.98	100.0	35.91	33.17	50.13	96.55	117.10	332.86	100.0	763.84	100.0
—Sector-wise											
Cooperative sector	103.87	24.1	6.82	4.90	12.33	17.14	12.36	53.55	16.1	157.42	20.6
Public sector	9.25	2.2	0.85	2.15	11.72	14.30	19.58	48.60	14.6	57.85	7.6
Joint sector	16.87	3.9	4.58	3.74	5.76	17.52	17.96	49.56	14.9	66.43	8.7
Private corporate sector	300.99	69.8	23.66	22.38	20.32	47.59	67.20	181.15	54.4	482.14	63.1
—Assistance for projects in less developed districts/areas	123.01	28.5	14.22	18.08	24.17	60.71	59.90	177.08	53.2	300.09	39.3
Assistance for projects promoted by new entrepreneurs/technologists	42.40	9.8	8.15	4.41	6.38	7.81	6.49	33.24	10.0	75.64	9.9
2. Amount disbursed	373.76	86.7	30.26	37.42	43.97	58.54	62.02	232.21	69.7	605.97	79.3
3. Share capital	10.00	—	—	—	—	—	—	10.00	—	10.00	—
4. Profit before tax	44.84	—	5.54	4.59	4.18	5.46	8.58	28.35	—	73.19	—
5. Net profit after tax	22.80	—	3.25	2.60	2.70	3.24	5.47	17.26	—	40.06	—
6. Borrowings by way of bonds	107.42	—	7.99	23.47	35.80	52.35	58.39	178.00	—	285.42	—
7. Loans from foreign credit institutions made available and allocations against UK/India Capital Investment Loans and Indo-Swedish Cooperation Agreement	54.55	—	3.55	2.25	4.98	6.70	11.52	29.00	—	83.55	—

*The assistance sanctioned is net effective as on June 30, 1978. The figures, therefore, may not tally with those given in the respective Annual Reports.

OPERATIONAL DEVELOPMENTS

Government's Policies

24. Important policy statements announced by Government which have relevance to the operations of the Corporation relate to Industrial Policy, Textile Policy, De-control of prices, movement and distribution of sugar, enlargement of the list of engineering industries which would now be eligible for assistance under the Soft Loans Scheme, Government Policy relating to sick units, as also a scheme for rupee finance to cover import of capital goods.

The salient features of the Statement on Industrial Policy are the importance given to cottage and small industries, setting-up of District Industries Centres, development of ancillaries, creation of employment opportunities, dispersal of industries away from urban areas, etc.

One of the main objectives of Government's Industrial Policy is to create greater employment opportunities, particularly through the promotion of cottage and small scale industries widely dispersed in rural areas and small towns. In order to give effect to this objective, the Corporation, during the course of technical appraisal is laying greater emphasis on assessing the possibilities of substituting automatic and capital intensive processes by labour intensive processes and choice of appropriate technology. Similarly, the Corporation carefully examines the investment cost per person. The scope for promoting ancillary industries and minimising capital costs by farming out the manufacture of components and spares receives special attention.

During the year, Government announced its policy for the prevention as also the treatment of sickness in industry. In order to prevent sickness in industrial units, Government's Policy envisages closer involvement of and greater supervision by the financial institutions of the units with inadequate and weak management. As regards units which have already gone sick, Government have decided that either the unit is rehabilitated through State Governments and financial institutions or through a merger of the sick with healthy ones. If neither of the two courses of action is feasible or desirable, then action for taking over of management under the Industries (Development and Regulation) Act would be considered.

The main objective of the Statement on Textile Policy is to ensure the production and availability of adequate supplies of cloth of acceptable quality and at low prices for the masses; improved arrangements for the distribution of this cloth among the weaker sections of the population; rapid development of the de-centralised sector, including hand-looms,

khadi and sericulture and maximisation of employment thereby; harmonious balance between the use of cotton and synthetic fibres, ensuring that the incomes and employment of cotton growers is maximised, and optimum use made of the potential for the production of synthetic fibres from the high aromatic gas, and naphtha feed stock available in the country. The Textile Policy proposes to discontinue with effect from October 1, 1978 the present pattern of import obligations to produce controlled cloth.

Consequent to the record sugar production and the high level of sugar stocks in the country, as also the need to maximise domestic production, Government have removed the control on prices, movement and distribution of sugar with effect from August 16, 1978. Further, the statutory minimum price payable for sugarcane for the season 1978-79 is being raised to Rs. 10/- linked to 8.5 per cent recovery against the present level of Rs. 8.50 linked to 8.5 per cent recovery. The implications of the policy of decontrol of sugar in relation to the concerns in the industry assisted by the Corporation are being studied.

Government have introduced a scheme of rupee finance to cover import of capital goods. The main purpose of the scheme is to ensure that non-availability of rupee finance does not hold up implementation of worthwhile projects for which Government is willing to allocate foreign exchange. For this purpose, rupee loans would be available from any scheduled commercial bank or the all-India public financial institutions.

Soft Loans Scheme

25. In the last year's Report, it was stated that the all-India term lending institutions viz., IDBI, IFCI and ICICI were administering a Soft Loans Scheme for modernisation of industrial units in certain selected industries, viz., cement, sugar, engineering, jute and cotton textiles. During the year, the mills of the National Textile Corporation and the steel casting industry were also made eligible for assistance under the Scheme. Government have also enlarged the list of engineering industries which would now be eligible for assistance under the Soft Loans Scheme for modernisation of selected industries. Further, the Government of India have exempted loans granted under the Soft Loans Scheme from the purview of the convertibility guidelines. Government have also clarified that the ceiling of 1 : 1 in debt-equity ratio being stipulated by them in the case of expansion of sugar units would not apply to the schemes of modernisation and rehabilitation, including expansion conforming to the parameters covered under the Soft Loans Scheme.

The financial institutions have made some relaxation in the terms and conditions of the Scheme. Bridging loans are granted upto 80 per cent of the assistance sanctioned as against 75 per cent in the case of normal loans. For the purpose of availing itself of a bridging loan from the Corporation, if the borrower concern is not able to obtain a bank guarantee, the bridging loan can be granted against (a) personal guarantees of promoters/directors controlling the company; (b) execution of an agreement by the company in favour of the Corporation to create a mortgage on the assets with a Power of Attorney in its favour to create such a mortgage; (c) a letter of consent from the bank holding charge on the company's fixed assets to allow creation of an exclusive first charge or a paripassu charge as the case may be, in favour of the Corporation; (d) hypothecation of machinery and other movable assets; and (e) a negative lien on fixed assets in favour of the Corporation.

Rate of Interest

26. During the year, there was no change in the lending rates of the Corporation. However, it has been decided to extend the concessional rate of interest of 9.5 per cent per annum to hotel projects being set up in the notified less developed districts/areas. In so far as hotel projects which are being set up in other than less developed areas are concerned, the rate of interest on rupee loans upto Rs. 75 lakhs would be 10 per cent per annum provided 1 per cent interest differential is subsidised by Government. For rupee loans in excess of Rs. 75 lakhs, the rate of interest would be 11 per cent per annum. The rate of interest on bridging loans is 1 per cent per annum higher than the normal lending rate.

Non-applicability of Convertibility Guidelines to Public Sector Undertakings

27. It has been decided that the convertibility guidelines would not be applicable to (a) statutory corporations, (b) companies satisfying Section 617 of the Companies Act, 1956 read with Section 4 of the said Act, and (c) companies covered by Section 619B of the Companies Act, 1956.

Applications for Assistance

28. At the beginning of the year, applications from 47 concerns (excluding applications under the Soft Loans Scheme) seeking assistance aggregating Rs. 411.52 crores were pending with the Corporation. This included assistance sought for jointly with other all-India financial institutions. During the year under review, the Corporation received applications for financial assistance from 161 concerns for an amount aggregating Rs. 944.85 crores inclusive of assistance sought for jointly with other all-India financial institutions, but excluding the applications under the Soft Loans Scheme.

The Corporation sanctioned during the year gross financial assistance of the order of Rs. 88.46 crores to 117 applicants, which excludes assistance under the Soft Loans Scheme.

At the end of the year, applications from 85 concerns for an amount aggregating Rs. 646.06 crores inclusive of assistance sought for jointly with other all-India financial institutions were under various stages of processing.

A statement showing particulars of State-wise applications under processing at the beginning of the year and applications received, sanctioned or withdrawn or rejected during the year, as also applications under various stages of processing at the end of the year is given in Appendix D of the Report.

REVIEW OF OPERATIONS 1948—78

29. On June 30, 1978, the Corporation—the first development bank in the country—completed three decades of service to Indian industry. Over the years, with the establishment of more development banks at the national level as also at the State level, the Corporation, in close cooperation and coordination with these other sister institutions, has been playing an important role in the industrial development of the country. The corporation's financial assistance has been growing over the years. In the operations of an old development bank like the Corporation, proper selection and appraisal of projects on the one hand and effective follow-up of the assisted projects on the other, are of equal importance. Both the areas require expertise and accordingly, the Corporation has been devoting increasing attention to improving its appraisal and follow-up policies and procedures. More than this, the Corporation's approach is becoming increasingly constructive, pragmatic and oriented to changes in economic philosophy and social objectives. It has strengthened its professional staff to deal with diverse problems confronting it and to discharge efficiently its responsibilities as a development bank. Gradually, it has been bringing about improvements in its appaisal techniques, for, the Corporation recognises that ultimate security lies in the soundness of an assisted project rather than in its physical assets. Along with the increase in financial assistance over the years, the promotional activities being undertaken by the Corporation have added a new dimension to its over-all operations.

Through consciously conceived policies and procedures, the Corporation is trying to contribute to the implementation of the national objectives of industrial development of the country, such as dispersal of industries to reduce regional imbalances, broad-basing and diversifying entrepreneurship and rural development through assistance to industrial cooperatives, apart from financing additional productive capacity in the priority sectors.

Total Cumulative Assistance

30. The cumulative net financial assistance sanctioned upto June 30, 1978 amounted to Rs. 763.84 crores for 1029 projects of 893 industrial concerns spread all over the country. The total cost of these projects was Rs. 5208.03 crores. This cumulative assistance included assistance to the extent of Rs. 157.42 crores which was sanctioned for 165 projects in the cooperative sector. The balance of Rs. 606.42 crores was sanctioned for 864 projects in the corporate sector. In

this was included assistance to the extent of Rs 57.85 crores for 58 public sector projects and Rs 66 43 crores for 68 joint sector projects

31 Disbursements amounted to Rs 605 97 crores which represented 79 3 per cent of the sanctions The total assistance outstanding as on June 30 1978 amounted to Rs 357 10 crores

INDUSTRIAL COOPERATIVES

32 The Corporation s assistance for projects in the co-operative sector constituted about 27 1 per cent of the total rupee loan assistance of Rs 581 38 crores sanctioned for all the projects both in the cooperative and corporate sectors. Disbursements of assistance to industrial cooperatives aggregated Rs 147 82 crores In the industrial cooperative sector the major beneficiaries of the Corporation's assistance have been sugar cooperatives with an assistance of Rs 130 45 crores for 129 projects which formed 82 9 per cent of the total assistance to industrial cooperatives This was followed by the cotton spinning industry where financial assistance sanctioned amounted to Rs 20 46 crores for 31 projects which was 13 0 per cent of the total sanctions for indusrial cooperatives Five cooperative projects in other industries like fertilisers, vegetable oil extraction, jute and synthetic fibre were given assistance amounting to Rs 6 51 crores

Of the 165 projects in the cooperative sector assisted by the Corporation, 75 projects were located in the notified less developed districts The amount of financial assistance sanctioned for these projects aggregated Rs 70 96 crores or 45 1 per cent of the Corporation's assistance extended to projects in the cooperative sector

33 The State-wise and industry-wise distribution of assisted industrial cooperatives upto June 30 1978 is given in Table 9

TABLE 9

Assistance Sanctioned to Industrial Cooperatives— 1948-78

(Rs lakhs)

State/Territory	Assistance Sanctioned Industry wise								Percentage of Total
	Sugar		Cotton Spinning				Total		
	No	Amount	No	Amount	No	Amount	No	Amount	
Andhra Pradesh	12	1121 00	3	160 00		—	15	1281 00	8 1
Assam	1	60 00	—		1*	78 50	2	138 50	0 9
Bihar	1	90 00	1	24 70			2	114 70	0 7
Gujarat	12	898 50	2	200 00	3**	550 00	17	1648 50	10 5
Haryana	4	286 00	1	100 00	—	—	5	386 00	2 5
Karnataka	13	1095 25	3	179 00	1***	22 50	17	1296 75	8 2
Kerala	2	180 00	—	—			2	180 00	1 1
Madhya Pradesh	1	80 00	1	40 00		—	2	120 00	0 8
Maharashtra	51	6089 70	13	884 00			64	6973 70	44 3
Orissa	2	205 00	2	100 00			4	314 00	2 0
Punjab	4	315 00				—	4	315 00	2 0
Rajasthan	1	95 00	1	100 50	—	—	2	204 50	1 3
Tamil Nadu	9	924 00	2	85 00			11	1009 00	6 4
Uttar Pradesh	15	1455 00	2	155 00			17	1610 00	10 2
Goa	1	150 00	—		—	—	1	150 00	1 0
TOTAL	129	13044 45	31	2046 20	5	651 00	165	15741 65	100 0

*Jute cooperative

**Two units of one cooperative in fertiliser industry and one cooperative in synthetic fibre industry

***Vegetable oil extraction cooperative

THE CORPORATE SECTOR

34 The Corporation s financial assistance to the corporate sector aggregated Rs 606 42 crores for 864 projects It was only in 1970 that the Corporation started extending assistance to public sector projects Since then, the Corporation has sanctioned assistance aggregating Rs 57 85 crores for 58 public sector projects The Corporation has assisted 68 joint sector projects in whose case the sanctions amounted to Rs 66 43 crores Table 10 gives the industry wise sanctions of assistance to public and joint sector projects

TABLE 10

Industry wise Distribution of Assistance to Public and Joint Sector Projects

(Rs Lakhs)

Industry	No of projects	Project cost	Assistance sanctioned
1	2	3	4
Fertilisers	6	47178 03	2272 00
Paper	7	19037 98	1646 04
Textiles	19	7983 29	1462 50
Sugar	14	7252 88	1362 84
Cement	5	13147 00	1070 00
Basic industrial chemicals and gases	10	6911 45	884 88
Iron and steel	11	7928 45	652 05
Electrical machinery and appliances	10	4498 87	574 01
Scooters and parts	7	4257 00	395 49

1	2	3	4
Machinery	5	1961 98	330 21
Misc chemicals	7	2077 13	250 31
Jute manufactures	[illegible]	1290 00	[illegible]
Synthetic fibres and resins	3	52280 00	212 90
Mining	3	4907 24	170 00
Glass and glass products	3	1486 [illegible]	[illegible]
Leather products	5	819 60	139 32
Wood products	2	688 00	102 72
Rubber products	1	655 00	96 50
Metal products	1	195 00	80 43
Misc non-metallic mineral products	2	472 00	65 00
Misc manufacturing industries	1	204 00	42 50
Natural gas	1	400 00	37 50
Misc food products	1	204 00	30 00
TOTAL .	126	128783 15	12427 84

35. Details of assistance sanctioned to the corporate sector are reviewed in the following paragraphs.

Rupee Loans

Assistance sanctioned in the form of rupee loans amounted to Rs 424 04 crores and represented 69.9 per cent of the total assistance to the corporate sector. The disbursement of rupee loans to the corporate sector as on June 30, 1978 amounted to Rs. 309.93 crores.

Foreign Currency Loans

Foreign currency loans sanctioned by the Corporation to the corporate sector aggregated Rs. 70.11 crores, while disbursements amounted to Rs. 58 40 crores.

The position relating to foreign currency loans as on June 30, 1978 is given in Table 11

TABLE 11

Foreign Currency Loans to the Corporate Sector

Currency	Sanctions (net)			Letters of Credit/ Commitments issued		Amount disbursed	
	No of sub-loans	Foreign currency (million)	Rupee equivalent (lakhs)	Foreign currency (million)	Rupee equivalent (lakhs)	Foreign currency (million)	Rupee equivalent (lakhs)
Deutsche Marks	211	181 13	3699 06	159 67	3259 29	150 94	3080 28
U S Dollars	57	26 75	1963 27	26 75	1963 27	26 75	1963 27
French Francs	13	14 89	203 34	14 80	202 07	14 80	202 07
Pound Sterling	36	4 50	851 36	3 42	644 05	3 33	583 48
Swedish Kroners	6	20 24	293 53	1 39	20 20	0 61	11 23
TOTAL ·	323		7010 56		6088 88		5840 33

Underwritings

Upto June 30, 1978, the Corporation had sanctioned 519 applications for underwriting of equity shares, preference shares and debentures for a net amount of Rs. 52.85 crores. The position in respect of the issues underwritten and finalised upto June 30, 1978 is given in Table 12.

TABLE 12

Underwriting Operations

(Rs Lakhs)

	Amount under-written	Amount devolved	Percentage of (3) to (2)
(1)	(2)	(3)	(4)
Equity shares	2467 35	1608 47	65 2
Preference shares	986·84	804 08	81 5
Debentures	1050 50	892 80	85 0
Total ·	4504 69	3305 35	73 4

Direct Subscriptions

As on June 30, 1978, the Corporation had sanctioned 88 applications for direct subscription for Rs. 694.55 lakhs which included Rs 480 68 lakhs for equity shares, Rs. 31.87 lakhs for preference shares and Rs 182.00 lakhs for debentures. Of these, direct subscriptions for 25 Rights Issues in respect of shares held by the Corporation in pursuance of underwriting obligations amounted to Rs. 69 93 lakhs.

Guarantees for Deferred Payments for Plant and Machinery

The net amount of guarantees for deferred payments sanctioned upto June 30, 1978 amounted to Rs. 28.87 crores in respect of 45 applications. The total amount of guarantees actually issued upto June 30, 1978 was Rs 28.76 crores The amount outstanding under guarantees as on June 30, 1978 was Rs 0 87 crore

Guarantees for Foreign Currency Loans from Financial Institutions Abroad

The Corporation had sanctioned guarantees for foreign currency loans amounting to Rs. 23.61 crores in respect of 6 applications as on June 30, 1978. The total amount of guarantees actually issued was Rs 23 33 crores in respect of five applications and the amount outstanding in respect of these guarantees stood at Rs 1 21 crores as on June 30, 1978

SANCTION ACCORDING TO TYPE OF PROJECT

36 Table 13 gives the classification of financial assistance sanctioned by the Corporation upto June 30, 1978 according to type of project. New undertaking claimed 65 7 per cent of the total net assistance sanctioned by the Corporation The net financial assistance in their case

amounted to Rs. 501.62 crores. The Corporation's assistance to expansion/diversification scheme/project amounted to Rs. 193.09 crores which formed 25.3 per cent of the total assistance sanctioned. Project involving modernisation/renovation schemes, etc. were sanctioned assistance amounting to Rs. 32.57 crores. The total cost of 1029 projects for which the Corporation had extended financial assistance as on June 30, 1978 was of the order of Rs. 5208 crores.

ASSISTANCE TO LESS DEVELOPED AREA

37. The Corporation, as on June 30, 1978, had sanctioned financial assistance aggregating Rs. 300.09 crores for 370 projects being located in the notified less developed districts/areas. This constituted 39 per cent of its net sanctions. Table 14 gives the position in respect of the Corporation's assistance to projects in less developed districts/areas.

TABLE 13

Total Assistance Sanctioned Classified according to Type of Project

(Rs. Crores)

Type of Project	Total cost of the projects	Net financial assistance sanctioned				
		Loans	Underwritings and Direct subscriptions	Guarantees for deferred payments and for foreign loans	Total	Percentage of total
New Projects	3500.15	410.87	48.13	42.62	501.62	65.7
Expansion/Diversification	1280.24	174.83	9.26	9.00	193.09	25.3
Modernisation, renovation etc.	231.49	29.30	2.41	0.86	32.57	4.2
Sub-total :	5011.88	615.00	59.80	52.48	727.28	95.2
Under Soft Loans Scheme	196.15	36.56	—	—	36.56	4.8
TOTAL :	5208.03	65.56	59.80	52.48	763.84	100.0

TABLE 14

Assistance to Projects in Less Developed Areas

(Rs. Lakhs)

Year	Total assistance*	Assistance to projects in less developed districts/areas*	Percent share
From inception to June 1970	32565	8466	26·0
1970-71	2666	527	19·8
1971-72	3694	1318	35·7
1972-73	4173	1990	47·7
1973-74	3591	1422	39·6
1974-75	3317	1808	54·5
1975-76	5013	2417	48·2
1976-77	9655	6071	62·9
1977-78	11710	5990	51·2

*Net effective as on June 30, 1978.

38. In July 1970, the Corporation announced a package of concessions as part of a scheme to encourage the setting-up of new projects in the notified less developed districts/areas. In January, 1972, similar concessions were extended for expansion projects. Later on, the scheme was further liberalised and its scope enlarged. The scheme now covers all industrial projects—new, expansion or rehabilitation, irrespective of their capital cost. The salient features of the scheme are set out in Appendix H to the Report and the list of notified less developed districts/areas in Appendix I to the Report.

Under the scheme of concessional finance, the Corporation had approved till June 30, 1978 concessional finance totalling Rs. 129.43 crores for 248 projects with a total capital outlay of Rs. 1544.53 crores. Table 15 shows the type of assistance sanctioned.

TABLE 15

Assistance Sanctioned on Concessional Terms

(Rs. Lakhs)

Type of facility	Assistance sanctioned on concessional terms
Rupee loans	11039·22
Foreign currency loans	700·33
Underwritings/Direct subscriptions	1203·47
Total :	12943·02

Table 16 gives the industry-wise distribution of assistance sanctioned for projects in less developed districts/areas. The major industries which have been beneficiaries of the Corporation's assistance and located in the notified less developed districts/areas are high priority industries like sugar, textiles, paper and paper products, cement, fertilisers, etc.

TABLE 16

Industry-wise Distribution of Assistance Sanctioned for Projects in Notified Less Developed Districts/Areas– 1948-78.

(Rs. Crores)

Industry	No. of Projects	project cost	Assistance sanctioned
1. Sugar	81	298·52	75·11
2. Textiles	70	182·58	42·78
3. Chemicals and chemical products			
Basic industrial chemicals	18	85·43	11·43
Fertilizers	8	495·35	17·67
Synthetic fibres	2	11·74	1·54
Other chemicals and chemical products	17	27·55	5·09
4. Paper and paper products	26	222·32	33·02
5. Cement	18	237·90	25·19
6. Iron and steel	26	191·27	14·53
7. Non-ferrous metals	5	70·56	14 42
8. Rubber products	9	109·85	9 10
9. Machinery and accessories	12	76·74	8·37
10. Metal products	11	21·54	6·76
11. Misc. non-metallic mineral products	9	33·30	6·47
12. Electrical machinery and appliances	9	24·22	4·92
13. Transport equipment	9	50·31	4·24
14. Jute	7	14·70	4·15
15. Wood products	5	17·79	3·78
16. Glass	4	12·84	2·62
17. Misc. food products	6	16·42	2·04
18. Mining	4	48·09	1·90
19. Hotel	5	5·63	1·88
20 Leather products	5	9·07	1·42
21. Misc. manufacturing industries	2	4·11	0·93
22. Electricity	2	0·66	0·43
TOTAL :	370	2268·59	300·09

Total Sanctions, Disbursements and Outstandings

39. The State-wise and Industry-wise distribution of the net financial assistance sanctioned upto June 30, 1978 is given in Appendices B and C respectively to this Report. Appendix E shows the State-wise distribution of the net financial assistance sanctioned in each industry as on June 30, 1978. In Appendix G, the net financial assistance has been classified according to the size of the amounts sanctioned.

40. The number and amount of net cumulative sanctions, the amount disbursed and the amounts outstanding as on June 30, 1978 are shown in Table 17.

TALLE 17

Total Sanctions, Disbursements and Outstandings

(Rs. Crores)

	Sanctions (net)		Assistance disbursed	Amount outstanding
	Number of sanctions	Amount		
1. Loans :				
Rupee loans :				
—Soft Loans Scheme	67	36·56	4·53	4·53
—Normal Loans	1257	544·82	453·14	300·26
Sub-total :	1324	581·38	457·67	304·79
Foreign Currency	292	70·18	58·48	25·38
Total :	1616	651·56	516·15	330·17
2. Underwritings :				
Equity shares	338	31·98	15·49	12·58
Preference shares	154	10·11	7·87	5·09
Debentures	27	10·76	8·92	0·91
Total :	519	52·85	32·28	18·58
3. Direct Subscriptions :				
Equity shares	79	4·81	3·33	5·45
Preference shares	8	0·32	0·30	0·82
Debentures	1	1·82	1·82	—
Total :	88	6·95	5·45	6·27
Total (1 to 3) :	2223	711·36	553·88	355·02
4. Guarantees :				
for deferred payments	45	28·87	28·76	0·87
for foreign loans	6	23·61	23·33	1·21
Total :	51	52·48	52·09	2·08
GRAND TOTAL :	2274	763.84	605.97	357.10

41. The net total financial assistance sanctioned and disbursed during the last thirty years, classified according to the Five Year Plans is shown in Table 18.

TABLE 18

Assistance Sanctioned and Disbursed during the Five Year Plans

(Rs. Crores)

Year ending June 30	Net financial assistance sanctioned				Financial assistance disbursed			
	Loans	Under-writing	Guaran-tees	Total	Loans	Under-writing	Guaran-tees	Total
PERIOD PRIOR TO THE FIRST PLAN :								
1949-1951	8·13	—	—	8·13	5·79	—	—	5·79
THE FIRST PLAN :								
1952-1956	27·02	—	—	27·02	10·94	—		10·94
THE SECOND PLAN :								
1957-1961	49.05	3·56	16.30	68.91	40.62	1.31	15.11	57.04
THE THIRD PLAN :								
1962	17·84	0·73	0·48	19·05	10·92	0·24	0·41	11·57
1963	19·82	4·63	10·62	35·07	15·05	3·99	3·18	22·22
1964	23·61	4·34	13·16	41·11	16·94	1·96	6·39	25·29
1965	19·39	3·55	3·92	26·86	19·79	3·36	14·65	37·80
1966	21·47	3·96	1·35	26·78	23·99	4·48	2·17	30·64
Total :	102·13	17·21	29·53	148·87	86·69	14·03	26·80	127·52
THE ANNUAL PLANS :								
1967	12·34	1·87	4·00	18·21	29·52	2·90	5·64	38·06
1968	14·62	1·48	0·85	16·95	23·35	1·06	2·61	27·02
1969	22·43	2·42	0·29	25·14	15·03	1·68	0·28	16·99
Total :	49·39	5·77	5·14	60·30	67·90	5·64	8·53	82·07
THE FOURTH PLAN :								
1970	11·10	1·19	0·13	12·42	16·86	0·85	0·34	18·05
1971	24·04	2·20	0·42	26·66	16·28	0·87	0·20	17·35
1972	32·37	4·57	—	36·94	20·99	1·00	0·11	22·10
1973	39·07	2·02	0·64	41·73	30·00	2·29	0·61	32·90
1974	33·39	2·48	0·04	35·91	28·75	1·46	0·05	30·26
Total :	139·97	12·46	1·23	153·66	112·88	6·47	1·31	120·66
THE FIFTH PLAN :								
1975	29·28	3·89	—	33·17	36·02	1·06	0·34	37·42
1976	46·96	3·17	—	50·13	41·57	2·40	—	43·97
1977	88·18	8·37	—	96·55	56·82	1·72	—	58·54
1978	111·45	5·37	0·28	117·10	56·92	5·10	—	62·02
Total :	275·87	20·80	0·28	296·95	191·33	10·28	0·34	201·95
GRAND TOTAL :	651·56	59·80	52·48	763·84	516·15	37·73	52·09	605·97

PROMOTIONAL ACTIVITIES

42. In its developmental role, the Corporation has undertaken various promotional activities. The resources for financing such activities come from the Benevolent Reserve Fund created pursuant to an amendment of the IFC Act in 1972, as also from the allocation of the Interest Differential Funds by Government. The Interest Differential Funds are received in the form of loans and grants on 50 : 50 basis under an agreement entered into by the Government of India with the Government of Federal Republic of Germany in respect of lines of credit from the Kreditanstalt fur-Wiederaufbau allocated to the Corporation from time to time. The promotional activities undertaken by the Corporation which are, no doubt, still modest in their scope are in consonance with the measures which need to be taken to achieve the objectives of broadening the entrepreneurial base in the country, particularly in less developed areas. The promotional activities undertaken by the Corporation are briefly reviewed in the following paragraphs.

In the earlier Reports, mention was made of the participation by the Corporation in the surveys sponsored by the Industrial Development Bank of India with a view to assessing the industrial potential in the less developed States and for identifying projects which could be implemented over the short term. A reference was also made to the commissioning of feasibility study reports on candidate projects identified in the industrial potential survey reports.

The Corporation's Technical Assistance Scheme for training middle-level executives of the State financial and developmental agencies as also the senior executives of these organisations continues to elicit a good response as it has been found useful. Since the inception of the Scheme in 1974, 78 middle level executives from 33 State level institutions and 43 senior executives from 28 State level institutions have availed themselves of the Scheme which aims at acquainting them with the policies, procedures and practices of the Corporation.

The Corporation has completed the Study on the Oilseeds Processing Industry which was undertaken at the instance of the World Bank to identify the potential of the industry over the next seven years.

The Corporation has instituted Chairs at the Indian Institute of Management, Ahmedabad and University of Delhi. The IFCI Visiting Professor at the University of Delhi delivered the annual lecture in March 1978. The subject of his Lecture was 'Lead Bank Strategy for Developing Backward Areas'. The Lecture was presided over by Prof. D. T. Lakdawala, Deputy Chairman, Planning Commission. The Corporation has decided to establish two more Chairs, one each at the Universities of Calcutta and Bombay. The Chair at the University of Calcutta would be in the field of Industrial Finance and the other at the University of Bombay would be on Industrial Policy and Development Banking.

The Corporation has decided to institute four IFCI Research Fellowships. The selected fellows will work for their doctorate degree in Economics and the dissertations will be in the area of development banking including industrial economics, regional economics, industrial management and financial management.

The working of the Technical Consultancy Organisations, the Risk Capital Foundation and the Management Development Institute are discussed elsewhere in the Report.

NEW PROMOTIONAL SCHEMES

43. During the year, the Corporation framed three new schemes of promotional activities which relate to encouraging new entrepreneurs and technologists to set up industries, encouragement to indigenous technology and assistance to small industries. A fourth scheme for encouraging the development of ancillary industries has also since been approved.

Assistance to Small Industries

44. The all-India financial institutions have sponsored a number of Technical Consultancy Organisations in participation with the State level institutions and banks. These organisations are basically meant to assist the new and small entrepreneurs in project identification, formulation and implementation. In order to encourage small entrepreneurs to avail themselves of the facilities offered by these Technical Consultancy Organisations, the Corporation has launched a scheme, under which the cost of assignments taken up by these Technical Consultancy Organisations for such small entrepreneurs would be subsidised by the Corporation. The scheme is not only applicable to new and small entrepreneurs who enter the industrial field for the first time, but also to entrepreneurs who have set up projects for the first time and wish to enlarge the existing operations of such projects through expansion/diversification/modernisation. Further, the scheme is applicable to entrepreneurs who propose to set up rural, cottage and small industries or to expand/diversify/modernise their existing units with assistance from the financial institutions or banks. The Corporation would subsidise consultancy assignments, such as preparation of pre-feasibility studies, feasibility studies, detailed project reports, market studies or preparation of documents for seeking assistance from the financial institutions, technical guidance, etc., undertaken by the Technical Consultancy Organisations for small entrepreneurs. The subsidy would be to the extent of 80% of the cost of the assignment or Rs. 5,000/- whichever is lower; the balance is to be met by the entrepreneurs. The Corporation will subsidise Technical Consultancy Organisations in respect of such assignments upto a limit of Rs. 1.00 lakh per year for each of the Technical Consultancy Organisations sponsored by the all-India financial institutions.

Technical Assistance Scheme for Ancillary and Small Scale Industries

45. The Corporation has, as part of its promotional activities, prepared a scheme called "IFCI Technical Assistance Scheme for Ancillary and Small Scale Industries". The main objective of the Scheme is to encourage the growth of ancillary and small scale industries which (a) manufacture intermediate goods and components or provide services to units in the medium and large scale sector according to designs, specifications and quality standards given to them by such larger units and pursuant to an off-take agreement; (b) are in the nature of down-stream projects of the medium and large industries from whom they obtain their major raw materials under a supply agreement and generally to upgrade the technical capabilities and improve the financial viability of ancillary and small scale units.

The assistance under the Scheme would be made available to the specified agencies, viz., Technical Consultancy Organisations sponsored by the all-India financial institutions in some of the States and one of the State level developmental agencies in each of the States in which no Technical Consultancy Organisation has been sponsored by the all-India financial institutions. The purposes for which the assistance would be given relate to identification of products suitable for ancillarisation or for further processing in the small scale sector, preparation of feasibility reports for establishing the viability of the proposed industrial units, and provision of advice and guidance in the technical, marketing and financial areas to the units in connection with expansion or diversification of their activities or with a view to improving their viability. The Corporation will reimburse the expenditure incurred by the specified agencies in this regard subject to a limit of Rs. 1.00 lakh per annum for each of the specified agencies.

Encouragement to Indigenous Technology

46. One of the national objectives of industrial development in the country is to promote scientific and technological self-reliance and consequently projects based on indigenous technology have to be encouraged. Though the all-India financial institutions do give priority to such projects in sanctioning financial assistance, there is at present no scheme for providing concessional finance to projects which play a pioneering role in the commercial exploitation of indigenous technology. The Corporation has launched a scheme which envisages provision of concessional finance to such projects. In order to qualify for such concessional finance, the project must be based on indigenous technology, i.e., technology (including any process) or other know-how developed in, or which is invented by, Government laboratories, public sector companies, universities or any other institution recognised by the Government of India. The indigenous technology proposed to be used by the project should be one which has not already been exploited on a commercial scale in the country and further should be basic to the manufacture of the proposed product and not merely peripheral to it. To be eligible under the Scheme, the project must have been sanctioned financial assistance by the Corporation. Concessional finance will take the form of a subsidy covering interest payments due to the Corporation during the first three years of operations of the project subject to a ceiling of Rs. 5.00 lakhs a year. The period could be extended to a maximum of five years for an eligible project. However, the extent of subsidy would be determined on a case to case basis, having regard to the earning potential and projected cash flow of the project.

Assistance to New Entrepreneurs and Technologists

47. Under this Scheme, the Corporation will subsidise the cost of market studies instituted by eligible entrepreneurs at its instance. The scheme envisages that all entrepreneurs who receive preferential treatment in regard to the extent of promoters' contribution to the cost of the project being sponsored by them would be eligible for assistance. Further, these entrepreneurs should have applied to the Corporation for grant of financial assistance for setting up industrial projects in India. The cost of the market study would be subsidised by the Corporation to the extent of 50 per cent thereof or Rs. 15,000/- whichever is lower.

RISK CAPITAL FOUNDATION

48. As part of its pomotional activities, the Corporation has sponsored the Risk Capital Foundation. The Foundation which started its operations in June 1976 made further strides during the year. Between July 1, 1977 and June 30, 1978 the Foundation sanctioned assistance amounting to Rs. 31.70 lakhs to the promoters of four projects. This assistance would help them to provide the promoters' contribution required for establishing their respective projects. With this assistance, the Foundation had as on June 30, 1978, sanctioned a total assistance of Rs. 70.10 lakhs to the promoters of eleven projects. As was reported last year, the loans from the Foundation are interest-free, but carry a nominal service charge of 1% per annum on the amount outstanding. The loans have to be repaid by the promoters out of their income including income from dividends.

Among the promoters of four projects assisted during the year, two are promoters of projects in the joint sector. One of the projects envisages the setting-up of a new industrial unit for the manufacture of 5 million numbers of semiconductor devices, viz., integrated circuits, power transistors and diodes, power devices, etc. per annum at village Pattencheruvu, Andhra Pradesh. The other project which is being set up at village Chak Allabaksh, district Hoshiarpur, Punjab, envisages the setting-up of an integrated pulp and paper plant for the manufacture of paper with an installed capacity of 9,000 tonnes per annum. This is the first project of the entrepreneur who was a pilot of the Indian Air Force and is setting up the project in collaboration with the Punjab State Industrial Development Corporation Ltd.

Four promoters of a project envisaging the manufacture of octoic acid and aroma chemicals with a total installed capacity of 384.8 tonnes per annum and 35.5 tonnes per annum respectively were sanctioned assistance amounting to Rs. 6.75 lakhs. This would enable the promoters to provide their share of the promoters' contribution to the equity of the project.

Four promoters of another project were sanctioned assistance to enable them to redeem prematurely their obligation to re-purchase equity shares of the face value of Rs. 7.50 lakhs and Rs. 2.50 lakhs subscribed by institutional co-promoters at the time of the promotion of the company. All the four promoters are qualified and experienced technologists in the tungsten carbide industry and have worked with reputed concerns in India and abroad. Their project envisages the setting-up of a new sophisticated plant for the manufacture of 24 tonnes of tungsten and tungsten carbide products, 1,00,000 numbers of Drilling Rods and 5,000 numbers of Drilling Bits per annum in the industrial estate at Ahmednagar, Maharashtra.

During the year, the Foundation disbursed assistance amounting to Rs. 27.75 lakhs. With this, the total assistance disbursed, since inception upto June 30, 1978 amounted to Rs. 40.05 lakhs.

The Corporation had allocated a sum of Rs. 97.39 lakhs to the Foundation comprising Rs. 30.00 lakhs as grants and Rs. 67.39 lakhs as loans, the interest on the loans being absorbed by the Corporation. A further allocation of Rs. 46.28 lakhs as loans has also been approved, bringing the total allocation to the Foundation to a sum of Rs. 143.67 lakhs. The Corporation has already transferred a sum of Rs. 60.28 lakhs to the Foundation.

Until recently, the maximum amount of assistance which the Foundation could give for any single entreprenеur was fixed at Rs. 7.50 lakhs. During the year, this limit was raised to Rs. 10.00 lakhs in respect of any single project where there is only one promoter. In the case of a single project where two or more promoters seek assistance from the Foundation, the limit was fixed at Rs. 15.00 lakhs. Another relaxation made during the year in the criteria for eligibility for financial assistance from the Foundation related to listing of shares in a recognised stock exchange. Earlier, the Foundation was insisting on the shares of public limited company which were to be pledged to the Foundation to be listed on a recognised stock exchange. Since the all-India financial institutions are not insisting on a public issue of a share capital where the amount of the share is less than Rs. 25.00 lakhs, the Foundation decided, during the year, not to insist as a rule on the listing of shares of the promoted company unless required by the all-India financial institutions and/or the Foundation.

MANAGEMENT DEVELOPMENT INSTITUTE

49. The Management Development Institute, sponsored by the Corporation, continued to expand its activities in the field of management training and research. During the year 1977, the Institute organised 30 training programmes for general participation. In addition, the Institute also conducted 8 in-company programmes tailored to the requirements of particular institutions. Among the specific industry programmes conducted by the Institute, were two programmes for the sugar industry and one each for the mining, cotton spinning and hotel industries. The Institute also organised a top management Seminar on the 'Role and Responsibilities of Nominee Directors of Financial Institution'. As reported last year, the 'General Course on Development Banking', held in 1976 attracted, for the first time, participants from five development banks abroad. In 1977, 23 participants from 20 countries ranging from Indonesia in the East and Ghana and Nigeria in the West were represented in the Course. Of these participants, 15 were sponsored by UNIDO.

The Institute also conducted two programmes on 'Identification, Promotion and Implementation of Industrial Projects' under the "IPIIP" series sponsored by the Corporation. One of them was held at Jaipur for the State of Rajasthan and the second at Bhopal for the State of Madhya Pradesh. So far seven such programmes have been sponsored by the Corporation. The main objective of these programmes is to expose the executives of the State Governments, State level financial and developmental agencies, banks and other institutions responsible for promoting industrial development in the country to the various aspects of identification, selection, formulation, evaluation and implementation of industrial projects.

The response to the Institute's training programmes has been generally good and as on June 30, 1978 about 3,700 participants had taken part in its programmes. For the year 1978, the Institute has planned to conduct 44 programmes in the various disciplines. During the first six months of 1978, the Institute organised 19 programmes and five in-company programmes.

Table 19 gives the programmes in the different areas conducted by the Institute over the last four years.

TABLE 19

Distribution of Institutes Programmes by Functional Areas (1974-77)

Classification of programmes	No. of Programmes			
	1974	1975	1976	1977
Specific Industry Programmes	2	5	7	5
Development Banking including IPIIP	3	8	6	7
Financial Management	2	4	6	9
General Management	3	3	3	4
Marketing Management	2	2	1	2
Personnel Management	2	1	2	2
Technical Management	—	—	1	1
Total:	14	23	26	30
Number of Participants	424	813	974	984

50. The construction of the Campus of the Institute is in progress and is expected to be completed by about middle of 1979.

Development Banking Centre

51. A significant step undertaken by the Corporation during the year in the promotional field was the launching of the Development Banking Centre as a semi-autonomous wing of the Management Development Institute. This Centre is being financed by the Corporation. The Hon'ble Shri H. M. Patel, Minister of Finance, Government of India, inaugurated the Development Banking Centre on November 23, 1977. The broad objectives of the Centre are :—

(i) to provide facilities for training in modern development banking techniques to professionals and executives of development finance institutions engaged in providing assistance to large, medium sized and small scale industries of industrial development and related promotional agencies and of banks; and

(ii) to engage in research and technical activities related to the organisational and operational areas of these institutions.

The Centre is headed by a Director-in-Charge and has, for its general guidance and management of its affairs, an Advisory Council which functions under the over-all direction of the Board of Governors of the Institute. The Advisory Council consists of representatives of the three all-India financial institutions viz., the Industrial Finance Corporation of India, Industrial Development Bank of India and the Industrial Credit & Investment Corporation of India Ltd., as also a member appointed by the Ministry of Finance to represent the Government and public sector enterprises, a member representing State level financial and promotional institutions appointed by the Industrial Development Bank of India, and one person representing banking or management education appointed by the Board of Governors of the

Institute. The Director-in-Charge is another member of the Advisory Council and the Chairman of the Institute is the ex-officio Chairman of the Advisory Council. The Centre had organised 6 programmes as on June 30, 1978 and plans to organise a total of 8 programmes during the second half of 1978.

TECHNICAL CONSULTANCY SERVICES FOR NEW ENTREPRENEURS

52. During the year, the Corporation sponsored the second Technical Consultancy Organisation known as the Rajasthan Consultancy Organisation Ltd. (RAJCON) at Jaipur, the first one having been established in Himachal Pradesh. The new company was registered with the Registrar of Companies, Rajasthan on March 16, 1978. The other institutions which are participating in the establishment of RAJCON, apart from the Corporation, are Industrial Development Bank of India, the Industrial Credit and Investment Corporation of India Ltd., Rajasthan Financial Corporation, Rajasthan State Industrial and Mineral Development Corporation Ltd., the Rajasthan State Small Industries Corporation Ltd., State Bank of Bikaner and Jaipur, United Commercial Bank, Punjab National Bank, Central Bank of India, Bank of Baroda and the Bank of Rajasthan Ltd. The Registered Office of the company is at Jaipur.

53. Himachal Consultancy Organisation Ltd. (HIMCON), the first Consultancy Organisation sponsored by the Corporation, has got off to a good start. During the nine months ended December 31, 1977, HIMCON received 18 enquiries leading to eight assignments for preparation of feasibility reports. HIMCON completed four feasibility reports on projects which involved an investment of Rs. 361.26 lakhs. Two of the feasibility reports were commissioned by the Himachal Pradesh Mineral and Industrial Development Corporation Ltd., and two by private parties. The feasibility reports related to a synthetic detergent project, a synthetic weaving and processing unit and projects envisaging the manufacture of battery separators and Warp Stop Motions devices. After the close of the year, HIMCON completed seven more assignments. With this, as on June 30, 1978, HIMCON completed in all 11 assignments for preparation of pre-feasibility reports, feasibility reports, and project reports which involved an investment of about Rs. 514 lakhs.

During the year ended December 31, 1977, HIMCON's income accruing as consultancy fees amounted to Rs. 29,795. Together with interest received on fixed deposits, total income accrued during the year aggregated Rs. 40,083. As against this, the expenditure amounted to Rs. 30,419. The gross profit was Rs. 9,664. After providing for depreciation amounting to Rs. 1213 and taxation amounting to Rs. 3,993, the company earned a net profit of Rs. 4,458.

54. The Corporation has just completed empanelling professional people for manning the Technical Consultancy Organisations being sponsored by it. Persons from the panel would be appointed by the respective Technical Consultancy Organisations depending upon requirements of staff. Steps are under way to establish a Consultancy Organisation at Bhopal for the State of Madhya Pradesh.

The Corporation has also been extending full support to the Technical Consultancy Organisations sponsored by IDBI.

GENERAL REVIEW OF INDUSTRIES

55. The rate of growth of industrial production during 1977-78 was considerably lower than that achieved during the previous year. Production in industries like electricity generation, coal, steel, cement and textiles showed a decline. However, industries like food manufacturing, manufacture of machinery including electrical equipment, chemicals and rubber products fared well. The main reasons for the shortfall in industrial production were power shortage, strained industrial relations and inadequate demand for some products.

A significant development during the year was the issue of the new Statement on Industrial Policy by the Government. For effective development of the small scale sector, Government have identified more than 500 industrial products which would be exclusively manufactured in this sector. Special attention would be given to units in the 'tiny sector', viz. those with investment in machinery and equipment upto Rs. 1 lakh and situated in towns with a population of less than 50,000 according to 1971 census figures, or in villages. The focal point of development for small scale and cottage industries in each district will be the District Industries Centre which will provide all the services and support required by entrepreneurs for setting up small scale, tiny and cottage industries.

As enunciated in the Statement on Industrial Policy, the role of large scale industry will be 'related to the programme for meeting the basic minimum needs of the population through wider dispersal of small scale and village industries and strengthening of the agricultural sector'. The public sector will be charged with the responsibility of encouraging the development of a wide range of ancillary industries, and is expected to contribute to the growth of decentralised production by making available its expertise in technology and management to the small scale and cottage industry sectors.

The Statement stresses the need for the development and application of technology appropriate to the country's socio-economic conditions and the need to give full scope for the development of indigenous technology.

Great importance is attached to balanced regional development of the entire country and accordingly, Government have decided that no more licences would be issued to new industrial units within certain limits of large metropolitan cities having a population of more than one million and urban areas with a population of more than 5 lakhs, as per the 1971 census. Government would also consider providing assistance to large existing industries which want to shift from congested metropolitan cities to approved location in backward areas.

Consequent to the recommendations of the Study Group on Industrial Regulations and Procedures constituted by the Government, the industrial licensing procedures have been liberalised in certain respects. During the year, Government made certain changes/liberalisation in industrial licensing policy. These include diversification of product-mix of some industries so as to allow an element of flexibility in production as also to improve their economic viability; extension of the facility of exemption from procedures of scrutiny from the angle of indigenous availability including the clearance from Capital Goods Committee to import machinery by export-oriented units in the mining industry under certain conditions; shifting of a part of an industrial undertaking to a backward area within the same State without obtaining Central Government's prior approval; industrial undertakings manufacturing components, parts and accessories for captive consumption could accept export orders for supply of such material without obtaining an industrial licence.

The performance of some of the important industries in which the Corporation has rendered assistance has been broadly indicated in the following paragraphs. The performance during 1977 of some of the concerns assisted by the Corporation in these industries has also been reviewed based on a survey conducted in this behalf.

Fertilisers

During the year 1977, the installed capacity of nitrogenous fertilisers continued to be 30.3 lakh tonnes, while the installed capacity of phosphatic fertilisers moved upto 10.1 lakh tonnes from 9.2 lakh tonnes in 1976, showing an increase of about 10 per cent.

The production of nitrogen was estimated at about 20 lakh tonnes, an increase of 1 lakh tonnes over the previous year's level. The production of phosphate fertilisers was expected to be about 6.7 lakh tonnes as against 4.8 lakh tonnes produced in the previous year.

In order to step up the consumption of urea, Government reduced its price in October, 1977 by Rs. 100.0 per tonne. The Government also introduced a retention price scheme for nitrogenous fertiliser units. Under this scheme the units have been assured a reasonable post tax return on net worth provided they operate at 80 per cent capacity and with stipulated norms of consumption.

An assisted unit in the cooperative sector utilised its capacity to the extent of 82 per cent though it faced power shortage as also some operational problems. A joint sector fertiliser project in Tamil Nadu improved its capacity utilisation after effecting modification of some of the heat exchangers. Another assisted unit which went into commercial production in 1976, achieved 45 per cent capacity utilisation in 1977.

Cement

In 1977 there were 55 units in the cement industry with an installed capacity of 218.7 lakh tonnes. The production of cement was 192.5 lakh tonnes as compared to 187.6 lakh tonnes in the previous year. Average utilisation of capacity was 88 per cent. Cement units in the southern States were affected by power shortage as also the cyclone in the south eastern sector which had its impact on the production units in Andhra Pradesh and Tamil Nadu.

Government have taken a number of steps to meet the growing shortage of cement in the country. It has approved proposals for creating additional capacity. The possibility of setting up mini-cement plants especially in remote or backward areas and for working smaller deposits of limestone is also being considered. Steps are also being taken for increasing productivity by adoption of improved technology, installation of balancing equipment and utilisation of waste products like fly ash and by optimum utilisation of existing capacity. These measures, it is hoped, would go a long way in narrowing the gap between demand and supply of cement.

The performance of three of the assisted concerns located in the southern region was satisfcatory during the year. Their utilisation of capacity was around 90%. Their production could have been higher but for power shortage and some operational problems. Another unit in the south could utilise only 72 per cent of its capacity as it faced operational problems. One assisted unit in Meghalaya utilised its capacity to the extent of 62 per cent because of raw materials and power shortage, operational problems and paucity of funds. Another unit located in Bihar faced power shortage as also shortage of working capital.

Paper

The number of paper mills in operation continued to be 75 in 1977, but the installed capacity increased to 12.49 lakh tonnes from 11.37 lakh tonnes at the beginning of the year. Production of paper is estimated to be 9 lakh tonnes—an increase of 20,000 tonnes over 1976. But for power shortage and strained industrial relations in some mills, production could have been much higher.

During the year, two of the assisted concerns utilised their capacity fully. In tune with the industry in general, assisted units of the Corporation faced power shortage and in addition some of them suffered from labour problems.

Soda Ash

There was no change in the installed capacity of the units manufacturing soda ash during the year which stood at 6.33 lakh tonnes. The production was marginally higher at 5.68 lakh tonnes compared with the previous year. Performance of two assisted concerns was satisfactory.

Caustic Soda

There were 33 units producing caustic soda in 1977. The installed capacity increased from 6.92 lakh tonnes to 7.00 lakh tonnes. The production is estimated to be around 5.50 lakh tonnes, which was adequate to meet the domestic demand.

A few concerns assisted by the Corporation could not utilise their capacity fully due to market limitations. Two of them also experienced raw material shortage and another was affected by strained industrial relations.

Automobile Tyres and Tubes

As against 14 units manufacturing tyres and tubes in 1976, there were 16 units in 1977, with an installed capacity of 79.29 lakh numbers of tyres and 81.73 lakh numbers of tubes. The production of automobile tyres and tubes in 1977 is estimated to be 65.00 lakh and 55.00 lakh numbers respectively.

The domestic demand for automobile tyres and tubes was not very satisfactory in 1977. Government imposed a statutory export obligation in September, 1977 on well-established units and new units which started production after April 1973.

One of the assisted concerns utilised its capacity fully. Two of the assisted concerns could not operate to full capacity due to market constraints. In addition, one of them faced raw material and power shortage as well as industrial unrest. One unit could not do well due to paucity of working capital. Another unit which commenced its commercial production in January, 1977 could not utilise its capacity fully because of shortages of power and working capital.

Mini Steel Plants

At the beginning of the year 1977 there were 206 licensed/registered electric furnace units for the production of mild steel ingots/billets. However, only about 120 units with a capacity of 28.8 lakh tonnes have been commissioned and the remaining are either closed or are under various stages of implementation.

A study revealed that the factors adversely affecting the capacity utilisation of mini steel plants were shortage of power, shortage of inputs like electrodes and scrap, management problems, high cost of production, paucity of working funds etc.

Government took several steps to rehabilitate the mini steel plants. Their products were completely exempted from Central excise duty. Besides, excise duty on certain varieties of heavy melting scrap procured from the integrated steel plants, and import duty on melting scrap were abolished. Recently, the Government decided to permit direct import of melting scrap to a limit of 2 lakh tonnes by the electric are furnace units. The industry has also been allowed certain facilities for diversification including re-rolling and wire drawing.

The performance of the Corporation's assisted concerns in line with the state of the industry, was not satisfactory. Generally, they were affected by power cuts and in addition some of them faced raw materials shortage and market constraints.

Castings

In 1977 there were 78 commercial iron foundries in the organised sector manufacturing cast iron castings including alloy iron castings with an installed capacity of 4.10 lakh tonnes. The production is estimated to be 1.80 lakh tonnes as compared to 1.72 lakh tonnes in 1976.

In the field of steel castings there were 51 units with an installed capacity of 1.60 lakh tonnes. The production in 1977 is expected to be 0.68 lakh tonnes as against 0.65 lakh tonnes in 1976.

There were 13 units manufacturing malleable iron castings with an installed capacity of 26,000 tonnes. The production is expected to be 20,000 tonnes—an increase of 1,000 tonnes over 1976.

The capacity utilisation of two of the assisted units improved. One unit manufacturing steel castings almost fully utilised its capacity. Another unit manufacturing malleable iron castings utilised about 80 per cent of its capacity in spite of its experiencing operational problems, power shortage and strained industrial relations.

Agricultural Tractors

In 1977, there were 11 units manufacturing tractors with an installed capacity of 53,400 numbers per annum in the range of 25-50 H.P. The production of tractors is expected to touch 38,000 numbers during 1977-78 as against 33,146 numbers in 1976-77.

The performance of one of the assisted concerns was good. Another assisted unit improved its capacity utilisation over the previous year, though it faced raw materials shortage and had some labour problems. Another assisted unit could not fare well because of paucity of working funds.

Power Tillers

The installed capacity of the four existing units manufacturing power tillers in 1977 was 16,000 numbers. During the year only about 1,520 numbers were produced as compared to 1,648 in the previous year. The product has yet to gain wide market acceptance and the industry is facing inadequate demand. Consequently, the utilisation of capacity in the industry was low.

The utilisation of capacity of two of the assisted concerns remained very low. Both of them faced marketing difficulties. In addition, one of them was affected by power shortage and the other by raw material shortage and operational problems.

Cotton Textiles

Out of the 704 cotton textile mills existing in the country during 1977, 414 were spinning units and the remaining 290 composite mills. The installed capacity was 198.0 lakh spindles and 2.1 lakh looms. As compared to the production of 38,832 lakh metres of cotton fabric and 10.060 lakh kgs. of cotton yarn in 1976, the production in 1977 was 33,263 lakh metres of fabrics and 8,751 lakh kgs. of yarn. Thus, the production in 1977 was marginally lower than in the previous year in the case of yarn as well as fabrics. In order to improve the availability of cotton, Government took certain measures in 1976 which included liberalisation of import of non-cotton fibres, compulsory obligation to use non-cotton fibres to the extent of at least 10 per cent by the cotton textile mills, etc.

The performance of most of the textile mills assisted by the Corporation was generally in line with that of the industry. The capacity utilisation of many of the assisted concerns was marginally lower.

Jute Textiles

The past year proved to be a difficult period for the jute industry which had to face the problems of inadequate supply of raw jute and high prices. The industry was also faced with a sharp fall in demand for its products. Consequently, the production of jute goods was 11.84 lakh tonnes which was virtually at the same level as production in the previous year.

During the year, the Government took a number of steps to boost the export of jute goods. Not only the cash compensatory support to the manufacturers against export of hessian, carpet backing and jute decorative fabric was extended upto March, 1978, but more items of export, such as jute woolpacks and jute cotton bagging were brought into the fold of this assistance.

The performance of most of the assisted jute mills was affected adversely because of shortage of power. In addition, some of the units faced raw material shortage and market limitations and another unit was beset with operational problems.

Sugar

The production of sugar in 1976-77 season was 48.43 lakh tonnes—an increase of 14 per cent over the preceding year's production. The production in the current season as on July 31, 1978 is estimated at 64.07 lakh tonnes.

As on June 30, 1978, the total number of cooperative sugar factories licensed/registered was 170. Of this, 130 with an installed capacity of 28 lakh tonnes were in operation during the 1977-78 season. The production in the cooperative sector was 31.25 lakh tonnes constituting about 48 per cent of total production.

During the crushing season 1977-78, there was a bumper sugarcane crop as also a record production of sugar leading to a fall in prices. In order to help the industry as well as the sugarcane growers, Government took a number of steps like raising of the weighted all-India average ex-factory price for levy sugar, excise duty rebates, additional credit limits to carry stocks and permission for exports of sugar. Government removed the control on price, movement and distribution of sugar with effect from August 16, 1978.

The performance of the assisted concerns was, by and large, satisfactory.

END-USE SUPERVISION AND FOLLOW-UP

56. The Corporation has four Regional Offices at Bombay, Calcutta, Delhi and Madras and thirteen other offices in different States. These offices of the Corporation have been equipped with the necessary technical, financial and legal staff who undertake regular follow-up of the assisted concerns with necessary guidance from the Head Office. The follow-up procedures of the Corporation are designed to call for information which any prudent management incharge of project would collect and study with a view to ensuring successful operation of the project.

Procedures

57. The follow-up procedures devised by the Corporation comprise the following :

(i) Obtaining periodical progress reports on the forms prescribed;

(ii) Carrying out site inspections of the factory and books of account of the assisted concerns at frequent intervals;

(iii) Examining half-yearly/yearly statements of working results and financial position of the assisted concerns; and

(iv) Appointing, in suitable cases, official/non-official nominees on the assisted concerns' boards to watch the interest of the Corporation and to report developments, if any, from time to time in regard to the operations and management of the company.

Consortium Approach—Lead Institution Concept during Follow-up Stage

58. With a view to improving the existing monitoring mechanism for tackling problems during follow-up stages, particularly those relating to industrial sickness, the concept of 'lead institution' has been extended to the sphere of follow-up by the all-India financial institutions. Lead institutions have been designated in respect of all the follow-up cases. The institution designated as the 'lead institution' on a case to case basis would be responsible for maintaining a close watch over the affairs of the relative concerns, to co-ordinate matters with the other institutions concerned with the project and to maintain necessary rapport with the bankers. It is expected that the arrangements would lead to better monitoring of the progress of the assisted concerns and also help detect incipient sickness at early stages. In the case of sick units, the lead institution would also take initiative in the formulation, implementation and monitoring of progress under the rehabilitation plans in consultation and co-ordination with other financial institutions/banks.

Progress Reports

59. With a view to having uniformity, common formats for the institutions at the all-India level have been evolved requiring submission of progress reports on a quarterly basis, both during the construction and operation period, keeping in view the special features of each industry. Apart from enabling the Corporation and other institutions to advise the concern to take remedial steps, the progress reports help the institutions to disburse funds for the project in keeping with the progress achieved and the financial plan.

It is the responsibility of the various offices of the Corporation to obtain regularly the progress reports and take necessary follow-up action.

Inspections

60. From the date the agreement is executed and so long as any part of the loan remains outstanding the Corporation carries out site inspections both during the construction and operation periods of the projects and inspects books of account of the assisted concerns. In the case of joint financing, the primary responsibility for carrying out detailed inspection is that of the 'lead institution'. Such inspections are carried out generally by teams of financial and technical officers of the Corporation.

An inspection team satisfies itself that the principal sum of loan received from the Corporation is kept in a separate bank account and strictly utilised for the purpose for which it has been sanctioned. The Regional/Branch Offices forward 'Flash Inspection Reports' as also 'Detailed Inspection Reports' to Head Office.

The first inspection after the project has gone into commercial production is carried out in the form and manner of a re-appraisal so that the causes of the variances of the profitability projections could be identified properly and the project could be re-assessed in its proper perspective.

Where other public financial institutions are also involved, reports in regard to periodical inspections, unless carried out jointly, are mutually exchanged. Reports are forwarded in the case of sub-loans in foreign currencies to the respective foreign financial institutions, wherever necessary.

The annual audited financial statements, circulars etc., and minutes of shareholders' meetings are carefully studied and analysed to assess their progress, profitability and other financial aspects compared with the performance of at least the preceding three years.

Advisory Services

61. The Advisory Services Department established at Head Office of the Corporation in 1973 has been rendering advice and guidance to new entrepreneurs and others in the technical and financial fields both in the pre-implementation and post-implementation stages of their projects. Besides, the Department gives close attention to the complex area of the Corporation's activities relating to the rehabilitation of projects, which run into difficulties or develop symptoms of sickness for one reason or the other.

Nominee Directors

62. An important feature in the building-up of relationship between the Corporation and the management of assisted concerns is the appointment of its nominees on their boards of directors. In pursuance of Section 25(2) of the IFC Act, the Corporation, as a matter of policy, reserves for itself the right to appoint two directors on the board of an industrial concern assisted by it. In the case of joint financing, the practice has also emerged of having one or more common nominees of the participating institutions, where agreed upon.

The Corporation is exercising the right to nominate its representatives on the boards of all assisted concerns where substantial financial assistance has been sanctioned and/or where the conditions for conversion of loans into equity have been stipulated in the agreements for financial assistance. The Corporation also uses its discretion in nominating directors on the boards of assisted concerns generally under the following circumstances :

(i) where the Corporation's commitments are comparatively large;

(ii) where defaults have been made in the payment of principal and/or interest on the Corporation's loan; and

(iii) where there are otherwise special circumstances calling for vigilance or a closer watch on the operations of the assisted concern.

The persons nominated as directors are either Corporation's own officers or non-officials.

The persons nominated as directors by the Corporation hold office during its pleasure and are not liable to hold any qualification shares or to retire by rotation.

The nominee directors are expected to take active part in all deliberations of the Board meetings of the assisted concerns without interfering in the day-to-day management. To enable the nominee directors to keep themselves in touch with the operations of the concern, proformae have been devised on industry-wise basis for facilitating reporting of certain information and operational data by the companies for consideration at every meeting of the Board of Directors.

Conversion of Loans into Equity

63. In accordance with the guidelines issued by Government, the Corporation is reserving the right of conversion of a part of the loans given by it into equity capital of the assisted concerns and the rationale behind this policy has now gained fuller acceptance. The Corporation, as on June 30, 1978, had stipulated the conditions relating to conversion of rupee loans into equity in respect of 326 concerns covering 434 cases of sanction (loan agreements executed in respect of 301 cases) after prior negotiations with the sponsors of the projects and in consultation with IDBI. The conversion right was actually exercised in the case of 20 concerns as on June 30, 1978; in most of other cases the time for the exercise of the right had not yet arrived and in a few cases it was considered expedient taking into account all relevant factors, to waive the exercise of the right.

PROGRESS OF REPAYMENTS

Industry-wise Analysis of Defaults

64. Broadly speaking, the defaults on the part of assisted concerns could be attributed to delays in implementation of projects due to unforeseen reasons resulting in escalation in costs, non-availability of raw materials and other inputs, maladjustment between the prices of raw materials and finished goods, paucity of working funds, power shortages, labour troubles and weakness in managements. In fact, several factors in combination with each other led to problems encountered by different units.

65. The industry-wise break-up of defaults as on June 30, 1978 along with the comparative figures for the previous year is given in Table 20.

The number of defaulting concerns in the engineering group was 79 as against 63 in the previous year. Some of the units had to face competitive market conditions and recessionary trends in demand and also power shortages. Working capital problems arising out of poor operational results and accumulation of inventories and receivables added to the difficulties of some of the concerns. Weak and inadequate management has also been one of the important factors contributing to the unsatisfactory position of units in default. During the year, besides, arranging in-depth studies and review of operations, and based thereon, examination of various alternatives, efforts were made to interest acceptable entrepreneurs to take over the management of some of the concerns which were not doing well for quite some time and were persistently in default, particularly where the management was considered inadequate.

One sick unit engaged in the manufacture of hand tools could be successfully rehabilitated through expansion of its activities. Another unit manufacturing cutting tools was sanctioned additional assistance to enable it to arrest cash losses, while in yet another in the same field, the management has been entrusted to the Board of Directors and a Committee of Management headed by an independent Chairman with promoters assuming a secondary role and Institutions having a majority on the Company's Board/Committee. Efforts are being made to dispose of a unit engaged in steel castings, for which a Court Receiver was appointed when it was closed last year due to the existing management expressing its inability to run the same. The viability of a mini steel plant, established about 6 years back which could not commence production due to power shortage and the then sluggish market conditions, was reviewed in the light of the reliefs granted by the Central Government and further assistance to complete and commission the project was sanctioned. It was reported last year that the management of a sick unit engaged in the manufacture of electric meters was entrusted to a Committee of Directors, which included nominees of State Government, financial institutions and banks. During the year, an Investigation Committee was appointed by Central Government to look into the possibility of the unit being taken over under the I (D&R) Act. The decision of the Central Government in this behalf is awaited. Another unit engaged in the manufacture of electricity meters and lying closed since September, 1974, recommenced operations in December, 1977 under a rehabilitation scheme drawn up by the financial institutions, with management provided by Bharat Heavy Electricals Ltd. A unit engaged in the manufacture of industrial cables was fully restored to health during the year and is now meeting its obligations to the Corporation. In one of the units for manufacture of tubular poles, whose project could not be completed due to increase in project cost and inability of the promoters to arrange additional finance as also weak management, the Corporation succeeded in bringing the project into the joint sector with the participation of the State level institutions. In one of the concerns engaged in the manufacture of motorcycles and agro-industrial engines, at the instance of the Institutions, consultants were appointed to carry out a study of the Company's affairs. Based on this study, the Corporation sanctioned further financial assistance along with the Company's bankers. The Company's working has since improved and it is expected to turn the corner during the current year.

TABLE 20

Industry-wise Classification of Defaults

(Rs. Lakhs)

Industry	Defaults as on June 30, 1977				Defaults as on June 30, 1978				
	No. of concerns	Principal	Interest	Total	No. of concerns	Principal	Interest	Total	Defaults as percentage of loans outstanding
Sugar	21	98·50	158·59	257·09	23	185·50	217.08	402·58	4·4
Food products	1	1·35	1·99	3·34	3	0·48	0·81	1·29	1·7
Textiles	30	291·18	213·51	504·69	31	376·73	246·10	622·83	14·4
Jute manufactures	3	40·33	34·78	75·11	7	68·34	42·02	110·36	15·5
Wood products	2	—	0·65	0·65	3	—	3·60	3·60	1·6
Paper and paper products	7	14·88	8·67	23·55	10	46·27	33·12	79·39	3·2
Rubber products	5	145 02	75·46	220·48	7	173·53	109·20	282·73	19·5
Basic industrial chemicals	5	42·55	13·50	56·05	7	95·13	41·99	137·12	13·3
Fertilisers	4	83·97	146·59	230·56	6	131·60	177·49	309·09	25·0
Synthetic fibres	2	10·20	14·44	24·64	1	22·00	10·45	32·45	6·2
Misc. chemicals and chemical products	3	17·33	2·61	19·94	3	14·00	3·05	17·05	3·7
Glass	3	9·84	12·51	22·35	5	19·19	19·43	38·62	16·1
Cement	1	0·08	--	0·08	2	12·85	21·28	34·13	2·3
Leather products	3	2·00	2·93	4·93	1	4·00	1·37	5·37	5·5
Misc. non-metallic mineral products	3	18·68	9·94	28·62	4	26·83	16·54	43·37	8·3
Iron & steel	19	188·32	149·15	337·47	22	323·98	186·67	510·65	20·9
Non-ferrous metals	3	43·62	20·19	63·81	3	77·25	19·85	97·10	44·4
Metal products	11	48·65	69·55	118·20	13	70·97	56·55	127·52	14·6
Machinery and accessories	17	168·90	123·98	292·88	21	124·26	72·42	196·68	15·7
Electrical machinery and appliances	11	96·46	61·90	158·36	13	130·09	97·83	227·92	18·1
Transport equipment	5	92·52	34·70	127·22	11	131·41	58·33	189·74	18·2
Mining	3	29·00	16·07	45·07	3	42·00	27·28	69·28	29·7
Hotel	6	27·00	39·39	66·39	11	39·06	44·05	83·11	9·5
Misc. manufacturing industries	—	—	—	—	1	—	0·04	0·04	0·1
TOTAL :	168	1470·38	1211·10	2681·48	211	2115·47	1506·55	3622·02	11·0

The number of concerns in default in the sugar industry rose to 23 from 21 in the previous year. The availability of sugarcane improved during the crushing season 1977-78 and consequently most of the units performed better so far as crushing of cane was concerned. Some units could even produce upto their installed capacity for the first time. However, despite higher crushing and higher production of sugarcane, a number of units were not in a position to repay the Corporation's dues in view of the uneconomic price structure. As a result of constant follow-up, both at the Central as well as at the State level, three of the units cleared a portion of the defaults and assurances for clearance of defaults have been received in respect of 4 other units from the respective State Governments. Efforts are being made to recover at least a part of the overdue interest from yet another cooperative society. During the year, the Corporation lent the services of one of its officers to be associated with a study commissioned by the Planning Commission to review the affairs of one of the cooperative societies and to suggest remedial measures for improving its viability.

One of the concerns engaged in the manufacture of aluminium and rolled/fabricated aluminium products, which had been lying closed since September 1973, was taken over during the year by the Central Government under the I(D&R) Act and Bharat Aluminium Co. Ltd. has been appointed as the Authorised Person for its management. The unit is likely to start operations soon.

The number of defaulting concerns in the textile industry also went up to 31 from 30 in the previous year. In spite of improvement in the availability of raw material, there was not much improvement in the performance of most of the units mainly due to recessionary trends in demand. Efforts to recover the amounts in default through use of the good offices of the State Governments, particularly in respect of units in the cooperative sector, continued to be made. One of the textile units located in Madhya Pradesh has drawn up a scheme of modernisation and has approached IDBI for financial assistance under the Soft Loans Scheme. It is expected that the unit will become viable after successful implementation of the modernisation scheme.

In respect of nine textile units financed by the Corporation which were nationalised under the Sick Textile Undertakings (Nationalisation) Act, 1974 the compensation stipulated under the said Act was found to be inadequate to meet the entire dues of the Corporation, particularly, in view of the relatively low priority of the Corporation's dues in the scheme of distribution of compensation money envisaged. The Corporation, with a view to protecting its interests approached

the Central Government for redress, but its efforts in this direction did not meet with success. In all cases, the Corporation has, however, filed its claims before the Commissioner of Payments and the same are yet to be adjudicated. The Corporation has also filed suits against guarantors in some of the cases for the recovery of its dues. In one case, the suit has been decreed with further interest.

Claims have been filed by the Corporation with the Commissioner of Payments in the case of three coal companies financed by the Corporation which were nationalised under the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act/Coal Mines (Nationalisation) Act.

It was reported last year that a change had been brought about in the management of one of the units in the paper industry. Operations of the unit during the year continued to be uneconomic mainly due to higher cost of production and poor demand for coated paper. The other concern to which an additional loan was sanctioned last year did not turn the corner; a fresh rehabilitation scheme is being worked out for it in consultation with Hindustan Paper Corporation and Central Government.

During the year, two units in West Bengal engaged in the manufacture of tyres, tubes and other rubber products were taken over by Government under the I(D&R) Act. Whereas the rehabilitation plan drawn up by IRCI in one of the cases is under implementation, in the other case, it is yet under preparation.

Performance of a unit manufacturing gelatine, dry ossein and di-calcium phosphate improved during the year and the unit is expected to close the year with a small profit. One unit in default, engaged in the manufacture of pharmaceutical products in West Bengal was taken over under the I(D&R) Act. The performance of the unit, however, continues to be unsatisfactory. Another unit manufacturing pharmaceutical products whose overdue liabilities were rescheduled last year, could not show better results due to increase in the prices of its principal raw material without proportionate increase in the prices of end products (the prices of raw materials and the end products are controlled by the Government). One of the units engaged in the manufacture of ethyl alcohol, styrene monomer and polystyrene was allowed change of management and merger with another healthy unit. A package of reliefs was given by the Institutions as a part of the rehabilitation scheme which is under implementation.

It was reported last year that in regard to a concern engaged in the manufacture of radios, transistors and electronic components, the Institutions had commissioned an in-depth study through Electronic Trade and Technology Development Corporation Limited (ETTDC). Subsequently, a proposal for merger of the unit with another concern in the private sector has been put forward and the same is reportedly under consideration of Government.

During the year, one cement manufacturing unit located in South India was successfully rehabilitated after implementation of a scheme of modernisation.

One of the hotel projects at Bombay has improved its working results considerably after entering into a consultancy agreement with a well established hotel company. The unit has started meeting a part of its liabilities to the Corporation and it is expected that it would be able to maintain the improvement in the coming years. The management of another hotel project located at Goa was changed during the year. It is expected that the new promoter who has experienced in the line would be able to make the unit viable by expanding its capacity and providing better management.

A civil engineering unit located at Bombay, engaged in various types of contract jobs has since become viable after receiving remunerative contracts in the Middle East countries. A company engaged in the manufacture of siporex plain/structural concrete building components has become viable in view of a spurt in the demand for its products in Middle East countries.

Strict surveillance is being maintained over the affairs of the concerns who have defaulted in paying their dues to the Corporation particularly through its Advisory Services Department. The concept of the 'Lead Institution' has been fully established and as such it is now possible for an Institution to devote more time and concentrated efforts in respect of those cases, for which it has the lead responsibility.

66. Tables 21 and 22 show the amounts which were due by way of interest on loans and instalments of principal and the amounts that were realised during each of the last five years. They also show the amounts in default at the end of each of those years.

The interest in default of Rs. 1506.55 lakhs as on June 30, 1978 amounted to 4.6 per cent of the outstanding loans of Rs. 328.30 crores in respect of rupee and foreign currency loans as against 4.3 per cent in the previous year. The above mentioned amount of Rs. 1506.55 lakhs does not, however, include the amount of further defaults committed

TABLE 21

Recovery of Interest

(Rs. lakhs)

Year ended June 30	Loans outstanding at the beginning of the year	Arrears of interest outstanding at the beginning of the year	Amount of interest due during the year	Total of columns 3 & 4	Amount of interest received during the year	Defaults of interest at the end of the year*
1974	18020·26	691·72	1496·96	2188·68	1256·33	806·10
1975	19320·98	806·10	1700·83	2506·93	1353·72	1085·83
1976	20796·71	1085·83	1943·95	3029·78	1604·92	1065·67
1977	24456. 88	1065·67	2130·28	3195·95	1817·07	1211·10
1978	28469·81	1211·10	2582·96	3794·06	2082·61	1506·55

*Excluding amounts for which extension of time was granted. Technically such cases are not treated as defaults.

during the year by some of the assisted concerns, whose credit record has been very unsatisfactory, as mentioned in the Notes forming part of the Accounts. Further, principal in default of Rs. 2115.47 lakhs was 6.4 per cent of the outstanding loans as against 5.2 per cent in the previous year.

TABLE 22

Repayment of Principal

(Rs. Lakhs)

Year ended June 30	Loans outstanding at the beginning of the year*	Arrears of principal outstanding at the beginning of the year	Amount of principal due during the year	Total of columns 3 & 4	Amount of principal received during the year	Defaults of principal outstanding at the end of the year**
1974	18020·26	555·94	1899·40	2455·34	1507·84	815·46
1975	19320·98	815·46	2051·53	2866·99	1525·47	1151·28
1976	20796·74	1151·28	2300·65	3451·93	1742·58	1137·18
1977	24456·88	1137·58	2438·73	3575·91	1854·01	1470·38
1978	28469·84	1470·38	2532·39	4002·77	1828·63	2115·47

*Excluding amounts due on account of defaulted deferred payment instalments guaranteed and met by the Corporation and interest due thereon which are shown separately in Table 23.

**Excluding amounts for which extension of time was granted. Technically, such cases are not treated as defaults.

67. The position of defaults in the payment of instalments of deferred payments guaranteed and met by the Corporation and interest and other charges due thereon for each of the last five years are shown in Table 23 below.

TABLE 23

Arrears Outstanding in respect of Deferred Payments Guaranteed by the Corporation

(Rs. Lakhs)

Year ended June 30	Amount of arrears due at the beginning of the year	Defaults during the year	Total	Recoveries during the year	Amounts of arrears outstanding at the end of the year
1974	449·84	36·06	485·90	391·60	94·30
1975	94·30	10·46	104·76	3·77	100·99
1976	100·99	35·72	136·71	15·80*	120·91
1977	120·91	25·77	146·68	8·32†	138·36
1978	138·36	15·64	154·00	9·86@	163·86

* This amount included instalments in default aggregating Rs. 8.66 lakhs for which extension of time was granted.

** This amount included instalments in default aggregating Rs. 2·50 lakhs for which extension of time was granted.

@ This amount included instalments in default aggregating Rs. 4·48 lakhs for which extension of time was granted.

RESOURCES

Share Capital

68. The Authorised Capital of the Corporation remains at Rs. 20 crores. The issued, subscribed and paid-up capital of the Corporation stood at Rs. 10 crores as on June 30, 1978.

There has been no change in the ownership pattern of shares of the Corporation held by the various categories of shareholders during the year under report.

The distribution of shares as on June 30, 1978 was as follows :

	No. of shares held	Percentage of the Total
Industrial Development Bank of India	10,000	50
Scheduled Banks	4,067	20
Insurance Concerns, etc.	4,314	22
Cooperative Banks	1,619	8
Total	20,000	100

Bonds

69. The Corporation made two bond issues during the year. The first bond issue, viz., 6% Bonds 1987 (2nd Series) was made in December, 1977 for Rs. 23.00 crores at a discount of 1%. The second issue, viz, 6½% Bonds 1988, for Rs. 30.00 crores was made in June, 1978 at par. Both the issues were fully subscribed. Including the permissible 10% of the amount of the issue, the total amount of bonds allotted was Rs. 25.39 crores and Rs. 33.00 crores respectively.

Borrowings from the Central Government

70. As on June 30, 1977, loans outstanding from the Central Government stood at Rs. 50.09 crores. During the year under review, a sum of Rs. 0.46 crore was made available as loan by Government under Interest Differential Funds arising out of KfW loans and a further sum of Rs. 1.91 crores was made available as loan by Government under the Hotel Development Scheme for financing hotel projects; a sum of Rs. 7.61 crores was repaid during the year. The aggregate amount of Government loans outstanding at the end of the year was Rs. 44.85 crores.

Borrowings from the Reserve Bank of India

71. As in the past, borrowings from RBI were availed of for temporary periods during the year. However, as on June 30, 1978, there was no outstanding under this head.

Borrowings in Foreign Currencies

72. A further loan of DM 15.00 million being the sixteenth line of credit was allocated to the Corporation. As at the close of the year, the total amount of West German Credit made available to the Corporation including the above line of credit amounted to DM 192.50 million, against which the Corporation had sanctioned sub-loans to the extent of DM 180.54 million. DM lines of credit are fully convertible and can be utilised for the import of capital goods, engineering know-how and services, etc.

Government have permitted the Corporation to convert the amounts recovered from the DM sub-borrowers into foreign currencies and utilise the same, pending repayment to Kreditanstalt fur Wiederaufbau, for financing imports by the industrial concerns. Under this scheme, Corporation has already transferred a sum of DM 4 million abroad and sanctioned sub-loans for DM 0.99 million thereagainst.

Government have also placed at the disposal of the Corporation a further sum of £ 4 million under the UK/India Capital Investment Grants, 1977 and 1978 for financing imports from U.K. The total amount of U.K. funds made available to the Corporation now aggregate £ 9.50 million, of which a sum of £ 4.50 million has already been committed by way of sanctions.

There was, however, no addition to the Swedish Kroner funds of the Corporation during the year. As against the allocation of Sw. Kr. 25 million, under the Indo-Swedish Development Cooperation Agreement, 1976—General Imports, the Corporation has already sanctioned sub-loans for Sw. Kr. 20.24 million.

TABLE 24

Sources and Uses of Funds

(Rs. Crores)

	1975-76	1976-77	1977-78	1948-78
A. SOURCES OF FUNDS :				
Internal Sources				
1. Share capital	—	—	—	10·00
2. Profit before tax	4·18	5·46	8·58	73·19
3. Repayment of loans by borrowers				
(a) Rupee loans	14,94	15·47	15·35	174·88
(b) Foreign currency sub-loans	3·49	3·07	2·94	30·50
4. Sale/redemption of investments	1·08	3·25	0·62	15·99
5. Recoveries in respect of amounts met under guarantee obligations	0·04	0·02	0·01	4·76*
Sub-total :	23·73	27·27	27·50	309·32
	(31·4)	(28·0)	(26·2)	(39·5)
Borrowings				
6. From the market by issue of bonds	35·80	52·35	58·39	285·42
7. From Central Government	2·09	0·74	2·37	114·28
8. From Industrial Development Bank of India	—	—	5·00	10·00
9. By way of transfer of rights and interests in certain loans	—	—	—	9·98
10. From foreign credit institutions				
(a) Loans in US $ from USAID	—	—	—	19·63
(b) Loans in DM from Kreditanstalt fur Wiederaufbau West Germany	2·10	2·11	2·44	30·87
(c) Equipment credit in FF from Banque Francaise Du Commerce Exterieur, Paris	0·18	0·06	—	2·02
Sub-total :	40·17	55·26	68·20	472·20
	(53·2)	(56·8)	(64·9)	(60·3)
11. Specific Grant from Government@	0·30	0·37	0·46	1·73
	(0·4)	(0·4)	(0·4)	(0·2)
12. Opening cash and bank balances	11·30	14·39	8·86	
	(15·0)	(14·8)	(8·5)	(—)
SOURCES OF FUNDS : TOTAL	75·50	97·29	105·02	783·25
	(100·0)	(100·0)	(100·0)	(100·0)

*Does not include Rs. 2·66 crores converted into loan and Rs. 1·22 crores converted into equity shares which were disposed of under rehabilitation schemes in respect of two concerns.

@Out of Interest Differential Funds in terms of KfW loan agreements.

TABLE 24—*Contd.* (Rs. Crores)

	1975-76	1976-77	1977-78	1948-78
B. USES OF FUNDS :				
1. **Disbursement of assistance**				
(a) Rupee loans	38·34	53·59	53·12	447·58
(b) Foreign currency sub-loans	2·99	3·07	3·64	58·48
(c) Subscriptions to shares and debentures of industrial concerns under underwriting obligations etc.	2·40	1·72	5·10	37·73
(d) Amount ment under guarantee obligations	0·24	0·16	0·16	10·0
Sub-total :	43·97	58·54	62·02	553·88
	(58·2)	(60·2)	(59·1)	(70·7)
2. Loan amounts converted into equity shares of assisted concerns	0·76	0·77	0·25	1·86
	(0·9)	(0·8)	(0·2)	(0·2)
Repayment of borrowings				
3. Repayment of loans to Central Government	6·86	7·19	7·61	69·43
4. Redemption of bonds	—	11·04	2·00	41·28
5. Repayment of loans to foreign credit institutions	2·40	2·19	2·10	28·65
6. Repayment of other borrowings	1·93	2·13	2·27	7·22
Sub-total :	11·19	22·55	13·98	146·58
	(14·8)	(23·2)	(13·3)	(18·7)
Other uses				
7. Subscription to share capital/initial capital of financial developmental institutions	0·01	0·06	—	0·78
8. Allocations to Management Development Institute	0·32	0·32	0·57	1·93
9. Allocations to Risk Capital Foundation	—	0·33	0·33	0·66
10. Provision for Income-Tax	1·48	2·22	3·11	33·13*
11. Dividend	0·60	0·60	0·65	7·91
12. Net miscellaneous uses	2·87	3·04	3·01	15·42
Sub-total:	5·28	6·57	7·67	59·83
	(7·0)	(6·7)	(7·3)	(7·7)
13. Closing cash and bank balances	14·39	8·86	21·10	21·10
	(19·1)	(9·1)	(20·1)	(2·)7
USES OF FUNDS : TOTAL	75·50	97·29	105·02	783·25
	(100·0)	(100·0)	(100·0)	(100.0)

*Includes Income Tax to the extent of Rs. 30·48 crores actually paid.

NOTE : Figures in brackets indicate percentages to the total.

ACCOUNTS

73. The gross profit for the year amounted to Rs. 857.52 lakhs as against Rs. 545.97 lakhs for the year 1976-77. After providing Rs. 310.52 lakhs (net) for taxation, the net profit amounted to Rs. 547.00 lakhs as against Rs. 324.00 lakhs for the year 1976-77. The appropriations to reserve amounted to Rs. 481.00 lakhs which was Rs. 218.00 lakhs higher than the appropriations to reserve last year. Allocation to the Staff Welfare Fund amounted to Rs. 1.00 lakh.

Dividend

74. With the transfer of Rs. 163.00 lakhs to the General Reserve Fund out of profits for the year, the total amount in the Fund amounted to Rs. 14.51 crores. The Corporation has declared a dividend of 6½ per cent on the paid-up capital in respect of the year ended June 30, 1978.

RESERVES

75. The sum total of the Reserves held by the Corporation as on June 30, 1978 stood at Rs. 30.66 crores which comprised the following :

	(Rs. Crores)
General Reserve Fund (under Section 32 of the IFC Act)	14.51
Reserve Fund (under Section 32A of the IFC Act)	1.00
Special Reserve (under Section 36(1) (viii) of the Income Tax Act, 1961)	8.95
Reserve for Doubtful Debts	5.45
Benevolent Reserve Fund (under Section 32B of the IFC Act)	0.75
Total Reserves :	30.66

The reserves exceeded the paid-up capital by Rs. 20.66 crores. The details of the various reserves held by the Corporation are given below.

General Reserve Fund

The General Reserve Fund increased to Rs. 1451.00 lakhs pursuant to the transfer of a sum of Rs. 163.00 lakhs out of the current year's profits to the Fund.

Reserve Fund ....

The balance in the Reserve Fund under Section 32A of the IFC Act remained at Rs. 100.00 lakhs as on June 30, 1978 being the maximum permissible balance in the Fund under the Act.

Special Reserve

A sum of Rs. 204.00 lakhs being 25 per cent of the total income has been transferred this year to the Special Reserve under Section 36(1)(viii) of the Income Tax Act, 1961 as against Rs. 140.00 lakhs being 25 per cent of the total income transferred last year. With this transfer of Rs. 204.00 lakhs the balance to the credit of the Special fund stands at Rs. 894.78 lakhs.

Benevolent Reserve Fund

A sum of Rs. 39.00 lakhs has been transferred out of the current year's profits to the Benevolent Reserve Fund under Section 32B of the Industrial Finance Corporation Act to be utilised as under :

(a) for meeting the cost of feasibility studies, project reports, market and techno-economic surveys and such other purposes which in the opinion of the Corporation, may promote the development of industries;

(b) in the field of development banking and in financial and industrial management—

(i) for undertaking and promoting research;

(ii) for training in India or abroad of personnel of financial institutions; and

(iii) for creating chairs in universities, academic institutions and research foundations;

(c) for assisting projects promoted by technologists and new entrepreneurs—

(i) by subsidising the normal lending rate of interest of the Corporation in respect of loans or advances sanctioned to them;

(ii) by providing technical and managerial assistance to projects promoted by them especially in industrially less developed regions;

(d) for rendering any assistance that may be ancillary or incidental to the aforementioned purposes.

The amount to the credit of the Benevolent Reserve Fund was Rs. 75.41 lakhs as on June 30, 1978.

Reserve for Doubtful Debts

Based on a review of the loan accounts as at the end of the year and keeping in view the growing size of the operations of the Corporation, and the fact that schemes for rehabilitation of certain projects may take time to mature, the Directors have decided, as a measure of prudence, to transfer an amount of Rs. 75.00 lakhs from the profit of the year under report to the Reserve for Doubtful Debts which now stands at Rs. 544.80 lakhs.

Provision for Income Tax

76. The assessment proceedings for the accounting years ended June 30, 1974, 1975, 1976 and 1977 were not finalised by the close of the annual accounts. In respect of the accounting year ended June 30, 1978 a sum of Rs. 310.52 lakhs has been provided in the accounts for taxation.

77. A summary of the Profit and Loss Statement for the year ending June 30, 1978 is given in Table 25.

78. A statement showing the working results for the last five years is given in Table 26.

TABLE 25

Summary Profit and Loss Statement—1977-78

(Rs. Lakhs)

	This Year	Previous Year
The year's working shows a gross income of	2894·83	2423·17
Deducting from gross income:		
Interest paid on bonds and other borrowings	1764·10	1545·31
Other expenses	273·21	331·89*
And after providing for taxation (net)	310·52	221·97
	547·00	324·00
The net profit for the year is :		
Appropriations		
Transfer to General Reserve Fund	163·00	38·00
Transfer to Speical Reserve (Under Section 36(1)(viii) of the Income Tax Act, 1961)	204·00	140·00
Transfer to Benevolent Reserve Fund	39·00	25·00
Transfer to Reserve for Doubtful Debts	75·00	60·00
Transfer to Staff Welfare Fund	1·00	1·00
Payment of Dividend on the paid-up share capital of Rs. 10·00 crores for the year	65·00**	60·00***
	547·00	324·00

*Includes net loss on sale of investments amounting to Rs. 55·00 lakhs.

**@6½ per cent.

***@6 per cent.

TABLE 26

Working Results for the Last Five Years

(Rs. Lakhs)

	For the years ended June 30				
	1974	1975	1976	1977	1978
Interest earned	1613·24	1683·38	1848·94	2305·76	2732·59
Other income	163·28	98·94	108·98	117·41	162·24
Total income:	1776·52	1782·32	1957·92	2423·17	2894·83
Interest paid	1006·52	1131·98	1283·89	1545·31	1764·10
Discount and brokerage on bonds	3·68	33·06	51·47	75·77	49·99
Establishment expenses inclusive of medical fees and expenses and interest on employees' provident fund	89·20	103·50	138·31	112·50	128·15
Grant to Management Development Institute	5·00	5·00	5·00	5·00	5·00
Loss on investments	71·60	—	9·07	63·90	—
Other expenses	46·87	49·81	52·55	74·72	90·07
Total expenditure:	1222·87	1323·35	1540·29	1877·20	2037·31
Gross profit:	553·65	458·97	417·63	545·97	857·52
Provision for taxation (net)	228·65	198·97	148·13	221·97	310·52
Net profit :	325·00	260·00	269·50	324·00	547·00
To reserves	264·00	199·00	209·00	263·00	481·00
To Staff Welfare Fund	1·00	1·00	0·50	1·00	1·00
To dividend	60·00	60·00	60·00	60·00	65·00

ORGANISATION

Board of Directors

79. In terms of Section 10(1)(b) of the IFC Act, 1948, the Central Government nominated with effect from June 14, 1978 Shri N. R. Ranganathan, Joint Secretary, Department of Economic Affairs (Banking Division), as Director, in place of Shri M. Dandapani. In terms of Section 10(1)(aa) of the IFC Act, 1948, the Industrial Development Bank of India (IDBI) nominated as Directors, Shri M.R.B. Punja with effect from August 25, 1977 and Shri Bagaram Turpule and Dr. J. C. Sandesara with effect from August 31, 1977.

At the Annual General Meeting of the Corporation held on September 26, 1977, Shri P.C.D. Nambiar was re-elected a Director, under Section 10(1)(c) of the IFC Act, 1948, to respresent scheduled banks. At the same meeting, under Section 10(1)(d) of the IFC Act, 1948, Shri J. Matthan was re-elected to represent insurance concerns, investment trusts and other like financial institutions, and under Section 10(1)(e) of the Said Act, Shri Jashbhai U. Patel was re-elected a Director to represent cooperative banks.

Shri C. S Venkat Rao, who was a Director of the Corporation since September 28, 1972 died suddenly on August 23, 1977. The Board express their deepest sorrow at the sad and untimely demise of Shri Venkat Rao.

The Board place on record their high appreciation of the services rendered by Shri M. Dandapani while he was associated with the Corporation, and extend a hearty welcome to the new Directors viz., Shri N. R. Ranganathan, Shri M.R.B. Punja, Shri Bagaram Tulpule and Dr. J. C. Sandesara.

Meetings of the Board and other Committees

80 Twelve meetings of the Board were held during the year, six in New Delhi and one each at Pune, Chandigarh, Faridabad, Patna, Cochin and Bangalore. As in the past, whenever meetings of the Board were held outside Delhi, opportunity was taken by the Chairman and members of the Board to meet officials of the State Governments and other financial and developmental institutions based in the State capitals, and also representatives of local business and industry associations or chambers, with a view to having better appreciation of the industrial climate in the State or the region and the problems of some of the assisted concerns.

Five meetings of the Committees of the Board were held during the year.

Advisory Committees

81. The number of meetings of the various Advisory Committees held during the year was as under :

Name of the Advisory Committee	Number of meetings held
Chemical Process and Allied Industries	6
Engineering	4
Sugar	8
Textiles	6
Hotels	1
Jute	8

These meetings considered applications for financial assistance for various types of projects from 71 concerns.

During the year, the functioning of the Local Advisory Committees of the Corporation was reviewed and it was decided to broad-base their membership as also to create such Committees at other centres in the country. Accordingly, the composition of the Committees was enlarged to give suitable representation to all the institutions/agencies that matter in the industrial development of the States. Local Advisory Committees are being constituted at Bhubaneswar, Cochin, Jaipur, Lucknow and Patna in addition to those functioning at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Madras and Simla. Two meetings of the Local Advisory Committees after their reconstitution were held during the year at Bangalore and Bhopal.

The Corporation continued to maintain a panel of technical experts and consultants for various industries to have the benefit of their special expertise and to co-opt them, whenever necessary on the appropriate Committees as members.

Auditors

82. M/s. A.F. Ferguson & Co., Bombay were appointed by the Industrial Development Bank of India as auditors of the Corporation for the year ended June 30, 1978. At the last Annual General Meeting of the shareholders of the Corporation held on September 26, 1977, M/s. Haribhakti & Co., Bombay were elected auditors by the shareholders, other than IDBI, for the same period.

Progressive use of Hindi in the Corporation

83. In pursuance of Government's policy regarding the progressive use of Hindi for official purposes, the Corporation has been making efforts to promote use of Hindi in the Corporation. Three Official Languages Implementation Committees, one each at Head Office, Bombay and Delhi Regional Offices are functioning to monitor the progress and to suggest ways and means to further the use of Hindi in the Corporation.

In addition to the nomination on the Town Official Languages Implementation Committees, the Corporation has also nominated in all its Regional, Branch and other offices, one of its officers as Liaison Officer, to keep a close liaison with the Hindi Teaching Scheme authorities and to implement the suggestions and diretions which may be received from the said authorities towards achieving the objectives in view.

The Corporation has also adopted the Hindi Teaching Scheme of Government. Under the scheme, classes are held to prepare the employees for the various Hindi examinations. So far, 21 employees of the Corporation have qualified in the Pragya examination conducted under the Hindi Teaching Scheme. Besides, one stenographer and nine typists have qualified in Hindi Stenography and Hindi Typwriting examinations respectively. In order to encourage the employees to learn Hindi, the Corporation has introduced an incentive scheme, which provides for grant of an honorarium of Rs. 250/- for qualifying in each of the various Hindi examinations including those in Hindi Typewriting and Stenography.

Training of Personnel

84. As part of executive development, the Corporation deputed during the year, 41 Officers to the various courses conducted by the Management Development Institute, New Delhi, Bankers' Training College, Bombay, National Productivity Council, New Delhi, etc. Two in-company programmes were also organised at Head Office which were atended by 46 Officers and 15 Assistants.

One Officer was deputed to attend a course on 'Evaluation of Industrial Projects' conducted in West Berlin, by the German Foundation of International Development, Federal Republic of Germany.

The first batch of Management Trainees, recruited during June 1977, continued to receive classroom and 'on-the-job' training. Comprehensive plants have also been developed for in-service training of staff members at the level of Clerks, Assistants, Superintendents and Loans Officers for updating their knowledge and skills.

Staff Welfare Fund

85. During the year, amendments were made to the Staff Welfare Fund Regulations so as to provide for grant of merit scholarship to the dependent children of the employees of the Corporation for prosecuting post-graduate studies as against the existing provision of granting such merit scholarships only for post-graduate courses in Science, Commerce, Business Administration and Business Management. Further, a new Regulation has been incorporated to provide for grant of a reward in cash or in kind to an employee who secures the top position in any recognised sports and/or cultural events at the State/National level.

Prime Minister's National Relief Fund

86 The Corporation donated Rs. 5 00 lakhs to the Prime Minister's National Relief Fund to help relieve the sufferings of the people affected by the cyclone in the coastal areas of

Andhra Pradesh, Tamil Nadu and Pondicherry. The employees of the Corporation, both at the Head Office as well as in other offices, also contributed a sum of Rs. 8,61.10 to the above Fund.

International Conference

87. During the year, Shri Baldev Pasricha, Chairman, attended the first Ordinary meeting of the General Assembly of the Association of Development Financing Institutions of Asia and the Pacific (ADFIAP) held at Bangkok, Thailand on April 20-21, 1978. The Corporation is a signatory to the ADFIAP Constitution which was signed at the time of the Sixth Regional Conference of Development Financing Institutions of Asia and the Pacific held at Manila in September-October 1976. Shri Pasricha was a member of the three-man ad-hoc Group which drafted the Constitution.

Secondment of Staff

88. Shri V. S. R. K. Sastry, Senior Manager was deputed to National Industrial Development Corporation for a period of three months in connection with one of their assignments in Libya.

Shri N. Krishnaswamy, Senior Manager (Personnel) has been deputed to the Indian Institute of Management (IIM), Bangalore, for a period of six months from September 11, 1978.

Silver Jubilee Memorial Lecture

89. The fifth IFCI Silver Jubilee Memorial Lecture was held on October 4, 1977. The Speaker was Shri C. S. Krishna Moorthi, Vice-President, Asian Development Bank, Manila. He spoke on 'Development Banks : A Growing Role'. The Lecture was presided over by Shri J. N. Saxena, Chairman and Managing Director, Industrial Development Bank of India. The two commentators were Dr. B. K. Madan, Chairman, Management Development Institute, New Delhi and Dr. Samuel Paul, Director, Indian Institute of Management, Ahmedabad.

In his Lecture, Shri Krishna Moorthi, observed that Increasing involvement of DFIs in the development aspect of the banking and financial function gave the hope that, sooner rather than later, they would find ways in which to involve themselves in activities which would, in the medium and long run, promote inter-sectoral linkages, expand markets and develop complementarity between industry and agriculture, between the rural and the urban sectors, between the development of production capacity and the development of consumption capacity. In this context, he said that DFIs by themselves cannot achieve this except as a supplement to strong Governmental drive and efficient planning and policy strategies.

Changes in Senior Management

90. Shri P. S. Gopalakrishnan, Deputy General Manager was promoted to the post of Joint General Manager with effect from January 2, 1978.

Consequent to voluntary retirement from Government service, Dr. M. P. Khera, Technical Adviser on deputation from the Directorate General of Technical Development, was appointed in the Corporation on contract basis with effect from February 6, 1978 till March 1, 1979.

On the expiry of the extended term of reappointment, Shri N. P. Chakraborty, Officer-on-Special Duty relinquished his charge with effect from April 30, 1978.

Shri R. N. Sahoo and Shri M. N. Khushu, Assistant General Managers were promoted to the post of Deputy General Manager with effect from May 1, 1978.

Shri R. R. Rao, Regional Manager, Shri D. G. Ramaiah, Chief Accountant and Shri S. K. Bhattacharya, Regional Manager were promoted to the post of Assistant General Manager with effect from May 1, 1978.

Shri S. K. Mitra, Assistant Legal Adviser, retired from the service of the Corporation with effect from January 31, 1978 after attaining the age of superannuation.

Shri S. S. L. Gupta, Manager (Law) was promoted to the post of Assistant Legal Adviser with effect from February 17, 1978.

Shri H. C. Sharma, Manager and Shri L. N. Jadhvani, Manager were promoted to the posts of Regional Manager and Senior Manager with effect from May 5, 1978 and May 1, 1978 respectively.

Acknowledgement of Assistance Received

91. The Board wish to place on record their appreciation of the assistance, cooperation and cordiality received from the various Ministries and Departments of the Government of India, the all-India financial institution and the State Governments and State-level financial and developmental institutions. The Board are grateful to the members, who have served on the various Advisory Committees of the Corporation, for their valuable assistance and advice and also to the non-officials, who served as the Corporation's nominees on the Boards of Directors of the various assisted concerns. The Board gratefully acknowledge the continued support and cooperation extended to the Corporation by the management of the Kreditanstalt fur Wiederaufbau, Overseas Development Ministry of the U.K. Government and Swedish International Development Authority. The Board also wish to express their appreciation for the loyal and devoted service put in by the officers and the staff of the Corporation during the year.

On behalf of the Board of Directors
(Sd.) (BALDEV PASRICHA)
Chairman

BALANCE SHEET AND PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED JUNE 30, 1978

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA REPORT OF THE AUDITORS

TO THE SHAREHOLDERS

OF THE INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA

We, the undersigned Auditors of the Industrial Finance Corporation of India, do hereby report to the shareholders upon the Balance Sheet and Accounts of the Corporation as at 30th June, 1978.

We have examined the attached Balance Sheet with the Accounts and Vouchers relating thereto and the audited returns from the Branches, which returns are incorporated in the above Balance Sheet, and report that where we have called for explanations and information, such information and explanations have been given and have been satisfactory. In our opinion, the Balance Sheet together with the notes thereon is a full and fair Balance Sheet containing all necessary particulars and properly drawn up in accordance with the Industrial Finance Corporation Act, 1948 and the Rules of the Corporation so as to exhibit a true and correct view of the state of the affairs of the Corporation according to the best of our information and explanations given to us and as shown by the books of the Corporation.

HARIBHAKTI & CO.
A. F. FERGUSON & CO.
Chartered Accountants

Place : Madras
Date : 28th August, 1978.

23—319GI/78

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA
NEW DELHI
Balance Sheet as at 30th June 1978

Serial No.	Liabilities	Schedule	This year Rs.	Previous year Rs.	Serial No.	Assets	Schedule	This year Rs.	Previous year Rs.
(1)	SHARE CAPITAL	A	10,00,00,000	10,00,00,000	(1)	CASH AND BANK BALANCES	G	21,09,90,626	8,85,90,479
(2)	RESERVES AND RESERVE FUND .	B	30,65,98,695	26,37,18,012	(2)	INVESTMENTS	H	25,56,51,232	20,82,66,195
(3)	LONG TERM BORROWINGS . .	C	321,06,51,784	264,89,57,143	(3)	LOANS AND ADVANCES	I	330,17,57,790	286,42,49,601
(4)	CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	D	20,68,28,600	17,69,67,272	(4)	FIXED ASSETS	J	1,03,50,004	87,47,112
(5)	OTHER LIABILITIES . . .	E	4,94,94,886	6,16,63,017	(5)	OTHER ASSETS	K	9,48,24,313	8,14,52,057
(6)	CONTINGENT LIABILITIES AS PER CONTRA	F	2,45,38,350	4,05,36,438	(6)	CONSTITUENTS' OBLIGATIONS AS PER CONTRA	L	2,45,38,350	4,05,36,438
			389,81,12,315	329,18,41,882				389,81,12,315	329,18,41,882

As per our report attached.

HARIBHAKTI & Co.
A.F. FERGUSON & Co.
Chartered Accountants

N.R. Ranganathan
C.T. Das
Bagaram Tulpule
J.C. Sandesara
R.L. Prabhu
} Directors

B.K. Vora
P.C.D. Nawbiar
B.C. Randeria
Shamrao Kadam
J.U. Patel
} Director

M.S. Nagratha
General Manager

Baldev Pasricha
Chairman

INDUSTRIAL FINANCE

NEW

Profit and Loss Account for the

Expenditure	*Rs.*	*This year* Rs.	*Previous year* Rs.
Interset on Bonds, Borrowings etc.		17,64,09,587	15,45,30,50
Commitment Charges on foreign currency loans		3,28,101	2,77,090
Brokerage on issue of Bonds		24,59,363	23,42,613
Discount on issue of Bonds		25,39,455	52,34,610
Loss on Investments		—	63,89,970
Establishment Expenses		1,28,14,799	1,12,49,782
Directors' and Committee Members' Fees and Expenses		1,66,146	2,67,476
Rent, Taxes, Insurance and Lightings		37,56,132	25,31,480
Postage, Telegrams, Stamps and Telephones		6,96,210	6,66,804
Printing, Stationery and Advertisement		6,82,389	5,87,765
Law Charges		15,957	1,62,671
Audit Fees		43,000	43,000
Travelling and Halting Expeses		4,92,900	4,51,393
Other Expenses		20,62,119	13,87,340
Bad debts written off		4,51,417	8,00,000
Depreciation		3,13,051	2,97,683
Grant to Management Development Institute		5,00,000	5,00,000
Provision for taxation	3,29,51,909		
Less : Income Tax refunds and adjustments in respect of earlier years	19,00,000	3,10,51,909	2,21,96,854
Net Profit for the year carried down		5,47,00,000	3,24,00,000
		28,94,82,535	24,23,17,039
Amounts Transferred To—			
General Reserve Fund		1,63,00,000	38,00,000
Special Reserve [Under Section 36(1)(viii) of the Income Tax Act, 1961]		2,04,00,000	1,40,00,00 0
Benevolent Reserve Fund		39,00,000	26,00,000
Staff Welfare Fund		1,00,000	1,00,000
Reserve for doubtful Debts		75,00,000	60,00,000
Proposed Dividend		65,00,000	60,00,000
		5,47,00,000	3,24,00,000

As per our report attached.

HARIBHAKTI & Co.
A.F. FURGUSON & Co.
Chartered Accountants

N.R. Ranganathan
C.T. Das
Bagaram Tulpule
J.C. Sandesara
R.L. Prabhu
} Directors

B.K. Vora
P.C.D. Nambiar
B.C. Randeria
Shamrao Kadam
J.U. Patel
} Directors

CORPORATION OF INDIA
DELHI
Year ended 30th June, 1978

Income	*This year* Rs.	*Previous year* Rs.
Interest	27,32,58,744	23,05,75,909
Commission	20,25,425	12,25,666
Profit on sale of investments	33,26,023	9,12,341
Profit on sale of assets	2,760	6,960
Dividend on Shares	48,59,653	44,71,602
Commitment Charges	58,00,496	44,72,047
Miscellaneous Income	2,09,434	6,52,514
	28,94,82,535	24,23,17,039
Net Profit for the year brought down	5,47,00,000	3,24,00,000
	5,47,00,000	3,24,00,000

M.S. Nagratha
General Manager

Baldev Pasricha
Chairman

SCHEDULE A
SHARE CAPITAL

Annexed to and forming part of the Balance Sheet as at 30th June, 1978

Description	*This year* Rs.	*Previous year* Rs.
AUTHORISED :		
40,000 shares of Rs. 5,000- each	20,00,00,000	20,00,00,000
ISSUED, SUBSCRIBED AND PAID-UP		
(Guaranteed by Government of India as to the repayment of principal and payment of minimum annual dividend under Section 5 of the IFC Act, 1948)		
(i) 10,000 shares of Rs. 5,000/- each fully paid-up	5,00,00,000	5,00,00,000
(ii) 4,000 (Second Series) shares of Rs. 5,000 each fully paid-up . .	2.00,00,000	2,00,00,000
(iii) 2,692 (Third Series) shares of Rs. 5,000/- each fully paid-up . .	1,34,60,000	1,34,60,000
(iv) 3,308 (Fourth Series) shares of Rs. 5,000/- each fully paid up . .	1,65,40,000	1,65,40,000
	10,00,00,000	10,00,00,000

Note : Guaranteed minimum annual dividend in 2¾% in case of item (i), 4% in case of items (ii) and (iii) and 4½% in case of item (iv).

SCHEDULE B
RESERVES AND RESERVE FUND

Annexed to and forming part of the Balance Sheet at as 30th June, 1978

Description	*Rs.*	*This year* *Rs.*	*Previous year* *Rs.*
(i) General Reserve Fund			
(Under Section 32 of the IFC Act, 1948)			
Balance as per last Balance Sheet	12,88,00,000		12,50,00,000
Transferred from Profit & Loss Account	1,63,00,000		38,00,000
		14,51,00,000	12,88,00,000
(ii) Reserve Fund			
(Under Section 32A of the IFC Act,1948		1,00,00,000	1 00,00,000
(iii) Benevolent Reserve Fund			
(Under Section 32B of the IFC Act, 1948)			
Balance as per last Balance Sheet	88,60,029		1,05,68,752
Transferred from Profit & Loss Account	39,00,000		25,00,000
	1,27,60,029		1,30,68,752
Less : Amount utilised	52,19,317		42,08,723
		75,40,712	88,60,029
(iv) Special Reserve			
(Under Section 36(1)(viii) of the Income Tax Act, 1961)			
Balance as per last Balance Sheet	6,90,78,362		5,50,78,362
Transferred from Profit & Loss Account	2,04,00,000		1,40,00,000
		8,94,78,362	6,90,78,362
(v) Reserve for doubtful debts			
Balance as per last Balance Sheet	4,69,79,621		4,09,79,621
Less : Bad debts written off during the year	—		
	4,69,79,621		4,09,79,621
Transferred from Profit & Loss Account	75,00,000		60,00,000
		5,44,79,621	4,69,79,621
		30,65,98,695	26,37,18,012

SCHEDULE C
LONG TERM BORROWINGS

Annexed to and forming part of the Balance Sheet as at 30th June, 1978

Description	*This year Rs.*	*Previous year Rs.*
1. BONDS (UNSECURED—ISSUED UNDER SECTION 21 OF THE IFC ACT, 1948 GUARANTEED BY THE GOVERNMENT OF INDIA)		
5½% Bonds 1977	—	2,00,00,000
5½% Bonds 1978	6,12,90,000	6,12,90,000
5¾% Bonds 1979	8,24,86,700	8,24,86,700
5¾% Bonds 1980	8,33,30,800	8,33,30,800
5¾% Bonds 1981	5,50,00,000	5,50,00,000
5¾% Bonds 1982	4,95,00,000	4,95,00,000
5¾% Bonds 1983	8,80,08,000	8,80,08,800
5¾% Bonds 1984	11,00,67,300	11,00,67,300
5¾% Bonds 1985	13,16,67,800	13,16,67,800
6% Bonds 1986	7,99,08,000	7,99,08,000
6% Bonds 1984	11,00,12,000	11,00,12,000
6% Bonds 1985	12,47,37,800	12,47,37,800
6% Bonds 1985 (Second Series)	16,54,79,200	15,54,79,200
6% Bonds 1986 (Second Series)	19,25,05,400	19,25,05,400
6% Bonds 1986 (Third Series)	32,45,87,200	32,45,87,200
6% Bonds 1987	19,88,73,800	19,88,73,800
6% Bonds 1987 (Second Series)	25,39,45,500	—
6¼% Bonds 1988	33,00,00,000	—
	244,14,00,300	187,74,54,800
2. BORROWINGS		
(i) From Industrial Development Bank of India (Under Section 21(4) of the IFC Act, 1948) Secured by 6¾% and 6¼% Ad hoc Bonds of the face value of Rs. 5,000 crores each issued by the Corporation	9,50,00,000	5,00,00,000
(ii) From Government of India (Under Section 21(4) of the IFC Act, 1948)	43,12,48,219	48,82,43,503
(iii) From Government of India in terms of Agreement with Kreditanstalt-Fur-Wiederaufbau	1,72,17,800	1,26,75,000
(iv) From Foreign Credit Institutions in foreign currencies	22,57,85,465	22,05,83,840
	321,06,51,784	264,89,57,143

SCHEDULE D
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS

Annexed to and forming part of the Balance Sheet as at 30th June, 1978

Description	*Rs.*	*Rs.*	*This year Rs.*	*Previous year Rs.*
A. CURRENT LIABILITIES				
(i) Short term borrowings from Reserve Bank of India—Secured by bonds issued by the Corporation of the face value of Rs. 3,25 crores (Under Section 21(3)(b) of the IFC Act, 1948)				25,00,000
(ii) Sundry Creditors			3,88,06,749	2,00,69,220
(iii) Interest accrued but not due:				
(a) On borrowings from—				
(i) Government of India	97,34,884			1,03,77,071
(ii) Foreign credit institutions in foreign currencies	3,05,427			3,60,066
	1,00,40,311			1,07,37,137
(b) On bonds	2,26,93,172			2,08,92,495
			3,27,33,483	3,16,29,632
(iv) Advance guarantee commission			84,050	1,37,191
(v) Advance received on account of legal charges			2,66,200	1,55,300
(vi) Unclaimed dividend			—	462
(vii) Commitment charges accrued on borrowings from foreign credit institutions in foreign currencies			457	46,393
(viii) Advance from applicants towards expenses for appraisal			3,59,028	2,70,470
B. PROVISIONS				
(i) Difference in exchange Suspense Account			3,11,74,412	2,40,08,574
(ii) Amounts held in suspense :				
(a) Interest	6,99,38,940			7,15,84,053
(b) Commitment Charges	66,311			85,832
(c) Incidental Charges	2,37,704			2,37,704
(d) Guarantee Commission	1,70,051			1,70,051
			7,04,12,906	7,20,77,640
(iii) Provision for taxation:				
Balance as per last Balance Sheet		13,33,68,358		11,11,71,504
Add : Provision for the year		3,29,51,909		2,21,96,854
		16,63,20,267		13,33,68,358
Less : Adjustments in respect of earlier years		4,34,03,110		—
		12,29,17,157		13,33,68,358
Less : Tax deducted at source	81,78,812			1,18,64,518
Advance tax paid	8,82,47,030			10,14,31,450
		9,64,25,842		11,32,95,968
			2,64,91,315	2,00,72,390
(iv) Proposed Dividend			65,00,000	60,00,000
			13,45,78,633	12,21,58,604
			20,68,28,600	17,69,67,272

SCHEDULE E
OTHER LIABILITIES

Annexed to and forming part of the Balance Sheet as at 30th June, 1978

Description	*Rs.*	*This year* Rs.	*Previous year* Rs.
(i) Specific grant From Government			
Balance as per last Balance Sheet	4,26,000		—
Grant received in terms of Agreement with Kreditanstalt Fur Wiederaufbau	46,28,000		37,11,000
	50,54,000		37,11,000
Less Amount utilised	9,00,000		32,85,000
		41,54,000	4,26,000
(ii) Staff Welfare Fund:			
Balance as per last Balance Sheet	5,22,512		4,58,261
Less : Amount utilised	44,354		35,749
	4,78,158		4,22,512
Add : Amount transferred from Profit & Loss Account	1,00,000		1,00,000
		5,78,158	5,22,512
(iii) Industrial Finance Corporation Employees'Provident Fund		1,21,92,728	1,04,63,505
(iv) Liability in respect of rights and interest in loans and advances transferred under Section 21B of the IFC Act, 1948		3,25,70,000	5,02,51,000
		4,94,94,886	6,16,63,017

SCHEDULE F
CONTINGENT LIABILITIES AS PER CONTRA

Annexed to and forming part of the Balance Sheet as at 30th June, 1978

Description	*Rs.*	*This year* Rs.	*Previous year* Rs.
(i) Guarantees (Under Section 23(1)(b) of the IFC Act 1948)		87,06,300	1,43,23,700
(ii) Foreign loan guarantees (Under Section 23(1)(c) of the IFC Act, 1948)		1,20,78,902	2,07,88 887
(iii) Deferred French Credit on account of principal amount		37,53,148	54,23,851
(iv) Underwriting contracts (Under Section 23(1)(d) of the IFC Act 1948) (Previous year—Rs. 1,02,25,000 -)	1,12,88,000		
(v) Uncalled amount in respect of partly paid-up shares held as investment under Section 23(1)(d) and Section 23(1)(f) of the IFC Act, 1948) (Previous year—Rs. 18,34,825/-)	80,81,352		
		2,45,38,350	4,05,36,438

SCHEDULE G

CASH AND BANK BALANCES

Annexed to and forming part of the Balance Sheet as at 30th June, 1978

Description	*Rs.*	*Rs.*	*This year* *Rs.*	*Previous year* *Rs.*
(i) Cash and stamps in hand at Head Office and at Branches			26,277	23,192
(ii) Cheques in hand and under collection			1,97,96,381	2,02,74,209
(iii) Balance with Banks:				
(a) On current Account—				
In India	2,74,38,147			1,81,25,635
Outside India	35,489			67,443
			2,74,73,636	1,81,93,078
(b) On Fixed Deposit Account—				
In India	14,75,00,000			5,01,00,000
Outside India	1,61,94,332			—
		16,36,94,332		5,01,00,000
			19,11,67,968	6,82,93,078
			21,09,90,626	8,85,90,479

SCHEDULE H
INVESTMENT (AT COST)

Annexed to and forming part of the Balance Sheet as at 30th June, 1978

Description	*Rs.*	*This year Rs.*	*Previous year Rs.*
(i) Under Section 20 of the IFC Act, 1948			
Initial Capital/Shares of certain financial institutions		71,00,000	71,00,000
(ii) Under Section 23(1)(d) of the IFC Act, 1948			
(a) Stocks, Shares Bonds and Debentures of Industrial concerns	18,52,99,847		14,64,52,290
(b) Application money paid on shares, debentures etc.	5,08,250		2,62,500
		18,58,08,097	14,67,14,790
(iii) Under Section 23(1)(f) of the IFC Act, 1948			
(a) Shares	4,41,18,395		3,66,03,515
(b) Application money paid on shares	—		—
		4,41,18,395	3,66,03,515
(iv) Under Section 23(1)(i) of the IFC Act, 1948			
Debentures			7,65,000
Shares acquired under the proviso to Section 23(1)(i) of the IFC Act, 1948	1,86,24,740		1,70,82,890
		1,86,24,740	1,78,47,890
		25,56,51,232	20,82,66,195
(a) Quoted Investments			
Book Value		10,28,54,340	9,50,64,835
Market Value		11,20,02,192	9,14,22,467
(b) Investments, quotations for which are not available			
Book value		15,27,96,892	11,32,01,360

SCHEDULE I
LOANS AND ADVANCES

Annexed to and forming part of the Balance Sheet as at 30th June, 1978

Description	*This year* Rs.	*Previous year* Rs.
Loans and Advances:		
In Indian Currency	304,79,25,188	260,42,45,786
In Foreign Currencies	25,38,32,602	26,00,03,815
	330,17,57,790	286,42,49,601

Notes :

(a) Debts due by concerns in which the Directors of the Corporation are interested as Directors in the capacity of nominee Directors	8,81,41,603	3,18,02,232
(b) Total amount of loans disbursed during the year to concerns in which the Directors of the Corporation are interested as Directors in the capacity of nominee Directors	1,05,87,794	80,00,000
(c) Total amount of intalments whether of principal or interest overdue by concerns in which the Directors of the Corporation are interested as Directors	3,61,230	Nil

SCHEDULE J — **Annexed to and forming part of the**
FIXED ASSETS — **Balance Sheet as at 30th June, 1978**

Description	*Rs.*	*Rs.*	*This year Rs.*	*Previous year Rs.*
1. Leasehold Land				
Cost as per last Balance Sheet		14,71,218		14,40,817
Additions during the year		1,53,854		30,401
			16,25,072	14,71,218
2. Freehold Land and Buildings				
Cost as per last Balance Sheet		59,55,682		31,51,989
Additions during the year		14,06,018		28,03,693
		73,61,700		59,55,682
Less. Despreciation				
Upto last year	2,18,764			1,49,238
For the year	67,787			69,526
		2,86,551		2,18,764
			70,75,149	57,36,918
3. Motor Cars, Cycles, Furniture, Fixtures, Fittings etc.				
Cost as per last Balance Sheet		30,22,716		26,04,873
Additions/Adjustments during the year		3,82,314		4,50,642
		34,05,030		30,55,515
Less : Sold/discarded		51,348		32,79
		33,53,682		30,22,716
Less : Depreciation				
Upto last year	14,83,740			12,77,440
For the year	2,45,263			2,28,157
	17,29,003			15,05,597
Deduct : On assets sold/discarded	25,104			21,857
		17,03,899		13,83,740
			16,49,783	15,38,976
			1,03,50,004	87,47,112

SCHEDULE K
OTHER ASSETS

Annexed to and forming part of the Balance Sheet as at 30th June, 1978

Description	*Rs.*	*This year Rs.*	*Previous year Rs.*
(a) Interest accrued but not due:			
(i) On Fixed Deposits with Banks	4,62,369		3,38,298
(ii) On Debentures	6,08,447		4,97,108
(iii) On loans & Advances	6,25,22,936		5,09,78,796
(iv) Others	10,43,743		7,61,569
		6,46,37,495	5,26,15,771
(b) Commitment and other charges accrued		31,33,588	23,54,738
(c) Sundry Debtors		1,80,66,124	7,12,38,069
(d) Advances to Staff		41,63'978	35,72,333
(e) Stock of Stationery		1,28,311	1,43,061
(f) Telephone Deposits		28,774	36,274
(g) Prepaid Expenses		1,79,582	85,459
(h) Agency Commission accrued		63,103	66,640
(i) Net Assets of Staff Welfare Fund		4,78,158	4,22,512
(j) Deposit under "Companies Deposits (Surcharge on Income Tax) Scheme 1976"		9,17,200	9,17,200
(k) Loan to Risk Capital Foundation		30,28,000	—
		9,48,24,313	8,14,52,057

SCHEDULE L
CONSTITUENTS' OBLIGATION AS PER CONTRA

Annexed to and forming part of the Balance Sheet as at 30th June, 1978

Description	*This year Rs.*	*Previous year Rs.*
(a) Guarantees (Under Section 23(1)(b) of the IFC Act, 1948)	87,06,300	1,43,23,700
(b) Foreign Loan Guarantees (Under Section 23(1)(c) of the IFC Act, 1948)	1,20,78,902	2,07,88,887
(c) Deferred French Credit on account of principal amount	37,53,148	54,23,851
	2,45,38,350	4,05,36,438

NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

1. No provision has been made for depreciation in the value of investments held by the Corporation because the Corporation considers that such depreciation is a normal incident of the business of a development bank.

2. Investments under Section 23(1)(d) of the IFC Act, 1948 include a sum of Rs. 17.69 lacs (Previous year Rs. 11.85 lacs) in the share capital of three companies (Previous year two companies) which have gone into liquidation and the Corporation is not likely to realise the full amount invested. No specific provision has been made in respect thereof.

3. Loans and Advances include Rs. 309.75 lacs (Previous year Rs. 456.04 lacs) in respect of which the rights and interests of the Corporation have been transferred under Section 21B of the IFC Act, 1948.

4. "Sundry Debtors" include a sum of Rs. 82.50 lacs (Previous year Rs. 105.00 lacs) being the balance amount due in three annual instalments from a State Government in respect of the sale price of shares of an assisted concern sold to them under a Rehabilitation Scheme.

5. Investments do not include shares of the par value of Rs. 6.36 lacs in certain Technical Consultancy Organisations subscribed to in earlier years by the Corporation (Rs. 3.51 lacs by way of utilization of the Benevolent Reserve Fund and Rs. 2.85 lacs out of the Specific Grant) as part of the Corporation's promotional activities for assisting projects promoted by technologists and new entrepreneurs.

6. An aggregate amount of Rs. 366.00 lacs (Previous year Rs. 366.00 lacs) was due on the date of the Balance Sheet from a coal mining company and certain textile companies, the undertakings of which have been acquired by the Central Government. It has not been possible to determine as to what portion of the said amount can be recovered either out of the compensation or from the guarantors. Besides, a sum of Rs. 709.56 lacs is due on the Balance Sheet date from certain companies whose liabilities have been frozen under the Industrial Development and Regulation Act. It is considered that the "Reserve for Doubtful Debts", on a net of tax basis, is sufficient to cover the doubtful loans, advances and sundry debtors as reduced by the "Amount held in Suspense".

7. In accordance with the past practice, foreign currency loans availed of by the Corporation have been converted into Rupees at the erstwhile IMF parity rate viz $ 1.00=Rs. 7.50 and DM 1.00=Rs. 2.05. At TT Selling rates ruling on 30th June, 1978, these borrowings would amount to Rs. 43.36 crores (Previous year Rs. 39,78 crores). Foreign curency sub-loans granted to sub-borrowers have been accounted for at different rates of exchange. At TT selling rates ruling on 30th June, 1978, these sub-loans would amount to Rs. 41.96 crores (Previous year Rs. 40.87 crores).

8. "The Difference in Exchange Suspense Account" represents the aggregate of exchange difference which have actually arisen upto the date of the Balance Sheet. It includes the difference on conversion of balances with foreign banks at the current rate (Previous year remittance rate) as on 30th June, 1978. According to the basis adopted by the Corporation, the exchange loss recoverable under Section 27(4)(a) of the IFC Act, as on the 30th June, 1978 amounts to Rs. 32.79 lacs (Previous year Rs. 21.24 lacs). However, pending the final decision of the Government on the proposals made to it regarding the treatment of such exchange loss recoverable, no adjustments have been made in the accounts in connection therewith.

9. A sum of Rs. 13.53 lacs (Previous year Rs. 31.45 lacs) was transferred from Interest held in Suspense Account to Income Account on recovery of the arrears of interest credited to the former account.

10. Under the head "Contingent Liabilities", the figures of contingent liabilities expressed in foreign currency have been shown at Rs. 235.15 lacs at the rates of exchange prevailing on different dates. At the rates prevailing on the date of the Balance Sheet, the figure will be Rs. 297.56 lacs.

11. At the instance of the Income-Tax Department, certain appeals/references have been made to the Tribunal/High Court in cases where the matters had been decided in favour of the Corporation. The total amount of tax involved in such appeals/references pending before the Tribunal/High Court on the date of Balance Sheet is Rs. 58.19 lacs (Previous year Rs. 59.08 lacs).

12. Interest Income does not include a sum of Rs. 31.23 lacs (Previous year Rs. 46.43 lacs) being the interest on the loans and advances in respect of which the rights and interest of the Corporation have been transferred under Section 21B of the IFC Act, 1948, which amount has been set off against the Interest payable to the transferee.

13. Interest has not been charged on certain accounts where Court decrees have been obtained. Further, the accounts of borrowers have not been debited in respect of interest, commitment charges, commission etc. in cases where the possibility of recovery is considered remote.

14. "Other Expenditure" includes Rs. 5.00 lacs (Previous year Rs. Nil) being donation for Cyclone Relief to the Prime Minister's National Relief Fund.

15. Previous year's figures have been recast wherever necessary to make them comparable.

APPENDIX A

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
ANDHRA PRADESH								
1.	M/s. Andhra Cement Company Ltd., (i) Visakhapatnam. (ii) Nadikudi, Distt. Guntur. (iii) Vijayawada Distt. Krishna. *Chairman* : Vinod Narain, *Managing Director* : M.P. Jain.	625.00	--	—	480.00	—	145.00	625.00
2.	M/s. Andhra Pradesh Carbides Ltd., Kallur, Distt. Kurnool. (Notified backward sistrict) *Chairman* : P. Ramachandra Reddy, *Managing Director* : N.V. Janarthana Rao.	623.00	214.00	—	331.70	62.30	15.00	623.00
3.	M/s. Avanti Leathers Ltd., Kambakkam Reserve Forest, Distt. Chittoor. (Notified backward district) *Chairman* : R.N. Reddy, *Managing Director* : K. Ranga Rao.	240.00	75.00	—	155.00	—	10.00	240·00
4.	M/s. Chodavaram Cooperative Sugars Ltd., Govada. Distt. Visakhapatnam. *Managing Director* : N. Madanmohan Reddy.	160.00	18.00	20.00	80.00	—	42.00	160.00
5.	M/s. Etikoppaka Cooperative Agricultural and Industrial Society Ltd., Daralapudi, Distt. Visakhapatnam. *President* : R.S. Krishna Murthy Raju, *Secretary* : C.V. Bangara Raju.	275.50	29.86	25.00	200.00	--	20.64	275.50
6.	M/s. Hindustan Polymers Ltd., Visakhapatnam. *Chairman* : Dr. Charat Ram.	60.00	—	—	60.00	—	—	60.00

APPENDIX A (*contd*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings: Equity shares	Underwritings: Debentures	Guarantees	Total	
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
120.00	—	—	—	—	120 00	Modernisation-cum-expansion scheme envisaging the setting-up of a slag grinding unit at Visakha-patnam for the manufacture of 2 5 lakh tonnes of portland blast furnace slag cement per annum and replacement acquisition of certain material handling equipment at its lime stone quarry at Nadikudi and cement plan at Vijayawada.
75.00	—	25.00	—	—	100.00	New project for the manufacture of 27,000 tonnes of calcium carbide per annum.
40.00	—	8.00	—	—	48.00	New project for the processing of 1·32 lakh pieces of hides and 15.75 lakh pieces of skins per annum.
40.00	—	—	—	—	40.00 (addl.)	Expansion scheme envisaging increase in the crushing capacity of sugarcane from 1,250 to 1,600 tonnes per day.
50.00	—	—	—	—	50.00	Modernisation - cum - expansion scheme envisaging, inter-alia, increase in the crushing capacity of sugarcane from 1,000 to 1,500 tonnes per day.
15.00	—	—	—	—	15.00 (addl.)	Installation of one coal fired boiler.

APPENDIX A (*contd*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
ANDHRA PRADESH (*contd.*)								
7.	M/s. Indian Granite Ltd., Bangarupalem. Distt. Chittoor. (Notified backward district) *Proposed Managing Director* : L.B. Prasad Rao.	174.00	55.00	—	104.00	—	15.00	174.00
8.	M/s. Jay Engineering Works Ltd* Hyderabad. *Chairman* : Dr. Charat Ram. *Whole-time Director* : Bishan Sahai. (Shri Ram Group)	417.00	—	—	333.00	—	84.00	417.00
9.	M/s. Kolleru Papers Ltd., Bommuluru, Distt. Krishna. *Chairman* : K. R. K. Sastry, I. A. S. *Managing Director* : M. Seshavataram.	323.00	123.00	—	200.00	—	—	323.00
10.	M/s. Kovur Cooperative Sugar Factory Ltd. Pothireddi Palem, Distt. Nellore. (Notified backward district) *Managing Director* : R. Kodandarama Reddy.	600.00	70.00	155.00	375.00	—	—	600.00
11.	M/s. Nandyal Cooperative Sugars Ltd., Ayyalur, Distt. Kurnool (Notified backward district) *Managing Director* : T. N. Krishnamurthy.	595.00	65.00	155.00	375.00	—	—	595.00
12.	M/s. Nava Bharat Ferro Alloys Ltd., Paloncha, Distt. Khammam. (Notified backward district) *Chairman* : T. N. Viswanatha Reddy.	263.00	20.00	—	80.00	65.00	98.00	263.00
13.	M/s. Shivharsha Hotels Ltd., Hyderabad. *Managing Director* : P. R. G. Reddy.	100.00	35.00	—	65.00	—	—	100.00

*Direct subscription. DM : Deutsche Mark. £ : Pound Sterling. Sw. Kr. : Swedish Kroner.

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
—	15.93 (DM)	6.30*	—	—	22.23	New project for the processing of 54,000 square metres of rawgranite blocks into roughened and semi-polished/polished slabs per annum.
40.00	8.01 (£) 39.04 (Sw. Kr.)	—	—	—	87.05 (addl.)	Expansion scheme envisaging the manufacture of 6 lakh nos. each of nozzles, elements and delivery valves and 1.2 lakh nos. each of nozzle holders and single cylinder pumps per annum.
50.00	—	15.00	—	—	65.00	New project for the manufacture of 25 tonnes per day of writing, printing and speciality papers.
86.00	—	—	—	—	86.00	New sugar factory with a crushing capacity of 1,250 tonnes of sugarcane per day.
105.00	—	—	—	—	105.00	New sugar factory with a crushing capacity of 1,250 tonnes of sugarcane per day.
40.00	—	—	—	—	40.00	Expansion scheme envisaging increase in the capacity for the manufacture of ferro-silicon from 10,000 to 20,000 tonnes per annum.
35.00	—	5.00*	—	—	40.00	New 2-star hotel with 128 rooms

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
BIHAR								
14.	M/s. Belsund Sugar Co. Ltd., Riga, Distt. Sitamarhi. (Notified backwrad district) *Director* : H. P. Dhanuka.	45.00	—	—	35.00	—	10.00	45.00
15.	M/s. Bihar Hotels Ltd., Patna. *Chairman* : Satyadev Prakash Sinha, *Managing Director* : Shailendra Prakash Sinha.	22.17 (over-run)	—	—	14.00	—	8.17	22.17
16.	M/s. Bihar Finished Leathers Ltd., (i) Bettiah, Distt. West Champaran. (ii) Barauni, Distt. Begusarai. (iii) Muzaffarpur. (Notified backward districts) *Chairman* : N. K. Bharadwaj. *Managing Director* : A. R. Swaminathan. (Bihar State Government Company)	501.60	147.00	—	224.60	—	130.00	501.60
17.	M/s Hathwa Metals and Tubes Ltd., Jasidih. Distt. Santhal Parganas. (Notified backward district) *Chairman*: Smt. Durgeshwari Sahi.	40.00 (over-run)	5.00	—	35.00	—	—	40.00
18.	M/s. Harinagar Sugar Mills Ltd., Harinagar, Distt. West Champaran. (Notified backward district) *Director* : Balkrishnalal N. Pittie.	145.00	—	—	100.00	—	45.00	145.00
19.	M/s. Motilal Padampat Udyog Ltd., Majhaulia, Distt. West Champaran. (Notified backward district) *Chairman and Managing Director* : M. P. Jhunjhunwala.	130.00	—	—	104.00	—	26.00	130.00

[APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings: Equity shares	Underwritings: Debentures	Guarantees	Total	
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
35.00	—	—	—	—	35.00	Modernisation of the Company's sugar plant with crushing capacity of 1,400 tonnes of sugarcane per day.
14.00	—	—	—	—	14.00 (addl.)	For meeting a part of the over-run in the cost of the new 5-star hotel with 80 double-bed rooms
60.00	—	15.00	—	—	75.00	New projects for the processing of 1,50,000 wet blue hides per annum, each at Bettiah and Barauni and 7,50,000 wet blue skins per annum at Muzaffarpur.
15.00	3.88 (DM)	4.30	—	—	23.18 (addl)	For meeting a part of the over-run in the cost of the new project for the manufacture of copper and copper alloy tubes with an installed capacity of 1,200 tonnes per annum
25.00	—		—	—	25.00	Modernisation - cum - expansion scheme envisaging, inter-alia, increase in the crushing capacity of sugarcane from 1,524 to 1,920 tonnes per day.
48.00	—	—	—	—	48.00	Modernisation - cum - expansion scheme envisaging, inter-alia, increase in the crushing capacity form 1,524 to 2,000 tonnes of sugarcane per day.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Otheres (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
BIHAR (*contd.*)								
20.	M/s. Rohtas Industries Ltd. Dalmianagar, Distt. Rohtas. *President* : A. K. Jain. (Sahu-Jain Group)	36.66*	—	—	36.66	—	—	36.66
21.	M/s. Tinplate Company of India Ltd. Jamshedpur, Distt, Singhbhum. *Chairman* : H. C. Sarin, *Managing Director* : A Chakravarty. (Oil India Group)	810.00 (over-run)	—	—	455.00	—	355.00	810.00
22.	M/s Usha Oil Udyog Ltd. Adityapur, Distt. Singhbhum. *Director* : Brij Kishore Jhawar.	95.00	40.00	—	55.00	—	—	95.00
GUJARAT								
23.	M/s. Ahmedabad Cotton Mfg. Co. Ltd. Ahmedabad. *Chairman* : Jayantilal Bhikhabhai. *Managing Directors* : Chinubhai Bhikhabhai, Mahesh Jayantilal.	155.40	—	—	104.00	—	51.40	155.40
24.	M/s. Ahmedabad Electricity Co. Ltd. Sabarmati, Ahmedabad. *Chairman* : Ravishankar Santoshram Bhatt, *Chief Executive* : K. N. Rao.	650.00 (over-run)	—	—	650.00	—	—	650.00
25.	M/s. Anil Synthetics Ltd. Ahmedabad. *Director* : N. R. Damani.	195.50	100.00	10.00	160.00	—	15.50	195.50
26.	M/s. Baroda Rayon Corporation Ltd. Udhna. Distt. Surat. *Chairman* : Fateh Singhrao P. Gaekwad.	46.70	—	—	—	46.70	—	46.70

*Represents additional cost. The original cost of the project accounted for in the year 1976-77.
**Foreign Loan Guarantee.

APPENDIX A *(contd.)*

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
56·57	—	—	—	—	56·57 (addl.)	Expansion scheme envisaging increase in the capacity for the manufacture of paper and boards from 60,000 to 75,000 tonnes per annum.
60·00	—	—	—	—	60·00 (addl.)	For meeting a part of the over-run in the cost of the expansion scheme envisaging the manufacture of 90,000 tonnes of electrolytic tinplate and in free sheets per annum.
—	—	3·00	—	—	3·00	New project for the extraction of 2,600 tonnes per annum of non-edible oils from sal seeds, mahua oil cakes and rice bran.
26·00	—	—	—	—	26·00	Modernisation of the Company's two textile units.
25·00	—	—	—	—	25·00 (addl.)	For meeting a part of the over-run in the cost of the expansion scheme envisaging increase in the generation and distribution of electricity from 217·5 MW to 327·5 MW.
40·00	—	—	—	—	40·00	Modernisation-cum-balancing scheme of the Company's Composite textile mill with 25,032 spindles and 438 looms.
—	—	—	—	27·97**	27·97 (addl.)	For meeting the increase in the foreign exchange cost of certain equipment imported in connection with the setting up of plant for the manufacture of 1,800 tonnes of Nylon-6 textile yarn per annum.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INLUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payment	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	6)	(7)	(8)	(9)
GUJARAT (*Contd.*)								
27.	M/s. Bharat Vijay Mills Ltd., Kalol, Distt. Mehsana. (Notified backward district) *Chairman* : Jaykrishna Harivallabhdas, *Managing Directors* : D.B. Patel, A.P. Patel.	296.96	—	—	180.00	—	116.96	296.96
28.	M/s. Broach Textile Mills Ltd., Broach. (Notified backward district) *Chairman* : B.K. Kanoria.	205.00	—	—	150.00	—	55.00	205.00
29.	M/s. Gujarat Narmada Valley Fertilizers Company Ltd., Broach. (Notified backward district) *Chairman* : Jaykrishna Harivallabhdas, *Managing Director* : M. Sivagnanam, I.A.S.	27000.00	5400.00	—	21600.00	—	—	27000.00
30.	M/s. Gujarat State Machine Tools Corporation Ltd., Vartej. Distt. Bhavnagar. (Notified backward district) *Chairman* : Dr. S.M. Patil, *Managing Director* : R.N. Malhan.	667.00	225.00	—	442.00	—	—	667.00
31.	M/s.Mafatlal Fine Spinning & Manufacturing Co. Ltd., (i) Navsari Distt. Bulsar. (ii) Mazagaon, Bombay, Maharashtra. *Chairman* : Arvind N. Mafatlal, *Managing Director* : P.K. Shah (Mafatlal Group)	660.00	—	—	320.00	—	340.00	660.00
32.	M/s. Maheshwari Mills Ltd., Ahmedabad. *Chairman* : Dr. Mohanlal Piramal.	139.00	14.00	—	120.00	—	5.00	139.00

*Since cancelled.

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
45·00	—	—	—	—	45·00	Modernisation of the Company's composite textile mill with 36,832 spindles and 592 looms.
37·50	—	—	—	—	37·50	Modernisation of the Company's composite textile milll with 39,320 spindles and 659 looms.
1000.00	—	100·00	—	—	1100·00	New project for the manufacture of nitrogenous fertilisers with an installed capacity of 1,350 tonnes of ammonia and 1,800 tonnes of urea per day.
100·00	—	20·00	—	—	120·00	New project for the manufacture of 1,000 nos. of 390 mm swing-over-bed precision centre lathes per annum.
80·00	—	—	—	—	80·00	Modernisation and renovation of the Company's two composite textile units located at Navsari and Bombay.
30·00	—	—	—	—	30·00*	Modernisation of the Company's composite textile mill with 29,608 spindles and 536 looms.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the conern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
GUJARAT (*contd*)								
33.	M/s. Navasari Cotton and Silk Mills Ltd., Navsari, Distt. Bulsar. *Chairman* : F.K.F. Nariman.	247·00	—	—	207.00	—	40.00	247.00
34.	M/s. Orient Abrasives Ltd., Dharanpur Distt. Junagadh. (Notified backward district) *Chairman* : R.L. Rajgarhia.	93.78	—	—	48.78	—	45.00	93.78
35.	M/s. Shree Talala Taluka Sahakari Khand Udyog Mandali Ltd., Talala, Distt. Junagadh. (Notified backward district) *Managing Director* : H S. Shah	659.00	65.00	160.00	400.00	—	34.00	659.00
36.	M/s. Valsad Sahakari Khand Udyog Mandli Ltd., Parnera Pardi, Distt. Valsad. *Managing Director* : J. N. Shenoliker.	654.00	65.00	160.00	400.00	—	29.26	654.26
37.	M/s. Vijaya Mills Co. Ltd., Naroda Road, Ahmedabad. *Chairman* : Nanddas Haridas, *Managing Directors* : Charandas Haridas, Mahendrabhai Nanddas.	129.50	—	—	108.00	—	21.50	129.50
HARYANA								
38.	M/s. Escorts Employees Ancillaries Ltd., Faridabad Distt. Gurgaon. *Directors* : S D.S. Mongia, V.P. Bedi.	8.99 (over-run)	—	—	6.60	—	2.39	8.99
39.	M/s. Haryana Sheet Glass Ltd., Sevli, Distt. Sonepat.							

*Cost of the project accounted for in the year 1975-76.

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs Lakhs)

Financial assitance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee	Foreign currency	Underwritings		Guarantees	Total	
	loans (Rupee equivalent)	Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
33·00	—		—	—	33·00	Modernisation and rehabilitation scheme of the Company's composite textile mill with 32,132 spindles and 600 loom
16·28	—	—	—	—	16·28 (addl.)	Expansion scheme envisaging increase in the capacity for the manufacture of aluminium oxide abrasive grains from 5,500 to 9,000 M.T. per annum and also for the manufacture of 1,500 tonnes of fused mullite per annum.
100·00	—	—	—	—	100·00	New sugar factory with a crushing capacity of 1,250 tonnes of sugarcane per day.
100·00	—	—	—	—	100·00	New sugar factory with a crushing capacity of 1,250 tonnes of sugar-cane per day.
27·00	—	—	—	—	27·00	Modernisation of the Company's composite textile mill with 46,000 spindles and 842 looms.
6·60	—	—	—	—	6·60 (addl.)	For meeting a part of the over-cum-run in the cost of the new project for the manufacture of 75,000 carburettors per annum.
	—	2·00	—		2·00 (addl.)	New project for the manufacture of sheet glass with an installed capacity of 2·81 million square metres per annum.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
	RYANA (*contd.*)							
40.	M/s. Gopichand Textile Mills Ltd., Sirsa, Distt. Hissar. (Notified backward district)	20.00	—	—	12.00	—	8.00	20.00
	Managing Director : V.P. Ahuja.							
41.	M/s. Indo-Swiss Time Ltd., Dundahera, Distt. Gurgaon.	539.00	191.00	—	348.00	—	—	539.00
	Proposed Chairman and Managing Director : Prem Chand Gupta.							
42.	M/s. Saraswati Industrial Syndicate Ltd., Yamuna-nagar, Distt. Ambala.	173.00	—	—	125.00	—	48.00	173.00
	Chairman Managing Director : D.D. Puri.							
43.	M/s. Tirupati Woollen Mills Ltd., Near Sonepat.	**						
	Directors : Bhimraj Bhuwalka, Murarilal Bhuwalka.							
	HIMACHAL PRADESH							
44.	M/s. Gabriel India Ltd., Parwanoo, Distt. Solan.	690.00	121.50	—	465.31	—	103.19	690.00
	(Notified backward district)							
	Chairman : Deep Chand Anand,							
	Managing Director : V.R. Sinha.							
45.	M/s. Khanna Watches Ltd., Parwanoo, Distt. Solan. (Notified backward district)	130.00	32.50	—	80.63	0.62	16.25	130.00
	Managing Director : Ashok Khanna.							

*Since cancelled.

**Over-run in the cost of the project accounted for in the year 1976-77.

APPENDIX A—*contd.*

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY , 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings: Equity shres	Underwritings: Debentures	Guarantees	Total	
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
12·00					12·00* (addl.)	Expansion scheme envisaging increase in the spindleage from 18,592 to 21,200.
22·00	42·55 (DM)	22·50	—	—	87·505	New project for the manufacture of wrist watches with an installed capacity of 6,90,000 nos. per annum.
31·25	—	—	—	—	31·25	Modernisation scheme envisaging replacement of certain old machine tools, material handling and testing equipment.
7·00	—	—	—	—	7·00 (addl.)	For meeting a part of the over-run in cost of the new project for the manufacture of semi-worsted carpet yarn with a complement of 324 spindles.
20·00	65·98 (Sw. Kr.)	7·50	—	—	93·48	Expansion scheme envisaging setting up a new unit for the manufacture of 800 tonnes per annum of bi-metal strips, a part of which would be utilised for the manufacture of 6 million pieces of thin, walled bi-metal bearings and 3 million bushings per annum.
—	—	3·00	—	—	3·00	New project for the manufacture of 10 lakh watch cases per annum.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location by the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
JAMMU AND KASHMIR								
46.	M/s. Himalayan Wool Combers Private Ltd., Bari-Brahmana Industrial Complex, Jammu. (Notified backward district) *Director* : Noor Moohamud, I.A.S. (Jammu & Kashmir State Government Company).	294.0	116.00	—	178.00	—	—	294.00
KARNATAKA								
47.	M/s. Bagalkot Udyog Ltd., Bagalkot, Distt. Bijapur. (Notified backward district) *Chairman & Managing Director* : B.K. Kanoria.	606.00	—	—	515.00	—	91.00	606.00
48.	M/s. Deccan Wires Ltd., Bommanahalli, Near Bangalore. *Chairman* : M. Ramanna. *Managing Director* : M. P. Sivanna.	81.25 (over-run)	—	—	65.00	—	16.25	81.25
49.	M/s. Ghataprabha Sahakari Sakkare Karkhane Niyamit, Arbhavi/Singalapur, Distt. Belgaum. (Notified backward district) *Managing Director* : B.C. Yelasangikar.	570.00	57.00	153.00	360.00	—	—	570.00
50.	M/s. Goetze (India) Ld., Yelahanka, Near Bangalore. *Chairman & Governing Director* : H.P. Nanda. (Escorts Group)	900.00	295.51	—	525.00	1.58	77.91	900.00
51.	M/s. Hindustan Machine Tools Ltd., Bangalore *Chairman & Managing Director* : P.S. Banerjee. (Government of India Undertaking)	662.00	—	—	500.00	—	162.00	662.00

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(11)	(12)	(15)
65·00	—	—	—	—	65·00	New project for the manufacture of 8·50 lakh kgs. of wool tops per annum.
130·00					130·00	Modernisation scheme envisaging installation of one 1,000 tonnes per day dry process rotary kiln in place of 600 tonnes per day kilns (wet process).
10·00	—	—	—	—	10·00	For meeting a part of the over-run in the cost of the new project for the manufacture of 10,000 tonnes of high carbon and alloy steel wires per annum.
90·00	—	—	—	—	90·00	New sugar factory with a crushing capacity of 1,250 tonnes of sugar-cane per day.
28·44	51·39 (DM)	15·00	—	—	94·83 (addl.)	Expansion scheme envisaging setting-up of a new unit for the manufacture of 10 million nos. of piston rings and 6 lakh nos. of groove inserts per annum.
125·00	—	—	—	—	125·00 (addl.)	Modernisation of the Company's machine tool division,

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the conern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred Payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
KARNATAKA (*Contd.*)								
52.	M/s. Mysore Paper Mills Ltd., Bhadravati, Distt. Shimoga. *Chairman and Managing Director* : Zafar Saifullah, I.A.S. (Karnataka State Government Company)	9967.98	600.00	—	7973.00	—	1395.00	9968.00
53.	M/s. NGEF Ltd., Byappanahally, Bangalore. *Chairman and Managing Director* : V. Venugopal Naidu. (Karnataka State Government Company)	534.00	—	—	426.00	—	108.00	534.00
54.	M/s. Sri Sreerama Sahakari Sakkare Karkhane Ltd., Churchanakatte, Distt. Mysore. (Notified backward district) *Managing Director* : K. Anke Gowda.	600.00	60.00	150.00	375.00	—	15.00	600.00
KERALA								
55.	M/s. Apollo Tyres Ltd., Chalakkudi, Distt. Trichur. (Notified backward district) *Managing Director* : Raunaq Singh.	327.00 (over-run)	—	—	176.00	51.00	100.00	327.00
56.	M/s. Kerala Chemicals & Proteins Ltd., Kathikudam Distt. Trichur. (Notified backward District) *Managing Director* : M.R.C. Warrier.	320.00	140.00	—	180.00	—	—	320.00

R.I. : Right Issue.

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
500·00	—	—	—	—	500·00 (addl.)	Expansion shcheme envisaging increase in the capacity for the manufacture of writing and printing paper from 24,000 to 27,000 tonnes per annum and also setting-up of facilities for the manufacture of 75,000 tonnes of newsprint per annum.
75·00	—	—	—	—	75·00 (addl.)	Expansion scheme envisaging increase in the capacity for the manufacture of heavy motors from 200 to 350 nos. per annum and extending the existing product range of heavy motors from 1,700 H. P. (with conventional design) to 4,000 H. P. in unit type modular construction thereby increasing the installed capacity of motor factory from 4,80,000 H. P. to 6,00,000 H. P. and also for the manufacture of 700 nos. of D. C. machines, 180 nos. lf D. C. mill motors, 200 nos. lf D. C. roller table motors and 450 nos. of synchronous alternator per annum.
95·00	—	—	—	—	95·00	New sugar factory with a crushing capacity of 1,250 tonnes of sugarcane per day.
30·00	—	—	—	—	30·00 (addl.)	For meeting a part of the over-run in the cost of the new project for the manufacture of 4·2 lakh nos. each of automobile tyres and tubes, 3 lakh nos. of flaps and 3,000 tonnes of camel back per annum.
50·00	—	17·50	—	—	67·50	New project for the manufacture of 2,210 tonnes of ossein and 4,250 tonnes of di-calcium phosphate per annum.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
KERALA (*contd.*)								
57.	M/s. Kerala State Detergents & Chemicals Ltd., Naduvattam, Distt. Malapuram. (Notified backward district)	301.95	89.00	—	170.65	27.30	15.00	301.95
	Chairman & Managing Director : S. Peer Mohammed. (Kerala State Government Company)							
58.	M/s. Kununathara Textiles Ltd., Koomully, Distt. Calicut.	161.00	60.00	—	101.00	—	—	161.00
	Chairman : *K. T. Chandy.*							
59.	M/s. Premier Tyres Ltd., Kalamassery, Distt. Ernakulam.	642.00	—	—	361.00	29.00	252.00	642.00
	Chairman & Managing Director : C. S. Desai.							
60.	M/s. Travancore Rayons Ltd., Rayonpuram, Distt. Ernakulam.	288.65	—	—	175.00	—	113.65	288.65
	Chairman : A.R. Ramanathan.							
	Managing Director : M. Ct. Pethachi.							
61.	M/s. Trivaindrum Spinning Mills Ltd., Balaramapuram, Distt. Trivandrum. (Notified backward district)	112·00	14.00	—	88.00	—	10.00	112.00
	Chairman & Managing Director : G.V.A. Desikan. (Kerala State Government Company)							
62.	M/s. Western India Plywoods Ltd., Baliapatam, Distt. Cannanore (Notified backward district)	725.00	19.56 (R.I.)	—	535.00	—	170.44	725.00
	Managing Director : A.K. Kaderkutty.							

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1,1977 TO JUNE 30,1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
42·50	—	—	—	—	42·50	New project for the manufacture of 10,000 tonnes of synthetic detergents per annum.
40·00	—	—	—	—	40·00	Setting-up of a weaving preparatory unit and providing infra-structural facilities for a power loom complex consisting of 10 small-scale units of 4 looms each.
75·00	—	—	—	—	75·00 (addl.)	Expansion scheme envisaging increase in the manufacturing capacity for 4,60,000 to 5,85,000 no each of automobile tyres and tube per annum
40·00	—	—	—	—	40·00 (addl.)	Expansion scheme envisagng increase in the capacity for the manufacture of rayon filament yarn from 3,300 to 4,400 tonnes per annum.
28.00	—	—	—	—	28.00	Modernisation of the Company's textile mill with 26,000 spindles.
75.00	—	—	—	—	75.00 (addl.)	Expanision scheme envisaging increase in the capacity for the manufacture of hard board from 7,500 to 22,500 tonnes per annum.

APPENDIX A (*contd*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
MADHYA PRADESH								
63.	M/s. Hindustan Electro-Graphites Ltd., Mandideep, Distt. Raisen. (Notified backward district) *Managing Director* : L. N. Jhunjhunwala.	336.00 (over-run)	56.50 (R.I.)	—	243.00	—	35.50	335.00
64.	M/s. Shree Synthetics Ltd., Naulakhi Beed Industrial Area, Ujjain. *Chairman* : N. D. Bangur, *President* : S.R. Rathi.	780.00	130.00 (R.I.)	—	524.00	64.50	61.50	780.00
MAHARASHTRA								
65.	M/s. Associated Cement Companies Ltd., Rabale, Distt. Thana. *Chairman* : P.S. Mistry, *Managing Director* : Kamaljit Singh. (A.C.C. Group)	700.00	—	—	470.00	—	230.00	700.00
66.	M/s. Brooks Bond India Ltd., Aurangabad. (Notified backward district) *Chairman & Managing Director*: P.R. Neelakantan. (Brooke Bond Group)	790.00	240.00 (R.I.)	—	535.00	—	15.00	790.00
67.	M/s. Citric India Ltd., Panchak, Distt. Nasik. *Chairman & Managing Director* : B.D. Somani.	165.00	—	—	93.00	—	72.00	165.00
68.	M/s. Devagiri Textile Mills Ltd. Aurangabad. (Notified backward district) *Chairman* : C.K. Modi, I.A.S. (Maharashtra State Government Company)	835.00	315.00	—	495.00	—	15.00	825.00

*Subscription to rights issue.

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currencey loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
40.00	—	3.06*	—	—	43.06 (addl)	For meeting a part of the over-run in the cost of the new project for the manufacture of 10,000 tonnes per annum of graphite electrodes and other carbon products.
20.00	5624 (Sw. Kr.)	—	—	—	82.24 (addl.)	Expansion scheme envisaging increase in the capacity the manufacture of nylon filament yarn from 1050, to 2,000 tonnes per annum.
50.00	—	—	—	—	50.00 (addl).	Diversification scheme envisaging setting up a new unit for the manufacture of 1,450 tonnes of ceramic alumina, 900 tonnes of absorbents and catalytic alumina and 900 tonnes of molecular sieves per annum.
68.00	—	—	—	—	68.00	Diversification scheme envisaging setting-up of a new project for the processing of buffalo meat (75,000 heads per annum) and also for the manufacture of 28 million rectangular open top sanitary cans per annum for captive use.
20.00	—	—	—	—	20.00	Rehabilitation scheme of the Company's unit for the manufacture of 1,200 tonnes of critric acid per annum.
175.00	—	—	—	—	175.00	New composite textile mill with 25,050 spindles and 300 looms.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No'	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
MAHARASHTRA (*contd.*)								
69.	M/s Exomet Plastics Ltd., Taloja Industrial Estate, Bombay. *Managing Director* : K.L. Khanna.	104.00	34.00	--	68.00	—	2.00	104.00
70.	M/s. Finlay Mills Ltd., Parel. Bombay. *Chairman* Ratansi Mulji.	324·00	—	—	200.00	—	124.00	324.00
71.	M/s. Kada Sahakari Sakhar Karkhana Ltd., Jalgaon, Distt. Bhir. (Notified backward district) *Managing Director* : S. Venkataswamy.	602.00	73.00	139.00	390.00	—	—	602.00
72.	M/s. Kanami Metals & Alloys Ltd., Kurla, Bombay. *Chairman & Managing Director* : Ashish Kamani. (Kamani Group)	29.16	—	—	18.97	—	10.19	29.46
73.	M/s. Kanoria Jaycock Sanderson Ltd., Nagpur. *Chairman* : B. P. Kanoria.	40.00	—	—	40.00	—	—	40.00
74.	M/s. Kirloskar Tractors Ltd., Nasik. *Chairman* : S. L. Kirloskar. *Managing Director* : A.S. Naravane. (Kirloskar Group)	570.09 (over-run)	—	—	167.05	—	403.04	570.09
75.	M/s. Madhukar Sahakari Sakhar Karkhana Ltd., Faizpur, Distt. Jalgaon. (Notified backward district) *Managing Director* : A. G. Deshpande.	565.00	80.00	120.00	365.00	—	—	565.00

*Direct subscription.

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
38.07		6.00*	—	—	44.00	Diversification scheme by setting up a new unit for the manufcture of 384.8 tonnes of octoic acid and 35.5 tonnes of aroma chemicals per annum.
50.00	—	—	—	—	50.00	Modernisation of the Company's composite textile mill with 72,116 spindles and 958 looms.
100.00	—	—	—	—	100.00	New sugar factory with a crushing capacity of 1,250 tonnes of sugar cane per day.
—	10.49 (DM)	—	—	—	10.49 (addl.)	Import of one continuous cating machine.
12.50	—	—	—	—	12.50 (addl.)	Rehabilitation of the Company's unit for the manufacture of cutting tools, precision gauges and instruments.
35.00	—	—	—	—	35.00 (addl.)	For meeting a part of the over-run in the cost of the new project for the manufacture of 6,500 tractors per annum.
90.00	—	—	—	—	90.00	New sugar factory with a crushing capacity of 1,250 tonnes of sugarcane per day.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
	MAHARASHTRA (*contd.*)							
76.	M/s. Maharashtra Electrosmelt Ltd., Chandrapur. (Notified backward district)	1485·00 (over-run)	—	—	578·38	—	906·62	1485.00
	Chairman : N. M. Wagle,							
	Managing Director : M. K. Soman.							
77.	M/s. Mahindra Ugine Steel Col. Ltd., Khopoli, Distt. Colaba. (Notified backward district)	4711·00	226·00 (R.I.)	50·00	2006·00	—	2429·00	4711·00
	Chairman & Managing Director : Harish Mahindra,							
	Executive Director : K. Ramachandran, (Mahindra & Mahindra Group)							
78.	M/s. Needle Roller Bearing Co. Ltd., Aurangabad. (Notified backward district)	140·00	—	—	85·02	—	54·98	140·00
	Chairman & Managing Director : Trilochan Singh Sahney.							
79.	M/s. Premier Synthetic Processors Ltd., Industrial Area, Pawne, Distt. Thana.	4·00	—	—	3·40	—	0·60	4·00
	Managing Director : B. K. Jhunjhunwala.							
80.	M/s. Ruby Mills Ltd., Dadar, Bombay.	222·00	—	—	130·00	—	92·00	222·00
	Chairman & Managing Director : M. C. Shah.							
81.	M/s. Shankar Sahakari Sahkar Karkhana Ltd., Sadashivnagar, Distt. Sholapur.	262·00	20 00	—	222·00	—	20·00	262·00
	Chairman : D. S. Salgude-Patil,							
	Managing Director : B. N. Ghorpade.							
82.	M/s. Spundish Engineers Pvt. Ltd., Shirvane, Distt. Thana.	86·15 (over-run)	4·65	—	17·03	—	64·47	86·75
	Chairman : J. S. Chawla,							
	Managing Director : Ashok Parshad.							

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FORM JULY, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foerign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
34·61	—	—	—	—	34·61 (addl.)	For meeting a part of the over-run in the cost of the new project for the manufacture of 64,000 tonnes of carbon steel and mild steel billets/ingots per annum.
50·00	—	—	—	—	50·00 (addl.)	Expansion scheme envisaging increase in the capacity for the manufacture of alloy steels from 24,000 to 75,000 tonnes per annum.
25·00	20·34 (DM) 8·62 (£)	—	—	—	53·96 (addl.)	Expansion by setting up a new unit for the manufacture of 200 million nos. of needle rollers and 0·8 million nos. of needle cages per annum.
3·40	—	—	—	—	3·40 (addl.)	For acquisition of one decatising machine.
32·50	—	—	—	—	32·50 (addl.)	Modernisation of the Companys composite textile mill with 31,208 spindles and 613 looms.
55·50	—	—	—	—	55·50 (addl)	Modernisation - cum-expansion scheme envisaging, inter-alia, increase in the crushing capacity of sugar-cane from 800 to 1,250 tonnes per day.
5·00	—	—	—	—	5·00 (addl.)	For meeting a part of the over-run in the cost of the new project envisaging the manufacture of 2,600 tonnes of pressure vessels per annum.

APPENDIX(*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
MAHARASHTRA (*contd.*)								
83.	M/s. Standard Mills Company Ltd., (i) Prabhadevi. (ii) Sewree, Bombay. *Chairman* : Rasesh N. Mafatlal, *Whole-time Directors* : B.K. Patel, V. Ramadurai, (Mafatlal Group)	750·00	—	—	250·00	—	500·00	750·00
84.	M/s. Swan Mills Ltd., Bombay. *Chairman* : J. P. Goenka, *Whole-time Director* : G.C. Chandalia.	350·00	—	—	270·00	—	80·00	350·00
85.	M/s. Swastic Rubber Products Ltd., Kirkee, Near Pune. *Chairman* : S.L. Kirloskar, *Vice-Chairman & Joint Managing Director* : G.S. Vaidya.	35·00	—	—	35·00	—	—	35·00
86.	M/s. Tapria Tools Ltd., Satpur, Nasik, *Managing Director* : Shreeram Taparia.	38·00	—	—	30·00	—	8·00	38·00
87.	M/s. Yeshwant Sahakari Sakhar Karkhana Ltd., Akluj, Distt. Sholapur, *Chairman* : S.N. Mohite Patil, *Managing Director* : D.G. Mane.	380·00	30·00	—	240·00	—	110·00	380·00
ORISSA								
88.	M/s. Jayshree Chemicals Ltd., Ganjam. *Chairman* : Gokul Chand Bangur.	582·00	—	—	454·00	—	128·00	582·00

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Groos) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
125·00	—	—	—	—	125·00	Modernisation-cum-renovation of the Company's two composite textile mills.
67·50	—	—	—	—	67·50	Modernisation of the Company's composite textile mill with 49,388 spindles and 628 looms.
13·50	—	—	—	—	13·50 (addl.)	For acquisition and installation of certain machineryt equipment with a view to improving the quality of is products.
15·00	—	—	—	—	15·00 (addl.)	Expansion scheme envisaging the manufacture of 10 lakh adjustable wrenches per annum.
60·00	—	—	—	—	60·00 (addl.)	Expansion scheme envisaging increase in the crushing capacity of sugarcane from 1,750 to 3,000 tonnes per day.
60·00	—	—	—	—	60·00 (addl.)	Expansion scheme envisaging the manufacture of 3,000 tonnes of sodium-hydro-sulphite per annum.

APPENDIX A *(contd.)*

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
ORISSA *(contd.)*								
89.	M/s. Kalinga Weavers Cooperative Spinning Mills Ltd., Gobindpur, Distt. Dhenkanal, (Notified backward district)	436·00	203·00	—	233·00	—	—	436·00
	Chairman : B.B. Mohanty,							
	Managing Director : P.C. Patnaik,							
90.	M/s. Konarak Jute Ltd., Dhanmandal, Distt. Cuttack.							
	Chairman : S.N. Das Mohapatra.							
91.	M/s. Utkal Asbestos Ltd., Korian, Distt. Dhenkanal. (Notified backwrd district)	160·00	45·00	—	115·00	—	—	160·00
	Proposed Managing Director : C.R. Sadani.							
PUNJAB								
92.	M/s. Industrial Cables (India) Ltd., Rajpura, Distt. Patiala.	298·00	—	—	239·00	—	59·00	298·00
	Chairman : Ch. Raghvendra Singh.							
93.	M/s. Mahavir Spinning Mills Ltd., Pur-Hiran, Distt. Hoshiarpur, (Notified backward district)	398·00	—	—	258·00	—	140·00	398·00
	Chairman : S.P. Oswal,							
	Executive Director : S.L. Sehgal.							
94.	M/s. Malwa Sugar Mills Co. Ltd., Dhuri, Distt. Sangrur. (Notified backward district)	327·00	—	—	270·00	—	57·00	327·00
	Director : R.N. Dadu. (Thapar Group)							

*Cost of the project accounted for in the year 1976-77.

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978,

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project of purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
78.00	—	—	—	—	78.00	New cotton textile mill with a complement of 25,088 spindles.
—	—	2.50	—	—	2.50 (addl.)	New jute mill for the manufacture of 13,240 tonnes of jute goods per annum.
31.00	—	5.00	—	—	36.00	New project for the manufacture of 30,000 tonnes of asbestos cement sheets and moulded accessories per annum.
—	29.76 (DM)	—	—	—	29.76 (addl.)	Diversification - cum - balancing sheme for the manufacture of 1,000 kms. per annum of crosslinked polyethylene cables within its licenced capacity of 1,920 kms. cables per annum.
64.00	—	—	—	—	64.00 (addl.)	Expansion scheme envisaging increase in the spindleage from 25,088 to 50,000.
67.50	—	—	—	—	67.50	Modernisation-cum-expansion scheme, envisaging, inter-alia, increase in the crushing capacity of sugarcane from 1,016 to 1,500 tonnes per day.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
PUNJAB (*contd.*)								
95.	M/s. Mukerian Papers Ltd., Chak Allabaksh, Distt. Hoshiarpur. (Notified backward district) *Chairman* : A.S. Chatha, I.A.S., *Managing Director* : Sukhinder Singh.							
96.	M/s. Punjab Spinning & Weaving Mills Ltd., Bhatinda. (Notified backward district) *Chairman* : Paramjit Singh, I.A.S., *Managing Director* : K.L. Vij.	660·00	240·00	—	420·00	—	—	660·00
97.	M/s. Punjab United Forge Ltd., Rail Majra, Distt. Hoshiarpur. (Notified backward district) *Managing Director* : R.K. Sood.	155·00	40·60	—	70·00	—	44·40	155·00
98.	M/s. Steel Strips Ltd., Jitwal Kalan, Distt. Sangrur. (Notified backward district) *Chairman* : Paramjit Singh, I.A.S., *Managing Director* : R.K. Garg.	525·00	172·00	—	353·00	—	—	525·00
99.	M/s. Sterling Steels & Wires Ltd., Chohal, Distt. Hoshiarpur. (Notified backward district) *Proposed Managing Director* : I.P. Anand.	22·00 (over-run)	—	—	16·00	—	6·00	22·00
RAJASTHAN								
100.	M/s. Anil Steel & Industries Ltd., Kanakpura, Near Jaipur. *Chairman* : S.N. Khaitan.	85·00	—	—	68·00	—	17·00	85·00

*Cost of the project accounted for in the year 1976-77.

**Direct subscription.

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
—	—	2·33	—	—	2·33 (addl.)	New project for the manufacture of 9,000 tonnes of MG/MF papers per annum.
115·00	—	—	—	—	115·00	New textile mill with a complement of 25,080 spindles.
40·60	—	5·00**	—	—	45·60	New project for the manufacture of 4,500 tonnes of closed die forgings per annum.
95						
8·00	—	—	—	—	8·00 (addl.)	For meeting a part of the over-run in the cost of the new project for the manufacture of 7,000 tonnes of carbon, mild and alloy steel wires per annum.
20·00	—	—	—	—	20·00 (addl.)	Scheme of setting up a cold rolling mill for the manufacture of 2,500 tonnes per annum of cold rolled, high carbon and low alloy steel strips for captive consumption.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
RAJASTHAN (*contd.*)								
101.	M/s. Bharat Alums & Chemicals Ltd., Matsya Industrial Area, Alwar. (Notified backward district) *Director :* A.C. Gulati.	162·70	50·50	—	91·50	2·70	18·00	162·70
102.	M/s. Ganganagar Sugar Mills Ltd., Sriganganagar. *Director-in-Charge :* V.B.L. Mathur, I.A.S. (Rajasthan State Government Company)	162·00	—	—	134·00	—	28·00	162·00
103.	M/s. Hindustan Development Corporation Ltd., Bharatpur. *Chairman :* R.P. Mody.	243·00	—	—	99·40	—	143·60	243·00
104.	M/s. J.K. Industries Ltd., Kankroli, Distt. Udaipur. (Notified backward district) *Chairman :* Hari Shankar Singhania, *Managing Director :* Raghupati Singhania, (J.K. Singhania Group)	350·00 (over-run)	—	—	280·00	—	70·00	350·00
105.	M/s. J.K. Synthetics Ltd., Nimbahera, Distt. Chittorgarh. *Chairman :* Gopal Krishna Singhania, *Whole-time Director :* Sohanlal Singhania. (J.K. Singhania Group)	1900·00	—	100·00	1350·00	—	450·00	1900·00
106.	M/s. Mangalam Cement Ltd., Morak, Distt. Kota. *Chairman :* B.K. Birla.	2400·00	600·00	—	1775·00	25·00	—	2400·00
107.	M/s. Reliance Chemotex Industries Ltd. Udaipur. (Notified backward district) *Proposed Chairman :* S.L. Shroff, *Proposed Managing/Executive Directotr* S.K. Kejriwal.	384·00	125·00	—	259·00	—	—	384·00

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwitings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
—	—	4·00	—	—	4·00	New project for the manufacture of 16,500 tonnes of sulphuric acid, 17,100 tonnes of alums and 7,200 tonnes of oleum per annum.
67·00	—	—	—	—	67·00	Modernisaton of the Company's sugar mill with a capacity to crush 1,000 tonnes of sugarcane per day and diffuse 650 tonnes of beet per day.
—	35·56 (£) 10·83 (DM)	—	—	—	46·39 (addl.)	Expansion scheme envisaging the manufacture of 20,000 tonnes of different types of steel/alloy steel wires per annum.
60·00	—	—	—	—	60·00 (addl.)	For meeting a part of the over-run in the cost of the new project for the manufacture of 5 lakhs nos. each of automobile tyres and tubes per annum.
200·00	—	—	—	—	200·00 (addl.)	Expansion scheme envisaging increase in the capacity for the manufacture of cement from 3,00,000 to 7,20,000 tonnes per annum.
250·00	—	50·00	—	—	300·00	New project for the manufacture of 4·15 lakh tonnes of portland cement per annum.
76·00	—	12·50	—	—	88·50	New spinning mill with a complement of 12,480 spindles for the manufacture of synthetic blended yarn.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
RAJASTHAN (*contd.*)								
108.	M/s. U.P. Hotels and Restaurants Ltd., (*i*) Jaipur, (*ii*) Lucknow, Uttar Pradesh. *Chairman and Managing Director :* L.P. Gupta.	397·42	108·90	—	252·00	—	36·52	397.42
TAMIL NADU								
109.	M/s. EID Parry (India) Ltd., Nellikuppam, Distt. South Arcot. (Notified backward district) *Chairman* : R. Venkataswamy Naidu, *Vice-Chairman and Managing Director* : John K. John. (Parry Group)	505.00	—	—	410.00	—	95.00	505.00
110.	M/s. Enfield India Ltd., Tiruvottiyur, Distt. Chingleput. *Chairman* : K.R. Sundaram Iyer, *Managing Director* : S. Viswanathan.	115.00	—	—	108.00	—	7.00	115.00
111.	M/s. Loyal Textile Mills Ltd., Kovilpatti, Distt. Tirunelveli. *Managing Director*: T. Manikkavasagam Chettiar. (Thiagaraja Group)	108.00	—	—	70.00	—	38.00	108.00
112.	M/s. Gangappa Paper Mills Ltd., Vadakuttu, Distt. South Arcot. (Notified backward district) *Managing Director* : T.G. Krishnamurthy.	350.00	132.00	—	218.00	—	—	350.00
113.	M/s. Indicarbh Alloys Ltd., Hosur, Distt. Dharmapuri. (Notified backward district) *Chairman* : Khimji N. Mehta, *Managing Director* : Rajaraman Ramachandran.	430.00	145.00	—	270.00	—	15.00	430.00

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA EROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwriting'		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
10	11	12	13	14	15	16
11.50	—	—	—	—	11.50 (addl.)	Replenishment of the working capital which has been diverted for meeting the over-run in the cost of the Company's project.
74·00	—	—	—	—	74·00	Modernisation - cum - expansion scheme envisaging, inter-alia, increase in the crushing capacity of sugar-cane from 2,750 to 4,000 tonnes per day.
15·00	—	—	—	—	15·00 (addl.)	Financial rehabilitation of the Company.
70·00	—	—	—	—	70·00 (addl.)	Modernisation of the spinning section of the Company's textile mill.
26·00	42·31 (£)	16·00	—	—	84·31	New project for the manufacture of 10,000 tonnes of MF printing and writing paper, MG poster, manila etc. per annum.
30·00	22·69 (DM)	15·00	—	—	67·69	New project for the manufacture of 50 tonnes of tungsten carbide products per annum.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
	TAMIL NADU (*contd.*)							
114.	M/s. Madras Cements Ltd., Tulukkapatti, Distt. Ramanathapuram, (Notified backward district) *Managing Director* P.R.G. Ramasubramania Raja (Madras Cements Group)							
115.	M/s. Madura Coats Ltd., (*i*) Madurai, (Notified backward district) (*ii*) Ambasamudram, Distt. Tirunelveli. (*iii*) Tuticorin, Distt. Tirunelveli. *Chairman* : M.A. Muthiah Chettiar, *Managing Director* : M.B.S. Henry. (Madura Coats Group)	844.00	—	—	450.00	—	394.00	844.00
116.	M/s. M.M. Rubber Company Ltd., Ranipet, Distt. North Arcot, (Notified backward district) *Chairman* : K.M. Philip.	228.00	42.00	—	137.00	—	49.20	228.20
117.	M/s. Salem Cooperative Sugar Mills Ltd., Mohanur, Distt. Salem, *Special Officer* : K. Malaisamy.	185.00	2.46	20.00	76.00	—	86·54	185.00
118.	M/s. Shri Ramalinga Mills Pvt. Ltd., Aruppukottai, Distt. Ramanathapuram, (Notified backward district) *Managing Director* : T.R. Dinakaran.	205.38	—	—	111.00	24.56	69.82	205.38
119.	M/s. South India Cooperative Spinning Mills Ltd., Tirunelveli. *Special Officer* : J. Sethu Raman.	230.00	—	85.00	145.00	—	—	230.00

*Cost of the project accounted for in the year 1974-75.

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
10.00	—	—	—	—	100.00 (addl.)	For meeting a part of the over-run in the cost of the expansion scheme envisaging an increase in the capacity for the manufacture of cement from 1.90 to 4.00 lakh tonnes per annum.
112.50	—	—	—	—	112.50 (addl.)	Modernisation scheme envisaging replacement and renovation of the spinning sections of the Compay's three units.
—	30.13 (DM)	5.00	—	—	35.13	Diversification scheme by setting up a new unit for the manufacture of 800 tonnees of Biaxially oriented poly propylene film per annum.
36.00	—	—	—	—	36.00 (addl.)	Expansion scheme envisaging increase in the crushing capacity from 1,750 to 2,500 tonnes of sugarcane per day.
45.00	—	—	—	—	45.00	Expansion-cum-modernisation scheme envisaging, inter-alia, increase in the spindleage from 25,056 to 37,152.
50.00	—	—	—	—	50.00	Expansion scheme envisaging increase in the spindleage of the Company's unit No. 2 from 12,096 to 32,400.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
	TAMIL NADU (*contd.*)							
120.	M/s. Tamil Nadu Cements Corporation Ltd., Ariyalur, Distt. Tiruchirapalli. (Notified backward district) *Chairman*: K. S. Sivasubrahmanyam, I. A.S., *Managing Director*: K. P. Geethakrishnan, I. A. S. (Tamil Nadu State Government Company	2876·00	575·00	—	2301·00	—	—	2876·00
121.	M/s. Trichy Distilleries & Chemicals Ltd., Senthannipuram, Distt. Tiruchirapalli. (Notified backward district) *Managing Director*: V. S. Tyagaraja Mudaliar.	273·50	30·00	—	208·50	—	35·00	273·50
	UTTAR PRADESH							
122.	M/s. Allied International Products Ltd., Anugrahnagar, Distt. Moradabad. (Notified backward district) *Chairman*: K. B. Rao *Managing Director*: D. N. Sinha.	62·00 (over-run)	—	—	40·00	—	22·00	62·00
123.	M/s. Basant Paper Mills Ltd., Patanwa, Distt. Varanasi. *Chairman*: G. L. Dalmia. *Managing Director*: N. L. Dalmia.	40·00 (over-run)	—	—	34·50	—	5·50	40·00
124.	M/s. Benares Hotels Ltd.,* Varanasi. *Chairman*: Vibhuti Narain Singh.	178·00	72·00	—	106·00	—	—	178·00
125.	M/s. Delhi Cloth and General Mills Co. Ltd., (i) Daurala. (ii) Mawana, Distt. Meerut. *Chairman & Managing Director*: Dr. Bharat Ram, *Managing Director*: Dr. Charat Ram. (Shriram Group)	868·00	—	—	650·00	—	218·00	868·00

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30,1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
400.00	—	—	—	—	400.00	Expansion scheme by setting up a new unit for the manufacture of 5 lakh tonnes of port and cement per annum.
50.00	—	—	—	—	50.00 (addl.)	Expansion scheme for the manufacture of 5,100 tonnes of acetaldehyde and 3,000 tonnes of acetic acid per annum.
20.00	—	—	—	—	20.00 (addl.)	For meeting a part of the over-run in the cost of the new project for the manufacture of 2,400 tonnes of precision industrial fasteners per annum.
10.00	—	—	—	—	10.00 (addl.)	For meeting a part of the over-run in the cost of the new project for the manufacture of 5,940 tonnes of M. G. Kraft Paper per annum.
40.00	--	7.50	—	—	47.50	New 5-star hotel with 84 rooms.
100.00	—	—	—	—	100.00 (addl.)	Modernisation-cum-expansion scheme envisaging, inter-alia, increase in the crushing capacities of sugarcane from 2,100 to 3,000 tonnes per day at Daurala and from 3,048 to 4,250 tonnes per day at Mawana.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
	UTTAR PRADESH (*contd.*)							
126.	M/s. Gangeshwar Ltd., Deoband, Distt. Saharanpur. *Chairman*: K. L. Sawhney.	500·00	—	25·00	312·00	—	163·00	500·00
127.	M/s. India Engineering & Construction Company Ltd., Unnao. (Notified backward district) *Managing Director*: S. K. Bhowmik.	102·00 (over-run)	25·00	—	50·00	—	27·00	102·00
128.	M/s. J. K. Mills Co. Ltd., Kanpur. *Managing Director*: Dr. Gaur Hari Singhania. (J. K. Singhania Group)	226·78	27·00	—	160·00	—	23·78	226·78
129.	M/s Maharashtra Steels Ltd., Bulandshahr Road, (Near Ghaziabad) Distt. Bulandshahr. (Notified backward district) *Chairman*: Mukul Jain.	45·00 (over-run)	—	—	26·00	—	19·00	45·00
130.	M/s. Modi Carpets Ltd., Rae Bareli. (Notified backward district) *Chairman*: K. N. Modi. *Managing Diretctor & Vice Chairman*: S. K. Modi.							
131.	M/s. Modi Spinning & Weaving Mills Company Ltd., Modinagar Distt. Meerut. *Chairman*: K. N. Modi. (Modi Group)	630·00	—	—	275·00	—	355·00	630·00
132.	M/s. Nandganj, Sihori Sugar Company Ltd., Daryapur, Distt. Rae Bareli. (Notified backward district) *Executive Director*: V. P. Goel. (Uttar Pradesh State Government Company)	603·00	243·00	—	360·00	—	—	603·00

*Cost of the project accounted for in the year 1976-77.

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sancitioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
65.00	—	—	—	—	65.00	Modernisation-cum-expansion scheme envisaging, inter-alia, increase in the crushing caapacity of sugarcane from 3,000 to 3,800 tonnes per day.
33.00	—	—	—	—	33.00 (addl.)	For meeing apart of the over-run in the cost of the new poject for the manufacture of 39,000 tonnes of steel pipes and tubular poles per annum.
40.00	—	—	—	—	40.00	Modernisation of the Company's jute mill.
15.00		—	—	—	15.00 (addl.)	For meeting a prat of the over-run in the cost of the new project for fthe manufacture of 15,000 tonnes of mild steel and spring steel ingots per annum.
—	1.75 (D.M.)	—	—	—	1.75 (add)	New project for the manufacture of 10 lakh kgs. of carpet yarn and 9.33 lakh square metres of tufted carpets per annum.
68.75	—	—	—	—	68.75 (addl.)	Modernisation of the Company's four composite textile mills with 1,13,035 spindles and 820 looms.
115.00	—	—	—	—	115.00	New sugar factory with a crushing capacity of 1.250 tonnes of sugarcane per day.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
	UTTAR PRADESH (*contd.*)							
133.	M/s. Ramala Sahkari Chini Mills Ltd., Ramala., Distt. Meerut. *Chairman* : R. S. Mathur, I. A. S.	704·00	70·00	190·00	400·00	—	44·00	704·00
134.	M/s. Renusagar Power Co. Ltd., Renusagar, Distt. Mirzapur. *Chairman* : S. S. Kothari. (Birla Group)	5552·00	—	—	3960·00	—	1592·00	5552·00
135.	M/s. Shankar Agro-Industries Ltd., Captainganj, Distt. Deoria. (Notified backward district) *Chairman :* Pawan Kumar Kanoria. *Whole-time Director* : Ajay Kumar Kanoria.	125·00	—	—	106·00	—	19·00	125·00
136.	M/s. Star Paper Mills Ltd., Saharanpur. *Chairman* : N. K. Bajoria. *Managing Director* : S. S. Bajoria.	596·00	—	—	350·00	—	246·00	596·00
137.	M/s. Triveni Engineering Works Ltd., Khatauli, Distt. Muzaffarnagar. *Chairman* : Kanhaya Lal Sawhney.	578·00	40·00 (R. I.)	—	366·00	80·00	92·00	578·00
138.	M/s. U. P. State Textile Corporation Ltd., (i) Partapur Industrial Area, Distt. Meerut.	510·00	255·00	—	255·00	—	—	510·00
	(ii) Sandila, Distt. Hardoi. (Notified Bvackward district)	490·00	245·00	—	245·00	—	—	490·00
	Chairman : T. N. Sharma, *Managing Director* : S. Ramesh, I. A. S. (Uttar Pradesh State Government Company)							

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
100.00	—	—	—	—	100.00	New sugar factory with a crushing capacity of 1,250 tonnes of sugarcane per day.
430.00	—	—	—	—	430·00	Expansion scheme envisaging increase in the power generating capacity from 135 MW to 255 MW.
26.50	—	—	—	—	26.50 (addl.)	Modernisation-cum-expansion scheme envisaging, inter-alia increase in the crushing capacity of sugarcane from 1,750 to 1,900 tonnes per day.
50.00	—	—	—	—	50.00 (addl.)	Expansion-cum-modernisation scheme envisaging inter-alia, increase in the capacity for the manufacture of writing/printing paper and M.G. Kraft Paper from 40,000 to 46,000 tonnes per annum.
73.50	—	—	—	—	73.50	Modernisation-cum-expansion scheme envisaging, inter-alia, increase in the crushing capacity of sugarcane from 2,300 to 3,600 tonnes per day.
90.00	—	—	—	—	90.00	New cotton textile mill with a complement of 25,080 spindles.
85.00	—	—	—	—	85.00	New cotton textile mill with a complement of 25,080 spindles.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (including internal accruals)	Total
			Equity shares	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
UTTAR PRADESH (*contd.*)								
139.	M/s. Uttara Khand Glass Works Ltd., Dalmau, Distt. Rae Bareli, (Notified backward district) *Director* : Kuldip Raj Narang	180·00	50·00	—	109·00	—	21·00	180·00
140.	M/s. Willard India Ltd., Sikandrabad Industrial Estate, Distt. Bulandshahr. (Notified backward district) *Chairman* ; John M. Davenport. *Managing Director* : K.P. Singh.	70·00	—	—	70·00	—	—	70·00
WEST BENGAL								
141.	M/s. Agarpara Company Ltd., Agarpara, Distt. 24-Parganas. *Chairman* : G.P. Goenka.	329·55	—	—	264·00	—	65·55	329·55
142.	M/s. Anglo India Jute Mills Co. Ltd., Jagatdal, Distt. 24-Parganas. *Chairman* : K.P. Goenka, *Whole-time Director* : G. Sivaraman. (Goenka Group)	652·00	—	—	489·16	—	162·84	652·00
143.	M/s. Budge Budge Jute & Industries Ltd., Budge Budge, Distt. 24-Parganas. *Chairman* : B.P. Poddar. *Managing Director* : A.K. Poddar.	190·00	—	—	152·00	—	38·00	190·00
144.	M/s. Caledonian Jute & Industries Ltd., Chitragunge, Budge, Budge. Distt. 24-Parganas. *Managing Director* : R.L. Jatia.	220·73	—	—	157·22	11·73	51·78	220·73
145.	M/s. Champadany Jute Company Ltd., Rishra, Distt. Hooghly. (Notified backward district) *Chairman* : G.J. Wadhwa.	305·00	—	—	259·00	—	46·00	305·00

*Since cancelled.

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
29.00	—	2.50	—	—	31.50	New project for the manufacture of 12,000 tonnes of glass bottles per annum.
26.00	—	—	—	—	26.00 (addl.)	Rehabilitation of the Company's unit with the manufacturing capacity of 1,40,000 nos. of lead acid storage batteries and component per annum.
66.00	—	—	—	—	66.00	Modernisation and renovation of the Company's jute mill.
113.58	—	—	—	—	113.58	Modernisation and renovation of the Company's two jute mills.
38.00	—	—	—	—	38.00	Modernisation and renovation of the Company's jute mill.
36.00	5.32 (DM)	—	—	—	41.23	Modernisation and renovation of the Company's jute mill.
57.50	5.35 (DM) 21.16 (£)	—	—	—	84.71 (addl.)	Modernisation and renovation of the Company's jute mill.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (including internal accruals)	Total
			Equity shares	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
WEST HENGAL (*contd.*)								
146.	M/s. Cheviot Company Ltd., Bade Kalinagar, Distt. 24-Parganas. *Chairman* : B.D. Kanoria.	175·00	—	—	140·00	—	35·00	175·00
147.	M/s. Delta & Industries Ltd., Manickpur, Distt. Howrah. *Directors* : B.N. Jhunjhunwala, H.P. Lohia, S.K. Jhunjhunwala.	237·00	—	—	190·00	—	47·00	237·00
148.	M/s. Guest Keen Williams Ltd., (i) Howrah, (5 projects) West B ngal (ii) Bombay, (2 projects) Maharashtra. (iii) Bangalore, (2 projects) Karnataka. *Chairman* : K.C. Maitra. *Deputy Chairman and Managing Director* : N. Ghose. (G.K.W. Group)	1461·00	—	—	595·00	—	866·00	1461·00
149.	M/s. Hada Textile Industries Ltd., Bishnupur, Distt. 24-Parganas. *Chairman* : S.N. Hada. *Managing Director* : K.B. Hada.	106·60	—	—	70·00	—	36·60	106·60
150.	M/s. Hindustan Gas and Industries Ltd., Nangi (Budge Budge), Distt. 24-Parganas. *President* ; R.L. Batwal.	52·00	—	—	25·00	—	27·00	52·00

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign Cnrrency loans (Rupee (equirvalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debenture			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
35.00	—	—	—	—	35.00	Modernisation and renovation of the Company's jute mill.
47.50	—	—	—	—	47.50	Modernisation of the Company's jute mill.
95.00	—	—	—	—	95.00 (addl.)	Balancing-cum-expansion and modernisation scheme of the Company's various divisions, viz. steel division fasterns, division. precision pressing division. engineering and machinery divisions located at Howrah, Bombay and Bangalore.
35.00	—	—	—	—	35.00 (addl.)	Modernisarion of the Company's textile mill with 28,512 spindles.
25.00	—	—	—	—	25.00 addl.	Expansion-cum-balancing scheme, inter-alia increasing the capacity for the manufacture of oxygen gas by 10.90 lakh cubic metres per annum.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl N	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
WEST BENGAL (*contd.*)								
151.	M/s. Hindustran Lever Ltd., (i) Haldia. Distt. Midnapore. (Notified backward district) (ii) Taloja, Bombay, Maharashtra. (iii) Bari-Brahmana, Near Jammu. (Notified backward district) (iv) Pampore, Near Srinagar, (Notified backward district). Jammu & Kashmir. *Chairman :* T. Thomas. (Hindustan Lever Group).	2764·00	803·20	—	1325·00	—	635·80	2764·00
152.	M/s. Kamarhatty Company Ltd., Kamarhatty, Distt. 24-Pargana. *Chairman* : S.S. Kanoria.	300·00	—	—	250·00	—	50·00	300·00
153.	M/s. Kesoram Industries & Cotton Mills Ltd., Calcutta. *Chairman :* Basant Kumar Birla. (Birla Group)	400·00	—	—	200·00	—	200·00	400·00
154.	M/s. Machinery Manufacturers Corporation Ltd., Calcutta. *Chairman* : Keshub Mahindra, *Executive Director :* Jayanto Gupta.	298·60	—	—	250·00	—	48·60	298·60
155.	M/s. Metal Box Company of India Ltd., Kharagpur, Distt. Midnapore. (Notified backward district) *Chairman and Managing Director :* P.K. Nanda. (Metal Box Group)	1970·10	—	50·00	1403·50*	176·60	340·00	1970·10

Includes an amount of Rs. 0200·00 lakhs of convertible bonds.

@Convertible bonds.

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. Lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
230·00	—	51·00	—	—	281·00	Diversification scheme envisaging setting up new projects for the manufacturing of of (i) 30,000 tonnes of sodium tripoly phosphate per annum at Midnapore; (ii) 3,000 tonnes of ossein, 6,000 tonnes of dicalcium phosphate and 15 tonnes of phenly ethyl alcohol per annum at Taloja; (iii) 6,000 tonnes of detergent powder per annum at Bari-Brahamana; and (iv) 4,000 tonnes of detergent bars/cakes per annum at Rampur.
62·50	—	—	—	—	62·50 (addl.)	Modernisation/renovation of the Company's jute mill.
50·00	—	—	—	—	50·00	Modernisation of the Company's composite textile mill with 76,424 spindles and 2,215 looms.
62·50	—	—	—	—	62·50 (addl.)	Modernisation of the Company's unit manufacturing textile machinery.
50·00	65·79 (Sw. Kr.)	—	25·00@	—	140·79	Diversification scheme envisaging the setting-up of a new unit for the manufacture of 6·75 million numbers of ball bearings, tapered roller bearings and cylindrical roller bearings per annum.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
WEST BENGAL (*contd.*)								
156.	M/s New Gujarat Cotton Mills Ltd., (i) Sijberia, Distt. Howrah. (ii) Howrah. (iii) & (iv) Ahmedabad, Gujarat. *Chairman and Managing Director* : K.K. Kanoria.	623·1	—	—	467·45	—	155·76	6231·21
157.	M/s. Papyrus Papers Ltd., Kalyani, Distt. Nadia. (Notified backward district) *Proposed Managing Director* : G.P. Kanoria.	448·00	160·00	—	273·00	—	15·00	448·00
158.	M/s Reliance Jute & Industries Ltd., Bhatpara, Distt. 24-Parganas. *Chairman and Managing Director* : P.K. Kanoria.	300·00	—	—	200·00	—	100·00	₹300·00
159.	M/s. Shaktigarh Textile & Industries Ltd., Shaktigarh, Distt. Burdwan. (Notified backward district). *Chairman* : H.P. Barat, *Managing Director* : S.K. Hada.	120·00	—	—	85·00	—	35·00	120·00
160.	M/s Steel & Allied Products Ltd., Calcutta. *Managing Director* : S.K. Mazumdar.	35·00	—	—	35·00	—	—	35·00
161.	M/s. Supreme Paper Mills Ltd., Raninagar, Distt. Nadia. (Notified backward district). *Director* : Nand Lal Todi.	395·00	135·00	—	245·00	—	15·00	
162.	M/s. Texmaco Ltd., (i) Belgharia. (ii) Agarpara, Near Calcutta *Chairman* : K.K. Birla, (Birla Group).	345·00	—	—	276·00	—	69·00	345·00

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. lakhs)

Financial assistance sanctioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project of purpose for which the assistance was sanctioned.
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares.	Debentures.			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
117·00	—	—	—	—	117·00	Modernisation, renovation and balancing scheme of the Company's jute mill at Sijberia and a spinning unit at Howrah and two composites textile mills at Ahmedabad.
75·00	—	20·00	—	—	95·00	New project for the manufacture of 10,270 tonnes of MG/MF bleached and unbleached papers per annum.
50·00	—	—	—	—	50·00	Modernisation-cum-renovation scheme envisaging replacement of some of the existing old and obsolete machinery and need-based renovation of the remaining machine.
30·00	—	—	—	—	30·00 (addl.)	Modernisation of the Company's textile mill with 25,056 spindles.
35·00	—	—	—	—	35·00 (addl.)	Modernisation scheme envisaging enlargement of product range, improvement of production process and repalcement of some of the existing machinery.
50·00	—	15·00	—	—	65·00	New integrated pulp and paper mill for the manufacture of 10,000 tonnes of writing, printing and kraft paper per annum.
50·00	—	—	—	—	50·00	Modernisation of Company's two units manufacturing textile machinery and sugar machinery.

APPENDIX A (*contd.*)

STATEMENT OF FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL

Sl. No.	Name of the concern and location of the project.	Cost of the project	Means of financing					
			Share capital		Loans	Deferred payments	Others (Including internal accruals)	Total
			Equity	Preference				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
	WEST BENGAL (*contd.*)							
163.	M/s Titaghur Paper Mills Company Ltd., (i) Titaghur. (ii) Kankinara, Distt. 24-Parganas. (iii) Choudwar, Distt. Cuttack, Orissa. *Chairman* : S.P. Puri. (Bird Heilgers Group).	1422·31	—	—	1050·00	—	617·00	1667·0
164.	M/s. Wabel Toolsind Ltd., Calcutta. *Chairman* : U. Chatterjee, *Managing Director* : N.K.S. Jhala.	44·76	18·00	—	26·76	—	—	44·76
	DELHI							
165.	M/s. Birla Cotton Spinning & Weaving Mills Ltd., Delhi. *Chairman* : K.K. Birla.	183·78	—	—	105·00	—	78·78	183·78
	GOA							
166.	M/s Madras Rubber Factory Ltd. Ponda. Goa. (Notified backward area). *Chairman and Managing Director* : K.M. Mammen Mappillai.	330·00	—	—	204·00	71.00	55.00	330·00
	TOTAL :	113336·10	14335·14	1757·00	77858·37	739·59	18336·48	113036·58@

Amount sanctioned by way of conversion from one facility to another in respect of assistance sanctioned to 50 concerns in earlier years—Rs. 49·53 lakhs (Rupee loans), Rs. 21·17 lakhs (in DM) and Rs. 24·29 lakhs (in Sw. Kr.)

*Direct subscription.

@The figure of the total cost of project(s) does not tally with the figure of sub-total of means of financing due to certain adjustments.

APPENDIX A (*contd.*)

FINANCE CORPORATION OF INDIA FROM JULY 1, 1977 TO JUNE 30, 1978

(Rs. lakhs)

Financial assistance sactioned (Gross) by IFCI						Particulars of the project or purpose for which the assistance was sanctioned
Rupee loans	Foreign currency loans (Rupee equivalent)	Underwritings		Guarantees	Total	
		Equity shares	Debentures			
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
100·00	—	—	—	—	100·00 (addl.)	Modernisation - cum- expansion scheme, envisaging, inter-alia, increase in the capacity of its three mills from 66,000 tonnes to 93,500 tonnes per annum.
—	—	3·38*	—		3·38	New project for the manufacture of 25,000 nos. of hand drills and angle grinders per annum.
26·25	—	—	—	—	26·25 (addl.)	Modernisation of the Company's textile mill.
50·00		—	—	—	50·00 (addl.)	For meeting a part of the increase in the capital cost consequent upon the revision of the scope of the project, so as to make the unit self-sufficient, for an expanded capacity of 5 lakh nos. of automobile tyres per annum.
10624·33	593·73	514·78	25·00	27·97	11785·90	

Notes :

(i) The name of 'Industrial Group' mentioned against certain concerns, relates to the group of inter-connected undertakings registered under Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969, according to the latest information available with the Corporation.

(ii) The names of Chairmen/Managing Directors etc., mentioned against individual concerns relate to the position as at the time of sanction of financial assistance.

(iii) Figures relating to 'Cost of the project' and 'Means of financing' are those envisaged at the time of sanction of financial assistance.

APPENDIX B

STATE/TERRITORY-WISE DISTRIBUTION OF NET FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED AS ON JUNE 30, 1978

(After adjustment of cancellations/withdrawals)

(Rs. lakhs)

State/Territory	No. of projects	Assistance sanctioned					% of Total
		Rupee loans	Foreign currency sub-loans	Under-writings/ Direct subscrip-tions	Guarantees for deferred payments on machinery and for foreign loans	Total	
Andhra Pradesh	83	3861·32	402·50	550·90	925·82	5740·44	7·5
Assam	11	610·43	115·86	377·50	—	1103·79	1·4
Bihar	48	2582·88	255·61	372·68	329·75	3540·92	4·6
Gujarat	79	5099·03	509·85	478·11	158·94	6245·93	8·2
Haryana	49	2136·88	341·01	270·27	19·08	2767·24	3·6
Himachal Pradesh	8	204·50	65·98	35·00	—	305·48	0·4
Jammu & Kashmir	5	205·00	—	—	—	205·00	0·3
Karnataka	80	4563·88	380·41	417·94	221·52	5583·75	7·3
Kerala	32	1831·00	297·27	119·50	172·47	2420·24	3·2
Madhya Pradesh	23	1202·46	259·01	309·49	39·82	1810·70	2·4
Maharashtra	194	11492·56	1233·46	833·57	375·93	13935·32	18·2
Meghalaya	2	280·00	—	4·09	—	284·0	0·4
Nagaland	1	50·00	—	—	—	50·00	0·1
Orissa	22	1282·23	218·57	130·00	—	1633·80	2·1
Punjab	28	1474·19	185·12	131·33	9·96	1800·60	2·4
Rajasthan	30	2357·95	200·50	197·14	786·14	3541·07	4·6
Tamil Nadu	95	5931·18	821·08	676·42	1231·31	8659·99	11·3
Tripura	1	80·00	—	—	—	80·00	0·1
Uttar Pradesh	109	7032·08	883·31	518·88	353·59	8787·86	11·5
West Bengal	112	4926·24	754·39	386·87	532·13	6599·63	8·6
Andaman & Nicobar Islands	1	27·50	11·93	—	—	39·43	0·1
Delhi	7	409·23	82·86	40·75	83·33	616·17	0·8
Goa	7	405·00	—	120·00	—	525·00	0·7
Pondicherry	2	92·00	—	9·35	8·16	109·51	0·2
TOTAL :	1029	58137·54	7018·42	5979·71	5247·88	76383·55	100·00

APPENDIX C

INDUSTRY-WISE DISTRIBUTION OF NET FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED AS PER THE NATIONAL INDUSTRIAL CLASSIFICATIONAS ON JUNE 30, 1978

(After adjustment of cancellations/withdrawals)

(Rs. lakhs)

N.I.C. Code Number	Industry Group	Assistance sanctioned						% of Total
		No. of projects	Rupee loans	Foreign currency sub-loans	Under-writings/ Direct subscriptions	Guarantees for deferred payments on machinery and for foreign loans	Total	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
	Mining and quarrying :							
100	—Coal mining	3	120·00	—	—	—	120·00	0·2
110	—Crude petroleum	1	—	—	350·00	—	350·00	0·5
120, 125, 127	—Metal ore mining	4	210·00	—	45·00	—	255·00	0·3
	Food Products :							
206	—Sugar	176	15951·78	7·86	85·34	—	16044·98	21·0
200, 201, 202, 210, 211, 212, 219, 222	—Other food products	12	248·50	7·41	31·40	—	287·31	0·4
231, 232, 24,1 244, 247, 248	Textile	162	8347·47	276·63	313·00	306·93	9244·03	12·1
251	Jute manufactures	27	1624·44	33·16	20·00	—	1677·50	2·2
270, 278	Wood products	9	247·26	182·96	43·00	—	473·22	0·6
280, 281	Paper and paper products	53	4148·43	763·51	622·39	551·16	6085·49	8·0
290	Leather products	8	187·75	13·57	40·00	—	241·32	0·3
300 to 303	Rubber products	20	1677·78	268·75	209·66	265·61	2421·70	3·2
	Chemicals and chemical products :							
310	—Basic industrial organic and inorganic chemicals and gases	45	2657·35	625·48	411·65	431·36	4125·84	5·4
311	—Fertilisers and pesticides	18	2647·90	59·65	526·53	1278·86	4512·94	5·9
316	—Synthetic an other man-made fibres	19	1176·40	596·07	182·95	73·99	2029·41	2·6
316	—Synthetic resins and plastic materials	11	415·00	260·04	100·00	—	775·04	1·0
305, 312 to 315, 318, 319	—Other chemicals and chemical products	33	719·90	165·19	171·78	—	1056·87	1·4
	Non-metallic mineral products :							
321	—Glass and glass products	15	454·67	126·57	57·00	—	638·24	0·8
	C/o	616	40834·63	3386·85	3209·60	2907·91	50338·99	65·9

APPENDIX C (*contd.*)

INDUSTRY-WISE DISTRIBUTION OF NET FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED AS PER THE NATIONAL INDUSTRIAL CLASSIFICATION AS ON JUNE 30, 1978

(*After adjustment of cancellations/withdrawals*)

(Rs. lakhs)

N.I.C. Code Number	Industry Group	Assistance sanctioned						% of Total
		No. of projects	Rupee loans	Foreign currency sub-loans	Under-wrting/ Direct subscrip-tions	Guarantees for deferred payments on machinery and for foreign loans	Total	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
	B/f.	616	40834·6	3386·85	3209·60	2907·99	50338·99	65·9
324,328	—Cement	46	3881·00	348·16	270·89	18·54	4518·59	5·9
320, 323, 329	—Other non-metallic mineral products	23	834·17	289·86	130·36	—	1254·39	1·6
	Basic metal and alloy industries :							
330 to 332	—Iron & steel and ferro-alloys	69	3167·88	568·44	678·29	103·26	4517·87	5·9
333 to 336, 339	—Non-ferrous metal industry	13	870·12	39·40	325·30	1945·65	3180·47	4·2
340, 341, 343, 344, 349	Metal products except machinery and transport equipment	40	944·44	310·90	253·69	62·78	1571·81	2·1
	Machinery except electrical machinery :							
350	—Agricultural equipment and parts	8	351·00	100·33	55·50	—	406·83	0·7
351 to 359	—Machinery and accessories	72	2038·47	911·07	312·80	103·76	3366·10	4·4
360 to 364, 367, 369	—Electrical machinery, apparatus, appliances and parts	50	1537·60	486·88	281·39	—	2305·87	3·0
	Transport equipment and parts :							
371, 372	—Locomotives, railway wagons and coaches	4	105·00	—	10·00	—	115·00	0·1
374	—Motor vehicles and parts	22	666·52	409·43	211·69	—	1287·64	1·7
375	—Motor cycles, auto cycles, scooters and parts	15	707·54	103·47	62·99	26·95	900·95	1·2
376	—Other transport equipment	3	198·20	8·85	—	—	207·05	0·3
261, 380, 382, 385	Miscellaneous manufacturing industries	9	190·60	54·78	36·00	—	281·38	0·4
40, 41	Electricity and gas	9	610·50	—	65·00	—	675·50	0·9
691	—Hotel industry	29	1199·87	—	62·60	79·03	1341·50	1·7
710	—Shipping industry	1	—	—	13·61	—	13·61	—
	TOTAL :	1029	58137·54	7018·42	5979·71	5247·88	76338·55	100·00

APPENDIX D

DISPOSAL OF APPLICATIONS FOR ASSISTANCE

(Excludes Soft Loans Scheme)

(Rs. Lakhs)

State/Territory	No. of concerns from whom applications were pending at the beginning of the year (1-7-1977)		No. of concerns from whom applications were received during the year		No. of concerns whose applications were withdrawn/closed/rejected during the year		No. of concerns whose applications were sanctioned assistance (gross) during the year		No. of concerns from whom applications were pending as on 30-6-1978	
	No.	Amount	No.	Amount	No.	Amount	No.	Amount	No.	Amount
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
Andhra Pradesh	4	880 50	16	27617.05	—	—	11	648 28	9	26095.80
Assam	—	—	1	168.73	—	—	—	—	1	168.73
Bihar	1	473 00	9	4724 17	—	—	6	231.75	4	4074.00
Gujarat	4	24517 00	6	3779.99	—	—	7	1489.25	3	2570 02
Haryana	3	476 60	3	80.58	—	—	5	114.65	1	64.00
Himachal Pradesh	—	—	3	622.70	—	—	2	96.48	1	84.00
Jammu & Kashmir	—	—	1	163.00	—	—	1	65.00	—	—
Karnataka	3	1172 00	11	10855.10	1	185.60	6	864.83	7	2490.50
Kerala	1	142.00	9	2162.65	—	—	7	370.00	3	416.00
Madhya Pradesh	—	—	4	1272.36	—	—	2	125.30	2	502.30
Maharashtra	6	1606 37	33	16995 90	—	—	18	840.46	21	14297.99
Orissa	1	379.00	5	1936.04	—	—	4	176.50	2	1553.54
Punjab	1	204.00	13	3317.83	—	—	7	379 69	7	2059.90
Rajasthan	2	139 00	10	4481.90	1	71.00	8	730.39	3	881.50
Tamil Nadu	11	6866.00	9	2370.70	3	1960.00	11	863.13	6	2154.20
Uttar Pradesh	6	2080 50	14	5944.15	—	—	13	1054.75	7	1822.40
West Bengal	4	2266.13	12	7832.15	1	106.00	8	745 17	7	5361 05
Goa, Daman & Diu	—	—	2	160.00	—	—	1	50 00	1	10.00
TOTAL :	47	41152 10	161	94485.00	6	2322 60	117	8845 63*	85	64605.93

* This does not include gross financial assistance on normal basis amounting to Rs. 278·77 lakhs sanctioned along with soft loans in respect of 11 concerns, who had applied for assistance under the Soft Loans Scheme.

Notes : (1) Number of concerns under columns, 2, 4, 6, 8 and 10 includes concerns which have/had applied for financial assistance *jointly* with other financial institutions.

(2) Amounts shown under columns 3, 5, 7 and 11 include financial assistance sought *jointly* with other financial institutions.

APPENDIX E

STATEMENT SHOWING INDUSTRY-WISE DISTRIBUTION OF NET FINANCIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA

After adjustment of

N.I.C. Code Number	Industry Group	Andhra Pradesh	Assam	Bihar	Gujarat	Haryana	Himachal Pradesh	Jammu & Kashmir	Karnataka	Kerala
	Mining and quarrying :									
100	—Coal mining	—	—	50.00	—	—	—	—	—	—
110	—Crude petroleum	—	350.00	—	—	—	—	—	—	—
120, 125, 127	—Metal ore mining	—	—	—	—	—	—	—	50.00	—
	Food products :									
206	—Sugar	1366.00	185 00	274.50	898.50	286.00	—	—	1425.59	180 00
200, 201, 202, 210, 211, 212, 219, 222	—Other food products	25.00	—	18 00	—	26.90	—	—	107.50	—
231, 232, 241, 244, 247, 248	Textile	395 44	26.17	127.70	944.20	345.23	77.00	105.00	460.33	209.68
251	Jute manufactures	98.00	78.50	34.00	—	—	—	—	—	—
270, 278	Wood products	102.72	100.74	—	7.00	—	—	—	—	139.80
280, 281	Paper and paper products	965.60	197.00	777.65	283.23	480.77	—	—	1149.80	117.34
290	Leather products	93.75	—	75.00	—	—	—	—	—	18.57
300 to 303	Rubber products	—	—	21 64	—	—	—	—	90.00	267 04
	Chemicals and chemical products :									
310	—Basic industrial organic and inorganic chemicals and gases	337 45	—	28.61	611.57	—	—	—	112.87	207.50
311	—Fertilisers and pesticides	963.29	36 38	—	1620 00	—	20 00	—	236.00	306.00
316	—Synthetic and other man-made fibres	—	—	—	1010.01	23.00	—	—	—	87.38
316	—Synthetic resins and plastic materials	177.24	90 00	—	63.50	—	—	—	15.00	
305, 312 to 315, 318, 319	—Other chemicals and chemical products	66.00	—	3.00	73.45	72.00	2 50	—	37.58	168 00
	C/o	4590.49	1063.79	1410.10	5511.46	1233 90	99.50	105.00	3684.67	1701.31

ASSISTANCE SANCTIONED FOR PROJECTS IN EACH STATE BY THE INDUSTRIAL AS ON JUNE 30, 1978

cancellations/withdrawals)

(Rs. Lakhs)

Madhya Pradesh	Maha-rashtra	Megha-laya	Naga-land	Orissa	Punjab	Rajas-than	Tamil Nadu	Tripura	Uttar Pradesh	West Bengal	Union Terri-tories	Total	No. of pro-jects
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	70.00	—	120.00	3
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	350·00	1
—	—	—	—	75.00		—	85.00	—	—	—	45.00	255.00	4
80.00	6194.70	—	50.00	205.00	382.50	162.00	1672.44	—	2532.75	—	150.00	16044.98	176
—	68.00	—	—	—	—	—	—	—	38.24	3.67	—	287.31	12
396.46	1591.70	—	—	310.38	504.29	655.93	782.64	—	1608.15	547.52	155.71	9244.03	162
—	—	—	—	145.00	—	—	—	80.00	40.00	1202.10	—	1677.60	27
29.00	—	—	—	—	—	—	—	—	—	20.00	73.96	473.22	9
—	330.72	—	—	252.08	85.33	—	159.31	—	555.98	681.33	49.35	6085.49	53
—	—	—	—	—	—	—	37.00	—	—	17.00	—	241.32	8
—	143.81	—	—	—	—	264.89	336.04	—	441.44	706.84	150.00	2421.70	20
—	790.97	—	—	129.29	—	4.00	1162.24	—	211.63	529.71	—	4125.84	45
80.00	31.50	—	—	—	—	253.98	395.00	—	495.79	—	75.00	4512.94	18
178.49	146.43	—	—	—	—	144.30	161.20	—	278.60	—	—	2029.41	19
—	294.30	—	—	—	—	—	105.00	—	30.00	—	—	775.04	11
22.38	91.85	14.09	—	27.00	58.00	—	222.82	—	153.20	45.00	—	1056.87	33
786.33	9683.98	14.09	50.00	1144.25	1030.12	1485.10	5118.69	80.00	6385.78	3823.17	699.02	49700.75	601

APPENDIX E (*contd*)

STATEMENT SHOWING INDUSTRY-WISE DISTRIBUTION OF NET FINANCIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA

(*After adjustment of*

N.I.C. Code Number	Industry Group	Andhra Pradesh	Assam	Bihar	Gujarat	Haryana	Himachal Pradesh	Jammu & Kashmir	Karnataka	Kerala
	B/f.	4590 49	1063.79	1410 10	5511.46	1233.90	99.50	105.00	3684.67	1701.31
	Non-metallic mineral products :									
321	—Glass and glass product	47 50	—	112.31	—	35.42	—	—	1.50	40.00
324, 328	—Cement	264.89	—	474.76	142.30	—	—	100.00	246.00	—
320, 323, 329	—Other non-metallic mineral products	22.23	—	284.14	83.58	101.98	—	—	2.85	—
	Basic metal and alloy industries :									
330 to 332	—Iron & steel and ferro-alloys	241.50	2.50	868.84	—	438.23	—	—	246.25	48.27
333 to 336, 339	—Non-ferrous metal industry	—	—	99.91	—	—	—	—	215.00	309.10
340, 341, 343, 344, 349	Metal products except machinery and transport equipment	—	—	—	47.00	247.00	—	—	72.36	—
	Machinery except electrical machinery :									
350	—Agricultural equipment and parts	—	—	—	—	109.99	—	—	32.50	33.00
351 to 359	—Machinery and accessories	121.74	—	87.86	371.59	116.62	93 48	—	304.35	—
360 to 364, 367, 369	Electrical machinery, apparatus, appliances and parts Transport equipment and parts :	216.96	—	32.00	—	196.92	—	—	342.94	257.88
371, 372	—Locomotives, railway wagons and coaches	—	—	15.00	—	—	—	—	70.00	—
374	—Motor vehicles and parts	—	—	25.00	—	—	—	—	282.33	—
375	—Motor cycles, auto cycles, scooters and parts	44.29	—	50.00	—	132.28	—	—	50.00	—
376	—Other transport equipment	—	—	—	—	67.85	—	—	—	—
261, 380, 382, 385	Miscellaneous manufacturing industries	6.34	—	—	—	87.05	93.00	—	—	30.68
40, 41	Elecricity and gas	—	37.50	—	90.00	—	—	—	—	—
691	Hotel industry	184.50	—	81.00	—	—	19.50	—	33.00	—
170	Shipping industry	—	—	—	—	—	—	—	—	—
	TOTAL :	5740.44	1103.79	3540.92	6445.93	2767.24	305.48	205.00	5583.75	2420.24
	No. of projects Statewise :	(83)	(11)	(48)	(79)	(49)	(8)	(5)	(80)	(32)

ASSISTANCE SANCTIONED FOR PROJECTS IN EACH STATE BY THE INDUSTRIAL
AS ON JUNE 30, 1978

cancellations/withdrawals)

(Rs. Lakhs)

Madhya Pradesh	Maha-rashtra	Megha-laya	Naga-land	Orissa	Punjab	Rajas-than	Tamil Nadu	Tripura	Uttar Pradesh	West Bengal	Union Terri-tories	Total	No. of pro-jects
786 33	9683 98	14 09	50 00	1144 25	1030.12	1485.10	5118.69	80.00	6385.78	3823.17	699 02	49700 75	601
—	54.83	—	—	—	—	—	—	—	203.67	143.01	—	638.24	15
529.59	—	270.00	—	136.00	- -	875.00	1180.05	—	300.00	—	—	4518.59	46
203.06	76.87	—	—	155.55	—	—	3.00	—	40.00	281.13	—	1254.39	23
48.71	1234.20	—	- -	195.00	288.10	102.73	165.07	—	360.22	278.25	—	4517.87	69
—	75.76	—	—	—	—	668.35	1188.50	—	75.00	548.85	—	3180.47	13
—	122.10	—	—	—	65.50	131.24	114.32	—	322.54	449.75	—	1571.81	40
—	118 39	—	—	—	107.95	—	15 00	—	90 00	—	- -	506 83	8
94.00	888.37	—	—	—	—	—	485.39	—	40.00	718.85	43.85	3366.10	72
90.06	450.11	—	—	—	90.04	192.74	40.88	—	142.82	106.93	145.59	2305.87	50
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	30.00	- -	115.00	4
58.95	636.04	—	- -	—	133.39	—	30.00	—	101.93	20.00	—	1287.64	22
—	157.05	—	—	—	43.00	37.50	204.34	—	125.00	57.49	—	900.95	15
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	139.20	—	207.05	3
—	20.91	—	—	—	42.50	—	—	—	0.90	- -	- -	281.38	9
—	115.00	- -	—	—	—	—	-	—	430.00	3.00	- -	675.50	9
—	288.10	- -	—	—	-	49 00	114.75	—	170.00	—	401.65	1341.50	29
—	13.61	- -	—	—	—	—	—	—	—		-	13.61	1
1810.70	13935.32	284 09	50.00	1630 80	1800 60	3541.66	8659.99	80 00	8787 86	6599 63	1290 11	76383.55	1029
(23)	(194)	(2)	(1)	(22)	(28)	(30)	(95)	(1)	(109)	(112)	(17)	(1029)	

APPENDIX F

CAPACITY UTILISATION OF SELECTED INDUSTRIES IN THE COUNTRY AND OF THE REPORTING ASSISTED CONCERNS OF IFCI DURING 1976 AND 1977

Industry	For the country				Reporting assisted concerns of IFCI			
	1976		1977		1976		1977	
	No. of units	Utilisation of capacity (%)	No. of units	Utilisation of capacity (%)	No. of units	Utilisation of capacity (%)	No. of units	Utilisation of capacity (%)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1. Chemicals & Chemical Products								
—Caustic Soda	32	71.5	33	73.0	5	47.2	5	61.7
—Liquid Chlorine	25	55.0	26	47.1	2	59.9	3	47.9
—Soda Ash	4	89.3	4	89.7	2	88.0	2	90.2
2. Fertilisers								
—Nitrogenous	29	62.7	29	66.1	4	66.1	3	68.7
—Phosphatic	40	52.5	41	66.7	2	61.8	2	82.7
3. Cement	54	86.6	55	88.0	8	92.2	6	84.6
4. Paper & Paper Board	75	77.4	75	72.1	14	77.1	15	75.3
5. Iron & Steel								
—Steel Castings	51	40.4	51	42.5	2	55.1	1	95.4
—Malleable Iron Castings	11	76.0	13	76 9	1	63.7	1	80.5
—Steel Ingots & Billets	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.	8	66.7	9	54.1
6. Machinery								
—Agricultural Tractors	11	66.3	11	71.2	2	72.8	3	70.5
—Power Tillers	4	16.5	4	9.5	1	4.8	2	8.0
7. Rubber Products								
—Automobile Tyres	14	82.1	16	82.0	3	63.9	5	51.2
—Automobile Tubes	14	63.4	16	67.3	3	57.5	5	42.4
8. Electrical Machinery & Apparatus								
—Electric Motors	33	60.3	37	60.6	2	68.2	1	106.0
—Transformers	32	67.4	33	72.8	3	77.8	3	70·6
—PILC Power Cables	12	71.9	12	75.7	1	22.6	1	21.8
—PVC Power Cables					1	70.0	1	82.8
9. Automobile Industry								
—Motor-cycles	4	87.7	4	81.9	5	67.9	6	43.5
—Scooters	4	76.3	5	69.4				
—Three-wheelers	2	63.0	2	83.5				
—Mopeds	3	48.6	3	45.9				
10. Synthetic Fibres								
—Nylon Filament Yarn	8	101·5	8	100·1	4	93·6	3	100·1
—Polyester Filament Yarn	6	100·9	6	119·7	3	85·3	3	98·0
11. Sugar								
—Cooperatives	120	93·8	130	115·4@	43	89·4	49	110·1
—Others	157		158		6	56·4	16	78·2
12. Cotton Textiles—								
—Yarn	702*	197·5 ((lakh spindles) 10060 (yarn) (lakh kgs)	704*	198·0 (lakh spindles) 8751 (yarn) (lakh kgs)	3	12·3 (lakh spindles) 606 yarn) (lakh kgs)	14·4 (lakh spindles) 731 (yarn) 41£ (lakh kgs.	
—Cloth		2.1 (lakh looms) 388·32 (cloth) (lakh metres)		2·1 (lakh looms) 33263 (cloth) (lakh metres)		0.06 (lakh looms) (1505 (cloth) (lakh metres)	0·05 (lakh looms) 913 (cloth) (lakh metres)	

@Based on production as on July 31, 1978 for the season 1977-78 (Provisional).
*Includes 290 composite mills.
£ Includes 8 composite mills.
$ Includes 7 composite mills.

Note: 1. Information in column 2, 3, 4 and 5 are based on the Annual Reports of the Ministries of Industry, Petroleum, Chemicals & Fertilizers (Deptt. of Chemicals and Fertilisers), Agricutural & Irrigation (Deptt. of Food); Directorate of Sugar etc. Vanaspati; and National Cooperative Depevelment Corporation. Figures in respect of scotton textiles pertain to retails.

2. Information in columns 6, 7, 8 and 9 are based on replies to the Corporation's questionaire received from the assisted concerns.

APPENDIX G

SIZE-WISE DISTRIBUTION OF NET FINANCIAL ASSISTANCE SANCTIONED BY THE INDUSTRIAL FINANCE COPORATION OF INDIA AS ON JUNE 30, 1978

(According to amount sanctioned for each industrial concern)

(Rs. lakhs)

	Cooperatives		Limited Companies					Total				
	No. of concerns	Loans	No. of concerns	Loans	Underwritings/ Direct subscriptions	Guarantees for deferred payments on machinery and for foreign loans	Total	No. of concerns	Loans	Underwritings/ Direct subscriptions	Guarantees for deferred payments on machinery and for foreign loans	Total
1. Amounts not exceeding Rs. 10 lakhs.	—	—	91	278·54	235·13	—	513·67	91	278·54	235·13	—	513·67
2. Amounts exceeding Rs. 10 lakhs but not exceeding Rs. 20 lakhs.	1	20·00	56	705·37	191·58	—	896·95	57	725·37	191·58	—	916·95
3. Amounts exceeding Rs. 20 lakhs but not exceeding Rs. 30 lakhs	3	75·20	61	1403·03	186·00	3·71	1592·74	64	1478·23	186·00	3·71	1667·94
4. Amounts exceeding Rs. 30 lakhs but not exceeding Rs. 40 lakhs	11	406·50	86	2725·92	325·50	25·28	3076·70	97	3132·42	325·50	25·28	3483·20
5. Amounts exceeding Rs. 40 lakhs but not exceeding Rs. 50 lakhs	9	424·50	84	3406·94	463·52	38·68	3909·14	93	3831·44	463·52	38·68	4333·64
6. Amounts exceeding Rs. 50 lakhs but not exceeding Rs. 50 lakhs	13	733·75	48	2322·82	319·13	—	2641·95	61	3056·57	319·13	—	3375·70
7. Amounts exceeding Rs. 60 lakhs but not exceeding Rs. 70 lakhs	10	654·50	45	2686·67	195·38	58·75	2940·80	55	3341·17	195·38	58·75	3595·30
8. Amounts exceeding Rs. 70 lakhs but not exceeding Rs. 80 lakhs	16	1241·00	32	2175·05	227·59	24·99	2427·63	48	3416·05	227·59	24·99	3668·63
9. Amounts exceeding Rs. 80 lakhs but not exceeding Rs. 90 lakhs	35	3099·93	37	2792·81	376·77	—	3169·58	72	5892·74	376·77	—	6269·51
10. Amounts exceeding Rs. 90 lakhs but not exceeding Rs. 1 crore	18	1778·00	28	2348·03	281·15	79·65	2708·83	46	4126·03	281·15	79·65	4486·83
11. Amounts exceeding Rs. 1 crore	48	7308·27	161	28569·13	3177 96	5016·82	36763·91	209	35877·40	3177·96	5016·82	44072·18
TOTAL	164	15741·65	729	49414·31	5979·71	5247·88	60641·90	893	65155·96	5979·71	5247·88	76383·55

APPENDIX H

TERMS OF CONCESSIONAL FINANCE

(As on June 30, 1978)

With a view to providing greater inducement to entrepreneurs to spread out in relatively under-developed areas in the country, the Industrial Finance Corporation of India (IFCI) is operating a scheme of providing financial assistance on concessional terms to industrial projects in such areas since 1970. The scheme now covers all industrial projects including hotles—new, expansion of rehabilitation in the corporate as well as cooperative sectors, irrespective of their capital cost. The principal features of the revised scheme of concessional finance for units in identified less developed districts/areas would be as under :

1 *Location* :

All industrial projects located/to be located in the districts in the various States or Union Territories selected for such assistance by the Central Government from time to time are eligible for assistance on concessional terms.

2 *Scope of the Scheme* :

Concessional finance is extended to all eligible industrial projects (including hotles)—new and expansion—both in the corporate (limited companies) as well as cooperative sectors. Concessional terms are applicable to assistance granted by the Corporation by way of rehabilitation finance to units located in notified less developed districts/areas on the same basis as applicable to new and expansion projects.

3. *Ceiling on Assistance* :

The overall ceiling in respect of loans including deferred payment gurantees extended on concessional terms from the Corporation individually, unless other institutions also participate and extend concessional finance upto Rs. 2.00 crores on a *pro rata* basis, has been fixed at Rs. 1.00 crore. The sum of Rs. 1.00 crore, however, includes outstanding rupee assistance, if any already granted on concessional terms. Underwriting assistance from the term financing institutions including the Corporation is made available at concessional terms upto a ceiling of Rs. 1.00 crore in the aggregate, irrespective of the cost of the project.

4 *Terms* :

(i) Rate of interest

As against the normal current rate of interest on rupee and foreign currency loans at 11%, lower rate of interest viz., 9.5% and 10% on rupee and foreign currency loans respectively is chargeable under the scheme.

(ii) Period of repayment of loans

The Corporation's normal practice is to allow initial moratorium upto 3 years to an assisted concern before the first repayment of the principal amount of the loan commences. In the case of undertakings in the less developed districts/areas, this period is extended upto five years from the date of first disbursement of the loan, on a case to case basis, having regard to the projections of profitability and ways means position of concern. Likewise, against the normay period allowed for repayment of loans, the period in the case of projects coming up in less developed districts/areas may be extended on the merits of each case having regard to the concern's profitability potential and cash flow position.

(iii) Promoters' contribution and equity-debt ratio

A contribution of about 17.5% by promoters to the total project cost and somewhat liberal equity-debt ration is considered on the merits of each case having regard to the financial status and standing of the promoters, gestation period of a particular project, its profitability potential and other relevant factors.

(iv) Participation in equity and preference capital

Depending on the merits of each case, the Corporation would be prepared to consider participation by way of underwriting or otherwise in the share capital of an industrial concern located in less developed districts/areas to a greater extent as compared to projects located elsewhere.

(v) Reduction in other charges

In the case of Rupee Loans, 50% reduction would be made in the Corporation's normal charges in respect of commitment charge and legal charges while 25% reduction is permissible in the net effective rate of commission on deferred payment guarantees. Fifty per cent reduction would also be made in the Corporation's normal charges in respect of underwriting commission.

APPENDIX I

CONSOLIDATED LIST OF DISTRICTS/AREAS NOTIFIED BY THE CENTRAL GOVERNMENT AS QUALIFYING FOR CONCESSIONAL FINANCE FROM PUBLIC FINANCIAL INSTITUTIONS

(As on July 1, 1978)

States & Selected Districts

1. *Andhra Pradesh*—Anantapur, Chittoor, Cuddapah, Karimnagar, Khammam, Kurnool, Mehbubnagar, Medak, Nalgonda, Nellore, Nizamabad, Ongole (Prakasam), Srikakulam" and Warangal.

2. *Assam*—Cachar,* Goalpara*, Kamrup*, Mikir Hills*, North Cachar Hills, New Lakhimpur* and Nowgong*.

3. *Bihar*—Aurangabad, Begusarai, Bhagalpur*, Bhojpur, Champaran*£. Darbhanga*£, Gaya, Monghyr, Muzaffarpur £, Nalanda, Nawadah, Palamau*, Purnea£; Saharsa*, Santhal Parganas* and Saran £.

4. *Gujarat*—Amreli, Banaskantha, Bhavnagar, Broach*, Junagadh, Kutch, Mehsana, Panchmahals*, Sarbarkantha and Surendernagar*.

5. *Haryana*—Bhiwani, Hissar $, Jind and Mohindergarh $.

6. *Himachal Pradesh*—Chamba*, Kangra*£, Kinnaur, Kulu*, Lahaul and Spiti, Sirmur* and Solan*.

7. *Jammu & Kashmir*—Anantnag*, , Baramulla*, Doda* Jammu*, Kathua, Ladakh, Poonch*, Rajori, Srinagar* and Udhampur.

8. *Karnataka*—Belgaum, Bidar, Bijapur, Dharwar*, Gulbarga, Hassan, Mysore*, North Kanara, Raichur*, South Kanara and Tumkur.

9. *Kerala*—Alleppey*, Cannanore*, Malapuram*, Trichur and Trivandrum.

10. *Madhya Pradesh*—Balaghat, Bastar, Betul, Bilaspur, Bhind, Chhatarpur, Chindwara, Damoh, Datia, Dhar, Dewas, Guna, Hoshangabad, Jhabua, Khargone, Mandla, Mandsaur, Morena, Narsimhapur, Panna, Raigarh, Raipur, Raisen, Rajgarh, Rajnandgaon, Ratlam, Rewa, Sagar, Seoni, Shajapur, Shivpuri, Sidho, Surguja, Tikamgarh, Vidisha and Schore.

11. *Maharashtra*—Aurangabad*, Bhandara, Bhir, Buldhana, Chandrapur*, Colaba, Dhulia, Jalgaon, Nanded, Osmanabad, Parbhani, Ratnagiri* and Yeotmal.

12. *Manipur*—All the 5 districts*.

13. *Meghalaya*—Garo Hills* and United Khasi & Jaintia Hills*£.

14. *Nagaland*—Kohima*, Mokokchung* and Tuensang*.

15. *Orissa*—Balasore, Bolangir*, Dhenkanal*, Kalahandi*, Keonjhar*, Koraput*, Mayurbhanj* and Phulbani.

16. *Punjab*—Bhatinda*£, Ferozepur $, Gurdaspur, Hoshiarpur* and Sangrur*.

17. *Rajasthan*—Alwar*, Banswara, Barmer, Bhilwara*, Churu*, Dungarpur, Jaisalmer, Jalore, Jhunjhunu, Jhalawar, Jodhpur*, Nagaur*, Sikar, Sirohi, Tonk and Udaipur*.

18. *Sikkim*—All the 4 districts of Gangtok*, Gyalshing*, Mangan* and Namchi*.

19. *Tamil Nadu*—Dharmapuri, Kanyakumari, Madurai, North Arcot, Pudukkottai, Ramanathapuram, South Arcot, Thanjavur and Tiruchirapalli.

20. *Tripura*—All the 3 districts*.

21. *Uttar Pradesh*—Almora*, Azamgarh, Badaun, Bahraich, Ballia*, Banda, Barabanki, Basti*, Bulandshahr, Chamoli, Deoria, Etah, Etawah, Faizabad*, Farrukhabad, Fatehpur, Garhwal, Ghazipur, Gonda, Hamirpur, Hardoi, Jalaun, Jaunpur, Jhansi*£, Mainpuri, Mathura, Moradabad, Pilibhit, Pithoragarh, Pratapgarh, Rae Bareli*, Rampur, Shahjahanpur, Sitapur, Sultanpur, Tehri Garhwal, Unnao and Uttar Kashi.

22. *West Bengal*—Bankura, Birbhum, Burdwan, Cooch-Behar, Darjeeling, Hooghly, Jalpaiguri, Malda, Midnapur*, Murshidabad, Nadia*, Purulia* and West Dinajpur.

Union Territories :

1. Andaman & Nicobar Islands*—Entire area.
2. Arunachal Pradesh*—Entire area.
3. Dadra & Nagar Haveli*—Entire area.
4. Goa, Daman & Diu*—Entire area.
5. Lakshadweep*—Entire area.
6. Mizoram* Entire area
7. Pondicherry* Entire area

*These districts/areas are eligible for the Central scheme of investment subsidy.

£District as it existed prior to its recent reorganisation.

$District as reorganised recently.

Notes :

(i) Andhra Pradesh

Srikakulam district and Five Areas :

Two 'Areas' from Rayalaseema region comprising 22 blocks viz., Chittoor@, Bangarupalem@, Pulicherla@, Pattur@, Chandragiri and Kalahasthi@ (from Chittoor district) and Kodur, Rajampet, Sidhout, Cuddapah, Kamalapuram, Proddatur and Pulivendla (from Cuddapah district); and Tadpatri, Singanamala, Gooty, Kudair@ (from Anantapur district), and Dhone, Kurnool, Banganapalli@, Nandyal@ and Giddalur@ (from Kurnool district); three 'Areas' from Telangana region comprising 43 blocks viz., Mahbubnagar@, Jadcherla@, Shadnagar@, Kalwakurthy and Amangal (from Mahbubnagar district); and Nalgonda, Mungadi, Nakrakal, Suryapet, Kodad@, Kuzurnagar@, Mirgalaguda@, Peddavora@ and Devarakonda@ (from Nalgonda district); Khammam, Thirumalaipalem, Kallur@, Yellandu@, Kothagudam@, Aswaraopeta@, Burgampad@ and Bhadrachalam@ (from Khammam district); and Mahbubabad, Narsampet, Hanamkonda, Ghanapur@, Jangaon@ and Mulug@ (from Warangal district): Zaheerabad@, Patancheruvu@, Narsapur@, Medak@ and Siddipet (from Medak district); Yedapalli@, Nizamabad@, Kamareddy@ and Damokonda@ (from Nizamabad district); and Sircilla@, Karimnagar, Sultanagad, Peddapalli, Manthani@ and Huzurabad (from Karimnagar district) are eligible for the Central scheme of investment subsidy.

(ii) Haryana

Reorganised Mohindergarh district (comprising Mohindergarh and Rewari@ Sub-Divisions), Bhiwani district (comprising Bhiwani and Dadri†@ Sub Divisions) and one 'Area' comprising 8 Blocks viz., Hissar Block No. 1 and Barwala Block (of Hissar Tehsil), Hansi Block No. 1 (from Hansi Tehsil), Bahuna Block(from Fatehbad Tehsil), Tohana Block/Tehsil (from Tohana Tehsil)—from the district of Hissar, Jind Block and Julana Block (from Jind Tehsil), Uchana Block (Narwana Tehsil)—from the district of Jind —are eligible for the Central scheme of investment subsidy.

(iii) Madhya Pradesh

Six Areas

The 'Area' from Eeastern Region comprising 12 blocks viz., Korba, Baloda, Champa, Kota, Masturi and Bilha (Bilaspur) blocks (from Bilaspur district); Bhatapara, Simga, Tilda, Dharsiwa (Raipur), Abhanpur and Dajim blocks (from Raipur district); the 'Area' @ from Northern Region comprising 9 blocks viz., Shivpuri & Karera (from Shivpuri district); Datia & Seondha (from Datia district); Bhind, Meghaon and Gohad (from Bhind district) and Morena and Jaura (from Morena district); the 'Area' from Western Region comprising 10 blocks viz., Dewas and Tonk Khurad blocks (from Dewas district), Gulana, Shujalpur and Shajapur blocks (from Shajapur district); Panchor (Sarangpur) and Biaora blocks (from Rajgarh district) and Chachaura, Raghogarh and Guna Blocks (from Guna district); the 'Area' @ from Western Region (II) comprising 12 blocks viz., Potlawad and Meghnagar (from Jhabua district), Badnawar, Dhar and Nalcha (from Dhar District), Maheshwar and Barwaha (from Khargone district), Ratlam and Jaura (from Ratlam district), Mandsaur, Mahargarh and Neemuch (from Mandsaur district); the 'Area' @ from Central Region comprising 11 blocks viz., Bina, Itawa, Khuri, Banda (Binaika), Rahatgarh, Sagar, Shahgarh (Amarmau) (from Sagar district), Tikamgarh and Baldeogarh (from Tikamgarh district), Vidisha and Gyaraspur (from Vidisha district) and Chhatarpur (from Chhatarpur district); the 'Area' @ from North Eastern Region comprising 11 blocks viz., Rewa and Raipur (Garh) (from Rewa district), Majhauli, Sidhi, Deosar and Waidhan (from Sidhi district), Sonhat, Baikunthpur, Mahendargarh, Surajpur and Ambikapur (from Surguja district) are eligible for the Central scheme of investment subsidy.

(iv) Tamil Nadu

Three Areas/Tracts comprising 33 Taluks :

One 'Area' comprising 12 Taluks (including Sub-taluks) viz., Ramanathapuram, Mudukulathur, Sivaganga, Parmakudi, Thiruvadani, Karaikudi and Thirupathur Taluks (from Ramanathapuram district), Melur Taluk (from Madurai district), Pudukkottai, Thirumayam, Alangudi and Kulathur Taluks (from Pudukkottai district), two 'Areas' @ one comprising 11 Taluks of Dharmapuri, Palacode, Hosur, Denkanikottah, Krishnagiri, Uthangarai, Harur (from Dharmapuri district), Tirupattur, Vaniyambadi, Vellore, Walajapet (from North Arcot district) and the other area comprising 10 Taluks of Aruppukottai, Virudhunagar, Sattur, Srivilliputtur, Rajapalayam (from West Ramanathapuram of Ramanathapuram district), Tirumangalam, Usilampatti, Nilakottai, Dindigul and Vedasandur (from Madurai district) are eligible for the Central scheme of investment subsidy.

In respect of Union Territories Nos. 4 and 7 the entire district excluding the area within the Municipal limits of their capitals is eligible for the Central scheme of investment subsidy.

@ Represents Districts/Sub-Divisions/Taluks/Blocks/Tehsils selected after 10-7-72.

†Represents districts as they existed prior to their recent reorganisation.

OFFICERS OF THE CORPORATION

HEAD OFFICE

PRINCIPAL OFFICERS

Baldev Pasricha—*Chairman*

M. S. Nagratha
General Manager

P. S. Gopalakrishnan
Joint General Manager

M. N. Khushu
Dy. General Manager

S. S. L. Gupta
Asstt. Legal Odviser

S. K. Rishi
Sr. Manager (Tech.)

Dr. M. P. Khera
Technical Adviser

A. K. Ghose
Legal Adviser

R. N. Sahoo
Dy. General Manager

N. Krishnaswamy*
Sr. Manager (Personnel)

K. C. Hukmani
Sr. Manager (Tech.)

P. Brahmachari
Sr. Manager (Tech.)

D. N. Davar
Joint General Manager

Dr. J. C. Rao
Economic and Statistical Adviser

P. S. Gurung
Dy. Technical Adviser

V. S. R. K. Sastry
Sr. Manager

S. P. Banerjee
Sr. Manager (Tech.)

Projects Department

Dr. B Bhatia
Manager

S. K Jain
Manager

K. G. Jindal
Manager

V. P. Kamath
Manager

B. K. Malhotra
Manager (Tech.)

Sunand Mitra
Manager (Tech.)

Dr. N. Mohapatra
Manager (Tech.)

K. Radhakrishna
Manager

M. R. Ganapathi Rao
Manager

C. D. Reddy
Manager (Tech.)

R. Subramanian
Manager

V. K. Agrawal
Asstt. Manager

V. K. Dhawan
Asstt. Manager

L. N. Kansra
Asstt. Manager

S. C. Kumar
Asstt. Manager

V. K. Maheswari
Asstt. Manager

N. K. Sawhney
Asstt. Manager (Tech.)

S. M. Tulsiani
Asstt. Manager

T. V. Venkitachalam
Asstt. Manager

H. R. Verma
Asstt. Manager

Advisory Services Department

B. M. Aggarwal
Manager (Tech.)

S. C. Banerjee
Manager

A. S. Khurana
Manager (Tech.)

K. K. Varshney
Manager (Tech.)

K. K. Garg
Asstt. Manager (Tech.)

P. Guptra
Asstt. Manager (Tech.)

K. K. Kathuria
Asstt. Manager (Tech.)

M. V. Muthu
Asstt. Manager (Tech.)

Legal Department

P. S. Balasubramanyan
Manager (Law)

K. R. Kalra
Asstt. Manager (Law)

K. Sankaran
Asstt. Manager (Law)

Accounts Department

P. N. Agrawal
Manager

H. C. Anand
Asstt. Manager

A. N. Gupta
Asstt. Manager

Internal Audit & Inspection Department

M. V. Kulkarni
Manager

B. K. Gupta
Asstt. Manager

Economic & Planning Department

K. Ramanujam
Manager

K. S. V. Menon
Asstt. Manager

Administration Department

M. L. Kapoor
Manager

Mohan Singh
Asstt. Manager

Foreign Currency Loans Department

S. K. Jain
*Manager****

Management & Productivity Services Department

Brij Mohan
Adviser (Productivity Services & Training)

Smt. S. P. Lavakare
Asstt. Manager (Training)

Board & Coordination Department

G. S. Saxena
Manager

A. K. Vadhera
Asstt. Manager (Tech.)

Statistics Department

V. S. R. K. Sastry
*Sr. Manager***

G. Narayanamoorthy
Manager

Personnel Department

N. Krishnaswamy*
*Sr. Manager***

A. S. Tirumulpad
Asstt. Manager

Public Relations Department

H. S. Soni
Manager
(Public Relations)

(*) On deputation to the Indian Institute of Management, Bangalore.

(**) Also included in the list of Principal Officers.

(***) Also included in the list of Officers in Projects Department.

OTHER OFFICES

Bombay

R. R. Rao—*Assistant General Manager*

L.N. Jadhvani
Sr. Manager

S. P. Guptra
Manager (Tech.)

R. K. Sharma
Manager (Tech.)

P. N. Mehrotra
Manager (Tech.)

C. P. Bhan
Manager (Law)

M. K. Keswani
Asstt. Manager

R. S. Rajput
Asstt. Manager

R. L. Shangari
Asstt. Manager (Tech.)

N. S. Joshi
Asstt. Manager (Law)

CALCUTTA

S. K. Bhattacharya—*Assistant General Manager*

F. M. Patnaik
Sr. Manager (Tech.)

S. R. Gurswamy
Manager

S. L. Mitra
Manager (Law)

S. Sundarajan—*Manager (Tech.)*

K. P. G. Nair—*Asstt. Manager*

A. R. Ghosh—*Asstt. Manager*

P. K. Ghosh—*Asstt. Manager (Law)*

C. D. Ghosh—*Asstt. Manager (Tech.)*

T. Ganguli—*Asstt. Manager (Tech.)*

MADRAS

D. G. Ramaiah—*Assistant General Manager*

V. Ramachandran—*Manager*

R. L. Srivastava—*Manager (Tech.)*

B. N. Banerjee—*Manager (Law)*

G. B. K. Pillai—*Asstt. Manager*

A. C. Ahuja—*Asstt. Manager (Tech.)*

DELHI

H. C. Sharma—*Regional Manager*

L. C. Arora—*Manager (Tech.)*

H. V. Subba Rao—*Manager*

H. Kodanda Ramiah—*Manager (Law)*

S. C. Jain—*Asstt. Manager*

V. S. Gupta—*Asstt. Manager (Tech.)*

AHMEDABAD

G. Viswanathan—*Manager*

P. V. Markandeyulu
Asstt. Manager (Law)

BANGALORE

S. C. Bhansali—*Manager*

B. M. Dhar—*Asstt. Manager (Law)*

R. S. Sharma—*Asstt. Manager (Tech.)*

A. S. C. Menon—*Asstt. Manager (Tech.)*

HYDERABAD

M. M. Menon—*Manager*

M. R. Rao—*Manager (Law)*

A. K. B. Nair—*Asstt. Manager*

J. D. Chougule—*Asstt. Manager (Tech.)*

KANPUR

R. K. Arora—*Manager*

S. R. Patel—*Asstt. Manager (Law)*

B. B. Lal—*Asstt. Manager*

B. P. Mishra—*Asstt. Manager (Tech.)*

R. L. Srivastava—*Asstt. Manager (Tech.)*

BHOPAL

S. M. Sirsikar—*Officer-in-Charge*

CHANDIGARH

G. D. Narang—*Officer-in-Charge*

GAUHATI

K. P. Sridharan—*Officer-in-Charge*

NAGPUR

M. G. Chaturvedi—*Officer-in-Charge*

BHUBANESWAR

P. K. Sengupta—*Officer-in-Charge*

COCHIN

N. Sivaraman—*Officer-in-Charge*

JAIPUR

B. B. Huria—*Officer-in-Charge*

PATNA

A. K. Roychowdhury—*Officer-in-Charge*

PUNE

M. V. Divekar—*Officer-in-Charge.*

OFFICES OF THE CORPORATION

HEAD OFFICE

	Telephone		*Telex*	*Gram*
Bank of Baroda Building, 16, Parliament Street, Post Box No. 363, NEW DELHI-110001.	312052 (eleven lines) 388561/63 388609 388820 389588	ND	2623	FINCO

OTHER OFFICES

AHMEDABAD

IFC Bhawan, Chimanlal Girdharilal Road, Post Box No. 4049, AHMEDABAD-380009.	45933 45984	AM	436	FINCODIA

BANGALORE

IFC Bhawan, 2, Cubbonpet, Main Road, BANGALORE-560002.	71062			FINCO

BHOPAL

Red Cross Plot, Link Road No. 2, Shivaji Nagar, BHOPAL-462006.	62433			FINCO

BHUBANESWAR

20, Udyan Marg, Forest Park Area, BHUBANESWAR-751009.	51279			FINCODIA

BOMBAY

Regent Chambers (5th Floor), Backbay Reclamation, Nariman Point, BOMBAY-400021.	235047 235087 235224 235357 235373	BY	2773	FINCORPIN

CALCUTTA

4, Mangoe Lane (2nd Floor), P. B. No. 2483, CALCUTTA-700001.	231293 230941/44	CA	7463	FINCODIA

CHANDIGARH

Oriental Bank of Commerce Building, (2nd Floor), Bank Square, Sector 17-B, P. B. No. 97, CHANDIGARH-160017.	26347			IFCICHA

COCHIN

'Karuna' (2nd Floor), XXXIII/1311-D, Mahatma Gandhi Road, P. B. No. 1137, Ernakulam, COCHIN-682011.	34570			FINCO

DELHI

Indian Red Cross Society Building, (5th Floor), 1, Red Cross Road, Post Box No. 183, NEW DELHI-110001.	381994 389667 389715			INDFINCORP

	Telephone		*Telex*	*Gram*
GAUHATI				
G. N. Bordoloi Road, Panbazar, P. B. No. 30, GAUHATI-781001.	27245			FINCORP
HYDERABAD				
IFC Bhawan, 3-6-15, Himayatangar, Post Box No. 1037, HYDERABAD-500029.	38053 38019 34824	HD	429	FINFINCO
JAIPUR				
Jamnalal Bajaj Marg, Near Civil Lines, Railway Crossing, JAIPUR-302001.	63448			IFCJAI
KANPUR				
Upper India Chamber of Commerce Building, 14/69 Civil Lines, P. B. No. 319. KANPUR-208001.	61366 67620	KP	260	FINCORP
MADRAS				
14, Sterling Road, Nungambakkam, P. B. No. 3318, MADRAS-600034.	85087 86595 86596	MS	445	FINCORPIN
NAGPUR				
266, Bajaj Nagar NAGPUR-440010.	33416			FINCO
PATNA				
43, Patalipputra Colony, PATNA-800013.	62365			FINCO
PUNE				
9 Galaxy, 353-A, Boat Club Road, PUNE-411001.	25310			FINCODIA

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1978